



कॉफी बोर्ड, बेंगलूरु  
Coffee Board, Bengaluru

# 85वीं वार्षिक रिपोर्ट

## 85<sup>th</sup> ANNUAL REPORT

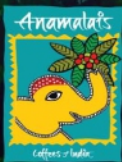
### 2024-25

Discover  
Indian Coffees  
Taste Nature

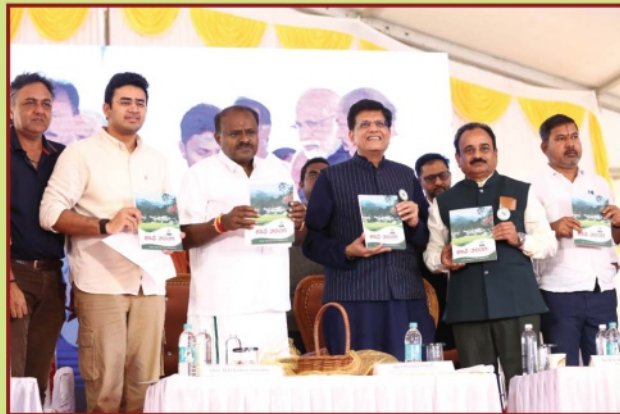
#### Speciality Coffees



#### Regional Coffees



**Hon'ble Minister of Commerce and Industry Shri Piyush Goyal visited to Coffee Growers Conference at Sakaleshpura during December 2024**



**Chintan Shivir for Plantation Boards held at Kodagu during May 2024**



## विषय-वस्तु

	अध्याय	पृष्ठ सं.
	2024 - 25 एक परिदृश्य	1
I	कार्यकारी सारांश	9
II	बोर्ड का गठन एवं कार्य	16
III	प्रशासन एवं स्थापना	21
III (क)	दिव्यांग कर्मियों का विवरण	30
IV	कॉफ़ी अनुसंधान	31
V	विस्तार एवं विकास	44
VI	बाज़ार विकास एवं प्रसंस्करण हेतु समर्थन	55
VII	निर्यात प्रोन्नयन	59
VIII	बाज़ार अनुसंधान एवं आसूचना	78
IX	लेखा एवं वित्त	80

प्रस्तुत रिपोर्ट मूलतः अंग्रेज़ी में लिखित वार्षिक रिपोर्ट का हिंदी अनुवाद है।  
यदि इस रिपोर्ट में कोई विसंगति परिलक्षित होती है, तो अंग्रेज़ी में लिखित रिपोर्ट मान्य होगा।



## 2024-25 – एक परिदृश्य

मुझे वर्ष 2024-2025 के कॉफी बोर्ड की 85वीं वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए अत्यंत प्रसन्नता हो रही है।

### वैश्विक अवलोकन

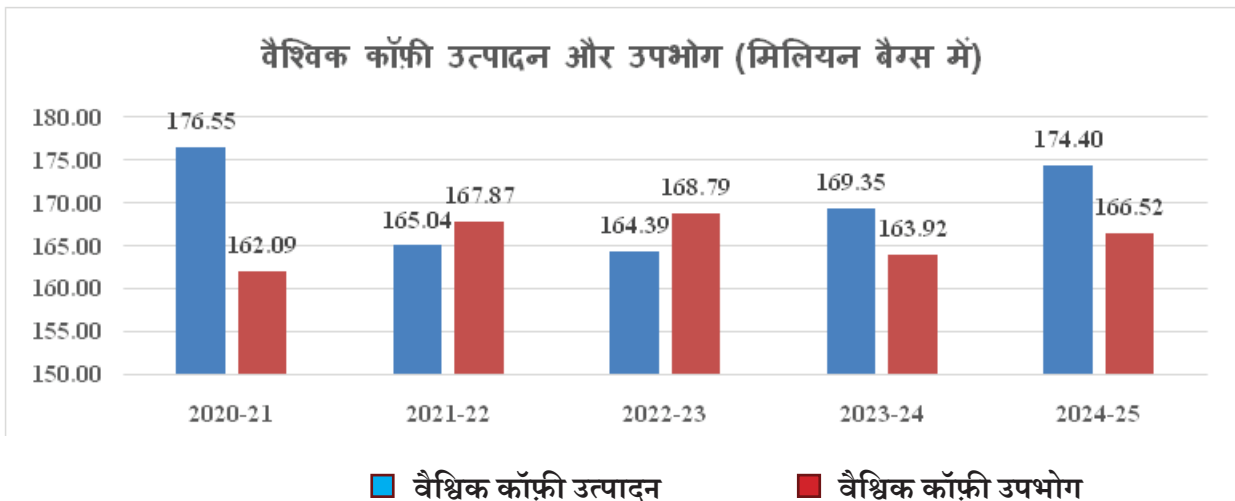
कॉफी सबसे व्यापक रूप से व्यापार किए जाने वाली उष्णकटिबंधीय उत्पाद है, जिसमें 25 मिलियन तक किसान परिवार कॉफी की कृषि पर निर्भर हैं। विकासशील देशों में उत्पादन केंद्रित है, जहां कॉफी के निर्यात से अधिक आय प्राप्त होती है और जो परिवारों के लिए आजीविका का एक प्रमुख स्रोत प्रदान करता है। ब्राजील (39%) और वियतनाम (17%) कॉफी के सबसे बड़े उत्पादक देश हैं, जो वैश्विक कॉफी उत्पादन का लगभग 56% हिस्सेदार हैं। वैश्विक कॉफी उत्पादन में लगभग 3.50% हिस्सेदारी के साथ भारत, विश्व में कॉफी का 7वां सबसे बड़ा उत्पादक देश है। उत्पादक देशों के लिए कॉफी मुख्य रूप से एक निर्यातोन्मुख वस्तु है। कॉफी उत्पादक देशों से कॉफी का कुल निर्यात के लगभग 5% हिस्से के साथ भारत, वैश्विक स्तर पर कॉफी उत्पादक देशों में से पांचवां सबसे बड़ा निर्यातक है।

विश्व में सबसे अधिक पिए जाने वाले पेय पदार्थों में से कॉफी एक है। हर दिन लगभग 3 बिलियन लोग कॉफी का आनंद लेते हैं। वैश्विक स्तर पर यूरोपीय संघ और संयुक्त राज्य अमेरिका सबसे बड़े उपभोक्ता और आयातक बाजार हैं, दोनों मिलकर वैश्विक कॉफी आयात का लगभग 42% हिस्सेदार हैं।

भारत, विश्व स्तर पर बेहतरीन कॉफी उत्पादन के लिए प्रसिद्ध है। भारतीय उच्च-गुणवत्ता कॉफी अंतरराष्ट्रीय बाजारों में प्रीमियम कीमतों पर बिक रही है, खासकर भारतीय रोबस्टा, जो अपनी उत्कृष्ट सम्मिश्रण विशेषताओं के लिए अत्यधिक मूल्यवान है।

### वैश्विक कॉफी उत्पादन और उपभोग

कॉफी का वैश्विक उत्पादन वर्ष 2023-24 में 169.35 मिलियन बैग्स की तुलना में 2.98% बढ़कर 2024-25 के दौरान 174.40 मिलियन बैग्स तक अनुमानित किया गया है। वैश्विक उपभोग कॉफी वर्ष 2023-24 के 163.92 मिलियन बैग्स की तुलना में 1.58% बढ़कर कॉफी वर्ष 2024-25 में 166.52 मिलियन बैग्स का अनुमानित किया गया है।



स्रोत: युनाइटेड स्टेट्स कृषि विभाग, कॉफी: विश्व बाजार और व्यापार रिपोर्ट, जून 2025.



## अंतर्राष्ट्रीय मूल्य

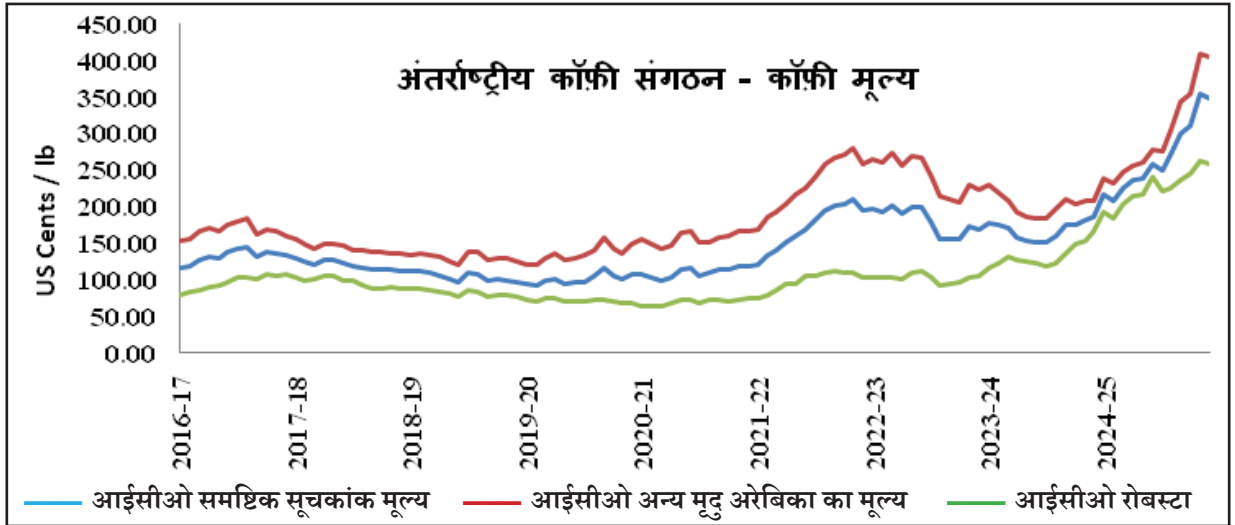
कॉफी के मूल्य मुख्य रूप से अंतर्राष्ट्रीय कमोडिटी एक्सचेंजों जैसे, अरेबिका के लिए इंटरकॉन्टिनेंटल एक्सचेंज (आईसीई), न्यूयॉर्क और रोबस्टा के लिए आईसीई, यूरोप, में होने वाले उतार-चढ़ाव से प्रभावित होती हैं। अंतर्राष्ट्रीय कॉफी संगठन (आईसीओ), लंदन ने आईसीओ समष्टिक सूचकांक प्रकाशित करता है, जो वैश्विक बाजार में वास्तविक भौतिक व्यापार लेनदेन को दर्शाता है। कॉफी के मूल्य मुख्यतः वैश्विक आपूर्ति, मांग और स्टॉक स्तर जैसे मूलभूत कारकों द्वारा नियंत्रित होती हैं। हालाँकि, मुद्रा विनिमय दर में उतार-चढ़ाव और कॉफी वायदा बाजारों में सट्टा गतिविधियों जैसे गैर-मौलिक कारक अक्सर मूल्य अस्थिरता को बढ़ा देते हैं। यह जानकर खुशी होती है कि 2024-25 के दौरान कॉफी के मूल्यों में वृद्धि हो रही है।

अंतर्राष्ट्रीय कॉफी संगठन (आईसीओ) के अनुसार, वार्षिक औसत आईसीओ समष्टिक सूचकांक मूल्य में 58.96% की उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई, जो 2023-24 में 168.79

यूएस सेन्ट्स/पाउंड से बढ़कर 2024-25 में 268.30 यूएस सेन्ट्स/पाउंड हो गया। 'अन्य मृदु अरेबिका', जिस श्रेणी में भारतीय अरेबिका को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर वर्गीकृत किया जाता है, के मूल्यों में भी उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई, जो 232.11 से 409.48 यूएस सेन्ट्स/पाउंड के बीच रही, जिसका औसत 300.88 यूएस सेन्ट्स/पाउंड रहा, जो पिछले वर्ष के औसत 202.77 यूएस सेन्ट्स/पाउंड से 48.39% अधिक है। इसी प्रकार, रोबस्टा के मूल्यों में भी पर्याप्त वृद्धि देखी गई, जो 184.97 यूएस सेन्ट्स/पाउंड से 263.08 यूएस सेन्ट्स/पाउंड के बीच रही और औसतन 225.68 यूएस सेन्ट्स/पाउंड रही, जो 2023-24 के औसत 132.55 यूएस सेन्ट्स/पाउंड से 70.27% अधिक है।

## भारतीय परिदृश्य

वर्ष 2024 के दौरान, कर्नाटक, केरल और तमिलनाडु के परंपरागत कॉफी उपजाने क्षेत्रों में सामान्य से अधिक तापमान



स्रोत: अंतर्राष्ट्रीय कॉफी संगठन



के साथ गर्म और शुष्क ग्रीष्मकाल का अनुभव हुआ। हालाँकि पुष्पण और समर्थन फुहार की शुरुआत में देरी हुई, फिर भी अंततः सभी प्रमुख कॉफ़ी क्षेत्रों में वर्षा संतोषजनक रही, जिससे बागानों को आवश्यक राहत मिली। इसके बाद स्थिर मौसम की स्थिति ने नए बागान में स्वस्थ पौधों के विकास के लिए पर्याप्त मृदा नमी को बनाए रखने में मदद की। इसके अतिरिक्त, उपजकर्ताओं द्वारा प्रदान की गई ऊपरी सिंचाई विधि ने रोबस्टा को समय पर पुष्पण और समर्थन सिंचाई के रूप में प्राकृतिक वर्षा को प्रभावी ढंग से पूरक बनाया, जिससे एक समान पुष्पण और फसल का जमाव सुनिश्चित हुआ।

जून 2024 के प्रथम सप्ताह में दक्षिण-पश्चिम मानसून कमजोर था, जुलाई में गति पकड़ी और अगस्त एवं सितंबर के दौरान रुक-रुक कर बरसी। परंपरागत कॉफ़ी उपजकर्ता क्षेत्रों में दक्षिण-पश्चिम मानसून के दौरान वर्षा 2023 की इसी अवधि की तुलना में 10-50% अधिक रही। जुलाई की बारिश ने तालाबों और नालों को पुनर्जीवित किया और बोरवेलों को रिचार्ज करने में योगदान दिया, जिससे स्वस्थ वनस्पति विकास को बढ़ावा मिला। उल्लेखनीय रूप से, वर्ष के दौरान फसल हानि, बाढ़ या भूस्खलन की कोई बड़ी घटना नहीं हुई। अक्टूबर के प्रथम पखवाड़े में पूर्वोत्तर मानसून ने प्रवेश की और पूरे मौसम में मध्यम से तेज हवाओं के साथ सक्रिय रही। कुल मिलाकर, 2024-25 के दौरान मौसमी परिस्थितियाँ अनुकूल रहीं, जिससे सभी परंपरागत कॉफ़ी उपजाने वाले क्षेत्रों में कॉफ़ी के पौधों की मजबूती और स्वास्थ्य में वृद्धि हुई। वर्ष 2024-25 के दौरान, आंध्र प्रदेश और ओडिशा तथा पूर्वोत्तर क्षेत्र के गैर-परंपरागत कॉफ़ी उपजाने वाले क्षेत्रों में मौसम फसल वृद्धि के लिए अनुकूल रहा। कुल मिलाकर, 2024-25 में गैर-परंपरागत क्षेत्रों और पूर्वोत्तर क्षेत्र के कॉफ़ी उपजाने वाले क्षेत्रों में वर्षा का वितरण संतोषजनक रहा।

### कॉफ़ी का उत्पादन और निर्यात प्रदर्शन

वर्ष 2024-25 के लिए फसल उत्पादन अनुमान 3,63,500

मीट्रिक टन है, जिसमें 1,05,700 मीट्रिक टन अरेबिका और 2,57,800 मीट्रिक टन रोबस्टा शामिल है, जो एक उल्लेखनीय उत्पादन है। पिछले वर्ष के 3,60,500 मीट्रिक टन उत्पादन (जिसमें 1,01,500 मीट्रिक टन अरेबिका और 2,59,000 मीट्रिक टन रोबस्टा शामिल है) की तुलना में यह 0.83% की वृद्धि दर्शाती है।

वर्ष 2024-25 के दौरान, 3,88,925 मीट्रिक टन कॉफ़ी के निर्यात के लिए निर्यात परमिट जारी किए गए, जिसमें 1,05,676 मीट्रिक टन पुनर्निर्यात शामिल है, जिसका मूल्य 15,422 करोड़ रुपये (1,821 मिलियन अमेरिकी डॉलर के बराबर) है। इकाई मूल्य प्राप्ति 4,87,699 रुपये प्रति मीट्रिक टन रही, जो 5,743 अमेरिकी डॉलर प्रति मीट्रिक टन के बराबर है, जो पिछले वर्ष की तुलना में मात्रा और मूल्य दोनों के संदर्भ में उल्लेखनीय सुधार को दर्शाता है। इसकी तुलना में, वर्ष 2023-24 के दौरान, 3,83,653 मीट्रिक टन कॉफ़ी (1,10,367 मीट्रिक टन पुनर्निर्यात सहित) के लिए निर्यात परमिट जारी किए गए, जिसका मूल्य 10,380 करोड़ रुपये (1,254 मिलियन अमेरिकी डॉलर के बराबर) है।

वर्ष 2024-25 के दौरान, 126 देशों को नौभरण के लिए निर्यात परमिट जारी किए गए, जबकि पिछले वर्ष यह संख्या 113 थी। इनमें से, इटली, जर्मनी, रूसी संघ, बेल्जियम और संयुक्त अरब अमीरात भारतीय कॉफ़ी निर्यात के लिए शीर्ष पाँच गंतव्य बनकर उभरे।

### घरेलू बाजार मूल्य

भारतीय कॉफ़ी व्यापारी संघ (आईसीटीए) द्वारा आयोजित नीलामियों में प्रचलित मूल्यों के अनुसार, अरेबिका (बागान 'ए') का घरेलू बाजार मूल्य 388.50 रुपये प्रति किलोग्राम से लेकर 740.08 रुपये प्रति किलोग्राम तक रहा, जिसका औसत मूल्य 500.70 रुपये प्रति किलोग्राम रहा, जो पिछले वर्ष के औसत मूल्य 359.28 रुपये प्रति किलोग्राम से 39.36% अधिक है। इसी प्रकार, रोबस्टा (चेरी 'एबी') का



मूल्य 352.66 रुपये प्रति किलोग्राम से लेकर 486.50 रुपये प्रति किलोग्राम तक रहा, जिसका औसत मूल्य 410.80 रुपये प्रति किलोग्राम रहा, जो पिछले वर्ष के औसत मूल्य 257.96

रुपये प्रति किलोग्राम की तुलना में 59.25% अधिक है।

**नीलामी मूल्य - आईसीटीए (बेंगलूरु) में प्राप्त औसत**

**मूल्य (₹/कि.ग्रा.)**

वित्त. वर्ष	2020-21	2021-22	2022-23	2023-24	2024-25
प्लान्टेशन 'ए'	281.23	352.17	398.91	359.28	500.70
रोबस्टा चेरी 'एबी'	130.63	146.51	184.84	257.96	410.80

वर्ष 2000 के बाद से, भारत में घरेलू कॉफ़ी के उपभोग में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है। परंपरागत रूप से, कॉफ़ी मुख्य रूप से दक्षिणी राज्यों में पी जाती थी; हालाँकि, पिछले दो दशकों में, यह एक क्षेत्रीय पेय से विकसित होकर एक युवा और महत्वाकांक्षी पेय बन गया है जिसकी देशव्यापी अपील है और जिसका आनंद विभिन्न स्वरूपों और खुदरा चैनलों में लिया जाता है।

शहरी केंद्रों में कॉफ़ी बॉर और कैफ़े के तेज़ी से बढ़ने से इस पेय की दृश्यता, पहुँच और सामाजिक प्रासंगिकता में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। कॉफ़ी, खासकर युवा उपभोक्ताओं में तेज़ी से एक जीवनशैली विकल्प और सामाजिक संपर्क के माध्यम का प्रतीक बनती जा रही है। यह परिवर्तन मुख्यतः बदलती जनसांख्यिकी, बढ़ते शहरीकरण और बढ़ती प्रयोज्य आय के कारण हुआ है, जिसने उपभोक्ताओं की प्राथमिकताओं और आदतों को नया रूप दिया है। वर्ष 2024 में घरेलू कॉफ़ी का उपभोग 95,000 मीट्रिक टन होने का अनुमान है।

**निर्यात प्रोन्नयन**

वर्ष 2024-25 के दौरान, कॉफ़ी बोर्ड ने दुबई, संयुक्त अरब अमीरात में आयोजित वर्ल्ड ऑफ़ कॉफ़ी दुबई 2025 में भाग लेकर अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में भारतीय कॉफ़ी को सक्रिय रूप से बढ़ावा दिया। इस आयोजन में 43 भारतीय कॉफ़ी

हितधारकों का महत्वपूर्ण प्रतिनिधित्व था, जिसमें कॉफ़ी मूल्य श्रृंखला के सभी खंड शामिल थे, जैसे कॉफ़ी उपजकर्ता, क्यूर, निर्यातक, स्टार्ट-अप्स और मूल्यवर्धित कॉफ़ी निर्माता। इसके अतिरिक्त, कॉफ़ी बोर्ड ने विदेशों में भारतीय मिशनों के सहयोग से पाँच वर्चुअल बिज़नेस नेटवर्किंग बैठकें आयोजित कीं, जिससे भारतीय हितधारकों को अंतर्राष्ट्रीय खरीदारों के साथ बातचीत करने और वैश्विक बाज़ार में भारतीय कॉफ़ी के लिए नए बाज़ार अवसरों का पता लगाने का एक मंच मिला।

वर्ष के दौरान, कॉफ़ी बोर्ड ने कॉफ़ी निर्यातकों, निर्यातक संघों, विशिष्ट कॉफ़ी संघ और संबंधित विभागों के साथ कॉफ़ी निर्यात बढ़ाने की प्रमुख नीतियों पर चर्चा करने के लिए बैठकें कीं। विचार-विमर्श में निर्यात प्रोन्नयन गतिविधियाँ, अंतर्राष्ट्रीय व्यापार आयोजनों में भागीदारी, गुणवत्ता सुधार उपाय और पारगमन एवं माल ढुलाई सहायता योजना जैसे विषयों पर चर्चा की गई। इन चर्चाओं के दौरान उभरी चिंताओं और सुझावों को, बाद में उचित कार्रवाई और समर्थन के लिए वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय और अन्य संबंधित विभागों को प्रस्तुत किया गया।

**कॉफ़ी अनुसंधान**

कॉफ़ी बोर्ड के अनुसंधान विभाग ने 2024-25 के दौरान अपनी प्रमुख पहल 'संधारणीय कॉफ़ी उत्पादन और प्रौद्योगिकी का

अंतरण हेतु अनुसंधान एवं विकास' के अंतर्गत अनुसंधान कार्यक्रमों की एक शृंखला कार्यान्वित की। ये अनुसंधान परियोजनाएँ अनुसंधान केंद्रों के एक नेटवर्क के माध्यम से संचालित की जाती हैं, मुख्यतः केंद्रीय कॉफ़ी अनुसंधान संस्थान (सीसीआरआई), चिक्कमगलूरु, कर्नाटक और इसके क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र चेन्नै (कोडगु, कर्नाटक), चुंडेल (वयनाड, केरल), तांडीगुडी (पुलनीज, तमिलनाडु), आर.वी.नगर (अल्लूरी सीताराम राजू जिला, आंध्र प्रदेश) और दिफू (कार्बी आंगलॉग जिला, असम) में स्थित हैं। इसके अतिरिक्त, पादप ऊतक संवर्धन एवं जैव प्रौद्योगिकी केंद्र, चेन्नै (कोडगु, कर्नाटक) और कॉफ़ी गुणवत्ता प्रभाग, बेंगलूरु, इन कार्यक्रमों का सक्रिय रूप से समर्थन करते हैं।

कॉफ़ी बोर्ड अपनी अनुसंधान पहलों को मजबूत करने के लिए कई अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय संस्थानों के साथ भी सहयोग करता है। अंतर्राष्ट्रीय साझेदारियों में मेसर्स नेस्ले आर एण्ड डी, फ्रांस और वर्ल्ड कॉफ़ी रिसर्च (डब्ल्यूसीआर), अमेरिका शामिल हैं, जबकि राष्ट्रीय सहयोग कृषि विज्ञान विश्वविद्यालय, बेंगलूरु, तमिलनाडु कृषि विश्वविद्यालय (टीएनएयू), कोयंबतूर, राष्ट्रीय पादप आनुवंशिक संसाधन ब्यूरो (एनबीपीजीआर), नई दिल्ली, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, रुड़की और पादप किस्म एवं कृषक अधिकार संरक्षण प्राधिकरण (पीपीवी एण्ड एफआरए), नई दिल्ली तक फैला हुआ है। इसके अलावा, सीसीआरआई ने मेसर्स जैन इरिगेशन सिस्टम्स प्राइवेट लिमिटेड, जलगाँव, महाराष्ट्र के साथ एक सहयोगात्मक अनुसंधान कार्यक्रम शुरू किया है, जो ऊतक संवर्धन और उच्च प्रदर्शन वाली कॉफ़ी किस्मों के प्रसार में नवाचारों पर केंद्रित है।

### कॉफ़ी बोर्ड कार्यक्रम

वर्ष के दौरान, कॉफ़ी बोर्ड ने मध्यमावधि ढाँचे के अंतर्गत "समेकीकृत कॉफ़ी विकास परियोजना" योजना स्कीम का कार्यान्वयन जारी रखा, जिसमें अनुसंधान एवं विकास, प्रौद्योगिकी का अंतरण, क्षमता निर्माण और हितधारकों के

लिए विकास सहायता जैसी प्रमुख गतिविधियों पर ध्यान केंद्रित किया गया। इस कार्यक्रम में परंपरागत, गैर-परंपरागत और पूर्वोत्तर क्षेत्रों में कॉफ़ी विकास के लिए पहल के साथ-साथ श्रमिकों के बच्चों के लिए कल्याणकारी सहायता, निर्यात प्रोन्नयन और मूल्य वर्धन शामिल थे, जिनका उद्देश्य भारतीय कॉफ़ी क्षेत्र में उत्पादन, उत्पादकता, गुणवत्ता और समग्र मूल्य प्राप्ति को बढ़ाना था।

### नई पहल

1. कॉफ़ी में जलवायु परिवर्तन के प्रति लचीलापन और गैर-पारंपरिक प्रजनन के लिए उत्कृष्टता केंद्र की स्थापना  
कॉफ़ी बोर्ड ने कॉफ़ी अनुसंधान उप-केन्द्र (सीआरएसएस), चेन्नै में «कॉफ़ी में जलवायु परिवर्तन के प्रति लचीलापन और गैर-पारंपरिक प्रजनन के लिए उत्कृष्टता केंद्र» की स्थापना की है। इस केंद्र का प्राथमिक उद्देश्य जलवायु परिवर्तन के प्रति लचीलापन, पीड़क और रोग-प्रतिरोधी, उच्च उपज देने वाली और बेहतर गुणवत्ता वाली कॉफ़ी किस्मों के विकास के उद्देश्य से गैर-पारंपरिक प्रजनन कार्यक्रमों को मजबूत करना है। यह केंद्र सहभागी प्रजनन दृष्टिकोण अपनाता है, जिससे किसानों और हितधारकों को किस्मों के विकास और क्षेत्र मूल्यांकन में शामिल होने का अवसर मिलता है।

2. प्रौद्योगिकी मूल्यांकन केंद्र, चेन्नै में कृषि मशीनीकरण के लिए उत्कृष्टता केंद्र की स्थापना

चेन्नै में स्थित प्रौद्योगिकी मूल्यांकन केंद्र (टीईसी) में कृषि मशीनीकरण के लिए प्रदर्शन ब्लॉक स्थापित किए जा रहे हैं, जिसका उद्देश्य कॉफ़ी बागानों में प्रमुख कार्यों जैसे रोपण, छिड़काव, निराई, छंटाई और कटाई के लिए मशीनीकृत साधनों का परीक्षण और प्रदर्शन करना है। इस पहल का उद्देश्य शारीरिक श्रम पर निर्भरता कम करना, परिचालन दक्षता बढ़ाना और



- कॉफ़ी उपजकर्ताओं के बीच उपयुक्त मशीनीकरण तकनीकों को अपनाने को बढ़ावा देना है।
3. ऊतक संवर्धित कॉफ़ी रोपण सामग्री का उन्मोचन
- हितधारकों के साथ उचित परामर्श और बोर्ड की स्वीकृति के बाद, कॉफ़ी बोर्ड ने मेसर्स जैन इरिगेशन सिस्टम्स लिमिटेड (जेआईएसएल) के साथ आशाजनक एफ<sub>1</sub> अरेबिका संकर और अरेबिका व रोबस्टा की अग्रणी किस्मों के ऊतक संवर्धन-आधारित व्यापक गुणन हेतु एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। इस पहल का उद्देश्य कॉफ़ी की कृषि में उत्पादकता और स्थायित्व बढ़ाने के लिए आनुवंशिक रूप से एकरूप, उच्च-गुणवत्ता वाली रोपण सामग्री के उत्पादन और प्रसार में तेजी लाना है।
4. प्रौद्योगिकी मूल्यांकन केंद्र (टीईसी), चेन्नई में परिपूर्ण कृषि के लिए उत्कृष्टता केंद्र की स्थापना
- सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) ढांचे के अंतर्गत, कॉफ़ी बोर्ड और मेसर्स जैन इरिगेशन सिस्टम्स लिमिटेड (जेआईएसएल) के बीच एक सहयोगात्मक पहल शुरू की गई है, जिसका उद्देश्य प्रौद्योगिकी मूल्यांकन केंद्र (टीईसी), चेन्नई में एक सटीक कृषि प्रदर्शन स्थल स्थापित करना है। इस पहल का उद्देश्य विशेष रूप से ऊतक संवर्धन द्वारा प्रचारित अरेबिका कॉफ़ी पौधों के लिए अनुकूलित एक उन्नत सिंचाई और उर्वरीकरण मॉडल का विकास, प्रदर्शन और सत्यापन करना है।
5. पीड़कों के जैव नियंत्रण पर उत्कृष्टता केंद्र की स्थापना
- कॉफ़ी बोर्ड ने हासन में जैव नियंत्रण और पारि-अनुकूल हस्तक्षेपों पर एक उत्कृष्टता केंद्र (सीओई) की स्थापना की पहल की है। इस पहल का उद्देश्य कॉफ़ी के पीड़कों और रोगों के प्रबंधन के लिए समयबद्ध, संधारणीय और पर्यावरण की दृष्टि से सुरक्षित समाधान विकसित और प्रोत्साहित करना है।
6. इण्डिया कॉफ़ी ऐप
- कॉफ़ी बोर्ड ने कॉफ़ी मूल्य श्रृंखला के सभी हितधारकों तक कॉफ़ी बोर्ड की सभी जानकारी, सेवाओं और उत्पादों को पहुँचाने के लिए एक नया एकीकृत वन-स्टॉप मोबाइल ऐप 'इंडिया कॉफ़ी ऐप' विकसित किया है। यह ऐप कॉफ़ी बोर्ड के उत्पादों, सेवाओं और सूचनाओं को हितधारकों तक पहुँचाने के लिए शुरू किया जा रहा है। इसके अलावा, कॉफ़ी बोर्ड ने यूरोपीय संघ के वन-कटान-मुक्त उत्पादों (इयूडीआर) के अनुपालन हेतु कॉफ़ी उपजकर्ताओं द्वारा स्वयं कॉफ़ी बागानों का बहुभुज/भौगोलिक स्थान निर्धारण करने हेतु इंडिया कॉफ़ी ऐप में एक तंत्र एकीकृत किया है।
7. कॉफ़ी बोर्ड में ई-ऑफिस और ई-एचआरएमएस का कार्यान्वयन
- कॉफ़ी बोर्ड ने अपने सभी कार्यालयों में फ़ाइल संचलन को डिजिटल बनाने के लिए ई-ऑफिस प्रणाली को सफलतापूर्वक लागू किया है। इसके अतिरिक्त, कॉफ़ी बोर्ड ने अवकाश प्रबंधन प्रक्रियाओं को डिजिटल बनाने के लिए मुख्यालय में ई-मानव संसाधन प्रबंधन प्रणाली (ई-एचआरएमएस) भी लागू की है।
8. कॉफ़ी कृषि तरंगा (सीकेटी)
- कॉफ़ी बोर्ड अपनी प्रौद्योगिकी-सक्षम विस्तार सेवा "कॉफ़ी कृषि तरंगा" (सीकेटी) का कार्यान्वयन जारी रखा है, जो जुलाई 2018 में शुरू की गई एक आईवीआरएस आधारित मोबाइल सलाह प्रणाली है। यह प्लेटफ़ॉर्म किसानों को कॉफ़ी की कृषि के तरीकों, मौसम के पूर्वानुमान और मूल्य प्रवृत्तियों पर अनुकूलित सलाह प्रदान करता है। कर्नाटक में इसकी सफलता से उत्साहित होकर, कॉफ़ी बोर्ड ने सितंबर 2020 में सीकेटी का विस्तार केरल और तमिलनाडु में और सितंबर 2022 में आंध्र प्रदेश के आदिवासी कॉफ़ी उपजकर्ताओं तक किया।



वर्ष 2024-25 के दौरान, कॉफ़ी बोर्ड ने 1,43,366 पंजीकृत कॉफ़ी उपजकर्ताओं को 157 साप्ताहिक परामर्श जारी किए और प्रश्नों को दर्ज करने/मूल्य जानकारी सुनने/साप्ताहिक परामर्श सुनने के लिए 53,444 इनबाउंड कॉल प्राप्त किए। सभी इनबाउंड प्रश्नों का उत्तर 48 घंटों के भीतर दिया गया।

9. जीआई कॉफ़ी ड्रिप पाउच का शुभारंभ

वर्ष 2024-25 के दौरान, कॉफ़ी बोर्ड ने भारतीय जीआई-टैग और स्पेशलिटी, सिंगल-सर्व, आसानी से बनने वाले कॉफ़ी ड्रिप बैग लॉन्च किए, जिनमें कूर्ग अरेबिका, चिक्कमगलूरु अरेबिका, बाबाबुदनगिरी अरेबिका, अराकू वैली अरेबिका, मॉनसून्ड मलबार अरेबिका और मैसूर नगेट्स एक्स्ट्रा बोल्ड जैसी भारतीय स्पेशलिटी कॉफ़ियाँ शामिल हैं। यह उत्पाद श्रृंखला उपभोक्ताओं को सुविधा और प्रामाणिक क्षेत्रीय स्वाद दोनों प्रदान करती है, जिससे घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में भारत की जीआई टैग और स्पेशलिटी कॉफ़ी की विशिष्ट पहचान को बढ़ावा मिलता है।

10. पीएमएफएमई स्कीम के तहत कॉफ़ी बोर्ड की सामान्य ब्रांडिंग और विपणन पहल

घरेलू शुद्ध कॉफ़ी के उपभोग बढ़ाने और भारतीय उच्च गुणवत्ता वाली कॉफ़ी के प्रीमियमीकरण को बढ़ावा देने के लिए, कॉफ़ी बोर्ड ने इंडिया कॉफ़ी डिपो के माध्यम से खुदरा बिक्री के अलावा, अमेज़न, फ्लिपकार्ट और समथिंग्स ब्रूइंग ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर चार जीआई-टैग वाली प्रीमियम कॉफ़ी और अरेबिका-रोबस्टा मिश्रण लॉन्च किए। कॉफ़ी बोर्ड घरेलू बाजार में अन्य क्षेत्रीय कॉफ़ी को पेश करने और बढ़ावा देने की भी योजना बना रहा है। इस संबंध में, 'इंडिया कॉफ़ी' ब्रांड के तहत क्षेत्रीय और जीआई कॉफ़ी को बढ़ावा देने के लिए केएपीपीईसी के माध्यम से पीएमएफएमई योजना

के तहत 57.22 लाख रुपये के कुल बजट के साथ एक कॉमन ब्रांडिंग और विपणन प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया था। खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार ने 28.61 लाख रुपये (पीएमएफएमई दिशा-निर्देशों के अनुसार कुल लागत का 50%) के अनुदान के साथ प्रस्ताव को (पत्र संख्या एफएम11/98/2023-एफएमई दिनांक 15.03.2024 के माध्यम से) मंजूरी दी।

11. वर्ल्ड ऑफ कॉफ़ी, दुबई 2025 में कॉफ़ी बोर्ड की भागीदारी

कॉफ़ी बोर्ड ने 10-12 फरवरी, 2025 को 43 कॉफ़ी निर्यातकों/उपजकर्ता निर्यातकों/नवोदित उद्यमियों/रोस्टरों और स्पेशलिटी कॉफ़ी एसोसिएशन ऑफ इंडिया के साथ मिलकर वर्ल्ड ऑफ कॉफ़ी, दुबई 2025 में भाग लिया। भारतीय कॉफ़ी को एक प्रभावशाली विशेष रूप से डिज़ाइन किए गए स्टॉल के माध्यम से प्रदर्शित किया गया, जिसे आकर्षक दीवार पैनलों से सजाया गया था, जो भारतीय कॉफ़ी की विशिष्टता जैसे कि छाया में उगाई गई, हाथ से चुनी गई और धूप में सुखाई गई कॉफ़ी को दर्शाते थे।

12. "कॉफ़ीज़ ऑफ इंडिया" को बढ़ावा देने के लिए एक सोशल मीडिया प्रकोष्ठ का गठन

जुलाई 2024 में स्थापित कॉफ़ी बोर्ड के सोशल मीडिया प्रकोष्ठ (एसएमसी) का उद्देश्य 'कॉफ़ीज़ ऑफ इंडिया' की डिजिटल उपस्थिति को मजबूत करना और भारतीय कॉफ़ी को समग्र रूप से बढ़ावा देना है। एसएमसी प्रमुख के मार्गदर्शन में एक डिजिटल मीडिया मैनेजर, कंटेंट राइटर-कम-एनालिस्ट और ग्राफ़िक डिज़ाइनर से युक्त यह टीम अवधारणा विकास, नीति, विषय-वस्तु सृजन और सोशल मीडिया अभियानों के क्रियान्वयन का प्रबंधन करती है। इंस्टाग्राम, फ़ेसबुक, एक्स (ट्विटर), लिंकडइन और यूट्यूब जैसे प्लेटफॉर्म के माध्यम से, यह



सेल जनता को जोड़ने के लिए अपडेट, तथ्य, आँकड़े, इन्फोग्राफिक्स, रेसिपी और इवेंट घोषणाओं का सक्रिय रूप से प्रसार करता है। अपनी स्थापना के बाद से, एसएमसी ने अधिक फ़ॉलोअर्स जुड़ाने में तेज़ी से वृद्धि हासिल की है, जो कॉफ़ीज़ ऑफ़ इंडिया में बढ़ती लोक हित को दर्शाता है।

### 13. एआईसी-सीसीआरआई-सीईडी में कौशल विकास प्रकोष्ठ का निर्माण

कॉफ़ी बोर्ड ने कॉफ़ी क्षेत्र में कॉफ़ी कृषि, कौशल वर्धन

और रोज़गार सृजन को बढ़ावा देने के लिए एआईसी-सीसीआरआई-उद्यमिता विकास केंद्र (सीईडी) के अंतर्गत एक कौशल विकास प्रकोष्ठ (एसडीसी) की स्थापना की है। यह प्रकोष्ठ युवाओं और महिलाओं को संरचित कौशल विकास कार्यक्रमों के माध्यम से प्रशिक्षित करने पर केंद्रित है, जो ज्ञान, उद्यमिता और घरेलू कॉफ़ी मूल्य श्रृंखला में भागीदारी को बढ़ाने के लिए डिज़ाइन किए गए हैं, जिससे घरेलू उपभोग और आजीविका के अवसरों की वृद्धि पर योगदान मिलता है।

नवंबर, 2025  
बेंगलूरु

श्री कूर्मा राव एम., भा प्र से  
मु का अ एवं सचिव, कॉफ़ी बोर्ड

## अध्याय I

### कार्यकारी सारांश

#### उत्पादन

- वर्ष 2024-25 के लिए फसल उत्पादन 3,63,500 मीट्रिक टन अनुमानित किया गया है जिसमें 1,05,700 मीट्रिक टन अरेबिका और 2,57,800 मीट्रिक टन रोबस्टा शामिल हैं। यह पिछले वर्ष (2023-24) के अनुमानित उत्पादन 3,60,500 मीट्रिक टन की तुलना में कुल मिलाकर 0.83% की बढ़ोतरी दिखाता है जिसमें 1,01,500 मीट्रिक टन अरेबिका और 2,59,000 मीट्रिक टन रोबस्टा शामिल थे।
- कुल 4.91 लाख हेक्टेयर में कॉफ़ी कृषि की गई है जिसमें से कुल पैदावार क्षेत्र 4.54 लाख हेक्टेयर है।
- देश में लगभग 4.43 लाख कॉफ़ी जोत हैं जिनमें से लगभग 4.40 लाख छोटी जोत हैं जिनका माप 10 हेक्टेयर से कम हैं जो कुल जोत का लगभग 99% है।

#### निर्यात

- कॉफ़ी बोर्ड द्वारा जारी निर्यात परमिट के अनुसार, वर्ष 2024-25 के दौरान भारत ने 1,05,676 मीट्रिक टन पुर्ननिर्यात को शामिल कर कुल 3,88,925 मीट्रिक टन कॉफ़ी 126 देशों को निर्यात किया गया। निर्यात में 51,662 मीट्रिक टन अरेबिका कॉफ़ी, 1,90,145 मीट्रिक टन रोबस्टा कॉफ़ी, 1,46,644 मीट्रिक टन इस्टैंट कॉफ़ी, 474 मीट्रिक टन भुने सेम और भुने व पिसे कॉफ़ी शामिल थे। कुल निर्यात मूल्य ₹15,422 करोड़ था जो 1,821 मिलियन अमरीकी डालर के बराबर है।
- वर्ष 2024-25 के दौरान भारतीय कॉफ़ी निर्यात के लिए अग्रणी पाँच गंतव्य इटली, जर्मनी, रूस फ़ेडरेशन, बेल्जियम और यूनाइटेड अरब अमीरात थे। भारत के कुल कॉफ़ी निर्यात (45%) का हिस्से से कुल मिलाकर इन सबका एक बड़ा हिस्सा था। कॉफ़ी की सभी श्रेणी के समष्टिक सूचकांक मूल्य प्राप्ति प्रति मीट्रिक टन के लिए

₹4,87,699 था जो प्रति मीट्रिक टन के लिए 5,743 अमरीकी डालर के बराबर है।

- कॉफ़ी बोर्ड में पिछले वर्ष के 2,265 पंजीकृत निर्यातकों की तुलना में रिपोर्टाधीन वर्ष के दौरान कुल 2,547 निर्यातक हैं जिसमें 245 नए पंजीकरण और वर्ष 2024-25 में किए गए 37 पंजीकरण नवीनीकरण शामिल हैं।
- पिछले वर्ष जारी किए गए 12,984 निर्यात परमिट की तुलना में वर्ष 2024-25 में कॉफ़ी बोर्ड ने 310 पंजीकृत निर्यातकों को कुल 12,927 निर्यात परमिट और अंतर्राष्ट्रीय कॉफ़ी संगठन (आईसीओ) प्रमाणपत्र जारी किया। इनमें से भारतीय-मूल के कॉफ़ी के लिए 10,471 परमिट जारी किए गए थे, जबकि मूल्य वर्धित आयातित कॉफ़ी के पुर्ननिर्यात के लिए 2,456 परमिट जारी किए गए थे।

#### अनुसंधान

- कॉफ़ी कृषि में वैज्ञानिक प्रगति हासिल करने के लिए कॉफ़ी बोर्ड के अनुसंधान विभाग ने एकीकृत कॉफ़ी विकास कार्यक्रम के तहत कई परियोजनाओं को शुरू किया है। इन पहलुओं को सीसीआरआई के अनुसंधान केन्द्रों के विस्तृत नेटवर्क तथा भारत में प्रमुख कॉफ़ी उगाने वाले सभी क्षेत्रों के विशेषीकृत प्रभागों के माध्यम से कार्यान्वित किया गया। भारतीय कॉफ़ी के उत्पादकता, गुणवत्ता और संधारणीयता को बढ़ाने के उद्देश्य से विभाग ने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय प्रमुख संस्थानों के साथ मिलकर यंत्रीकरण, पीड़क प्रबंधन, कार्बन निगरानी और किस्मिय मूल्यांकन के लिए प्रौद्योगिकी का विकास किया।
- वर्ष 2024-25 के दौरान पादप प्रजनन और आनुवंशिकी प्रभाग ने रोग-रोधी, अत्यधिक उपज और अच्छी गुणवत्ता की अरेबिका और रोबस्टा कॉफ़ी के जीनप्ररूप विकसित करने में कामयाब हो गया। एस.5059, एस.5086 और

एस.5168 जैसे कॉफ़ी पर्ण किट्ट (सीएलआर) सह्य संकर बनाने के साथ-साथ व्यापक क्षेत्र सर्वेक्षण के माध्यम से पहचाने गए लक्षण-विशिष्ट कृतकीय रोबस्टा सेलेक्शन उल्लेखनीय उपलब्धियों में शामिल हैं। चंद्रगिरी में कॉफ़ी सफेद तना छेदक (सीडब्ल्यूएसबी) की सह्यता जांच करने के लिए एस.4595 के बड़े आकार के सेम को चुनकर चंद्रगिरी × एस.4595 के संकर से उत्पन्न 1000 एफ1 पौधों को रोपित किया गया है।

- पादप प्रजनन एवं आनुवांशिकी प्रभाग ने जैन इरिगेशन सिस्टम्स लिमिटेड की साझेदारी से सहयोगात्मक कार्य निभाने का प्रयास जारी रखा। प्रभाग ने अरेबिका का सर्वोत्कृष्ट संकर और अरेबिका व रोबस्टा के प्रमुख किस्मों के उतक संवर्धन के कार्य में लग गए। इसके साथ-साथ विश्व कॉफ़ी अनुसंधान परीक्षणों के तहत अंतर्राष्ट्रीय किस्मों का मूल्यांकन भी किया।
- उतक संवर्धन और पादप जैवप्रौद्योगिकी प्रभाग ने कॉफ़ी सफेद तना छेदक के प्रतिरोध से जुड़े 15 प्रतिरक्षा जीन्स को पहचाना, अरेबिका-विशिष्ट नैदानिक प्रारंभकों को विकसित किया, प्रतिरोध अनुक्रिया को पहचानने के लिए प्रथम आणविक प्रमाण उपलब्ध कराया।
- “जीनोमी तरीकों का उपयोग करके प्रतिरोध क्षमतापूर्ण रोबस्टा कॉफ़ी का विकसन” पर दीर्घकालिक परियोजना के तहत उतक संवर्धन और पादप जैवप्रौद्योगिकी प्रभाग ने कॉफ़िया कैनेफोरा में सूखी सह्यता के आणविक आधार का विश्लेषित किया। इसके लिए, आरसीआरएस, चुंडेल के सूखी प्रतिरोध क्षमतापूर्ण 20 श्रेणियों पर एसआरएपी और एससीओटी चिह्नों का उपयोग किया। अध्ययन में अधिक आनुवांशिक विविधता का पता चला और सूखे सह्य कार्यात्मक चिह्नक विकसित करने के लिए परीक्षक के रूप में प्रतिबल-अनुक्रिया जीन की पहचान की गई।
- सस्यविज्ञान प्रभाग ने ट्रैक्टर पर लगे निराई उपकरण (वीड स्लेशर) का मूल्यांकन अध्ययन किया। उससे पता चला है कि 12 श्रमिक हाथ से निराई करने की तुलना में एक श्रमिक 2.4 घंटे में एक एकड़ की निराई पूरी कर लेता

है। इसी तरह, गड्डे की खुदाई के मूल्यांकन किए जाने पर पता चला है कि दो श्रमिक एक पारी में कम से कम ईंधन से 240–290 गड्डे खोल सकते हैं, जबकि हाथ से खुदाई करने से लगभग दोगुनी श्रमिक की आवश्यकता पड़ती है। दीर्घकालिक निराई प्रबंधन मूल्यांकन अध्ययन के मामले में, जैव-शाकनाशी का उपयोग करके किए गए क्षेत्र परीक्षण से यह देखा गया है कि उस क्षेत्र में कम घासपात पायी गई जबकि जैव निम्नीकरणीय पलवारना सामग्री विशेषकर, चावल के भूसे और कॉफ़ी चेरी की भूसी से पलवारने से परीक्षण ने 20.7% तक निराई रोक दर्ज किया।

- कृषि रसायन प्रभाग ने कॉफ़ी उपजकर्ताओं के हित में कॉफ़ी बागानों में पोषक तत्व प्रबंधन को बेहतर बनाने के लिए व्यापक क्षेत्र परीक्षण किया। नैनो उर्वरक (नैनो यूरिया और नैनो डीएपी) पर बहु-स्थानीय परीक्षण से पता चला कि जब मिट्टी में उर्वरक के 100% अनुशंसित खुराक (आरडीएफ) के अनुप्रयोग की तुलना में उर्वरक के 50% अनुशंसित खुराक (आरडीएफ) के साथ पर्णायि स्त्रे (5 मि.ली./लीटर) किए जाने पर अरेबिका और रोबस्टा दोनों के पैदावार में 4% से 6% की बढ़ोतरी हुई। चूने की सामग्री के युक्तिसंगत अनुप्रयोग से मृदा पीएच काफी बेहतर हुआ, जबकि एआरकेए सूक्ष्म जीवी सहायता संघ और वाणिज्यिक अपशिष्ट अपघटक पर किए गए परीक्षण से मृदा या पैदावार पर कोई बुरे असर नहीं दिखा। इन उपलब्धियों ने कॉफ़ी की कृषि में सबसे अच्छा पोषक तत्व प्रबंधन और पैदावार में सुधार के लिए एक वैज्ञानिक आधार साबित कर दिया।
- पादप कार्यिकी प्रभाग ने अनावृष्टि शमन और जलवायु प्रतिरोध क्षमता में प्रगति की। सूखापन कम करने वाले स्त्रे के साथ कैल्सिकेयर के अनुप्रयोग से कार्यिकीय पैरामीटर्स में सुधार हुआ और नियंत्रण किस्म (988 कि.ग्रा./हेक्टेयर) की तुलना में रोबस्टा कॉफ़ी (1,173 कि.ग्रा. क्लीन कॉफ़ी/हेक्टेयर) की पैदावार बढ़ी। इथियोपियन और एबिसिनियन अरेबिका जननद्रव्य के परीक्षण से अजीवीय

प्रतिबल प्रबंधन और जलवायु प्रतिरोध क्षमता प्रजनन के लिए अच्छे किस्म के तौर पर एस.2609-09, एस.2600-01, एस.2613-11, एस.2444-07 और एस.2443-06 श्रेणियों की पहचान की गई।

- पादप रोगविज्ञान प्रभाग ने कॉफ़ी के प्रमुख रोगों का प्रबंधन के लिए नए बीज में आवरित कवकनाशी, पर्णाय कवकनाशी और जैव-नियंत्रण कारक पर विस्तृत मूल्यांकन किया। अध्ययन से पता चला कि पेनफ्लूफेन, पेनफ्लूफेन + ट्राइफ्लोक्सीस्ट्रोबिन और टेबुकोनाज़ोल के अभिसूत्रण ने कॉलर रॉट और लीफ स्पॉट रोगों के प्रति बहुत असरदार थे। ये कवकनाशी के बराबर या उनसे बेहतर निष्पादन दर्शाया। फ्लूओपाइरम + टेबुकोनाज़ोल, पिकोक्सिस्ट्रोबिन + प्रोपिकोनाज़ोल और फ्लक्सपाइरोक्सैड + पाइराक्लोस्ट्रोबिन जैसे नए कवकनाशी अणुओं ने ब्लैक रॉट, ब्राउन आई स्पॉट और कॉफ़ी पर्ण कैंडिड (सीएलआर) पर अत्युत्तम नियंत्रण दिखाया, जो 1% बोर्डो मिश्रण जैसे पुराने उपचार से बेहतर काम किया। ट्राइकोडर्मा हार्जियानम और बैसिलस सबटिलिस जैसे जैव-नियंत्रण कारकों ने डंठल सड़न और लीफ स्पॉट रोगों के प्रति असरदार साबित हुए।
- कीटविज्ञान प्रभाग ने पीड़क सह्यता, रासायनिक पारिस्थितिकी और कॉफ़ी के प्रमुख पीड़कों के प्रबंधन पर विस्तृत अध्ययन किया। कॉफ़ी जननद्रव्य के परीक्षण से पता चला कि समवंशी रोबस्टा और एस.4595 में सुपर-ऑक्साइड-डिसम्यूटेस (एसओडी) क्रियाशीलता अधिक थी, जो कॉफ़ी सफेद तना छेदक (सीडब्ल्यूएसबी) के लिए सशक्त सह्यता का संकेत देता है। नैनो-फेरोमोन की क्षमता पर क्षेत्र अध्ययन से पता चला कि 75-मि. ग्रा. नैनो-फेरोमोन ने प्रौढ़ कॉफ़ी सफेद तना छेदक को आकर्षित किया। बीटा-साइफ्लुथ्रिन + इमिडाक्लोप्रिड और लैम्ब्डा-साइहैलोथ्रिन जैसे नई पीढ़ी के कीटनाशकों के अनुप्रयोग से पता चला है कि 100% प्रौढ़ शॉर्ट होल बोरर की मौत हुई। नैसर्गिक शत्रुओं पर किए गए अध्ययन ने एपिनेसिया सह्याद्रिका, टेट्रास्टिचस और एसिनैप्टा को

कार्यक्षम जैव-नियंत्रण कारकों के रूप में को पहचाना, जबकि वैज्ञानिक और प्रौद्योगिकी विभाग परियोजना के तहत भृंग प्रादुर्भाव के अध्ययन ने परागण में एपिस सेराना और टेट्रागोनुला ट्रावनकोरिका की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया।

- फसलोत्तर प्रौद्योगिकी प्रभाग ने प्रसंस्करण कार्यक्षमता और कॉफ़ी गुणवत्ता को बेहतर बनाने के लिए मूल्यांकन किया। कम कीमत वाले मिनी-मिलेट-डीहलर ने पार्चमेंट के लिए 92% और चेरी कॉफ़ी के लिए 68% हलिंग क्षमता दिखाई, जो सूखे पार्चमेंट नमूनों के लिए उपयुक्त होने का संकेत दिया है। बागान में कॉफ़ी का भण्डारण पर परीक्षण करने से पता चला कि हर्मेटिक बैग्स ने नमी स्तर को लगभग 12% बनाए रखे, जबकि छः महीनों से अधिक समय तक भण्डारण करने से कप की गुणवत्ता खराब हो गई। हीटर और डीह्यूमिडिफायर वाले सोलर टनल ड्रायर ने कप की गुणवत्ता पर असर डाले बिना सुखाने का समय को 56% तक कम कर दिया। इसके अलावा, चेरी की पैदावार और उत्पादन प्रतिशतता क्रमशः 33% से 38% और 32% से 43% के बीच थी, जो दक्ष प्रसंस्करण निष्पादन को दिखाता है।
- कॉफ़ी गुणता प्रभाग ने कैफीन, क्लोरोजेनिक अम्ल, शक्कर और संवेदी पार्श्वक के संदर्भ में विभिन्न ऊंचाइयों से एकत्रित अरेबिका और रोबस्टा कॉफ़ी की गुणवत्ता का मूल्यांकन किया। अध्ययन से पता चला कि अरेबिका कॉफ़ी में, कैफीन की मात्रा 0.74% से 1.05% तक थी, जो बढ़ती ऊंचाई के साथ कम हो रही थी, जबकि क्लोरोजेनिक अम्ल 1.93% से 2.84% तक था। रोबस्टा में, कैफीन 1% से 2.5%, क्लोरोजेनिक अम्ल 6% से 11% और शक्कर की मात्रा ऊंचाई के आधार पर 0.9% से 4% तक है। भुने बीज पार्श्वक और पिसे बीज आकार के प्रभाव पर अध्ययन से पता चला कि हल्के और मध्यम भुनाई में मध्यम निष्कर्षण उपज (19% से 21%) प्राप्त हुई, जबकि गहरी भुनाई में भिन्नता (17.8% से 23%) दिखाई। अरेबिका में फल और फूल का गन्ध महसूस



हुआ, रोबस्टा में मटियाला और कड़वापन महसूस हुआ और मॉनसून मलबार में मटियाला और मसालेदार गन्ध महसूस हुआ।

- कॉफी बोर्ड के विभिन्न हितधारकों और अनुसंधान विभागों से प्राप्त कॉफी नमूनों का दृश्यक और कप गुणवत्ता आंका गया। रिपोर्टाधीन वर्ष के दौरान, 162 लाभार्थियों से प्राप्त कुल 1,074 कॉफी नमूनों (वाणिज्यिक नमूना - 595; आर एण्ड डी नमूना - 479) का प्रत्यक्ष और कप गुणवत्ता पैरामीटर्स के लिए आंका गया। गुणवत्ता मूल्यांकन रिपोर्ट संबंधित हितधारक और अनुसंधान विभाग को भेजी गईं।
- विश्लेषिक प्रयोगशाला, बेंगलूरु में 150 हितधारकों से प्राप्त कुल 166 नमी मीटर्स का अंशांकन किया गया और संबंधित हितधारकों को अंशांकन रिपोर्ट जारी की गईं। इसके अलावा, अड़तीस हितधारकों से प्राप्त 109 कॉफी नमूनों को विभिन्न पादप-स्वच्छता और पोषक तत्व पैरामीटर्स के लिए परीक्षण किया गया और संबंधित हितधारकों को विश्लेषण रिपोर्ट जारी की गईं।

### एआईसी-सीसीआरआई-सीईडी, कॉफी बोर्ड

- एआईसी-सीसीआरआई-सीईडी (अटल इनक्यूबेशन सेंटर – सेंट्रल कॉफी रिसर्च इंस्टीट्यूट - सेंटर फॉर एंटरप्रेन्योरशिप डेवलपमेंट), एक टेक्नोलॉजी बिजनेस इनक्यूबेटर है, कॉफी बोर्ड के प्रधान कार्यालय, बेंगलूरु में केन्द्रीय कॉफी अनुसंधान संस्थान (सीसीआरआई) और अटल इनोवेशन मिशन (एआईएम) के साथ मिलकर इसे बनाया गया है ताकि कॉफी सेक्टर में स्टार्टअप को सहायता और बढ़ावा दिया जा सके।
- वर्ष 2024-25 के दौरान, केंद्र ने टेक बीन्स जैसी नई पहल, असम और नागालैंड में आउटरीच कार्यक्रमों और विभिन्न क्षमता-निर्माण और स्टार्टअप समर्थन गतिविधियों के साथ वार्तारम्भा, विक्रयाम, आरोहणा और कैफे कॉन्सेप्टर जैसे कार्यक्रमों के माध्यम से नवाचार और उद्यमशीलता को सक्रिय रूप से बढ़ावा दिया।

## विस्तार और विकास

### (क) परंपरागत क्षेत्र

- विस्तार कर्मियों ने 1,199 क्षेत्र प्रदर्शन किए, कॉफी कृषि के विभिन्न पहलुओं पर उपजकर्ताओं को जानकारी प्रदान करने के लिए प्रिंट/इलेक्ट्रॉनिक/सोशल मीडिया के जरिए 924 सलाह जारी कीं, 151 गांव स्तर की बैठक कीं, कॉफी की कृषि पर 59 प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए, 15 एक्सपोजर विजिट किए, 13 व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रम और 12 संगोष्ठी किए।
- रिपोर्टाधीन अवधि के दौरान, विस्तार इकाइयों ने 841.1 हेक्टेयर में पुनरोपण गतिविधियों के तहत 1,185 लाभार्थियों को समर्थन प्रदान किया। इसी तरह, 5,789 हेक्टेयर को सुविधा पहुंचाते हुए 1,885 लाभार्थियों को 1,885 जल आवर्धन इकाई और 6,695 हेक्टेयर को सुविधा पहुंचाते हुए 3,203 लाभार्थियों को 3,210 गुणता उन्नयन इकाई प्रदान किया।

### (ख) गैर-परंपरागत क्षेत्र

#### (आन्ध्र प्रदेश और ओडिशा)

- विस्तार कर्मियों ने आदिवासी कॉफी उपजकर्ताओं को सुविधा प्रदान करने के लिए 999 विधि प्रदर्शन किए, 26 एक्सपोजर विजिट, 48 गांव स्तर की कार्यशाला, 22 गुणता जागरूकता कार्यक्रम और 30 क्षमता निर्माण कार्यक्रम आयोजित किए।
- पुनरोपण के तहत 17.4 हेक्टेयर तक सुविधा पहुंचाई गई, जिससे 9 लाभार्थियों को फायदा हुआ। कॉफी की गुणवत्ता सुधारने के उद्देश्य से 2,197 सीमेंट ड्राइंग यार्ड बनाने और 423 बेबी पल्पर इकाई खरीदने के लिए समर्थन दिया गया।

### पूर्वोत्तर क्षेत्र

- विस्तार कर्मियों ने 2,533 क्षेत्र प्रदर्शन, 222 समूह बैठक, 74 ऑन-फार्म प्रशिक्षण, 37 गुणवत्ता जागरूकता अभियान के जरिए कॉफी उपजकर्ताओं को कॉफी की



## वार्षिक रिपोर्ट 2024-2025

कृषि के विभिन्न पहलुओं के बारे में जानकारी प्रदान की और 1,797 सलाहकारी पत्र जारी कीं।

- कॉफी का क्षेत्र विस्तार और समेकन के तहत 562.87 हेक्टेयर क्षेत्र को समर्थन प्रदान किया गया जिससे 1,323 उपजकर्ता लाभान्वित हुए। इसके अलावा, 208 ड्राइंग यार्ड, 55 जल आवर्धन इकाई और 15 समूह नर्सरी बनाई गईं।

### क्षमता निर्माण कार्यक्रम

- रिपोर्टाधीन वर्ष के दौरान कॉफी बोर्ड ने बेंगलूरु में “रोस्टिंग-ब्रूइंग-पैकेजिंग-कॉफी रिटेलिंग” पर पांच “कापी शास्त्र” प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए, जिसमें 136 प्रतिभागी शामिल हुए।
- कॉफी बोर्ड ने कॉफी बनाने और कैफे प्रबंधन में इच्छुक व्यक्ति को समर्थन के रूप में भारत के अलग-अलग हिस्सों (विशाखापट्टनम, ओडिशा, महाराष्ट्र, कोलकाता, नागालैंड, मैसूर, शिलांग, हैदराबाद, गुजरात, तेलंगाना और गोवा) में पैंतीस “बरिस्ता प्रशिक्षण कार्यक्रम” आयोजित किया, ताकि वे अपने बरिस्ता कौशल को बेहतर बनाया जा सकें। कुल 450 प्रतिभागी बरिस्ता प्रशिक्षण कार्यक्रम में उपस्थित थे।
- कॉफी गुणवत्ता प्रबंधन पद्धति में स्नातकोत्तर डिप्लोमा के 2023-24 बैच के पंद्रह छात्रों ने पाठ्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है। वर्ष 2024-25 बैच के दौरान पाठ्यक्रम में शामिल हुए पंद्रह छात्रों ने सीसीआरआई, चिक्कमगलूरु में पहली तिमाही पूरा कर लिया है। वे वर्तमान में कॉफी गुणवत्ता मूल्यांकन प्रभाग, बेंगलूरु में दूसरी तिमाही का पाठ्यक्रम कर रहे हैं।
- रिपोर्टाधीन अवधि के दौरान “मूल्य वर्धन को समर्थन / आर एण्ड जी इकाई के लिए समर्थन” कार्यक्रम के तहत, पांच कॉफी भुनाई इकाई (कर्नाटक में तीन इकाई और नई दिल्ली एवं देहरादून में एक-एक) को सहायिकी दी गई।
- रिपोर्टाधीन अवधि के दौरान “क्यूरिंग वर्क्स को समर्थन” कार्यक्रम के तहत, कर्नाटक राज्य के चिक्कमगलूरु जिले

में चार कॉफी क्यूरिंग वर्क्स को सहायिकी दी गई।

- कॉफी बोर्ड, बेंगलूरु, कर्नाटक के कॉफी गुणवत्ता प्रभाग (संवेदी एवं भुनाई प्रयोगशाला तथा विश्वेशिक प्रयोगशालाएं) को परीक्षण के क्षेत्र में उनकी सुविधाओं के लिए “आईएसओ/आईईसी 17025:2017: परीक्षण एवं अंशांकन प्रयोगशालाओं की क्षमता के लिए सामान्य आवश्यकताएँ” मानक के क्रम में प्रमाणपत्र संख्या टीसी-13594 के अनुसार एनएबीएल द्वारा मान्यता दी गई जो 3 मई, 2024 से 2 मई, 2026 तक वैध है।

### बाजार अनुसंधान एवं आसूचना

- इकाई ने 216 दैनंदिन बाजार रिपोर्ट तैयार कर प्रसारित की। इसमें मूल्यों की वैश्विक तथा घरेलू प्रवृत्ति, आपूर्ति एवं मांग, संपूर्ण कॉफी मूल्य श्रृंखला के बारे में हितधारकों को उपयोगी जानकारी प्रदान करना शामिल है। इसके अलावा, इकाई ने कॉफी पर विस्तृत डेटाबेस प्रकाशित किया, जिसमें कॉफी हितधारक और नीति निर्माताओं की सुविधा के लिए राष्ट्रीय और वैश्विक, दोनों स्तर पर विस्तृत सांख्यिकीय जानकारी संकलित की गई।
- इकाई ने विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) से जुड़े मामलों और मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर आर्थिक और वैश्लेषिक समर्थन दिया। इकाई ने कॉफी से जुड़े दर सूची (टैरिफ) और गैर-दर सूची बाधाओं और उत्पाद-विशिष्ट नियमों पर विस्तृत निवेश तैयार कर विश्लेषण किया, जिन्हें मंत्रालय को प्रस्तुत किया गया।
- सीजन 2024-2025 के लिए विभिन्न वर्ग के जोत और कॉफी ज़ोन/इलाकों में अनियमित प्रतियचन के स्तरीकृत तकनीक का उपयोग करके फसल का अनुमान लगाया गया।
- इकाई ने अरेबिका और रोबस्टा के लिए रोपण लागत और कृषि लागत का भी अनुमान लगाया। इकाई लागत और वित्त-मान प्राप्त करने के लिए नबार्ड और ज़िला-स्तर की तकनीकी समितियों को कार्य सौंपा गया।
- इकाई ने कर्नाटक, तमिलनाडु और केरल राज्य सरकारों



के साथ परामर्श करके पीएमएफबीवाई के तहत कॉफी के लिए एक नई मौसम-आधारित बीमा स्कीम के लिए निबंधन पत्र तैयार की। अंतिम निबंधन कर्नाटक, तमिलनाडु और केरल राज्य सरकारों को लागू करने के लिए सौंप दिए गए हैं।

- डिजिटल पहल के तौर पर इकाई ने इंडिया कॉफी ऐप में यूरोपियन यूनियन निर्वनीकरण-मुक्त विनियमन (ईयूडीआर) अनुरूपता मॉड्यूल के एकीकरण को समन्वित किया, जिससे उपजकर्ता अपने कॉफी एस्टेट को रजिस्टर कर जियो-मैप देख सकें। इकाई ने कॉफी बोर्ड में ई-एचआरएमएस और ई-ऑफिस प्रणाली को लागू करने में भी सहायता प्रदान कर रही है।
- कॉफी बोर्ड ने जीआई कॉफी ड्रिप पाउच लॉन्च किए, जिसका उद्देश्य भारत के विशेष जीआई टैग वाली कॉफी को घरेलू और वैश्विक उपभोग लिए सुगम, रेडी-टू-ब्रू फॉर्मेट में बढ़ावा देना है। कॉफी बोर्ड ने कर्नाटक के अन्य विशिष्ट जीआई उत्पाद के साथ कर्नाटक राज्य की जीआई-टैग वाली कॉफी का प्रदर्शन के लिए बेंगलूरु के केम्पेगौड़ा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर कर्नाटक के “कला लोका” पहलू को भी समर्थन प्रदान किया। इकाई ने इन गतिविधियों को समन्वित की।
- इकाई ने कॉफी उपजकर्ता और उद्यमियों को किसी मध्यवर्ती के बिना सीधे निर्यात करने के लिए एक प्लेटफॉर्म प्रदान करने के उद्देश्य से इन्क्यूबेशन प्रोग्राम ‘विक्रयम’ आयोजित की।

## प्रोन्नति

- कॉफी बोर्ड ने भारतीय कॉफी को प्रोन्नति करने के लिए दुबई, यूएई में कॉफी केंद्रित कार्यक्रम, यानी वर्ल्ड ऑफ़ कॉफी दुबई 2025 में भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान, कॉफी बोर्ड ने इंडियन कॉफी हितधारकों और दुबई में इंडियन मिशन की सक्रिय भागीदारी के साथ इंडियन कॉफी स्वादन सत्र के साथ क्रेता-विक्रेता बैठक आयोजित किया।

- कॉफी बोर्ड ने इंडियन मिशन के साथ मिलकर चार वर्चुअल क्रेता-विक्रेता बैठक (वीबीएसएम) आयोजित किया: 1) इस्तांबुल, तुर्की; 2) बुखारेस्ट, रोमानिया; 3) निकोसिया, साइप्रस और 4) मिलान, इटली।

कॉफी बोर्ड ने बीजिंग, चीन में भारतीय दूतावास के सहयोग से भारतीय कॉफी ब्रूइंग प्रतियोगिता के जरिए भारतीय कॉफी प्रोन्नति कार्यक्रम आयोजित किया।

- वर्ष के दौरान, कॉफी बोर्ड ने घरेलू कॉफी के उपभोग को बढ़ावा देने के लिए देश में 28 फूड एंड बेवरेज / एग्री एक्सपो में भाग लिया।

## प्रशासन

- वर्ष 2024-25 के दौरान, तीन बोर्ड बैठकों यथा; 27 जून, 2024, 10 दिसंबर, 2024 और 7 मार्च, 2025 का आयोजन किया।
- वर्ष के दौरान, कुल 13 अधिकारियों/कर्मचारियों को संशोधित सुनिश्चित कैरियर प्रगतन स्कीम (एमएसीपीएस) के तहत वित्तीय उन्नयन प्रदान किया।
- वर्ष के दौरान, विभिन्न ‘वैज्ञानिक’, ‘तकनीकी’ और ‘अनुसचिवीय’ संवर्ग के पदों में कुल 57 अधिकारियों/कर्मचारियों को पदोन्नति दिया गया।
- दिनांक 31.03.2025 को यथास्थिति कॉफी बोर्ड में 406 कर्मचारी हैं, जिनमें 63 ग्रूप ‘क’ अधिकारी, 132 ग्रूप ‘ख’ अधिकारी और 211 ग्रूप ‘ग’ कर्मचारी शामिल थे।

## सतर्कता और कानून

- सतर्कता प्रभाग ने 28 अक्टूबर, 2024 से 3 नवंबर, 2024 तक सतर्कता जागरूकता सप्ताह मनाया।
- 3 से 9 दिसंबर, 2024 तक " महिलाओं का कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न की रोकथाम सप्ताह" मनाया।
- दिनांक 31.03.2025 को यथास्थिति 73 मुकदमा लंबित हैं।



## सूचना का अधिकार

- आरटीआई के तहत, कुल 60 आवेदनों में से 55 आवेदन का निपटारा किया गया है।
- वर्ष के दौरान, आरटीआई के तहत 7 अपील में से सभी 7 अपील का निपटारा किया गया है।
- वर्ष के दौरान, प्राप्त 17 शिकायतों में से सभी का निपटारा किया गया है।

## इंजीनियरिंग इकाई

- इंजीनियरिंग इकाई ने परिसंपत्तियों का सृजन और स्वच्छ भारत कार्यक्रम के तहत कॉफी बोर्ड के भवन का अनुरक्षण कार्य के साथ-साथ विकास कार्य में लगी है। वित्त वर्ष 2024-25 में अनुरक्षण कार्य पर ₹4.74 लाख खर्च किए गए हैं।

## राजभाषा स्कन्ध

- राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा जारी वार्षिक कार्यक्रम 2024-25 के तहत हिन्दी में पत्राचार (ईमेल सहित) और हिन्दी में टिप्पणी के लिए निर्धारित लक्ष्य क्रमशः 55% और 30% प्राप्त कर लिया है।
- राजभाषा नियम, 1976 के नियम 5 के अनुसार, हिन्दी में प्राप्त पत्रों का उत्तर हिन्दी में ही दिया गया है।
- राजभाषा अधिनियम, 1963 के धारा 3(3) के तहत, 14,124 दस्तावेजों को द्विभाषी रूप (हिन्दी और अंग्रेजी) में जारी किया गया है।

- हिन्दी माध्यम से प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत 30% का लक्ष्य प्राप्त कर लिया गया है और आवश्यक प्रशिक्षण सामग्री द्विभाषी रूप में तैयार किया गया है।
- प्रत्येक तिमाही में राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक आयोजित की जाती है। राजभाषा हिन्दी के प्रगामी प्रयोग से संबंधित तिमाही प्रगति रिपोर्ट वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, नई दिल्ली और क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय, बेंगलूरु को यथासमय ऑनलाइन प्रेषित की जा रही हैं।
- हर तिमाही में हिन्दी कार्यशाला आयोजित की जाती हैं।
- कॉफी बोर्ड के प्रधान कार्यालय और उप-कार्यालयों में राजभाषा के कार्यान्वयन के बारे में समय-समय पर निरीक्षण किया जाता है।
- कॉफी बोर्ड, बेंगलूरु में 1 से 30 सितंबर, 2024 तक हिन्दी माह-2024 और 'राजभाषा संगम' आयोजित किया गया और हिन्दी माह का समापन समारोह 13 अक्टूबर, 2024 को मनाया गया।
- नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक और कार्यक्रमों में सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जाती है।
- हर महीने "मासिक ई-सलाह" और "ई-न्यूज़लेटर" का हिन्दी पाठ तैयार किया जाता है।
- राजभाषा स्कन्ध की गृह पत्रिका "कॉफी सम्वाद" के चौथे अंक का विमोचन 4 जनवरी, 2025 को मैसूरु में आयोजित क्षेत्रीय राजभाषा सम्मेलन में किया गया। सम्मेलन में राजभाषा पुस्तक प्रदर्शनी और कॉफी स्टॉल भी लगाया गया था।

\*\*\*\*\*



अध्याय - II

**बोर्ड का गठन एवं कार्य**

कॉफी बोर्ड, संसद द्वारा अधिनियमित कॉफी अधिनियम 1942 के अधीन गठित वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार के नियंत्रणाधीन एक सांविधिक संगठन है।

कॉफी बोर्ड, संसद द्वारा अधिनियमित कॉफी अधिनियम 1942 के अधीन गठित वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार के नियंत्रणाधीन एक सांविधिक संगठन है।

बोर्ड में, अध्यक्ष, सचिव (जो कॉफी बोर्ड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी हैं) सहित 33 सदस्य हैं तथा संसद के दोनों सदनों के सांसदों, कॉफी उद्योग के विभिन्न हितों का प्रतिनिधित्व करने वाले सदस्यों को शामिल कर सदस्यों की नियुक्ति भारत सरकार द्वारा की जाती है।

31 सदस्यों को शामिल कर 09 सितम्बर, 2022 से तीन वर्षों की अवधि के लिए बोर्ड का पुनर्गठन किया गया है। वाणिज्य विभाग, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के दिनांक 09.09.2022 की राजपत्र अधिसूचना के अनुसार, बोर्ड में 31 सदस्यों को नियुक्त किया गया यथा, अध्यक्ष, सचिव (पदेन सदस्य के रूप में); दो सांसद (लोक सभा); एक सांसद

(राज्य सभा); कॉफी उगाने वाले प्रमुख राज्यों (तमिल नाडु, कर्नाटक केरल और आन्ध्र प्रदेश) के चार प्रतिनिधि; असम व नागालैंड जैसे अन्य कॉफी उगानेवाले राज्यों के दो प्रतिनिधि, बृहत कॉफी उपजकर्ताओं के तीन प्रतिनिधि, लघु कॉफी उपजकर्ताओं के सात प्रतिनिधि, कॉफी व्यापार हितों के तीन प्रतिनिधि, कॉफी क्यूरिंग स्थापना के दो प्रतिनिधि, श्रमिक हितों के दो प्रतिनिधि, इंस्टैंट कॉफी विनिर्माताओं से एक प्रतिनिधि, उपभोक्ताओं के हितों के दो प्रतिनिधि और अनुसंधान संस्थान अथवा कृषि विश्वविद्यालय से एक प्रसिद्ध वैज्ञानिक प्रतिनिधि।

इसके अलावा वाणिज्य विभाग वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, के दिनांक 06.11.2023 को राजपत्र अधिसूचना के अनुसार श्री एम.जे. दिनेश को कॉफी बोर्ड के अध्यक्ष के रूप में तीन वर्ष के लिए नियुक्त किया गया है। इसके अलावा वाणिज्य विभाग वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, के दिनांक 17.03.2025 को राजपत्र अधिसूचना के अनुसार (1) अधिवक्ता डीन कुरियाकोस (2) श्री कोटा श्रीनिवास पूजारी को कॉफी बोर्ड के सांसद सदस्य के रूप में तीन वर्ष के लिए नियुक्त किया गया है।

**वर्ष 2024-25 के लिए कॉफी बोर्ड के सदस्यों की सूची  
(09 सितंबर, 2022 से 08 सितंबर 2025 तक)**

क्र. सं.	श्रेणी	कॉफी नियमावली 2016 (संशोधन) के अधीन नियुक्तो	सदस्यों की संख्या	नाम
1.	अध्यक्ष	नियम 3 (1)	1	(1) श्री जे.एम.दिनेश
2.	सांसद (लोकसभा)	नियम 3 (1)	2	(1) श्रीमती गोड्डेत्ती माधवी 5.6.2024 तक (2) श्री प्रताप सिंहा 5.6.2024 तक
	सांसद (राज्यसभा)	नियम 3 (1)	1	(1) अधिवक्ता डीन कुरियाकोस 17.3.2025 से (2) श्री कोटा श्रीनिवास पूजारी 17.3.2025 से (3) श्री एन. चंद्रशेखरन

3.	<p>कॉफ़ी उगाने वाले प्रमुख राज्यों के सरकारी प्रतिनिधि सदस्य</p>	<p>नियम 3 (2) (क)</p>	4	<p>1. श्री सी.समयमूर्ति, भा.प्र.से., कृषि उत्पादन आयुक्त एवं सरकार के सचिव, तमिलनाडु सरकार</p> <p>2. डॉ. शमला इकबाल, भा.प्र.से., सरकार के सचिव, बागवानी एवं रेशमकीट पालन विभाग कर्नाटक सरकार</p> <p>3. श्री ए.पी.एम. माहेम्मवद हनीश भा.प्र.से., प्रधान सचिव एवं औद्योगिक विभाग, केरल सरकार</p> <p>4. श्री कान्तिलाल दाण्डे, भा.प्र.से., सरकार के सचिव, आन्ध्र प्रदेश सरकार (09/09/2022 से 16/11/2024)</p> <p>तथा</p> <p>श्री एम.एम. नायक, भा.प्र.से., (2005) आंध्र प्रदेश जनजातिय कल्याण विभाग के सरकार के सचिव (17/11/2024 से)</p>
4.	<p>बृहत कॉफ़ी उपजकर्ताओं के प्रतिनिधि</p>	<p>नियम 3 (2) (ख)</p>	3	<p>1. श्री शाखेर नागराजन 2. डॉ. एच एस कृष्णानंद 3. श्री पी आर एम रविचंद्रन</p>
5.	<p>लघु कॉफ़ी उपजकर्ताओं के प्रतिनिधि</p>	<p>नियम 3 (2) (ख)</p>	7	<p>1. श्री टी.ए. किशोर कुमार 2. श्री जी.के. कुमार 3. श्री एन.बी. उदयकुमार 4. श्री एस. मणिगुण्डन 5. श्री ई. उन्निकृष्णन 6. श्री टी. विश्वनाथम 7. श्री कुरुसा उमामहेश्वर राव</p>



6.	कॉफी व्यापार हितों के प्रतिनिधि	नियम 3 (2) (ग)	3	1. श्री बी.एच.वी.प्रदीप पाई 2. श्री के. के. मनोज कुमार 3. श्री प्रभाकर राव जंयतु
7.	क्यूरिंग स्थापना के हितों के प्रतिनिधि	नियम 3 (2) (ग)	2	1. श्री डी.एम.शंकर 2. श्री ए.जी.डिविन राज
8.	श्रमिक हितों के प्रतिनिधि	नियम 3 (2) (ग)	3	1. श्री एन. भास्कर 2. श्री सिबी वर्गीस 3. -रिक्त-
9.	पदेन सदस्य	नियम 3 (2) (ग)	1	1. डॉ. के.जी. जगदीशा, भा.प्र.से., मुख्य कार्यकारी अधिकारी व सचिव, कॉफी बोर्ड, बेंगलूरु
10.	कॉफी उगाने वाले प्रमुख राज्यों के अलावा कॉफी उगानेवाले अन्य राज्यों के प्रतिनिधि	नियम 3 (2) (ग)	2	1. डॉ. लक्ष्मणन एस., भा.प्र.से., सरकार के सचिव, उद्योग एवं लोक उद्यम मंत्रालय विभाग, असम सरकार 2. श्री विकेई केन्या, भा.प्र.से., सरकार के सचिव, नागालैंड सरकार
11.	उपभोक्ता के हितैषी प्रतिनिधि	नियम 3 (2) (ग)	2	1. श्री मनोज कुमार दुबे 2. श्री शिरीश वासुदेव देशपाण्डे
12.	इंस्टैंट कॉफी विनिर्माताओं के प्रतिनिधि	नियम 3 (2) (ग)	1	1. श्री चल्ला श्रीशांत
13.	कॉफी के प्रोन्नयन/ प्रबंधन/विपणन/ अनुसंधान के क्षेत्र में एक प्रसिद्ध व्यक्तित्व	नियम 3 (2) (ग)	1	1. डॉ. जी.एस. महाबला, कॉफी प्रोन्नयन में प्रसिद्ध व्यक्तित्व



## वार्षिक रिपोर्ट 2024-2025

### बोर्ड के कार्य

#### बोर्ड को सौंपे गए प्रमुख कार्य इस प्रकार हैं :

1. कॉफी उद्योग के हित में कृषि एवं प्रौद्योगिकी अनुसंधान का प्रोन्नयन।
2. कॉफी एस्टेटों के विकास हेतु सहायता।
3. भारत में तथा विदेश में कॉफी का विक्रय एवं उपभोग का प्रोन्नयन।
4. कॉफी अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार अन्य प्रचालनों का प्रबंधन।

सांख्यिकीय और अन्य संगत आंकड़े संग्रहीत करते हुए उद्योग के विभिन्न क्षेत्रों में जानकारी प्रसार करता है; बोर्ड, कॉफी उद्योग की ओर से सरकार, मीडिया, व्यापार तथा आम जनता के लिए अधिकृत प्रवक्ता के रूप में कार्य करता है; कॉफी उद्योग के समग्र वृद्धि तथा विकास के लिए मार्गदर्शन देता है।

कॉफी बोर्ड, अंतर्राष्ट्रीय कॉफी संगठन, अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान संगठन, स्पेशालिटी कॉफी संघों जैसे अंतर्राष्ट्रीय मंच पर भारतीय कॉफी उद्योग का प्रतिनिधित्व करता है तथा कॉफी उद्योग के हित में उनके साथ कार्यरत है।

इसके अलावा, कॉफी बोर्ड, कॉफी उद्योग से संबंधित

### स्थाई समितियाँ :

बोर्ड प्रत्येक वर्ष निम्नलिखित स्थाई समितियों को नियुक्त करता है।

क्र.सं.	समिति का नाम	कार्य
1.	कार्यकारी समिति	कॉफी नियमवाली के अधीन विशेषतया सौंपे गए कार्य निपटाती है। इसके अतिरिक्त, प्रचार, विपणन, अनुसंधान या बोर्ड द्वारा गठित किसी अन्य समितियों को विशेष रूप से न सौंपे गए कार्य निपटाती है।
2.	प्रचार समिति	भारत में उत्पादित कॉफी के विक्रय का प्रोन्नयन तथा भारत और अन्यत्र उपभोग के प्रोन्नयन से संबंधित मामलों निपटाती है।
3.	विपणन समिति	कॉफी अधिनियम तथा नियमावली में निर्धारित कॉफी विपणन योजना के अनुसार कार्य करती है।
4.	अनुसंधान समिति	भारत में कॉफी उद्योग के हित में कृषि एवं प्रौद्योगिकीय अनुसंधान के प्रोन्नयन से संबंधित कार्य करती है।
5.	विकास समिति	कॉफी एस्टेट के विकास हेतु किए गए उपायों से संबंधित कार्य करती है।
6.	गुणवत्ता समिति	भारत में उत्पादित कॉफी की गुणता में सुधार से संबंधित सभी कार्य निपटाती है।



01.04.2024 से 31.03.2025 तक की अवधि के दौरान हुई बोर्ड तथा स्थाई समितियों की बैठकों का विवरण

बोर्ड की बैठकें	27 जून, 2024 को बोर्ड की 216वीं बैठक 10 दिसम्बर 2024 को बोर्ड की 217वीं बैठक 07 मार्च 2025 को बोर्ड की 218वीं बैठक
स्थायी समिति	गठित नहीं है/बनी।

\*\*\*\*\*

### अध्याय-III

## प्रशासन एवं स्थापना

कॉफी बोर्ड, कॉफी अधिनियम, 1942 (1942 का अधिनियम) के अंतर्गत गठित एक सांविधिक निकाय है जिसका निरंतर उत्तराधिकार तथा सामान्य मोहर है, जिसको अपनी संपत्ति के ग्रहण तथा उसका स्वामित्व, संविदाकरण, मुकदमा चलाने एवं मुकदमा चलाए जाने का अधिकार प्राप्त है।

### मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं सचिव

डॉ. के. जी. जीगदीश, भा.प्र.से.,

### विभागों के प्रधान

रिपोर्टाधीन अवधि के दौरान, निम्नलिखित विभागों के प्रधान उनके नामों के सामने दर्शाए गए पदों पर कार्यरत थे।

1. श्री एन. एन. नरेंद्रा, भा.आ.नि.से., वित्त निदेशक
2. डॉ. एम. सेंथिलकुमार, अनुसंधान निदेशक

विभिन्न विभागों एवं स्कंधों को सौंपे गए उत्तरदायित्व निम्नानुसार हैं :

### सचिवालय विभाग

सचिवालय विभाग सभी प्रशासनिक (कर्मचारी तथा कार्यालय स्थापना) तथा सतर्कता मामले, बोर्ड के विभिन्न प्रभागों/एककों में कार्य आबंटन एवं सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 के अंतर्गत सूचना प्रस्तुत करने के अनुपालन के अनुवीक्षण के लिए उत्तरदायी है। इस विभाग द्वारा श्रम कल्याण उपाय संबंधी के अनुवीक्षण के अलावा, बोर्ड तथा सांविधिक समितियों की बैठकें आयोजित करने का कार्य भी किया जाता है।

सचिवालय विभाग संबद्ध छः एकक निम्नानुसार हैं :

1. प्रशासन एकक
2. राजभाषा एकक
3. सतर्कता एकक
4. विधि एकक
5. अभियांत्रिकी एकक तथा
6. सूचना का अधिकार एवं शिकायत एकक

### प्रशासन एकक

#### (क) भर्ती

वर्ष के दौरान, कॉफी बोर्ड (संवर्ग एवं भर्ती) नियमों के अनुसार पदोन्नति/सीधी भर्ती द्वारा 'वैज्ञानिक', 'तकनीकी' व 'अनुसचीवीय' संवर्ग के पदों में रिक्तियों को भरने के लिए कार्रवाई शुरू की गई है।

#### (ख) पदोन्नतियाँ

वर्ष के दौरान, कॉफी बोर्ड की सेवाओं के 'वैज्ञानिक' 'तकनीकी' व 'अनुसचीवीय' संवर्ग में 57 अधिकारियों की पदोन्नति की गई।

#### (ग) संशोधित आश्वस्त कैरियर प्रगतन स्कीम (एमएसीपीएस):

वर्ष के दौरान, संशोधित आश्वस्त कैरियर प्रगतन स्कीम (एमएसीपीएस) के अंतर्गत 13 अधिकारियों/कर्मचारियों को वित्तीय उन्नयन प्रदान किया गया।



**(घ) संशोधित नम्य/ पूरक योजना (एमएफसीएस):**

संशोधित नम्य पूरक योजना (एमएफसीएस) के अंतर्गत बोर्ड के किसी वैज्ञानिक को स्वस्थाने पदोन्नति प्रदान नहीं की गई।

**(ङ) कैरियर सुधार योजना (सीआईएस) :**

वर्ष के दौरान, कॉफी बोर्ड की कैरियर सुधार योजना (सीआईएस) के अंतर्गत किसी कनिष्ठ स्तर के वैज्ञानिक अधिकारियों को करियर सुधार योजना के तहत अगला उच्च श्रेणी प्रदान नहीं किया गया। (कुल शून्य)

क्र.सं.	संवर्ग/श्रेणी	स्थानांतरित अधिकारियों/ कर्मचारियों की संख्या
1.	समूह 'क'	13
2.	समूह 'ख'	12
3.	समूह 'ग'	01
	<b>कुल</b>	<b>26</b>

**(च) स्थानांतरण तथा तैनातियाँ :**

वर्ष 2024-25 के दौरान, सामान्य स्थानांतरण मार्गदर्शनों के आधार पर कुल 26 अधिकारियों/ कर्मचारियों को स्थानांतरित किया गया। इसका विवरण निम्नलिखित है :

**31.03.2025 को यथास्थिति कॉफी बोर्ड के कर्मचारियों की संख्या**

दिनांक 31.03.2025 को यथास्थिति समूहवार कर्मचारियों की संख्या, अनुसूचित जाति व अनुसूचित जनजाति के कर्मचारियों की संख्या तथा कॉफी बोर्ड की महिला कर्मचारियों की संख्या का विवरण नीचे संक्षेप में दिया गया है:

क्र. सं.	कुल		अ.जा./ अ.ज.जा.				महिला	
	वर्गीकरण	कर्मचारियों की संख्या	अ.जा.	अ.ज.ज.	प्रतिनिधित्व के प्रतिशत		महिला कर्मचारियों की संख्या	महिला प्रतिनिधियों का प्रतिशत
					अ.जा.	अ.ज.ज.		
(1)	समूह 'क'	63	8	4	12.70	6.35	13	20.63
(2)	समूह 'ख'	132	25	10	18.94	7.58	55	41.67
(3)	समूह 'ग'	211	34	7	16.11	3.32	41	19.43
	<b>कुल</b>	<b>406</b>	<b>67</b>	<b>21</b>	<b>16.50</b>	<b>5.17</b>	<b>109</b>	<b>26.85</b>



## वार्षिक रिपोर्ट 2024-2025

### कर्मचारी कल्याण उपाय :

(01.04.2024 से 31.03.2025 तक)

- रिपोर्टाधीन अवधि के दौरान, किसी को भी वाहन खरीद अग्रिम मंजूर नहीं किया गया।
- रिपोर्टाधीन अवधि के दौरान, किसी को भी वैयक्तिक कंप्यूटर अग्रिम मंजूर नहीं किया गया।
- रिपोर्टाधीन अवधि के दौरान, किसी को भी भवन निर्माण अग्रिम मंजूर नहीं किया गया।
- कॉफी बोर्ड, भारतीय जीवन बीमा निगम के सहयोग से 'सामूहिक बचत संबद्ध बीमा योजना' संचालित करता है। मार्च, 2025 की समाप्ति पर, स्कीम में 309 सदस्य के रूप में नामांकित हैं तथा वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान 52 सदस्यों को ₹25,33,850/- की राशि का निपटान किया गया।

### श्रम कल्याण उपाय

कार्यक्रम के तहत कॉफी बागानों एवं क्यूरिंग प्रतिष्ठानों में काम करने वाले मजदूरों के बच्चों को सहायता प्रदान की गई।

- शैक्षिक छात्रवृत्ति :-** शैक्षिक वर्ष 2024-25 में एसएसएलसी परीक्षा में उत्तीर्ण विद्यार्थियों तथा एसएसएलसी के पश्चात प्रथम वर्ष पी.यू.सी., पॉलीटेकनीक/व्यावसायिक प्रशिक्षण जैसे उच्च अध्ययन करने वाले विद्यार्थियों को ₹5000/- प्रति विद्यार्थी की दर से छात्रवृत्ति दी गई।
- प्रोत्साहन पुरस्कार:-** शैक्षिक वर्ष 2023-24 में एसएसएलसी परीक्षा में उच्चतम अंक प्राप्त करते हुए आगे के अध्ययन जारी रखने के लिए प्रति छात्रा एवं छात्र को ₹2,500/- का प्रोत्साहन पुरस्कार प्रदान किया गया।
- वित्तीय सहायता :-** वर्ष 2024-25 के दौरान XIIवीं कक्षा उत्तीर्ण होने के बाद स्नातक तथा व्यावसायिक पाठ्यक्रम का अध्ययन करने वाले विद्यार्थियों को वित्तीय सहायता प्रदान की गई। वित्तीय सहायता का विवरण निम्नानुसार है :-

विवरण	प्रति छात्र/छात्रा
<b>वित्तीय सहायता</b>	
स्नातक	7,500
स्नातकोत्तर	15,000
<b>वित्तीय सहायता- व्यावसायिक पाठ्यक्रम</b>	
चिकित्सा विज्ञान, कृषि एवं संबद्ध विज्ञान पशुपालन/ अभियांत्रिकी/फार्मेसी/नर्सिंग तथा अन्य समकक्ष उपाधि	20,000



वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान निधि की उपयोगिता

विवरण	लाभार्थियों की संख्या	राशि (₹ में)
शैक्षिक छात्रवृत्ति	3,195	1,59,75,000
प्रोत्साहन पुरस्कार	22	55,000
वित्तीय सहायता		
(i) स्नातक	1,116	83,70,000
(ii) स्नातकोत्तर	412	61,80,000
(iii) व्यावसायिक पाठ्यक्रम	529	1,05,80,000
<b>कुल जोड़</b>	<b>5,274</b>	<b>4,11,60,000</b>
अनुसूचित जाति	1,100	99,27,500
अनुसूचित जनजाति	2,342	1,59,40,000
<b>कुल</b>	<b>3,442</b>	<b>2,58,67,500</b>

2024-25 के दौरान, श्रम कल्याण उपाय के अंतर्गत 5,274 लाभार्थियों को ₹4,11,60,000/- की राशि प्रदान की।

**राजभाषा स्कंध**

- हिन्दी के प्रयोग के लिए राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा जारी किए गए वार्षिक कार्यक्रम 2024-25 में उल्लिखित हिन्दी पत्राचार (ई-मेल सहित) एवं हिन्दी टिप्पण के लक्ष्य क्रमशः 55% और 30% प्राप्त किए गए।
- राजभाषा नियम, 1976 के उप नियम 5 का अनुपालन करते हुए प्राप्त हिन्दी पत्रों का उत्तर शत-प्रतिशत हिन्दी में ही दिया गया।
- राजभाषा अधिनियम, 1963 की धारा 3(3) के अंतर्गत 14,124 दस्तावेज द्विभाषी (हिन्दी-अंग्रेजी) में जारी किए गए।
- वार्षिक कार्यक्रम में उल्लिखित हिन्दी माध्यम से प्रशिक्षण के लक्ष्य को 30 प्रतिशत प्राप्त किया गया।
- कॉफी बोर्ड, मुख्यालय एवं समस्त उप-कार्यालयों के अधिकारियों के ई-मेल हस्ताक्षर (पूरा नाम व पता) पूर्णतः द्विभाषी किए गए।
- रिपोर्टाधीन वर्ष के दौरान राजभाषा कार्यान्वयन समिति की चार बैठक (अप्रैल-जून, जुलाई-सितम्बर, अक्टूबर-दिसम्बर एवं जनवरी-मार्च) आयोजित की गई।
- सरकारी कामकाज में हिन्दी के प्रयोग को बढ़ाने के उद्देश्य से, प्रत्येक तिमाही में हिन्दी कार्यशालाओं के माध्यम से कर्मचारियों को प्रशिक्षित किया गया। इन

कार्यशालाओं में राजभाषा से संबंधित संवैधानिक प्रावधानों, राजभाषा नीति, संसदीय राजभाषा समिति की प्रश्नावली, हिंदी तिमाही प्रगति रिपोर्ट तैयार करने और हिंदी में कार्य करने में प्रौद्योगिकी के उपयोग पर चर्चा और अभिमुखीकरण शामिल थे।

- राजभाषा विभाग द्वारा जारी राजभाषा कार्यान्वयन से संबंधित निरीक्षण बिंदुओं के अनुपालन के अंतर्गत, कॉफी बोर्ड मुख्यालय में डेस्कटॉप प्रशिक्षण आयोजित किया गया।
- निरीक्षण के दौरान, प्रतिभागियों को राजभाषा अधिनियम, 1963 की धारा 3(3) के अंतर्गत दस्तावेजों की द्विभाषी प्रकृति के बारे में जानकारी दी गई। राजभाषा नियम, 1976 के नियम 11 के अंतर्गत नामपट्ट, नामबोर्ड और विजिटिंग कार्ड के लिए त्रिभाषी सूत्र के प्रयोग की जानकारी दी गई। राजभाषा कार्यान्वयन की प्रभावशीलता बढ़ाने के लिए आवश्यक निर्देश भी जारी किए गए।
- राजभाषा विभाग के निर्देशानुसार, कॉफी बोर्ड मुख्यालय की तिमाही प्रगति रिपोर्ट प्रत्येक तिमाही में ऑनलाइन प्रेषित की गई। यह रिपोर्ट क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय (दक्षिण-बेंगलूरु) एवं संबंधित मंत्रालय को प्रेषित की गई।
- दिनांक 22.10.2024 को उप निदेशक (राजभाषा), वाणिज्य विभाग, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली द्वारा कॉफी बोर्ड मुख्यालय में राजभाषा नीति/कार्यान्वायन संबंधी निरीक्षण किया गया।
- हिंदी दिवस के अवसर पर, अधिकारियों/कर्मचारियों में हिंदी के प्रति रुचि विकसित करने और सरकारी कामकाज में हिंदी के प्रयोग को बढ़ाने के उद्देश्य से "हिंदी माह-2024" का आयोजन किया गया। इस माह के दौरान विभिन्न रचनात्मक प्रतियोगिताएँ आयोजित

की गई। राजभाषा संगम कार्यक्रम के अंतर्गत हिंदी संगोष्ठी और हिंदी कविता पाठ का आयोजन किया गया। बेंगलूरु के प्रतिष्ठित कॉलेजों और विश्वविद्यालयों के 35 छात्रों के लिए "हिंदी में रोजगार के अवसर" विषय पर एक विशेष कार्यशाला आयोजित की गई। इस कार्यक्रम में कॉफी बोर्ड मुख्यालय के लगभग 80 अधिकारियों/कर्मचारियों और बेंगलूरु स्थित सभी नगर राजभाषा कार्यान्वयन समितियों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। कॉफी बोर्ड के उप-कार्यालयों के अधिकारियों/कर्मचारियों के लिए एक आभासी माध्यम से हिंदी भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कॉफी बोर्ड मुख्यालय के 50% विभागों का राजभाषा कार्यान्वयन संबंधी निरीक्षण किया गया एवं यथावश्यक सुझाव/निदेश दिए गए।

- कॉफी बोर्ड के लगभग 40% उप-कार्यालयों (जैसे- संयुक्त निदेशक (विस्तार) का कार्यालय, हासन उप निदेशक का कार्यालय (अनुसंधान), चेन्नई उप निदेशक का कार्यालय (विस्तार) गोणिकोप्पल और उप निदेशक का कार्यालय (विस्तार) मडिकेरी) का राजभाषा कार्यान्वयन संबंधी निरीक्षण किया गया एवं यथावश्यक सुझाव/निदेश दिए गए। हिंदी कार्यशाला आयोजित की गई। जबकि कुछ कार्यालयों का आभासी निरीक्षण भी किया गया।
- कॉफी बोर्ड के सभी उप-कार्यालयों में नियुक्त राजभाषा नोडल अधिकारियों की प्रत्येक तिमाही में बैठक आयोजित की गई। इन बैठकों में संबंधित कार्यालयों में राजभाषा नीति के पूर्णतः अनुपालन हेतु विभिन्न मर्दों पर विस्तार से चर्चा की गई। हिंदी में कार्यवृत्त जारी की गई। अनुवर्ती कार्रवाई सुनिश्चित की गई।
- दिनांक 14 व 15 सितम्बर, 2024 को भारत मण्डपम, नई दिल्ली में आयोजित हिंदी दिवस 2024 एवं चतुर्थ अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन में माननीय केन्द्रीय



गृह राज्य मंत्री जी के कर कमलों द्वारा कॉफी बोर्ड की छमाही राजभाषा गृह-पत्रिका “कॉफी सम्वाद” को राजभाषा कीर्ति पुरस्कार (गृह पत्रिका) से सम्मानित किया गया। इस सम्मेलन में कॉफी बोर्ड के वित्त निदेशक, उप निदेशक (राजभाषा) सहित राजभाषा स्कन्ध के दो अधिकारी उपस्थित थे।

- सीसीआरआई द्वारा प्रकाशित “मासिक तकनीकी ई-सलाह” एवं अटल इन्क्यूबेशन केंद्र, कॉफी बोर्ड, मुख्यालय की “ई-समाचार पत्रिका” का निरंतर हिन्दी अनुवाद सुनिश्चित किया गया/किया जा रहा है।
- राजभाषा विभाग, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार को वार्षिक मूल्यांकन प्रतिवेदन 2024 प्रेषित किया गया।
- दिनांक 04 जनवरी 2025 को मैसूर में आयोजित क्षेत्रीय राजभाषा सम्मेलन के दौरान, अर्धवार्षिक आंतरिक पत्रिका “कॉफी संवाद” के चौथे अंक का विमोचन बिहार के माननीय राज्यपाल द्वारा किया गया। इस अवसर पर माननीय केंद्रीय गृह राज्य मंत्री, राजभाषा विभाग, नई दिल्ली के सचिव, मैसूर के सांसद और अन्य गणमान्य अतिथि उपस्थित थे। राजभाषा की विभिन्न गतिविधियों/कार्यक्रमों/प्रकाशनों को प्रदर्शित करने वाली एक प्रदर्शनी और भारतीय कॉफी का एक कॉफी स्टॉल भी लगाया गया था।

### सतर्कता एकक

सतर्कता एकक को निम्नलिखित कार्यों का दायित्व दिया गया है:-

1. शिकायतें प्राप्त कर उन पर कार्रवाई करना।
2. बोर्ड की सेवा में भर्ती किए गए उम्मीदवारों के चरित्र तथा पूर्ववृत्त का सत्यापन। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार एवं केंद्रीय सतर्कता आयोग को प्रेषित करने के लिए आवधिक विवरणी तैयार करना।
3. कॉफी बोर्ड के अधिकारियों/कर्मचारियों को भिन्न उद्देश्य के लिए सतर्कता निर्बाधता जारी करना।
4. बोर्ड के अधिकारियों/कर्मचारियों द्वारा चल एवं अचल तथा संपत्तियों को अर्जित करने के लिए अनुमति प्राप्त करने का आवेदन पर कार्रवाई करना तथा समूह “क” एवं समूह “ख” अधिकारियों की अचल संपत्ति विवरणी की संवीक्षा करना।
5. मुख्यालय के विभिन्न अनुभागों/उप-कार्यालयों की औचक सतर्कता जाँच करना।
6. अनुशासनात्मक कार्यवाई से संबंधित फ़ाइलों पर कार्रवाई करना।
7. वर्ष 2024-25 के दौरान, 28 अक्तूबर से 03 नवंबर 2024 तक सतर्कता जागरूकता सप्ताह का आयोजन।
8. दिनांक 3 से 9 दिसंबर 2024 तक “कार्यस्थल पर महिलाओं का यौन उत्पीड़न रोकथाम सप्ताह” मनाया गया। 11.12.2024 को कॉफी बोर्ड में हाइब्रिड मोड के माध्यम से एक कार्यशाला भी आयोजित की गई।

### सतर्कता मामलों का विवरण

1)	दि.01.04.2024 को यथास्थिति लंबित अनुशासनिक मामले	शून्य
2)	दि. 01.04.2024 से दि. 31.03.2025 तक के दौरान जुड़े गये अनुशासनिक मामले	शून्य
3)	दि. 01.04.2024 से दि. 31.03.2025 तक के दौरान निपटाए गए अनुशासनिक मामले	शून्य
4)	दि. 31.03.2025 को यथास्थिति लंबित अनुशासनिक मामले	शून्य

## विधि प्रकोष्ठ

विधि प्रकोष्ठ निम्नलिखित कार्यों के लिए उत्तरदायी है:

- सेवा मामले, विपणन, कराधान तथा बौद्धिक संपदा अधिकार (आईपीआर), बागान श्रम आदि से संबंधित बोर्ड के सभी विधि विषयों को देखना।
- उच्चतम न्यायालय, संबंधित राज्यों के उच्च न्यायालय, श्रम न्यायालय, निचला न्यायालय, आईपीआर अधिकरण तथा विक्रय कर अपीली फोरम जैसे विभिन्न न्यायालयों के समक्ष लंबित मुकद्दमेंबाजी को देखना।
- वादपत्र/प्रतिवाद तैयार करने तथा तर्क के लिए बोर्ड के अधिवक्ताओं को संगत रिकार्ड देते हुए समन्वयन एवं सहायता प्रदान करना।
- कॉफ़ी अधिनियम के संशोधन से संबंधित पत्राचार करना तथा विधि मामलों पर वाणिज्य मंत्रालय से पत्राचार करना।
- निर्यात, पेंशन, अभियांत्रिकी, प्रशासन आदि विभिन्न अनुभागों द्वारा संदर्भित फाइलों पर अपना अभिमत प्रदान करना।

## न्यायालय के विचाराधीन मामलों की स्थिति :

वर्षारंभ में 73 मामले लंबित थे। वर्ष के दौरान, कोई भी नया मामला दर्ज नहीं हुआ है। 31.03.2025 को यथास्थिति कुल 73 मामले भी लंबित हैं।

## क्रय कर विवाद की स्थिति :

### केरल सरकार:

माननीय केरल उच्च न्यायालय ने अपने आदेश दिनांक 29.8.2008 के अधीन वर्ष 1984/85 से 1990/91 तथा 1994/95 से 1996/97 तक के लिए केंद्रीय विक्रय करारोपण की पुष्टि में एसटीएटी द्वारा जारी किए गए आदेश

रद्द कर दिया तथा नियमानुसार मामले की पुनः जाँच करने के लिए कर निर्धारण अधिकारी को प्रतिप्रेषित कर दिया। इसी तरह, सीएसटी के अधीन वर्ष 1991/92 से 1993/94 तक एवं 2000/01 तथा केजीएसटी के अधीन वर्ष 1991/92 से 1993/94 तक, 1996/97 एवं 1997/98 से संबंधित अपीलों को एसटीएटी ने अपने दिनांक 26.9.2012 के आदेश के अधीन मामले को कर निर्धारण अधिकारी को प्रतिप्रेषित कर दिया। बोर्ड ने 'मांग की छूट' के लिए उपलब्ध संगत रिकार्ड प्रस्तुत किया। फिर भी, कर निर्धारण अधिकारी ने वर्ष 1984/85 से 1990/91 तक, 1994/95 एवं 1995/96 के लिए केंद्रीय विक्रय करारोपण की पुष्टि करते हुए दिनांक 14.3.2014 को आदेश जारी किया एवं ₹34.53 करोड़ की सी.एस.टी. मांग और ₹174.09 करोड़ का ब्याज को शामिल कर कुल ₹208.62 करोड़ की मांग की। बोर्ड ने एसटीएटी, पालक्काड, केरल के समक्ष प्रथम तथा द्वितीय अपीलें प्रस्तुत की। मामले की विस्तृत सुनवाई के बाद एसटीएटी ने 20.05.2016 को एक आदेश पारित करते हुए कर निर्धारण अधिकारी को निदेश दिया है कि रिकार्ड प्रस्तुत करने तथा व्यक्तिगत रूप से सुनवाई के लिए कॉफ़ी बोर्ड को अवसर दें। हालाँकि, केरल राज्य ने केरल उच्च न्यायालय के समक्ष पुनरीक्षण याचिका दायर की, जिसे 6 महीने की अवधि के भीतर मूल्यांकन पूरा करने के निर्देश के साथ खारिज कर दिया गया है। निर्णय के अनुसार, निर्धारण प्राधिकारी, राज्य कर अधिकारी, केरल जीएसटी विभाग, चावक्काड ने रिकार्ड पेश करने का आदेश जारी किया है। तदनुसार, कॉफ़ी बोर्ड ने मूल मूल्यांकन के समय प्रस्तुत किए गए रिकार्ड के अलावा दावों को प्रमाणित करने के लिए और रिकार्ड प्रस्तुत किए। निर्धारण प्राधिकारी ने उन्हें इस आधार पर स्वीकार करने से इनकार कर दिया कि परिवहन रसीदें /चालान / बिल्स ऑफ़ लैडिंग आदि के उत्पादन पर ही न्यायाधिकरण के निर्देशों के अनुसार विचार किया जाएगा तथा ₹2,41,66,24,328/- के भुगतान के आदेश पारित किए। कॉफ़ी बोर्ड ने कर विशेषज्ञों और बोर्ड के अधिवक्ता के साथ परामर्श के बाद, जो माननीय



उच्च न्यायालय में उपस्थित हुए, केरल कर विभाग, त्रिशूर के उपायुक्त (अपील) के समक्ष अपील तैयार कर के दायर की और स्थगन आदेश आवेदन भी दायर किए। उपायुक्त (अपील) ने कॉफी बोर्ड द्वारा दायर अपीलों और स्थगन आदेशों पर विचार करने के लिए विवादित राशि (₹2.41 करोड़) का 1 प्रतिशत वापस करने का नोटिस जारी किया। बोर्ड ने माननीय केरल उच्च न्यायालय के समक्ष एक रिट याचिका दायर की और माननीय न्यायालय ने नोटिस के लिए अंतरिम स्थगन जारी किया और यह मामला अंतिम आदेशों के लिए लंबित है।

### अभियांत्रिकी एकक

देश भर में विभिन्न स्थानों पर कॉफी बोर्ड के स्वामित्व का कार्यालय भवन यथा, बेंगलूर, मैसूर, चिक्कमगलूर तथा हासन (कर्नाटक); चेन्नई एवं बोदिनायकनूर (तमिलनाडु); गुवाहाटी व सिलचर (असम); चिंतपल्ली, अरकूवैली (आंध्र प्रदेश) तथा नई दिल्ली, बेंगलूर, हासन (कर्नाटक); बोदिनायकनूर (तमिलनाडु); गुवाहाटी, सिलचर (असम); चिंतपल्ली, अरकूवैली (आंध्र प्रदेश) में आवासीय फ्लैट्स हैं।

इसके अलावा, कर्नाटक के चिक्कमगलूर जिले में केंद्रीय कॉफी अनुसंधान संस्थान चेन्नैली में (मडिकेरी के पास) कॉफी अनुसंधान उप-केंद्र, केरल के चुंडेल, तमिल नाडु के तांडीगुडी, आंध्र प्रदेश के आर.वी.नगर तथा असम के दिफू में क्षेत्रीय कॉफी अनुसंधान केंद्रों में आवासीय क्वार्टर्स हैं। कर्नाटक, केरल, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, ओडिशा राज्य तथा भारत के पूर्वोत्तर क्षेत्र अर्थात् असम, अरुणाचल

प्रदेश, त्रिपुरा एवं मिज़ोरम, राज्यों में विस्तार विभाग द्वारा प्रौद्योगिकी मूल्यांकन केंद्रों का अनुरक्षित किया जाता है। बेंगलूर के इंडिया कॉफी हाउस तथा भोपाल के इंडिया कॉफी सेंटर (अब बंद है) का स्वामित्व व अनुरक्षण भी कॉफी बोर्ड द्वारा किया जाता है।

### व्यय का विवरण

अभियांत्रिकी एकक ने पूंजीगत परिसंपत्ति सृजन, भवन अनुरक्षण के साथ-साथ स्वच्छता कार्य योजना के अंतर्गत बोर्ड के भवनों के अनुरक्षण एवं नए निर्माण कार्यों का कार्य शुरू किया है तथा वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान इन कार्यों के लिए 4,73,79,932/- रुपये की राशि खर्च की गई है।

### सूचना का अधिकार (आरटीआई) एवं शिकायत एकक

#### सूचना का अधिकार

सूचना का अधिकार अधिनियम 2005 के अधीन, वर्ष 2024-25 के दौरान भारत के नागरिकों से सूचना/दस्तावेज की माँग करते हुए 56 आरटीआई आवेदन कॉफी बोर्ड को प्राप्त हुए तथा पिछले वर्ष के 4 आरटीआई आवेदन लंबित थे। इसमें से 55 आवेदनों का निपटारा कर दिया गया है, 05 आवेदन लंबित हैं। कॉफी बोर्ड को 07 अपीलें प्राप्त हुईं तथा 07 अपीलों का निपटारा कर दिया गया, जिससे कोई भी अपील लंबित नहीं है। कॉफी बोर्ड को 17 शिकायतें प्राप्त हुईं और 17 शिकायतों का निपटारा कर दिया गया, जिससे कोई भी शिकायत लंबित नहीं है।

2024-25 के लिए सूचना का अधिकार (आरटीआई) आवेदन संबंधी विवरण

क्र.सं.	विवरण	स्थिति
1.	अथ शेष	04
2.	वर्ष के दौरान प्राप्तियाँ	56
3.	कुल	60
4.	वर्ष के दौरान निपटान	55
5.	31.03.2025 के दौरान लंबित मामले या इतिशेष	05

2024-25 के लिए सूचना का अधिकार (आरटीआई) अपील संबंधी विवरण

क्र.सं.	विवरण	स्थिति
1.	अथशेष	00
2.	वर्ष के दौरान प्राप्तियाँ	07
3.	कुल	07
4.	वर्ष के दौरान निपटान	07
5.	31.03.2025 के दौरान लंबित मामले या इतिशेष	00

2024-25 के लिए आरटीआई शिकायत संबंधी विवरण

क्र.सं.	विवरण	स्थिति
1.	अथशेष	00
2.	वर्ष के दौरान प्राप्तियाँ	17
3.	कुल	17
4.	वर्ष के दौरान निपटान	17
5.	31.03.2025 के दौरान लंबित मामले या इतिशेष	00

\*\*\*\*\*



अध्याय III (क)

दिव्यांग कर्मियों का विवरण

हालाँकि, दिनांक 31.03.2025 के अवधि के दौरान कॉफी बोर्ड में कुल 15 बेंचमार्क विकलांगता वाले कार्मिक कार्यरत हैं। उनका संवर्गवार विवरण निम्नानुसार है:

क्र.सं.	समूह	समूह	वर्तमान संख्या	दिव्यांग व्यक्तियों की संख्या		श्रेणीवार दिव्यांग कर्मचारी		
				सं	दिव्यांग का कुल %	अना	अ.जा	अ.ज.जा
1.	उप निदेशक (अनुसंधान)	क	5	1	20.00	1	--	--
2.	वरिष्ठ संपर्क अधिकारी	क	21	1	4.76	1	--	--
3.	अनुसंधान सहायक श्रेणी-I	ख	18	3	16.67	3	--	--
4.	कनिष्ठ अनुवाद अधिकारी	ख	2	1	50.00	1	--	--
5.	सहायक विस्तार अधिकारी – श्रेणी-1	ख	47	1	2.13	1	--	--
6.	विस्तार निरीक्षक	ग	46	1	2.17	1	--	--
7.	वरिष्ठ सहायक	ग	19	6	31.58	6	--	--
8.	बहु-कार्यण कर्मचारी	ग	125	1	0.80	1	--	--
कुल			283	15	5.30	15	--	--

\*\*\*\*\*

अध्याय - IV

कॉफ़ी अनुसंधान

कॉफ़ी बोर्ड के अनुसंधान विभाग ने एकीकृत कॉफ़ी विकास कार्यक्रम (आईसीडीपी) स्कीम के अंतर्गत कई अनुसंधान परियोजनाएँ क्रियान्वित की हैं। इन परियोजनाओं को चेन्नै (कोडगु, कर्नाटक), चंडेल (वयनाड, केरल), तांडीगुडी (पलनीज़, तमिलनाडु), आर.वी.नगर (अल्लुरी सीतारामाराजु जिला, आंध्र प्रदेश) और दिफू (कार्बी आंगलांग जिला, असम), पादप ऊतक संवर्धन एवं जैव प्रौद्योगिकी प्रभाग (सीआरएसएस, चेन्नै) और कॉफ़ी गुणवत्ता मूल्यांकन प्रभाग (बेंगलूरु) में स्थित केंद्रीय कॉफ़ी अनुसंधान संस्थान (सीसीआरआई) के अनुसंधान केंद्रों और प्रभागों के नेटवर्क के माध्यम से क्रियान्वित की गई हैं। इसके अलावा, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय संस्थानों के साथ सहयोगात्मक अनुसंधान कार्यक्रम भी शुरू किए गए, जैसे कॉफ़ी हार्वेस्टर का विकास (आईआईटी, रुड़की और सीआईईई, भोपाल), कॉफ़ी के विभिन्न पीड़कों के प्रबंधन के लिए प्रौद्योगिकियों का विकास (राष्ट्रीय कृषि कीट संसाधन ब्यूरो-एनबीएआईआर, बेंगलूरु; एटीजीसी बयोटेक प्राइवेट लिमिटेड - हैदराबाद; जवाहरलाल नेहरू उन्नत वैज्ञानिक अनुसंधान केंद्र, बेंगलूरु; टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ जेनेटिक्स एण्ड सोसाइटी, बेंगलूरु; भारतीय बागवानी अनुसंधान संस्थान, बेंगलूरु और आईआईएससी, बेंगलूरु), छायादार कॉफ़ी बागान में कार्बन प्रवाह की निगरानी (इसरो, बेंगलूरु), विश्व कॉफ़ी अनुसंधान परियोजना के अंतर्राष्ट्रीय बहु-स्थान किस्म परीक्षण के तहत अरेबिका किस्मों का मूल्यांकन और नेस्ले आर एण्ड डी, फ्रांस से आयातित रोबस्टा जीनप्ररूप का मूल्यांकन।

वर्ष 2024-25 के दौरान किए गए विभिन्न अनुसंधान परियोजनाओं तथा अन्य संबद्ध गतिविधियों की प्रमुख उपलब्धियां इस प्रकार हैं:

स्कीम : एकीकृत कॉफ़ी विकास परियोजना

घटक 1: संधारणीय कॉफ़ी उत्पादन के लिए अनुसंधान एवं विकास

उप घटक 1.1: परंपरागत प्रजनन एवं जैव-प्रौद्योगिकीय तरीकों से स्थायी प्रतिरोध और अधिक उत्पादकता के लिए पौधों को सुधारना

पौधा प्रजनन एवं आनुवंशिकी प्रभाग

कॉफ़ी पर्ण किट्ट (सीएलआर) के प्रति प्रतिरोधक क्षमता और आशाजनक अरेबिका जीनप्ररूपों की कप गुणवत्ता सुधार के लिए, 2024-25 पुष्पण ऋतु के दौरान विभिन्न संकरण [चंद्रगिरि का 13वाँ पौधा (कलमित पौधा) x एस.2803; चंद्रगिरि का 13वाँ पौधा (मूल पौधा) x एस.2593 का सातवाँ पौधा; एस.5086 (37/13) x एस.2803; एस.5086 (38/10) x एस.2593 का सातवाँ पौधा; एस.5059 (14/11) x एस.2803 और एस.5059 (14/10) x एस.2593 सातवाँ पौधा] किए गए। इसके अलावा, सही प्रजनन नीति का पालन करते हुए और भी सुधार लाने के लिए एस.5168 (9 पौधे), एस.5086 (10 पौधे) के एफ2 पौधों और एस.5086 (38/12) के एफ1 पौधों में स्व-निषेचन किया गया।

कॉफ़ी पर्ण किट्ट के प्रति उच्च क्षेत्र सह्यता और बेहतरीन कप गुणवत्ता के साथ उच्च उपज देने वाले सशक्त अर्ध-बौने जीनप्ररूपों को विकसित करने के उद्देश्य से, कोलम्बियाई काटिमोर और लंबे अरेबिका जीनप्ररूपों (एसएलएन.5बी, एस.1934 और एसएलएन.9) के बीच संकरण किए गए और सात संयोगों को रोपित किए गए। पहली पीढ़ी में पौधों के बेहतर प्रदर्शन के आधार पर, वांछित पौधे को स्व-निषेचन



करके आगे की पीढ़ियों को तैयार की गई और सीसीआरआई और अन्य क्षेत्रीय स्टेशनों पर प्लॉट स्थापित किए गए। कॉफी पर्ण किट्ट के प्रति क्षेत्र सह्यता और उपज पर अवलोकन ने संकेत दिया कि एस.4817 के एफ1 संकर के 2/9, 3/5, 4/10, 6/3 और 6/5 पौधे, पर्ण किट्ट से मुक्त पाए गए। पौधों से उपज 1,360 किलोग्राम क्लीन कॉफी/हेक्टेयर से लेकर 1,420 किलोग्राम क्लीन कॉफी/हेक्टेयर तक थी।

कॉफी पर्ण किट्ट (सीएलआर) सह्य अर्ध-बौने जीनप्ररूपों को विकसित करने के उद्देश्य से, एचडीटी कैटुवाई और एसएलएन.10 (एसएच3 दाता के रूप में) के बीच संकर किया गया। सीसीआरआई के अनुसंधान फार्म में 2011 सीजन के दौरान पाँच संकर संततियों (एस.5052, एस.5053, एस.5057, एस.5058 और एस.5059) को बागान में रोपा गया। पाँच संकरों में से, एस.5059 (एचडीटी कैटुआई 4/5 x एसएलएन.10 1/8) ने 1,156 किलोग्राम स्वच्छ कॉफी/हेक्टेयर (सात वर्षों की उपज के आँकड़ों का औसत) की उच्चतम अनुमानित उपज दर्ज की। इसके बाद, एस.5053 (एसएलएन.10 1/12 x एचडीटी कैटुआई 1/13) में 938 किलोग्राम क्लीन स्वच्छ कॉफी/हेक्टेयर की उपज दर्ज की गई। इसके अलावा, एस.5059 सीएलआर के प्रति सबसे कम सुग्राही थी (केवल 7% पौधें सीएलआर के प्रति सुग्राही थी)।

चंद्रगिरी में कॉफी पर्ण किट्ट के प्रति प्रतिरोधक क्षमता को बेहतर बनाने के प्रयास में, एसएच3 किट्ट प्रतिरोधक जीन की पिरामिडिंग के ज़रिए चंद्रगिरी (एस.4202) x एसएलएन.10 के बीच परस्पर संकरण से चार एफ1 संततियों (एस.5083 से एस.5086) को विकसित की गई। कॉफी पर्ण किट्ट के प्रति क्षेत्र सह्यता के लिए संततियों पर लगातार निगरानी की गई। चार जीनप्ररूपों में से, एस.5085 और एस.5086 जीनप्ररूप कॉफी पर्ण किट्ट के आपतन से मुक्त रहें, जबकि एस.5084 में कॉफी पर्ण किट्ट के प्रति 26.5% सुग्राहिता दर्ज की गई, जिसके बाद, एस.5083 में 24% सुग्राहिता रही। उपज के

मामले में, एस.5086 ने 1,344 किलोग्राम क्लीन कॉफी/हेक्टेयर की अत्यधिक औसत उपज दर्ज की, उसके बाद एस.5086 (1,287 किलोग्राम क्लीन कॉफी/हेक्टेयर) है।

अर्ध-बौने जीनप्ररूपों में एसएच3 जीन को एकीकृत करने के उद्देश्य से, वर्ष 2013 के दौरान कैविमोर और एसएलएन.10 के बीच पारस्परिक संकरण किया गया। संकर पौधों (एस.5168 और एस.5171) को सीसीआरआई के अनुसंधान फार्म में उगाई गई। कॉफी पर्ण किट्ट के क्षेत्र सह्यता के मामले में, एस.5171 की तुलना में एस.5168 अधिक क्षेत्र सह्यता दर्शाया। एस.5171 (873 किलोग्राम क्लीन कॉफी/हेक्टेयर) की तुलना में एस.5168 में अनुमानित उपज (1,256 किलोग्राम क्लीन कॉफी/हेक्टेयर) अधिक थी।

“रोबस्टा लक्षण विशिष्ट कृतकीय किस्मों का विकास” पर दीर्घकालिक कार्यक्रम के तहत, 2019-20 से 2024-25 तक कोडगु, चिक्कमगलूर और वयनाड ज़ोन में सर्वोत्कृष्ट रोबस्टा मूल पौधों की पहचान के लिए व्यापक सर्वेक्षण किया गया। छः प्रावस्थाओं में 104 एस्टेटों से कुल 496 सर्वोत्कृष्ट रोबस्टा मूल पौधों की पहचान की गई। चार वर्षों में रोबस्टा के 250 मूल पौधों का मूल्यांकन पूरा किया गया। 250 पौधों में से, 40 पौधों को समुपयोजन के लिए क्षमता वाले मूल पौधों के तौर पर लघु सूचित किया गया।

विश्व कॉफी अनुसंधान (डब्ल्यूसीआर) के अंतर बहु-स्थानीय किस्मीय परीक्षण (आईएमएलवीटी) के एक भाग के तौर पर, पाँच भारतीय किस्मों सहित तीस किस्मों (20 अर्ध-बौने किस्म और 10 लंबी किस्म) को जांचा गया। अर्ध-बौने किस्मों में, उपज स्तर 246 किलोग्राम क्लीन कॉफी/हेक्टेयर से 746 किलोग्राम क्लीन कॉफी/हेक्टेयर तक थी और अत्यधिक अनुमानित उपज पैराएनेमा (806 किलोग्राम क्लीन कॉफी/हेक्टेयर) में दर्ज की गई, उसके बाद ईसी16 (744 किलोग्राम क्लीन कॉफी/हेक्टेयर) और मार्सेलेसा (700 किलोग्राम क्लीन कॉफी/हेक्टेयर) का स्थान है। नियंत्रण किस्म चंद्रगिरी में औसत उपज 836 किलोग्राम क्लीन



कॉफ़ी/हेक्टेयर दर्ज की गई। 'ए' ग्रेड सेम का प्रतिशत 11% (कैटिगुआ एमजी2) और 81% (पकामारा) के बीच था। मटर की फलियों का प्रतिशत कोलंबियाई किस्म में कम और ईसी16 (15.3%) में सबसे अधिक था। आईएमएलवीटी के तहत जांची गई 30 किस्मों में से, चंद्रगिरी (अर्ध-बौने नियंत्रण किस्म) और अरेबिका सेलेक्शन नंबर 2 ने आईएमएलवीटी में जांची गई विदेशी किस्मों के प्रति बेहतर निष्पादन दर्शाया।

आशाजनक एफ1 अरेबिका संकर के संकर ओज का समुपयोजन के लिए, सीसीआरआई ने वर्ष 2022 में जैन इरिगेशन सिस्टम्स लिमिटेड (जेआईएसएल) के साथ समझौता ज्ञापन हस्ताक्षरित किया। यह समझौता ज्ञापन उतक संवर्धन तकनीक से एफ1 अरेबिका संकर को बड़े पैमाने पर बढ़ाने के लिए था। जेआईएसएल ने अगस्त 2024 के दौरान तीन एफ1 अरेबिका संकर (एस.5086, एस.5085 और एस.5059) के 55,000 उतक संवर्धित पौधों की आपूर्ति की थी। रिपोर्टाधीन अवधि के दौरान उतक संवर्धित पौधों के बहु-स्थानीय क्षेत्र मूल्यांकन के लिए कुल 13,547 उतक संवर्धित पौधों को कर्नाटक और तमिलनाडु राज्यों के नौ रोपकों को आपूर्ति की गई।

“रोबस्टा की लक्षण विशिष्ट कृतकीय किस्मों के विकास” कार्यक्रम के तहत, आशाजनक रोबस्टा के 14 मूल पौधों (जिसमें छः पुराने रोबस्टा, चार एस.274 और चार सी x आर शामिल हैं) के पत्ते और कृतकीय नमूने अगस्त 2024 में जेआईएसएल को उतक संवर्धन तकनीक से बहु गुणन के लिए दिए गए थे। साथ ही, सीसीआरआई से अरेबिका के दो किस्मों (चंद्रगिरी और एस.4595) के पत्तों के नमूने भी पर बहु गुणन के लिए दिए गए।

चंद्रगिरी में कॉफ़ी सफेद तना छेदक की सहायता के लक्षण एकीकृत करने और एस.4595 के सेम आकार को बेहतर बनाने के उद्देश्य से, वर्ष 2024 के दौरान सीसीआरआई के अनुसंधान फार्म में कुल 1,000 एफ1 संकर पौधों (चंद्रगिरी और एस.4595 के संकरण से उत्पन्न) को क्षेत्र में उगाए गए हैं।

विश्व कॉफ़ी अनुसंधान के विस्तृत परियोजना के तहत, सीसीआरआई को सितंबर 2024 में कोस्टा रिका से 242 इन-विट्रो उत्पन्न पौध प्राप्त हुए। इन पौधों को मजबूत बनाने के लिए पॉली हाउस में रखा गया है।

### उतक संवर्धन प्रभाग एवं पादप जैव प्रौद्योगिकी केंद्र

“कॉफ़ी सफेद तना छेदक (सी डब्ल्यू एस बी) के प्रति प्रतिरोध विकसित करने के लिए जीनोमिक और ट्रांसजेनिक तरीकों का अनुप्रयोग” पर दीर्घकालिक परियोजना के तहत, प्रतिरोध से जुड़े जीनों की पहचान करने और फसल सुधार के लिए नैदानिक मार्कर विकसित करने के लिए जीनोमिक और ट्रांसजेनिक तरीकों की खोज की गई। कॉफ़ी सफेद तना छेदक से ग्रस्त अरेबिका पौधों से एक अवरोध ऋणात्मक संकरण (एसएसएच) संग्रह का निर्माण किया गया, जिसमें 15 अत्यधिक व्यक्त रक्षा-संबंधी जीन (आइसोल्यूसीन एन-मोनोऑक्सीजिनेज जीन सहित) प्राप्त हुए, जिनसे एक अरेबिका-विशिष्ट प्राइमर विकसित किया गया और 19 कॉफ़िया जातियां, विविध अरेबिका किस्मों (एस.795, एस.एल.एन.4, एस.एल.एन..5ए, एस.एल.एन..9, कावेरी और चंद्रगिरी) और अंतर-विशिष्ट संकर (देवमाची और एचडीटी ) में इसकी मजबूती की पुष्टि करते हुए इसे मान्य किया गया। समानांतर में, तीन रक्षा जीन-विशिष्ट प्राइमरों का उपयोग करके प्रतिरोधी, मध्यम प्रतिरोधी और सुग्राही श्रेणियों का प्रतिनिधित्व करने वाले 14 कॉफ़ी जीनोटाइप पर पीसीआर-आधारित जीनोमिक विश्लेषण किया गया पृष्ठभूमियों में अनुक्रम। ये परिणाम कॉफ़ी सफेद तना छेदक-संक्रमित कॉफ़ी में प्रतिरोध प्रतिक्रियाओं को विभेदित करने के लिए पहला आणविक साक्ष्य प्रदान करते हैं और प्रतिरोध-संबंधित आणविक मार्करों के विकास के लिए आधार स्थापित करते हैं।

जीनोमिक तरीकों का उपयोग करके लचीले रोबस्टा कॉफ़ी का विकास” पर दीर्घकालिक परियोजना के तहत ,



आरसीआरएस, चुंडेल से 20 सूखा-लचीले रोबस्टा श्रेणी (डीआर रोबस्टा श्रृंखला) के एक पैनल, कॉफ़ी कैनेफोरा में सूखा सहिष्णुता के आणविक आधार का मूल्यांकन एसआरएपी और एससीओटी आणविक मार्करों का उपयोग करके किया गया था। आनुवंशिक विविधता विश्लेषण ने कॉफ़ी बहुरूपता प्रदर्शित किया जो सूखा-सहिष्णु समूह के भीतर उच्च एलील समृद्धि का संकेत देता है। संख्या संरचना विश्लेषण ने आगे चलकर श्रेणी को दो अलग-अलग आनुवंशिक उप-आबादी में विभाजित किया, जिससे सूखा-अनुकूली लक्षणों में अंतर्निहित विविधता पर प्रकाश डाला गया। सूखा-सहिष्णु वंशक्रमों में विशिष्ट रूप से प्रवर्धित कुल 25 विभेदक टुकड़ों को अनुक्रमित किया गया। विविधता विश्लेषण को पूर्ण करने के लिए, प्राइमर विकास और मूल्यांकन हेतु इन 20 श्रेणियों का प्रतिनिधित्व करने वाले 60 सूखा-सहिष्णु पौधों से जीनोमिक डीएनए निकाला गया। डीआर-रोबस्टा जीनोटाइप में चार नए डिजाइन किए गए प्राइमरों की तापानुशीलता दक्षता और परिवर्धन संगतता का मूल्यांकन किया गया। दो जीनोटाइप (डीआर5 और डीआर8) से जीनोमिक डीएनए और पूरक डीएनए, दोनों का उपयोग करके एक प्राइमर युग्म का सफलतापूर्वक मानकीकरण और आगे मूल्यांकन किया गया। डीएनए और ट्रांसक्रिप्ट टेम्प्लेट दोनों में देखे गए प्रवर्धन ने प्राइमर विशिष्टता और संकर-स्तर कार्यक्षमता की पुष्टि की, जिससे सूखा-प्रतिक्रियाशील जीनों की डाउनस्ट्रीम अभिव्यक्ति प्रोफाइलिंग के लिए इसकी संभावित उपयोगिता पर बल मिला। ये परिणाम रोबस्टा कॉफ़ी में सूखा-प्रतिरोध के कार्यात्मक निर्धारकों की पहचान के लिए एक आणविक ढाँचा प्रदान करते हैं और अजैविक प्रतिबल सहिष्णुता को लक्षित करने वाली मार्कर-सहायता प्राप्त चयन नीतियों और कार्यात्मक जीनोमिक्स दृष्टिकोणों के विकास की नींव रखते हैं।

व्यावसायिक उपयोग हेतु द्विगुणित कॉफ़ी जातियों, किस्मों और जर्मप्लाज्म की आनुवंशिक रूपरेखा" पर अनुसंधान एवं

विकास कार्यक्रम के अंतर्गत, कार्यक्षम व्यावसायिक उपयोग हेतु द्विगुणित कॉफ़ी प्रजातियों, किस्मों और जर्मप्लाज्म की आनुवंशिक रूपरेखा स्थापित करने के लिए, कॉफ़ी कैनेफोरा किस्मों, सी. अरेबिका किस्मों और द्विगुणित कॉफ़ी प्रजातियों सहित 131 नमूनों से जीनोमिक डीएनए निकाला गया। प्रारंभिक प्रयोगों में, 20 एसआरएपी और 20 एससीओटी के पैनल के साथ सी.कैनेफोरा किस्मों, अर्थात् एस.274 (तीन जीनोटाइप) और सी एण्ड आर (दस जीनोटाइप) के जीनोमिक डीएनए नमूनों का उपयोग करके पीसीआर परीक्षण किए गए। आणविक मार्कर। इनमें से, चार एससीओटी प्राइमरों ने बहुरूपी अंशों को सफलतापूर्वक प्रवर्धित किया, जिससे एस.274 और सी एण्ड आर जीनोटाइप के बीच विभेदन संभव हुआ। इसके अलावा, SNPs की पहचान करने के लिए, इन एस.274 (तीन जीनोटाइप) और सी एण्ड आर (दस जीनोटाइप) की जाँच के लिए क्लोरोप्लास्ट जीन मार्करों (rbcL, matK और trnL) का उपयोग किया गया और सभी नमूनों में अपेक्षित अंश आकारों का प्रवर्धन किया गया। परिणामी एम्प्लीकॉन्स को अनुक्रमित किया गया और जैव सूचना विज्ञान उपकरणों का उपयोग करके बहु अनुक्रम संरक्षण किया गया। हालाँकि, एस.274 और सी एण्ड आर अनुक्रमों के सिलिको तुलनात्मक विश्लेषण से कृषक-विशिष्ट एसएनपी का पता नहीं चला। इसके बाद, सी. अरेबिका किस्मों जैसे चंद्रगिरी (पौधे संख्या 12 और 13), कावेरी, अरेबिका चयन (एस.795, एसएलएन 12 (1/1), एसएलएन 5बी, एसएलएन 8, एसएलएन 9 और एसएलएन 11) पर 20 एसआरएपी और 20 एससीओटी मार्करों का उपयोग करके पीसीआर परीक्षण किए गए। चार बहुरूपी मार्करों की पहचान की गई, जिनमें से दो एसआरएपी मार्करों की चंद्रगिरी डीएनए नमूनों में पुष्टि की गई, जिसके परिणामस्वरूप चंद्रगिरी-विशिष्ट आणविक फिंगरप्रिंट उत्पन्न हुए। इसके अलावा, चंद्रगिरी-विशिष्ट एसआरएपी प्राइमर संयोजनों के साथ पीसीआर ने सभी चंद्रगिरी जीनोटाइप में लगातार 400 बीपी खंड को बढ़ाया। इस खंड को आगे के लक्षण वर्णन के लिए जेल-

एल्यूटेड और शुद्ध किया गया। इसके अलावा, एसएनपी की पहचान करने के लिए, चंद्रगिरी और कावेरी से प्राप्त जीनोमिक डीएनए पर क्लोरोप्लास्ट मार्करो (आरबीसीएल, मैटके और टीआरएनएल) का उपयोग करके पीसीआर भी किया गया। प्रवर्धित अंशों को अनुक्रमित किया गया और तुलनात्मक बहु अनुक्रम संरेखण से कृषक-विशिष्ट एसएनपी का पता चला जो चंद्रगिरी को कावेरी से अलग करते हैं।

इन-विट्रो गुणन, ट्रांसजीन अभिव्यक्ति की निगरानी और इन-विट्रो पुनर्जीवित अरेबिका एवं रोबस्टा ट्रांसजेनिक पौधों में ट्रांसजीन की विरासत पैटर्न के परीक्षण पर अनुसंधान एवं विकास कार्यक्रम के तहत, सी. अरेबिका (कॉफी पर्ण किट्ट सहिष्णुता के लिए इंजीनियर) और सी. कैनेफोरा (सूखा सहिष्णुता के लिए इंजीनियर) के ट्रांसजेनिक पौधों को इन-विट्रो में गुणा किया गया। और रोकथाम की स्थितियों में बनाए रखा गया। रूपांतरण रणनीति में विविध ट्रांसजीनों का उपयोग किया गया, जिनमें अरेबिका एवं रोबस्टा में चावल एंडोचिटिनेज और तंबाकू ऑस्मोटिन (जैविक और अजैविक प्रतिबल सहनशीलता के लिए) के साथ-साथ रिपोर्टर और चयन योग्य मार्कर जैसे गसए, जीएफपी और एचपीटी शामिल हैं। कई पीढ़ियों (टी<sub>0</sub>, टी<sub>1</sub> और टी<sub>2</sub>) का प्रसार किया गया है और वर्तमान में पौधों पर गुण स्थिरता और कार्यात्मक प्रतिरोध का आकलन करने के लिए जैव-परीक्षण किए जा रहे हैं। ट्रांसजीनों की अखंडता का परीक्षण गस परख, जीएफपी का उपयोग करके किया गया। और ट्रांसजीन-विशिष्ट प्राइमरों का उपयोग करके पीसीआर परख। पादप पुनर्जनन के लिए, ट्रांसजेनिक सी. कैनेफोरा के हरे, परिपक्व फलों से निकाले गए युग्मज भ्रूणों को अर्ध-शक्ति वाले एमएस माध्यम में संवर्धित किया गया, जिसके परिणामस्वरूप स्वस्थ पादपों का विकास हुआ। समानांतर रूप से, ट्रांसजेनिक सी. अरेबिका और सी. कैनेफोरा से प्राप्त कैलस संवर्धनों को दैहिक भ्रूण प्रेरण माध्यम युक्त उप-संवर्धित किया गया, जिससे भ्रूणजनन को सहायता मिली। इन-विट्रो में उगाए गए ट्रांसजेनिक सी. कैनेफोरा

पादपों को वृद्धि और वृद्धि को बढ़ाने के लिए अर्ध-शक्ति वाले एमएस माध्यम में और अधिक प्रवर्धित किया गया। दोनों प्रजातियों के पुनर्जीवित पादपों को बाद में पॉलीबैग में स्थानांतरित किया गया और छाया-जाल की परिस्थितियों में अनुकूलित किया गया, जहाँ कुल 50 कठोर ट्रांसजेनिक पौधों को वर्तमान में आगे के मूल्यांकन और जैव-परख के लिए छाया-गृह में रखा जा रहा है।

**उप-घटक 1.2: उन्नत मृदा स्वास्थ्य, फसल पालन और मशीनीकरण के माध्यम से उत्पादकता में सुधार**

### सस्यविज्ञान विभाग

सीसीआरआई के अनुसन्धान फार्म में ट्रैक्टर माउंटेड वीड स्लेशर (टीएमडब्ल्यूएस) का हस्त निराई की तुलना में मूल्यांकन करने पर पता चला कि हस्त निराई की तुलना में टीएमडब्ल्यूएस की दक्षता कहीं अधिक बेहतर पाई गई। टीएमडब्ल्यूएस से एक एकड़ क्षेत्र में निराई पूरी करने में एक मजदूर को 2.4 घंटे लगे और 5 लीटर डीजल का उपभोग हुआ, जबकि हस्त निराई में एक एकड़ क्षेत्र में निराई पूरी करने में 12 मजदूरों को लगे।

सीसीआरआई स्थित अनुसन्धान फार्म में पिट डिगर (जो कॉफी के पौधे रोपने के लिए गड्ढे खोलने के लिए ज़रूरी है) के मूल्यांकन से पता चला कि पिट डिगर का इस्तेमाल करने वाले दो मजदूरों का एक समूह आठ घंटे की पाली में 3.5 लीटर ईंधन की खपत के साथ 240 (कंकड़ वाली मृदा) से 290 (गैर-कंकड़ वाली मृदा) गड्ढे खोलने में सक्षम था। जहाँ गड्ढे खोदने का काम हाथ से किया गया था, वहीं दो मजदूरों की एक टीम आठ घंटे की पाली में 150 गड्ढे खोलने में सक्षम थी।

स्थायी खरपतवार प्रबंधन की दिशा में, सीसीआरआई के अनुसंधान फार्म में दो साल पुराने अरेबिका ब्लॉक (चंद्रगिरी) पर खरपतवार प्रबंधन के लिए व्यावसायिक रूप से उपलब्ध जैव-शाकनाशी का मूल्यांकन करने हेतु 2023 सीजन में एक



क्षेत्र परीक्षण शुरू किया गया। परिणामों से पता चला कि 2.5 लीटर/200 लीटर पानी की दर से जैव-शाकनाशी का उपयोग करने पर खरपतवार नियंत्रण में सुधार हुआ। जैव-शाकनाशी के प्रयोग के बाद क्रमशः 30 वें, 60 वें, 90 वें, 120 वें और 150 वें दिन सबसे कम खरपतवार घनत्व (2,40, 54, 80 और 94 मी<sup>2</sup>) दर्ज किया गया, उसके बाद 2 लीटर जैव-शाकनाशी/200 लीटर पानी का प्रयोग किया गया। (19, 37, 60, 92 और 102 मी<sup>2</sup>) और 1.6 लीटर जैव-शाकनाशी/200 लीटर पानी (34, 47, 63, 125 और 223 मी<sup>2</sup>)। अन्य तरीकों से निराई करते समय, जैसे यांत्रिक निराई (ब्रश वीड कटर का उपयोग करके) अपेक्षाकृत अधिक खरपतवार घनत्व (30 वें, 60 वें, 90 वें, 120 वें और 150 वें दिन क्रमशः 56, 104, 210, 252 और 583 मी<sup>2</sup>) और मैनुअल स्लैश वीडिंग (30 वें, 60 वें, 90 वें, 120 वें और 150 वें दिन क्रमशः 56, 107, 191, 519 और 620 मी<sup>2</sup>) दर्ज किया गया। सबसे अधिक खरपतवार घनत्व बिना निराई किए गए ब्लॉक में देखा गया (क्रमशः 160, 285, 369, 582 और 850 मी<sup>2</sup> दिन)।

कॉफी बागानों में खरपतवार दमन पर जैवनिम्नीकरणीय मल्लिचंग सामग्रियों के प्रभाव" पर दो-वर्षीय क्षेत्र प्रयोग के परिणाम सीसीआरआई के शोध फार्म में किए गए एक अध्ययन से पता चला कि खरपतवार नियंत्रण 15% से 20.7% तक था। धान के भूसे और कॉफी चेरी भूसी मल्लिचंग (20.7%) में सबसे ज्यादा खरपतवार नियंत्रण पाया गया, इसके बाद बायोडिग्रेडेबल कॉयर मैट (19.4%), सूखी पत्तियों की मल्लिचंग (17.4%) और खरपतवार जैवभार मल्लिचंग (15%) का स्थान रहा।

### कृषि रसायन विज्ञान विभाग

"अरेबिका एवं रोबस्टा किस्मों की उपज पर नैनो उर्वरकों (नैनो यूरिया और नैनो डीएपी) के प्रभाव" पर बहु-स्थान क्षेत्र प्रयोग के परिणाम से पता चला कि सभी स्थानों पर नैनो उर्वरकों के लागू भूखंडों और नियंत्रण भूखंडों (मानक अभ्यास) के बीच

उपज में कोई महत्वपूर्ण अंतर नहीं है। हालांकि, तीन साल की उपज के आंकड़ों का मतलब यह दर्शाता है कि अरेबिका कॉफी में, नैनो यूरिया (पर्ण स्त्रे के माध्यम से 5 मिली एल -1) और 50% आरडीएफ (मृदा के अनुप्रयोग के माध्यम से) के संयुक्त अनुप्रयोग ने मृदा के अनुप्रयोग के माध्यम से 100% आरडीएफ (986 किलोग्राम स्वच्छ कॉफी / हेक्टेयर) की तुलना में उच्चतम उपज (1,044 किलोग्राम स्वच्छ कॉफी / हेक्टेयर) दर्ज की है। इसी तरह, नैनो डीएपी (पर्ण स्त्रे के माध्यम से 5 मिली एल -1) और 50% आरडीएफ (मृदा के अनुप्रयोग के माध्यम से) रोबस्टा कॉफी में नैनो यूरिया और नैनो डीएपी के उपयोग के साथ सभी स्थानों पर यही प्रवृत्ति देखी गई। तीन साल के उपज के आंकड़ों का औसत यह दर्शाता है कि नैनो यूरिया (5 मिली एल -1 पत्ते पर छिड़काव के माध्यम से) और 50% आरडीएफ (मृदा के अनुप्रयोग के माध्यम से) के संयुक्त अनुप्रयोग ने मृदा के अनुप्रयोग के माध्यम से 100% आरडीएफ (1,710 किलोग्राम स्वच्छ कॉफी / हेक्टेयर) के अनुप्रयोग की तुलना में उच्चतम उपज (1,783 किलोग्राम स्वच्छ कॉफी / हेक्टेयर) दर्ज की है। इसी तरह, नैनो डीएपी (5 मिली एल -1 पत्ते पर छिड़काव के माध्यम से) और 50% आरडीएफ (मृदा के अनुप्रयोग के माध्यम से) के संयुक्त अनुप्रयोग ने मृदा के अनुप्रयोग के माध्यम से 100% आरडीएफ (1,735 किलोग्राम स्वच्छ कॉफी / हेक्टेयर) के अनुप्रयोग की तुलना में उच्चतम उपज (1,826 किलोग्राम स्वच्छ कॉफी / हेक्टेयर) दर्ज की है। कुल मिलाकर, आरडीएफ (यानी मृदा के अनुप्रयोग) के पारंपरिक अनुप्रयोग की तुलना में नैनो उर्वरकों को लागू करने पर 4% से 6% की उपज में मामूली वृद्धि देखी गई थी।

2024 के दौरान सीसीआरआई के अनुसंधान फार्मों में अरेबिका एवं रोबस्टा पर विभिन्न चूना सामग्री के युक्तिकरण पर किए गए क्षेत्र परीक्षण के परिणाम से पता चला कि विभिन्न चूना सामग्री, जैसे कृषि चूना (3 टन /एकड़), स्त्रे चूना (1.5 टन /एकड़) और दानेदार चूना (1.5 टन /एकड़) के प्रयोग से

पीएच में उल्लेखनीय वृद्धि हुई। उपज के संदर्भ में, अरेबिका एवं रोबस्टा दोनों में विभिन्न चूना सामग्री के बीच उपज के संबंध में कोई महत्वपूर्ण अंतर नहीं था।

कॉफ़ी अनुसंधान संस्थान और निजी सम्पदाओं में अरेबिका एवं रोबस्टा कॉफ़ी में सूक्ष्मजीव संसाधनों (अर्का सूक्ष्मजीव संघ) के हस्तक्षेप के माध्यम से कॉफ़ी कृषि वानिकी प्रणाली में पोषक तत्वों की उपलब्धता बढ़ाने पर बहु-स्थान क्षेत्र प्रयोग के प्रारंभिक परिणामों से पता चला है कि विभिन्न स्थानों पर अर्का सूक्ष्मजीव संघ के विभिन्न स्तरों के अनुप्रयोग से मृदा के रासायनिक गुणों में कोई महत्वपूर्ण परिवर्तन नहीं हुआ। उपज के संबंध में, अर्का सूक्ष्मजीव संघ द्वारा उपचारित परीक्षण भूखंडों (अरेबिका-1,049 किग्रा स्वच्छ कॉफ़ी / एकड़; रोबस्टा-1,493 किग्रा स्वच्छ कॉफ़ी/एकड़) बनाम अर्का सूक्ष्मजीव संघ के बिना परीक्षण भूखंडों (अरेबिका-1,046 किग्रा स्वच्छ कॉफ़ी /एकड़; रोबस्टा-1,454 किग्रा स्वच्छ कॉफ़ी /एकड़) के बीच उपज में कोई महत्वपूर्ण अंतर नहीं था।

कॉफ़ी की मृदा और पत्तियों में पोषक तत्वों की स्थिति और उपज पर एक वाणिज्यिक अपशिष्ट अपघटक के प्रभाव पर किए गए क्षेत्र परीक्षण के प्रारंभिक परिणामों से संकेत मिलता है कि वाणिज्यिक अपशिष्ट अपघटक के विभिन्न स्तरों के प्रयोग से मृदा और पत्तियों में पोषक तत्वों की स्थिति में कोई महत्वपूर्ण परिवर्तन नहीं देखा गया। इसके अलावा, पत्तियों या मृदा के माध्यम से वाणिज्यिक अपशिष्ट अपघटक के प्रयोग से उपज में कोई महत्वपूर्ण अंतर नहीं देखा गया।

### पादप कार्यिकी विज्ञान प्रभाग

सूखे के शमन पर दीर्घकालिक कार्यक्रम के अंतर्गत, रोबस्टा कॉफ़ी की सूखा सहनशीलता और उपज बढ़ाने के लिए विभिन्न स्प्रे समाधानों/सूत्रों का परीक्षण किया गया। सूखा सुधारक स्प्रे (1 किग्रा 0.5% यूरिया + 1 किग्रा 0.5% एसएसपी + 0.75 किग्रा 0.375% एमओपी + 1 किग्रा

0.5% ZnSO<sub>4</sub> + 50 मिली प्लेनोफिक्स 200 लीटर में) के साथ कैल्सीकेयर (एक व्यावसायिक सूत्र) के प्रयोग से विभिन्न शारीरिक मापदंडों में सुधार पाया गया और नियंत्रण उपचार (988 किग्रा स्वच्छ कॉफ़ी /हेक्टेयर) की तुलना में उपज (1,173 किग्रा स्वच्छ कॉफ़ी/हेक्टेयर) भी बढ़ी।

विभिन्न अजैविक दबावों के प्रबंधन हेतु इथियोपियन अरेबिका जर्मप्लाज्म की जाँच से पता चला है कि तीन अभिगमों, अर्थात् एस.2609-09, एस.2600-01 और एस.2613-11 ने अनेक प्रतिबल-अनुकूली और वृद्धि-संबंधी मापदंडों पर आशाजनक प्रदर्शन किया है। ये इथियोपियन अरेबिका अभिगम अजैविक दबावों के प्रबंधन संबंधी अध्ययनों के लिए आशाजनक उम्मीदवार प्रतीत होते हैं।

विभिन्न अजैविक प्रतिबल के प्रबंधन हेतु एबिसिनियन अरेबिका जर्मप्लाज्म की जाँच से पता चला कि दो एबिसिनियन श्रेणियों, अर्थात् एस.2444-07 और एस.2443-06, ने अनेक लक्षणों में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। ये दोनों एबिसिनियन अरेबिका श्रेणी जलवायु-प्रतिरोधी प्रजनन के लिए आशाजनक उम्मीदवार प्रतीत होते हैं।

सीसीआरआई के शोध फार्म में दर्ज दीर्घकालिक वर्षा प्रवृत्ति विश्लेषण (1926 से 2024) से मानसून ऋतु के दौरान वर्षा में उल्लेखनीय वृद्धि का पता चला, जबकि वार्षिक वर्षा पैटर्न में कोई निरंतर प्रवृत्ति नहीं देखी गई। 1994 से 2024 तक अधिकतम तापमान प्रवृत्ति ने प्रति वर्ष + 0.018°से की सांख्यिकीय रूप से उल्लेखनीय वृद्धि दिखाई, विशेष रूप से मानसून-पूर्व और मानसून ऋतुओं के दौरान। 1975 से 2024 तक न्यूनतम तापमान विश्लेषण ने सभी ऋतुओं, विशेष रूप से शीतकाल और मानसून-पूर्व में, निरंतर गर्मी का संकेत दिया, जो दैनिक तापमान सीमाओं के सिकुड़ने का संकेत देता है।

रोबस्टा में सूखा सहिष्णुता प्रदान करने के लिए अध्ययन किए गए विभिन्न सांक्रक मूलवृत कलमित संयोजनों में, एस.880/



सीएक्सआर, एसएलएन.6/एस.274 और डीआर5/सी×आर ग्राफ्ट संयोजनों ने अन्य ग्राफ्ट संयोजनों की तुलना में पत्ती क्षेत्र, सापेक्ष जल सामग्री, क्लोरोफिल सामग्री, सापेक्ष जल सामग्री (आरडब्ल्यूसी) और रंध्र संबंधी लक्षणों के संदर्भ में बेहतर शारीरिक प्रदर्शन दिखाया है।

आंतरिक रूप से विकसित सूक्ष्म पोषक तत्व फार्मूलेशन अर्थात "कॉफी फ्लॉवर पॉवर" के क्षेत्रीय मूल्यांकन से पता चला कि सूक्ष्म पोषक तत्व फार्मूलेशन से रोबस्टा कॉफी में पुष्प कली उत्पादन में 63% तक की वृद्धि पाई गई।

**उप-घटक 1.3: प्रमुख कीटों एवं रोगों से होने वाले हानि को कम करने के लिए पारिस्थितिक रूप से सुरक्षित हस्तक्षेपों का विकास**

### पादप रोग विज्ञान प्रभाग

राइजोक्टोनिया सोलानी कवक के प्रबंधन के लिए अनुशंसित कवकनाशी (कार्बेन्डाजिम 50 डब्ल्यू पी @ 1 ग्राम/किग्रा बीज) की तुलना में नए बीज ड्रेसिंग कवकनाशी (पेनफ्लूफेन 22.43% डब्ल्यू/डब्ल्यू एफएस; पेनफ्लूफेन 13.28% डब्ल्यू/डब्ल्यू + ट्राइफ्लोक्सिस्ट्रोबिन 13.28% डब्ल्यू/डब्ल्यू FS; टेबुकोनाज़ोल 5.36% डब्ल्यू/डब्ल्यू एफएस) के मूल्यांकन से संकेत मिलता है कि पेनफ्लूफेन (1मिली और 2मिली/केजी), पेनफ्लूफेन + ट्राइफ्लोक्सिस्ट्रोबिन (2मिली/केजी) और कार्बेन्डाजिम 50 डब्ल्यू पी (1g/kg) के साथ तैयार किए गए कॉफी के बीजों में कॉलर रॉट रोग की कोई घटना नहीं देखी गई। जबकि अनुपचारित नियंत्रण बीजों में कॉलर रॉट रोग की 10% घटनाएं देखी गईं। नए बीज ड्रेसिंग कवकनाशी अनुशंसित कवकनाशी के बराबर पाए गए

नर्सरी स्तर पर पत्ती धब्बा रोग (एलएसडी) के प्रकोप के प्रबंधन के लिए अनुशंसित कवकनाशी (प्रोपिकोनाज़ोल 25ईसी @ 1 मि.ली./ली. और मैन्कोजेब 75 डब्ल्यूपी @ 2 ग्राम/ली) की तुलना में नए कवकनाशी (फ्लुओपीराम 17.7 डब्ल्यू/डब्ल्यू + टेबुकोनाज़ोल 17.7 डब्ल्यू/

डब्ल्यू एससी; पेनफ्लूफेन 13.28% डब्ल्यू/डब्ल्यू + ट्राइफ्लोक्सिस्ट्रोबिन 13.28 डब्ल्यू/डब्ल्यू एफएस और टेबुकोनाज़ोल 38.39% एससी) के मूल्यांकन से संकेत मिलता है कि फ्लुओपीराम 17.7 डब्ल्यू/डब्ल्यू + टेबुकोनाज़ोल 17.7डब्ल्यू/डब्ल्यू एससी (0.5 मि.ली./ली.) ने सबसे कम एलएसडी प्रकोप (0.93%) दर्ज किया, उसके बाद 0.5 मि.ली./ली. (1.75%) की दर से पी एनफ्लूफेन 13.28% डब्ल्यू/डब्ल्यू + ट्राइफ्लोक्सिस्ट्रोबिन 13.28 डब्ल्यू/डब्ल्यू एफएस और टेबुकोनाज़ोल 1 मि.ली./ली. टर (3.46%) की दर से 38.39% एससी। जबकि, अनुशंसित कवकनाशी प्रोपिकोनाज़ोल 25ईसी और मैन्कोजेब 75 डब्ल्यू पी में क्रमशः 6.28% और 9.92% एलडीएस का प्रकोप देखा गया। बिना उपचारित कॉफी के पौधों में 27.54% एलएसडी का प्रकोप देखा गया। नए कवकनाशी अनुशंसित कवकनाशियों की तुलना में बेहतर पाए गए और इसलिए इन्हें वर्तमान में अनुशंसित कवकनाशियों के विकल्प के रूप में अनुशंसित किया जा सकता है।

सर्कोस्पोरा के कारण होने वाले ब्राउन आई स्पॉट (बीईएस) रोग के प्रबंधन के लिए कवकनाशी (फ्लुओपाइराम 17.7% + टेबुकोनाज़ोल 17.7 डब्ल्यू/डब्ल्यू एससी; पिकोक्सिस्ट्रोबिन 7% + प्रोपिकोनाज़ोल 12% एससी; टेबुकोनाज़ोल 38.39 एससी) का मूल्यांकन कॉफीकोला अनुशंसित कवकनाशी (टेबुकोनाज़ोल 25.9 ईसी @ 1 मि.ली./ली.) की तुलना में नर्सरी स्तर पर अध्ययन से पता चला कि फ्लोरा 17.7 % + टेबुकोनाज़ोल 17.7 w/w एससी (1 मि.ली./ली.) ने बीईएस (0.88%) की न्यूनतम रोग घटना दिखाई, इसके बाद पिकोक्सिस्ट्रोबिन 7% + प्रोपिकोनाज़ोल 12% एससी 1 मि.ली./ली. (0.95%) और टेबुकोनाज़ोल 38.39 एससी 1 मि.ली./ली. (1.93%) का स्थान रहा। अनुशंसित कवकनाशी टेबुकोनाज़ोल 25.9ईसी ने 4.46% रोग घटना दिखाई और सबसे अधिक रोग घटना अनुपचारित पौधों (18.08%) में देखी गईं। तीनों कवकनाशी अनुशंसित कवकनाशी की तुलना में बेहतर रूप से प्रभावी

पाए गए और इसलिए इन्हें वैकल्पिक कवकनाशी के रूप में अनुशंसित किया जा सकता है।

नए कवकनाशी अणुओं का मूल्यांकन [( पिकोक्सीस्ट्रोबिन 7.05% + प्रोपिकोनाज़ोल 11.71% डब्ल्यू /डब्ल्यू (गैलीलियो वे), पिकोक्सीस्ट्रोबिन 6.78% L + ट्राइसाइक्लाज़ोल 20.33% (गैलीलियो सेंसा), फ्लूपीराम 17.7 डब्ल्यू /डब्ल्यू + टेबुकोनाज़ोल 17.7% डब्ल्यू / डब्ल्यू एससी (लूना एक्सपीरियंस), टेबुकोनाज़ोल 38.39% SC (बुओनोस) और फ्लक्सपायरोक्सेड 167 जी/एल + पाइराक्लोस्ट्रोबिन 333 जी/एल (प्रियाक्सोर)] का मूल्यांकन काले सड़न रोग के प्रबंधन के लिए मानक कवकनाशी (1% बोर्डो मिश्रण) की तुलना में लगातार तीसरे वर्ष (2022-23 से 2024-25) तक जारी रहा। अवलोकन से संकेत मिलता है कि ब्यूनोस (1मि.ली./ली) के साथ छिड़के गए अरेबिका पौधों में रोग का प्रकोप सबसे कम (10.6%) दिखा लूना एक्सपीरियंस उपचार (1.5 मि.ली./ली) में 18% , प्रियाक्सोर उपचार (1 मि.ली./ली) में 19.3% और 1% बोर्डो मिश्रण उपचार में 26.3% की वृद्धि हुई। बिना छिड़काव वाले नियंत्रण क्षेत्र में रोग का अधिकतम प्रकोप (52.78%) दर्ज किया गया। रोग प्रकोप पर तीन वर्षों के आँकड़ों के परिणामों के आधार पर , यह निष्कर्ष निकाला गया है कि ब्लैक रॉट रोग के प्रबंधन के लिए 1% बोर्डो मिश्रण के विकल्प के रूप में नए कवकनाशी, जैसे ब्यूनोस , फ्लूपीराम और लूना एक्सपीरियंस, की सिफारिश की जा सकती है।

लगातार तीसरे वर्ष (2022-23 से 2024-25 तक) काला सड़न रोग की घटनाओं के विरुद्ध क्यूप्रोफिक्स (काँपर सल्फेट 47.15% + मैन्कोजेब 30%) नामक एक वाणिज्यिक फॉर्मूलेशन के मूल्यांकन (मानक 1% बोर्डो मिश्रण की तुलना में) से पता चला कि 1% बोर्डो मिश्रण के साथ छिड़काव किए गए अरेबिका पौधों में रोग की घटनाएं सबसे कम (10%) देखी गईं, इसके बाद क्यूप्रोफिक्स में 20.4% रोग की घटनाएं देखी गईं उपचार (5 ग्राम/ली)। बिना छिड़काव वाले नियंत्रण प्लॉट में सबसे अधिक काला सड़न रोग का

प्रकोप (53.6%) दर्ज किया गया।

विभिन्न सांद्रता (2, 5, 10, 20, 30, 40 और 50 मि.ली./ली.) पर काजू शैल बायोचार तेल (सीएसबीसी) का प्रयोगशाला मूल्यांकन रोग पैदा करने वाले कवक कोलेरोगा नोक्सिया (मानक कवकनाशी अर्थात टेबुकोनाज़ोल 38.39% एससी @ 1 मि.ली./ली. की तुलना में) से पता चला कि 10, 20, 30, 40 और 50 मि.ली./ली. पर सीएसबीसी और टेबुकोनाज़ोल (1 मि.ली./ली.) ने रोग पैदा करने वाले कवक कोलेरोगा नोक्सिया के विकास में 100% अवरोध दिखाया।

दो अरेबिका किस्मों (एसएलएन.3 और एसएलएन.13) में सीएलआर की घटना पर मौसम मापदंडों के सहसंबंध पर डेटा ने संकेत दिया कि अधिकतम तापमान और धूप के घंटों का सीएलआर रोग की घटना की सीमा से सकारात्मक सहसंबंध पाया गया।

नए कवकनाशी अणुओं (फ्लुओपाइरम 17.7% + टेबुकोनाज़ोल 17.7% एससी; पिकोक्सीस्ट्रोबिन 7.05% + प्रोपिकोनाज़ोल 11.71% एससी; प्रोपिकोनाज़ोल 13.9% + डाइफेनोकोनाज़ोल 13.9% ईसी; पिकोक्सीस्ट्रोबिन 6.78% + ट्राइसाइक्लाज़ोल 20.33% एससी; फ्लक्सपायरोक्सेड 167 ग्राम/ली + पाइराक्लोस्ट्रोबिन 333 ग्राम/ली) का मानक कवकनाशी (हेक्साकोनाज़ोल 5% ईसी @ 2 मि.ली./ली. और हेक्साकोनाज़ोल 75 डब्ल्यूजी @ 0.13 ग्राम/ली) की तुलना में सीएलआर के प्रबंधन के लिए अरेबिका किस्म पर मूल्यांकन किया गया। परिणामों से पता चला कि मूल्यांकन किए गए पाँच नए कवकनाशी अणुओं में से, पाइराक्लोस्ट्रोबिन 13.3% + एपॉक्सीकोनाज़ोल 5% एसई (2 मि.ली./ली. टर) में सबसे कम किट्ट का प्रकोप (1.34%) देखा गया, उसके बाद हेक्साकोनाज़ोल 75% ईसी (2.73%), हेक्साकोनाज़ोल 5% ईसी (4.52%) का स्थान रहा। मूल्यांकन किए गए अन्य नए कवकनाशी अणुओं में पत्ती किट्ट का प्रकोप 4.92% से 22.66% के बीच था।

डंठल सड़न रोग के प्रबंधन के लिए पंद्रह देशी जैव-नियंत्रण



एजेंटों के क्षेत्र मूल्यांकन से संकेत मिलता है कि ट्राइकोडर्मा हरजियानम, बैसिलस सबटिलिस और देशी जैव-नियंत्रण एजेंट (सीआरआरबी-बीएस-11/2) का एक संघ अन्य देशी जैव-नियंत्रण एजेंटों की तुलना में बेहतर पाया गया।

देशी जैव-एजेंटों (बैसिलस सबटिलिस और ट्राइकोडर्मा हरजियानम) का मूल्यांकन के प्रबंधन के लिए पत्ती धब्बा रोग से संकेत मिलता है कि पत्तियों पर बैसिलस सबटिलिस और ट्राइकोडर्मा हरजियानम का छिड़काव और मृदा को गीला करना (10 मि.ली./ली.) कंसोर्टियम को इसके प्रबंधन के लिए प्रभावी पाया गया। पत्ती धब्बा रोग।

### कीट विज्ञान प्रभाग

**कीट सहनशीलता के स्रोतों के लिए कॉफ़ी जर्मप्लाज्म की जांच :** चार कॉफ़ी चयनों में कॉफ़ी सफेद तना छेदक सहिष्णुता पर द्वितीयक मेटाबोलाइट (यानी सुपर-ऑक्साइड-डिसम्यूटेस) की भूमिका निर्धारित करने के लिए दीर्घकालिक अध्ययन शुरू किए गए थे, अर्थात्, एस.4595 (एक अरेबिका चयन जो कॉफ़ी सफेद तना छेदक के खिलाफ सहिष्णुता प्रदर्शित करने की सूचना दी गई है), अरेबिका चयन नंबर 13 (चंद्रगिरी), अरेबिका चयन नंबर 9 और कॉन्जेन्सिस रोबस्टा। अध्ययन के अंतरिम परिणामों से पता चला है कि कॉफ़ी की किस्मों के बावजूद, छाल के नमूनों की तुलना में पत्ती के नमूनों में सुपर-ऑक्साइड-डिसम्यूटेस (एसओडी) गतिविधि अधिक पाई गई थी। उसके बाद एस.4595 कॉफ़ी किस्मों में, एसओडी गतिविधि कॉन्जेन्सिस रोबस्टा के पत्ती के नमूनों में अधिक पाई गई।

**कीट सहनशीलता के स्रोतों के लिए कॉफ़ी जर्मप्लाज्म की जांच :** विभिन्न अरेबिका प्रजातियों जैसे एस.4595, एस.4595 के एफ 1, कावेरी और चंद्रगिरी के तने के नमूने के जैव-रासायनिक विश्लेषण की तुलना कॉन्जेन्सिस रोबस्टा (रोबस्टा कॉफ़ी सफेद तना छेदक के प्रति प्रतिरोधी हैं) से करने पर पता चला कि एस.4595 (53%) में होलो-सेल्यूलोज की मात्रा अधिक थी, उसके बाद कॉन्जेन्सिस रोबस्टा (51.5%),

एस.4595 के एफ1 संतति (51%), कावेरी (49.6%) और चंद्रगिरी (49.4%) का स्थान है।

**कॉफ़ी सफेद तना छेदक की रासायनिक पारिस्थितिकी पर अध्ययन:** राष्ट्रीय कृषि महत्वपूर्ण कीट संसाधन ब्यूरो, बेंगलुरु से प्राप्त नैनो-फेरोमोन की प्रभावकारिता को मानक फेरोमोन के साथ विभिन्न स्थानों (कॉफ़ी अनुसंधान केंद्रों और निजी बागानों) पर स्थापित किया गया। विभिन्न स्थानों पर किए गए फील्ड ट्रायल के परिणामों से पता चला कि 75 मिलीग्राम नैनो-फेरोमोन ने अधिकतम वयस्कों (4.5 से 5.33/ट्रैप) को आकर्षित किया, जबकि 100 मिलीग्राम नैनो-फेरोमोन (3.6 से 4.83/ट्रैप) और मानक फेरोमोन (1.4 से 4.8/ट्रैप) ने ऐसा किया।

जर्मप्लाज्म में उपलब्ध रोबस्टा श्रेणियों की जांच का प्रयास किया गया था। एसएचबी संक्रमण की परिवर्तनशीलता के लिए 13 विदेशी, 20 सूखा प्रतिरोधी (डीआर) और 27 वायनाड संग्रह (डब्ल्यूसी) सहित कुल साठ रोबस्टा संग्रहों को 422 पौधों को कवर करते हुए देखा गया था। विदेशी संग्रहों में, एस.4958, एस.4959 और एस.4961 संग्रहों में से प्रत्येक में एक पौधा एसएचबी संक्रमण से मुक्त पाया गया। वायनाड संग्रहों में, डब्ल्यूसी6 (एस.5009), डब्ल्यूसी10 (एस.5013), डब्ल्यूसी12 (एस.5015) में प्रत्येक में एक पौधा और डब्ल्यूसी28 (एस.5031 डीआर श्रृंखला के संबंध में, एस.4981, एस.4984, एस.4985, एस.4988, एस.4992, एस.4995 और एस.4996 में से प्रत्येक में एक-एक पौधा एसएचबी प्रकोप से मुक्त था। इन पौधों को आगे के अवलोकन के लिए चिह्नित किया गया था।

एसएचबी कीट के खिलाफ नई पीढ़ी के कीटनाशकों (टेट्राजिनिलप्रोएल 18.18 एससी @ 0.5 मि.ली./ली.; फ्लुबेंडियामाइड 90 + डेल्टामेथ्रिन 60 एससी @ 0.5 मि.ली./ली.; फ्लुबेंडियामाइड 19.92% + थियाक्लोप्रिड 19.92% w/w एससी @ 0.5 मि.ली./ली.; बीटा-साइफ्लुथ्रिन + इमिडाक्लोप्रिड 300 ओडी @ 1 मि.ली./ली.; इमामेक्टिन

बेंजोएट 5एसजी @ 1 ग्राम/ली और लैम्बडा-साइहेलोथ्रिन 5ईसी @ 2 मि.ली./ली.) का प्रयोगशाला मूल्यांकन किया गया। परिणामों से संकेत मिलता है कि बीटा-साइफ्लुथ्रिन + इमिडाक्लोप्रिड और लैम्बडा-साइहेलोथ्रिन ने टहनियों (शाखा) के प्रवेश छिद्र पर एसएचबी वयस्कों की 100% मृत्यु दर उत्पन्न की टहनियों के अंदर एसएचबी के विभिन्न विकासात्मक चरणों की मृत्यु दर के आंकड़ों से पता चला कि लैम्बडा-साइहेलोथ्रिन 5ईसी से 48% मृत्यु दर दर्ज की गई, जबकि बीटा-साइफ्लुथ्रिन + इमिडाक्लोप्रिड 300 ओडी से 33.23% मृत्यु दर दर्ज की गई।

कॉफ़ी के प्रमुख कीटों के विरुद्ध प्राकृतिक शत्रुओं की खोज पर अध्ययन अर्थात्, कॉफ़ी सफेद तना छेदक, कॉफ़ी बेरी बोरर (सीबीबी) और एसएचबी से पता चला कि एसएचबी संक्रमित टहनियों से पाए जाने वाले प्राकृतिक शत्रु टेट्रास्टिचस (हाइमेनो पी टेरा ऑर्डर और यूलो पी हिडे परिवार से संबंधित) और एसिनैप्टा थे (डिप्टेरा ऑर्डर से संबंधित)। कॉफ़ी सफेद तना छेदक के संबंध में, कॉफ़ी सफेद तना छेदक ग्रसित तने में पाया जाने वाला प्राकृतिक शत्रु एपेनेसिया था सह्याद्रिका। रिपोर्टिंग अवधि के दौरान कॉफ़ी बेरी बोरर (सीबीबी) संक्रमित बेरीज में कोई प्राकृतिक शत्रु नहीं पाया गया।

डीएसटी प्रायोजित परियोजना "कॉफ़ी उत्पादन और गुणवत्ता सुधार पर मधुमक्खियों का प्रभाव" के तहत, मार्च 2025 के दौरान सीपीसीआरआई के अनुसंधान फार्म में फूल आने के दिन अरेबिका (चंद्रगिरी चयन) और रोबस्टा किस्मों में मधुमक्खी के दौरे का अध्ययन किया गया। अरेबिका में, सबसे अधिक देखी जाने वाली मधुमक्खियां एपिस सेराना (49.75%) और टेट्रागोनुला थीं। ट्रावनकोरिका (42.79%)। रोबस्टा में, सबसे अधिक मधुमक्खियाँ एपिस सेराना (43.02%), ए.डोरसाटा (4.19%), ए.फ्लोरिया (0.134%), टेट्रागोनुला थीं। ट्रावनकोरिका (43.58%), ज़ाइलोकोपा प्रजाति (0.42%) और लैसियोग्लोसस एसपी (0.42%)।

कॉफ़ी बेरी बोरर (सीबीबी) के प्रबंधन के लिए एनबीएआईआर, बेंगलूरु द्वारा आपूर्ति किए गए नैनो-फॉर्मूलेशन (एनएफ) की विभिन्न सांद्रता के साथ ब्रोका ल्यूर की ट्रैपिंग दक्षता और दीर्घायु में सुधार करने के लिए एक क्षेत्र अध्ययन किया गया था। सीपीसीआरआई के शोध फार्म में i) मानक ब्रोका ल्यूर; ii) 0.5 ग्राम एनएफ + 5 मिली मेथनॉल; iii) 0.5 ग्राम एनएफ + 5 मिली ब्रोका और iv) अकेले मेथनॉल की ट्रैपिंग प्रभावकारिता का अध्ययन किया गया था। अवलोकनों से संकेत मिलता है कि अकेले मेथनॉल (940.6 बीटल/ट्रैप) के लिए सबसे अधिक ट्रैपिंग दर्ज की गई, उसके बाद मानक ब्रोका ल्यूर (787.78 बीटल/ट्रैप) और 0.5 ग्राम एनएफ + 5 मिली मेथनॉल (427.38 बीटल/ट्रैप) का स्थान रहा और सबसे कम ट्रैपिंग 0.5 ग्राम एनएफ+5 मिली ब्रोका ल्यूर (423.9 बीटल/ट्रैप) में देखी गई।

मसाला बोर्ड (इडुक्की, केरल) से प्राप्त कार्बनिक इमल्शन के सी.डब्ल्यू.एस.बी. के विरुद्ध मूल्यांकन से पता चला कि इमल्शन (पानी मिलाए बिना) में 25% अण्डा मृत्यु दर देखी गई, जबकि 15% और 20% की सांद्रता वाले इमल्शन में क्रमशः 15% और 10% अण्डा मृत्यु दर देखी गई।

कॉफ़ी सफेद तना छेदक के प्रबंधन के लिए सुपर स्प्रेडर (जो चूने के फैलाव को बेहतर बनाता है) के साथ छिड़काव योग्य चूने के क्षेत्रीय मूल्यांकन से पता चला कि सुपर स्प्रेडर ने छिड़काव के दौरान चूने के जमाव को रोका (बिना सुपर स्प्रेडर वाले स्प्रेयर में चूने का जमाव देखा गया)। इसके अलावा, सुपर स्प्रेडर के साथ चूने के प्रयोग ने छिड़काव की तारीख से 90 दिनों के बाद अंडे देने की प्रक्रिया को रोका।

सीपीसीआरआई (कासरगोड) और मेसर्स केएन बायोसाइंस, बेंगलूरु से प्राप्त एंटोमोपैथोजेनिक सूत्रकृमि (हेटेरोरहैबडाइटिस इंडिका और स्टाइनरनेमा कार्पोकैप्से) का रूट ग्रब के प्रबंधन के लिए मूल्यांकन किया गया। परिणामों से पता चला कि अनुशंसित सांद्रता (अर्थात् सीपीसीआरआई द्वारा आपूर्ति की गई 3 मि.ली./कि.ग्रा. मृदा और केएन बायोसाइंस द्वारा



आपूर्ति की गई 1 ग्राम/कि.ग्रा. मृदा) पर एंटोमोपैथोजेनिक सूत्रकृमि ने रूट ग्रब की कोई मृत्यु दर नहीं दिखाई। आगामी सीजन में एंटोमोपैथोजेनिक सूत्रकृमि की उच्च खुराक का प्रयास किया जाएगा।

नई पीढ़ी के कीटनाशकों (डाइनोटेफ्थूरान 15% + पाइमेट्रोज़िन 45% डब्ल्यू.जी. @ 0.4 ग्राम और ब्रोफ्लैनिलाइड 300 एस.सी. @ 0.2 मि.ली./ली.) के मूल्यांकन से पता चला कि दोनों कीटनाशकों ने सी.डब्ल्यू.एस.बी. बीटल के अण्डा मृत्यु दर और लार्वा स्फुटन पर कोई प्रभाव नहीं दिखाया।

#### उप-घटक 1.4: कटाई उपरांत प्रौद्योगिकी और गुणवत्ता सुधार

##### कटाई उपरांत प्रौद्योगिकी प्रभाग

एक व्यावसायिक कॉफी बैगिंग मशीन के प्रदर्शन, श्रुपट क्षमता और संग्रहण प्रभावशीलता के संदर्भ में किए गए मूल्यांकन से पता चला कि कॉफी बैगिंग मशीन की श्रुपट क्षमता 3.0 मीट्रिक टन कॉफी नमूने प्रति घंटा (सूखी चेरी और पार्चमेंट कॉफी दोनों) पाई गई, और संग्रहण प्रभावशीलता 95% रही। यह मशीन 5 एचपी फोर-स्ट्रोक पेट्रोल इंजन से संचालित है और इसकी ईंधन खपत लगभग 0.75 लीटर/घंटा है।

सीसीआरआई के अनुसंधान फार्म में चेरी और पार्चमेंट कॉफी के छिलकों की उपयुक्तता के लिए एक कम लागत वाली व्यावसायिक मिनी-बाजरा-डिहुलर मशीन के मूल्यांकन से पता चला कि यह मशीन 10 सेकंड में 200 ग्राम पार्चमेंट कॉफी के छिलके उतार सकती है, जिसकी छिलकों की दक्षता 92% तक है। चेरी के मामले में, बाजरा डिहुलर 10 सेकंड में 150 ग्राम के छिलके उतार सकता है, जिसकी अधिकतम छिलकों की दक्षता 68% है। मिनी बाजरा डिहुलर सूखे पार्चमेंट के नमूनों के छिलकों के लिए उपयुक्त प्रतीत होता है। चेरी कॉफी की छिलकों की दक्षता में सुधार के लिए और सुधार की आवश्यकता है।

सीसीआरआई के अनुसंधान फार्म में विभिन्न भंडारण बैगों

अर्थात बोरी, एचडीपीई बैग, नैनो-प्लास्टिक-हर्मेटिक बैग, बोरी + नैनो-प्लास्टिक-हर्मेटिक बैग और एचडीपीई बैग + नैनो-प्लास्टिक-हर्मेटिक बैग का उपयोग करके किए गए ऑन-फार्म कॉफी भंडारण परीक्षण (अरेबिका एवं रोबस्टा दोनों के पार्चमेंट और चेरी के नमूनों के साथ) के परिणामों से पता चला कि बोरी और एचडीपीई बैग में संग्रहीत कॉफी के नमूनों में नमी की मात्रा में लगातार 12% से अधिक की वृद्धि देखी गई, जबकि हर्मेटिक बैग में संग्रहीत कॉफी के नमूनों में नमी की मात्रा ने भंडारण अवधि के दौरान नमी के स्तर को लगभग 12% बनाए रखा। कॉफी कप की गुणवत्ता के संबंध में, भंडारण परीक्षण की शुरुआत में कप स्कोर क्रमशः अरेबिका चेरी, अरेबिका पार्चमेंट, रोबस्टा चेरी और रोबस्टा पार्चमेंट के लिए 76, 78, 64 और 68 के अनुरूप थे। अरेबिका चेरी में, सभी उपचारों में स्कोर में तेजी से गिरावट आई: बोरी (12.75), एचडीपीई बैग (67.25), केवल हर्मेटिक बैग (66.75), बोरी + हर्मेटिक बैग (69.25) और एचडीपीई बैग + हर्मेटिक बैग (64.75)। अरेबिका पार्चमेंट, रोबस्टा पार्चमेंट और रोबस्टा चेरी के नमूनों में भी इसी तरह के अवलोकन देखे गए। कुल मिलाकर, खेत पर लंबे समय तक भंडारण (छह महीने से अधिक) ने, भंडारण बैग के प्रकार की परवाह किए बिना, कॉफी की गुणवत्ता पर नकारात्मक प्रभाव डाला।

सीसीआरआई के शोध फार्म में लगातार तीसरे वर्ष (2022-2025) सौर सुरंग ड्रायर (एसटीडी) के मूल्यांकन से पता चला कि विद्युत हीटर (ईएच) और डीह्यूमिडिफायर (डीएच) के साथ एसटीडी ने धूप में सुखाने की तुलना में रोबस्टा पार्चमेंट में अधिकतम सुखाने का समय 37%, अरेबिका पार्चमेंट में 56%, अरेबिका चेरी में 39% और रोबस्टा चेरी में 43% तक कम कर दिया, जिससे कुल मिलाकर औसतन 43.75% की कमी आई। धूप में सुखाए गए और सौर सुरंग में सुखाए गए कॉफी नमूनों के बीच कप गुणवत्ता स्कोर के संबंध में कोई महत्वपूर्ण अंतर नहीं पाया गया।

आठ वृक्ष कॉफी नमूनों की चेरी उपज (ताजा चेरी से सूखी

चेरी तक) और उत्पादन प्रतिशत (सूखी चेरी से स्वच्छ कॉफ़ी तक) से पता चला कि उपज 33% से 38% तक थी, जिसका औसत 35% था, जबकि उत्पादन 32% से 43% तक था, जिसका औसत 37% था।

### कॉफ़ी गुणवत्ता मूल्यांकन प्रभाग

कैफीन, क्लोरोजेनिक एसिड और संवेदी प्रोफाइल के संदर्भ में विभिन्न ऊंचाइयों से एकत्र की गई अरेबिका कॉफ़ी की गुणवत्ता का मूल्यांकन करने के लिए एक अध्ययन किया गया था। अरकू वैली, आनामलाईस, बाबाबुदनगिरी, ब्रह्मपुत्र, चिक्कमगलूरू, कूर्ग, नीलगिरी, पलनीस, शेवरॉयस, त्रावणकोर जैसे विभिन्न ऊंचाइयों से पचास अरेबिका कॉफ़ी के नमूने एकत्र किए गए थे। कैफीन की मात्रा 0.74% से 1.05% तक भिन्न थी और यह बढ़ती ऊंचाई के साथ कम हो गई। क्लोरोजेनिक एसिड की मात्रा 1.93% से 2.84% तक थी और ऊंचाइयों के बीच कोई महत्वपूर्ण अंतर नहीं था। कुल कर्पिंग स्कोर 67% था और ऊंचाइयों के बीच कोई महत्वपूर्ण अंतर नहीं था।

विभिन्न ऊंचाइयों से एकत्रित रोबस्टा कॉफ़ी की कैफीन, क्लोरोजेनिक एसिड और चीनी की गुणवत्ता का मूल्यांकन करने के लिए एक अध्ययन किया गया। रोबस्टा कॉफ़ी के नमूने अरकू वैली, आनामलाईस, ब्रह्मपुत्र, चिक्कमगलूरू, मंजराबाद, त्रावणकोर और वायनाड से एकत्र किए गए। अधिक ऊंचाई पर उगाई गई रोबस्टा कॉफ़ी में कम ऊंचाई पर उगाई गई कॉफ़ी की तुलना में कैफीन की मात्रा अपेक्षाकृत कम पाई गई। समुद्र तल से 2,000 और 2,800 फीट की ऊंचाई पर उगाई गई कॉफ़ी में 1% से 1.5% तक कैफीन की मात्रा पाई गई, समुद्र तल से 800 से 1,100 फीट की ऊंचाई पर 1.5% से 2% तक और समुद्र तल से 150 से

750 फीट की ऊंचाई पर 2% से 2.5% तक कैफीन की मात्रा पाई गई। क्लोरोजेनिक अम्ल की मात्रा के संदर्भ में, एमएसएल से 2,000 से 2800 की ऊंचाई पर उगाई गई रोबस्टा कॉफ़ी में उच्च सीजीए मात्रा (10.5% से 11%) दर्ज की गई, एमएसएल से 800 से 1100 की ऊंचाई पर 8.5% से 10.2% और एमएसएल से 150-750 की ऊंचाई पर 6% से 8.5% तक। रोबस्टा कॉफ़ी के नमूने में कुल शर्करा की मात्रा एमएसएल से 2,000 से 2800 की ऊंचाई पर 3.5% से 4%, एमएसएल से 800 से 1100 की ऊंचाई पर 2.5% से 3.2% और एमएसएल से 150 से 750 की ऊंचाई पर 0.9% से 2.5% थी।

कॉफ़ी किस्मों में निष्कर्षण गतिशीलता और अस्थिर फिंगरप्रिंटिंग पर रोस्ट प्रोफाइल और पीस आकार का प्रभाव" शीर्षक से एक अध्ययन अरेबिका पार्चमेंट, अरेबिका चेरी, रोबस्टा पार्चमेंट, रोबस्टा चेरी और मॉनसून से तैयार विभिन्न प्रकार की भुनी हुई कॉफ़ी में किया गया था मलबारा परिणामों से पता चला कि हल्के और मध्यम रोस्ट कॉफ़ी में लगातार मध्यम निष्कर्षण उपज (19% से 21%) देखी गई, जबकि गहरे रोस्टेड कॉफ़ी में निष्कर्षण उपज में 17.8% (मोटे पीस) से लेकर 23% (बारीक पीस) तक की अधिक परिवर्तनशीलता देखी गई। अरेबिका बीन्स में अधिक फल और पुष्प वाष्पशील यौगिक प्रोफाइल दिखाई दी, जो दर्शाता है कि निष्कर्षण के दौरान वे अपने सुगंधित यौगिकों का अधिक उत्सर्जन करते हैं। जबकि रोबस्टा बीन्स में मृदा के गुण दिखाई दिए। मलबार बीन्स ने हल्के भूनने पर भी ज़्यादा मृदा जैसा और मसालेदार स्वाद दिखाया। इन परिणामों से पता चलता है कि भूनने के प्रकार, पीसने का आकार और कॉफ़ी की किस्म का निष्कर्षण की गतिशीलता पर ज़्यादा प्रभाव पड़ता है।

\*\*\*\*\*



अध्याय – V

विस्तार एवं विकास

1. परंपरागत क्षेत्र

परंपरागत कॉफ़ी उपजाने वाले क्षेत्रों में तीन दक्षिणी राज्य यथा, कर्नाटक, केरल एवं तमिलनाडु शामिल हैं। परंपरागत क्षेत्रों में कॉफ़ी के कुल रोपित क्षेत्र 3,70,813 हेक्टेयर हैं जो देश के कुल कॉफ़ी क्षेत्र 4,89,620 हेक्टेयर का 75.73% है। परंपरागत क्षेत्रों में जोतों की कुल संख्या 1,75,841 है जो देश के कुल 4,45,465 जोतों का लगभग 39.47% है।

1.1. परंपरागत क्षेत्र में कॉफ़ी के अधीन क्षेत्र

वर्ष 2024-25 के दौरान, तीन परंपरागत कॉफ़ी उपजाने वाले राज्यों में कॉफ़ी के रोपित क्षेत्र, फलन क्षेत्र तथा जोतों की संख्या का विवरण निम्नानुसार है:-

परंपरागत क्षेत्र में रोपित क्षेत्र, फलन क्षेत्र तथा जोतों की संख्या

राज्य	रोपित क्षेत्र (हे.)			फलन क्षेत्र (हे.)			जोतों की संख्या		
	अरेबिका	रोबस्टा	कुल	अरेबिका	रोबस्टा	कुल	<10 हे.	>10 हे.	कुल
कर्नाटक	105442	143957	249399	100861	137596	238457	80071	2211	82282
केरल	4238	81719	85957	3957	81087	85044	77584	277	77861
तमिलनाडु	30034	6272	36306	27742	5944	33686	17985	345	18330
<b>कुल परंपरागत क्षेत्र</b>	139714	231948	37662	132560	224627	357187	175640	2833	178473

1.2. वर्ष 2024-25 में मौसम परिस्थिति तथा फसल उत्पादन

वर्ष 2024 के दौरान, ग्रीष्मकाल उच्च तापमान सहित गर्म तथा शुष्क था। परंपरागत क्षेत्रों के कॉफ़ी उपजाने वाले सभी क्षेत्रों में पुष्पण एवं समर्थन बौछार विलम्ब से हुई, लेकिन संतोषजनक थी। उसके बाद, मौसम स्थिति सामान्य थी जिससे कॉफ़ी बागानों में नए पौधों को रोपित करने और मृदा की सामान्य नमी बनाए रखने के लिए सहायता मिली।

जहाँ भी उपजकर्ताओं के पास ऊपरी सिंचाई की सुविधा थी, उन्हें निश्चित फसल लगाने के लिए रोबस्टा को पुष्पण एवं समर्थन बौछार द्वारा सिंचाई उपलब्ध कराया। जून 2024 के पहले सप्ताह में दक्षिण-पश्चिम मानसून कमजोर गति से प्रवेश कर चुका है और जुलाई के दौरान अपनी गति पकड़ चुका है। अगस्त-सितंबर के दौरान मानसून रुक-रुक कर आया। पारंपरिक क्षेत्रों में 2023 की इसी अवधि की तुलना में, वर्तमान मानसून अवधि के दौरान हुई वर्षा लगभग 10 से 50% अधिक थी। हालाँकि, जुलाई माह में हुई वर्षा ने



## वार्षिक रिपोर्ट 2024-2025

तालाबों और नालों के पुनरुद्धार और बोरवेलों के पुनर्भरण में मदद की। कुल मिलाकर, मानसून ने मृदा की नमी और वनस्पति वृद्धि को बनाए रखने में मदद की। समीक्षाधीन वर्ष के दौरान कोई महत्वपूर्ण फसल हानि, बाढ़ और भूस्खलन नहीं हुआ।

पूर्वोत्तर मानसून अक्टूबर के पहले पखवाड़े में प्रवेश किया है और पूरे मौसम मध्यम से तेज हवाओं के साथ सक्रिय बना रहा। इसके अलावा, दिसंबर महीने में हुई बारिश ने कॉफ़ी की

कटाई और प्रसंस्करण में थोड़ी बाधा डाली, जिससे गुणवत्ता में कुछ हद तक गिरावट आई। कुल मिलाकर, 2024-25 के दौरान मौसमी परिस्थितियाँ पौधों और फसल के सामान्य स्वास्थ्य और ओज के लिए अनुकूल रहीं।

परंपरागत कॉफ़ी उपजाने वाले क्षेत्रों में 2024-25 सीजन में अरेबिका के 90,550 टन तथा रोबस्टा के 2,57,675 टनों को शामिल कर अंतिम फसल 3,48,225 टन प्राक्कलित किया गया है। राज्यवार विवरण निम्नानुसार हैं:—

### परंपरागत क्षेत्र में कॉफ़ी उत्पादन का अंतिम प्राक्कलन (2024-25)

राज्य	उत्पादन प्राक्कलन (टन में)		
	अरेबिका	रोबस्टा	कुल
कर्नाटक	74,700	1,81,300	2,56,000
केरल	2,000	70,950	72,950
तमिलनाडु	13,850	5,425	19,275
कुल परंपरागत क्षेत्र	90,550	2,57,675	3,48,225

### 1.3. पीड़क एवं रोग

निम्न वर्षपात और स्थानिक क्षेत्रों में अरेबिका का प्रमुख पीड़क सफेद तना छेदक का आपतन सामान्यतया निम्न से मध्यम स्तर तक था। कॉफ़ी उपजाने वाले अधिकांश क्षेत्रों में कॉफ़ी बेरी बोरर का आपतन निम्न से मध्यम स्तर तक पाया गया।

रोबस्टा पर शॉट होल बोरर जैसे अन्य पीड़कों और चूषक पीड़कों का आपतन सामान्यतः कम रहा। इसके अलावा, कॉफ़ी के क्षेत्रों में विशाल अफ्रीकी घोंघा (जीएएस) का आपतन कम रहा।

रोगों में से, अरेबिका पर प्रमुख रोग, कॉफ़ी पर्ण किट्ट का आपतन निम्न से मध्यम स्तर पर रहा। मध्यम-उच्च वर्षा वाले

स्थानिक क्षेत्रों में काला सड़न, डंठल सड़न, मृतप्राय और जड़ रोगों का आपतन निम्न से मध्यम स्तर पर देखा गया।

सामान्यतः, पीड़कों और रोगों के नियंत्रण हेतु अपेक्षितानुसार आवश्यक उपचारात्मक उपायों की सलाह दी गई।

### 1.4. विस्तार गतिविधियाँ

विस्तार कार्यालय, अनुसंधान निदेशक, कॉफ़ी बोर्ड के प्रशासनिक नियंत्रणाधीन कार्य करते हैं। अनुसंधान निदेशक, कॉफ़ी बोर्ड, ने विकास समर्थन योजनाओं का कार्यान्वयन पर पर्यवेक्षण करते हैं। संयुक्त निदेशक (विस्तार), हासन, ने कर्नाटक के चार उप निदेशक (विस्तार), सात वरिष्ठ संपर्क अधिकारी तथा सभी कनिष्ठ संपर्क अधिकारियों के विस्तार / विकास गतिविधियों पर पर्यवेक्षण करते हैं। संयुक्त निदेशक



(विस्तार), कल्पेड्डा ने केरल एवं तमिलनाडु के दो उप निदेशक (विस्तार), आठ वरिष्ठ संपर्क अधिकारी तथा सभी कनिष्ठ संपर्क अधिकारियों का विस्तार गतिविधियों पर पर्यवेक्षण करते है।

कॉफी की कृषि की वैज्ञानिक पद्धतियों पर ज्ञान एवं कौशल सुधारने के उद्देश्य में तथा प्रौद्योगिकी के अंतरण के लिए कॉफी बोर्ड के विस्तार कर्मियों ने कॉफी उपजकर्ताओं के साथ निकट संपर्क साधित करते रहें। सामान्यतः उपजकर्ताओं को एवं विशेषतः छोटे उपजकर्ताओं को कॉफी के उत्पादन, उत्पादकता तथा गुणवत्ता सुधारने के लिए विकास समर्थन प्रदान करने के साथ-साथ प्रौद्योगिकी के अंतरण के लिए अनेक व्यक्ति एवं समूह में विस्तार पहुंच तथा साधनों का कार्यरूप में लाया गया।

अवधि के दौरान अपनाए गए केंद्रित दृष्टिकोण और की गई गतिविधियों में, कार्यप्रणाली प्रदर्शन आयोजित करने के लिए मॉडल एस्टेट का चयन / कौशल सुधारने द्वारा कृषि प्रचालनों को प्रभावी ढंग से करने के लिए प्रक्षेत्रगत प्रदर्शन, प्रिंट/ इलेक्ट्रॉनिक/सोशल मीडिया के माध्यम से परामर्श, कॉफी उपजकर्ताओं और श्रमिकों के ज्ञान और कौशल स्तर सुधारने हेतु ग्राम स्तर/समूह बैठकें और संगोष्ठी और अन्य प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करना शामिल था।

कॉफी बोर्ड अगली-स्तरीय प्रौद्योगिकी-सक्षम विस्तार सेवा - “कॉफी कृषि तरंगा” – कॉफी किसानों के लिए एक आईवीआरएस आधारित मोबाइल फोन परामर्श सेवा लागू कर रहा है ताकि कॉफी उत्पादन प्रौद्योगिकी, मौसम और मूल्य संबंधी जानकारी पर सलाह प्रसारित की जा सके।

कॉफी बोर्ड ने कॉफी मूल्य श्रृंखला के सभी हितधारकों तक कॉफी बोर्ड की सभी जानकारी, सेवाओं और उत्पादों का विस्तार करने के लिए नया एकीकृत वन स्टॉप मोबाइल ऐप ‘इंडिया कॉफी ऐप’ विकसित किया है। यह ऐप कॉफी बोर्ड के उत्पादों, सेवाओं और सूचनाओं को हितधारकों तक पहुंचाने के लिए शुरू किया जा रहा है। इसके अलावा, कॉफी बोर्ड ने वनों की कटाई-मुक्त उत्पादों (ईयूडीआर) पर यूरोपीय संघ के विनियमन को पूरा करने के लिए किसानों द्वारा स्वयं कॉफी एस्टेट के बहुभुज/जियोलोकेशन उत्पन्न करने के लिए इंडिया कॉफी ऐप में एक तंत्र को एकीकृत किया है।

विस्तार कर्मियों ने प्राकृतिक आपदा के दौरान फसल हानि सर्वेक्षण, फसलों का आवधिक मूल्यांकन, पीड़क और रोग आपतन की निगरानी और प्रबंधन, बीज कॉफी की खरीद और वितरण जैसी गतिविधियाँ भी कीं।

**वर्ष 2024-25 के दौरान क्रियान्वित विभिन्न विस्तार गतिविधियों का विवरण निम्नलिखित हैं:-**

क्र.सं.	गतिविधियाँ	उपलब्धियाँ (सं.)
1	एस्टेट दौरा / कॉफी कनेक्ट ऐप में प्रोफाइलिंग के लिए एस्टेट का दौरा	21554
2	मॉडल एस्टेटों का चयन	150
3	फील्ड निदर्शन	1199
4	ग्राम स्तरीय बैठकें	151
5	संगोष्ठियाँ	12



## वार्षिक रिपोर्ट 2024-2025

6	प्रौ.मू.केंद्रों में कॉफी कृषि पर क्षमता निर्माण कार्यक्रम	59
7	सलाह सेवा	
	1) मुद्रण मीडिया	52
	2) इलेक्ट्रॉनिक मीडिया (रेडियो परिचर्चा/ टी वी कार्यक्रम)	5
	3) सोशल मीडिया	867
8	प्रदर्शन दौरा	15
9	कृषकों का फील्ड स्कूल (एफ एफ एस) एफ एफ एस प्रशिक्षण की संख्या	87
10	महिला मजदूर/उपजकर्ताओं के लिए व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रम	13

### 1.5. प्रौद्योगिकी मूल्यांकन केंद्र (टीईसी)

परंपरागत क्षेत्रों के विभिन्न कृषि जलवायुवीय आँचलों में स्थित कॉफी बोर्ड के दस प्रौद्योगिकी मूल्यांकन केंद्रों (टीईसी) ने उत्पादन एवं उत्पादकता में सुधार हेतु प्रत्येक टीईसी के लिए तैयार की गई वार्षिक कार्य योजना के अनुसार समय पर कृषि कार्य करने हेतु कार्यरत हैं। इन प्रौद्योगिकी मूल्यांकन केंद्रों ने प्रशिक्षण केंद्रों और बीज उत्पादन केंद्रों के रूप में क्षेत्र/स्थान-विशिष्ट कृषि-पद्धतियों को अपनाकर विभिन्न पादप सामग्रियों के प्रदर्शन का मूल्यांकन करने हेतु केंद्रों के रूप में कार्य करते रहे।

#### प्रौद्योगिकी मूल्यांकन केंद्रों का विवरण (2024-25)

प्रौ.मू.कें. का नाम	कार्या रंभ वर्ष	रोपित क्षेत्र हे. में			फलन क्षेत्र हे. में.			उत्पादन (कि.ग्रा.)		उत्पादकता (कि.ग्रा./हे.)		
		अरे.	रोब.	कुल	अरे.	रोब.	कुल	अरे.	रोब.	अरे.	रोब.	
<b>कर्नाटक</b>												
1	अरसिनगुप्पे, चिक्कमगलूरु	1980	6.50	0.00	6.50	6.50	0.00	6.50	2030	0	504	0
2	हेस्माल, मूडिगोरे	1977	8.83	0.42	9.25	8.83	0.42	9.25	2250	250	262	550
3	मठसागर, सकलेशपुर	1959	5.23	1.25	6.48	4.53	1.25	5.78	1195	1546	264	1237
4	गोणिकोप्पल	1958	0.00	10.56	10.56	0.00	10.56	10.56	17	8114	2	768



केरल												
1	कल्पेट्टा	1958	0.07	7.13	7.20	0.07	6.93	7.00	40	2,200	571	317
2	मानंतवाडी	1979	0.50	8.30	8.80	0.50	8.18	8.68	40	3,650	80	446
3	वाषावरा	1998	0.60	1.94	2.54	0.60	1.94	2.54	350	1,710	583	983
तमिलनाडु												
1	गुडलूरु	1985	2.13	3.44	5.57	1.73	3.44	5.17	496	1864	287	542
2	बोडिनायकनूरु	1983	5.65	0.00	5.65	3.50	0.00	3.50	1503	0	350	0
3	येरकाडू	1986	10.00	0.00	10.00	10.0	0.00	10.00	4800	0	578	0

### 1.6. परंपरागत क्षेत्रों में कॉफ़ी का विकास समर्थन

विकास समर्थन स्कीम के प्रभावी कार्यान्वयन हेतु कॉफ़ी बोर्ड के विस्तार कर्मियों ने पंजीकरण, जाँच-पड़ताल, सब्सिडी आवेदन/दावों की प्रक्रिया तथा सब्सिडी वितरण का कार्य संभाले हैं। उत्पादन, उत्पादकता तथा कॉफ़ी गुणवत्ता को सुधारने हेतु पुनर्रोपण तथा जल आवर्धन तथा गुणता उन्नयन गतिविधियों के लिए परंपरागत क्षेत्रों के कॉफ़ी उपजकर्ताओं को सब्सिडी बढ़ा दी गई थी।

#### 2024-25 के दौरान विकास समर्थन उपलब्धियाँ

क्र. सं.	घटक/कार्य	लाभार्थियों की सं./ एककों की सं.	लाभान्वित क्षेत्र (हे.में)
1	पुनर्रोपण	1185	841.1
2	जल आवर्धन	1885/1885	5789.0
3	गुणवत्ता उन्नयन	3203/3210	6695.0
4	यंत्रीकरण	56/74	197.9

### 2. गैर-परंपरागत क्षेत्र (एनटीए) - (आंध्र प्रदेश एवं ओड़िशा)

आंध्र प्रदेश (एपी) एवं ओड़िशा राज्यों में कॉफ़ी की कृषि के लिए उपयुक्त क्षेत्रों को पहचानते हुए कॉफ़ी बोर्ड ने वर्ष 1950 के प्रारम्भ में तकनीकी-व्यवहार्यता का सर्वेक्षण किया था। सर्वेक्षण रिपोर्ट की सिफारिशों पर, आंध्र प्रदेश के वन विभाग ने 1961 में विशाखपट्टणम के एजेंसी क्षेत्रों में पहली बार वाणिज्यिक कॉफ़ी कृषि करने प्रारंभ किया। तदनंतर, इन बागानों का अनुरक्षण के लिए आंध्र प्रदेश वन विकास निगम लिमिटेड (ए.पी.एफ.डी.सी.) को सौंप दिया गया था। वर्ष 1976 में, एकीकृत जनजातीय विकास अभिकरण (आई.टी.डी.ए.) ने जनजातीय समूह में प्रचलित 'पोडू' या झूम खेती पद्धति को समाप्त करने हेतु विकास पहल के रूप में कॉफ़ी को वहाँ परिचित किया। गैर-परंपरागत क्षेत्र में कॉफ़ी की खेतीबारी की संभाव्यता को समझकर कॉफ़ी बोर्ड ने IXवीं पंचवर्षीय योजना से आंध्र प्रदेश तथा ओड़िशा में कॉफ़ी विकास के लिए समर्थन प्रदान किया।

## 2.1. गैर-परंपरागत क्षेत्र में क्षेत्र का वितरण

आंध्र प्रदेश एवं ओडिशा में कॉफी के अधीन क्षेत्र एवं जोतों की संख्या का विवरण निम्नानुसार है:-

गैर-परंपरागत क्षेत्र में रोपित क्षेत्र, फलन क्षेत्र तथा जोतों की संख्या

संपर्क क्षेत्र	रोपित क्षेत्र (हे.)			फलन क्षेत्र (हे.)			जोतों की संख्या		
	अरेबिका	रोबस्टा	कुल	अरेबिका	रोबस्टा	कुल	< 10	>10	कुल
आंध्र प्रदेश									
मिनुमुलूरु	46089	1	<b>46090</b>	38287.01	1.02	<b>38288.03</b>	119636	2	<b>119638</b>
चिंतापल्ली (पूर्व व पश्चिम)	41870	234	<b>42104</b>	34947.60	234.17	<b>35181.77</b>	79261	3	<b>79264</b>
अरकू वैली	19169	0	<b>19169</b>	15489.06	0.00	<b>15489.06</b>	46897	1	<b>46898</b>
<b>कुल आंध्र प्रदेश:</b>	<b>107128</b>	<b>235</b>	<b>107363</b>	<b>88723.67</b>	<b>235.19</b>	<b>88958.86</b>	<b>245794</b>	<b>6</b>	<b>245800</b>
ओडिशा	5335	0	<b>5335</b>	5335.43	0	<b>5335.43</b>	6423	19	<b>6442</b>
छत्तीसगढ़ *	8	0	<b>8</b>	8	0	<b>8.40</b>	1	0	<b>1</b>
<b>महा योग</b>	<b>112471</b>	<b>235</b>	<b>112706</b>	<b>94067.10</b>	<b>235.19</b>	<b>94302.29</b>	<b>252218</b>	<b>25</b>	<b>252243</b>

\* सीएचआरएस, जगदलपुर, छत्तीसगढ़ (आईजीएयू, रायपुर) के अधीन दरभा ब्लॉक, बस्तर जिला, छत्तीसगढ़ में 2018-19 के दौरान कॉफी की खेती शुरू की गई थी।

## 2.2. मौसम परिस्थिति एवं फसल उत्पादन

वर्ष 2024-25 के दौरान, आंध्र प्रदेश का मौसम कॉफी के उत्पादन के लिए संतोषजनक व अनुकूलतम था। अप्रैल 2024 के दूसरे पखवाड़े के दौरान प्राप्त पुष्पण/समर्थन बौछार से बेहतर पुष्पण एवं फल लगने में सहायता हुई। जून 2024 में प्रथम पखवाड़े के दौरान दक्षिण-पश्चिमी मानसून शुरू होकर सितंबर 2024 तक सक्रिय रहा। इसके अलावा, दिसंबर में प्रथम सप्ताह में, पूर्वोत्तर मानसून अवधि के दौरान फेंगल चक्रवात के प्रभाव से इस क्षेत्र में लगातार तीन दिन 50.8 मि.मी. के प्रमाण में वर्षा प्राप्त हुई।

ओडिशा में, मार्च 2024 के दौरान अल्प प्रमाण के बौछार से कलियों की आवाजाही शुरू हुई तथा बाद में अप्रैल 2024 के दौरान हुई वर्षा से अधिकांश कॉफी उपजाने वाले क्षेत्रों में पुष्पण तथा समर्थन बौछार प्राप्त हुई। आगे, 27 जुलाई 2024 से दक्षिण-पश्चिमी मानसून शुरू होकर अक्टूबर 2024 तक सक्रिय रहा।

इन बौछारों से वानस्पतिक वृद्धि होने के साथ साथ मृदा की नमी स्थिति बनाए रखने में सहायता मिलती है जिससे अगले वर्ष के लिए कॉफी बेरी के विकास, वानस्पतिक वृद्धि तथा



फसलन काष्ठ में सुधार होता है। पूरे मौसम में वर्षा का फैलाव संतोषजनक था।

संपूर्ण परिस्थिति को देखते हुए, 2024-25 सीजन का अंतिम फसल प्राक्कलन 15,100 मेट्रिक टन है, जिसमें अरेबिका का 15,060 मेट्रिक टन तथा रोबस्टा का 40 मेट्रिक टन सम्मिलित है।

### 2.3. पीड़क एवं रोग

वर्ष 2024-25 के दौरान, आंध्र प्रदेश एवं ओडिशा में पीड़क एवं रोगों के अधिक प्रकोप की रिपोर्ट दर्ज नहीं हुई। पीड़क एवं रोगों के प्रभावात्मक नियंत्रण के लिए कॉफी उपजकर्ताओं को प्रबंधन पद्धतियों से अवगत कराने हेतु सभी संभाव्य माध्यमों द्वारा नियमित सलाह सेवाएँ प्रदान की गई थी।

### 2.4. विस्तार गतिविधियाँ

आंध्र प्रदेश तथा ओडिशा के विस्तार कर्मियों द्वारा कार्यान्वित विस्तार गतिविधियों ने जनजाति प्रदेश की कॉफी के उत्पादन, उत्पादकता एवं गुणवत्ता में सुधार लाने के लिए संपर्क स्थापना एवं कॉफी जोतों में अनुवर्ती दौर के जरिए प्रौद्योगिकी का अंतरण; क्षेत्र निदर्शन, समूह विचार-विमर्शों का आयोजन, सलाह पत्र जारी करना आदि पर केंद्रित किया।

वर्ष 2024-25 के दौरान गैर-परंपरागत क्षेत्रों में कार्यान्वित विभिन्न विस्तार गतिविधियों का विवरण निम्नानुसार हैं :

क्र. सं.	गतिविधियाँ	उपलब्धियाँ (सं.)
1	एस्टेट दौरा (सं.)	4587
2	विधि निदर्शन (सं.)	999
3	ग्राम स्तरीय कार्यशालाएँ (सं.)	48
4	टीईसी में क्षमता निर्माण कार्यक्रम (सं.)	30
5	प्रदर्शन दौरा (सं.)	26
6	गुणता जागरूकता कार्यक्रम (सं.)	22
7	अध्ययन दौरा (सं.)	3

### 2.5. प्रौद्योगिकी मूल्यांकन केंद्र (टी ई सी)

गैर-परंपरागत क्षेत्र में दो प्रौद्योगिकी मूल्यांकन केंद्र कार्यरत हैं, एक मिनिमूलूरु (आंध्र प्रदेश) तथा दूसरा कोरापुट (ओडिशा) में है। ये दोनों निदर्शन-सह-प्रशिक्षण केंद्रों के रूप में तथा गुणवत्ता बीज कॉफी के लिए बीज उत्पादन केंद्रों के रूप में भी कार्य कर रहे हैं।

प्रौ.मू.के. का नाम	कार्यारंभ के वर्ष	रोपित क्षेत्र हे. में			फलन क्षेत्र हे. में.			उत्पादन (कि.ग्रा.)		उत्पादकता (कि.ग्रा./हे.)	
		अरे.	रोब.	कुल	अरे.	रोब.	कुल	अरे.	रोब.	अरे.	रोब.
<b>आंध्र प्रदेश</b>											
प्रौ मू के मिनुमूलूरु	1971	8.15	0.52	8.67	7.55	0.52	8.07	2324	477	308	917
प्रौ मू के कोरापुट	1978	9.99	0.55	10.54	9.99	0.55	10.54	5186	116	548	211



## 2.6. मिनी कॉफ़ी क्यूरिंग वर्क्स

वर्ष 2004-05 के दौरान आंध्र प्रदेश के चिंतापल्ली में स्थापित मिनी कॉफ़ी क्यूरिंग वर्क्स ने आंध्र प्रदेश तथा ओडिशा के जनजातीय उपजकर्ताओं की कच्ची कॉफ़ी के प्रसंस्करण कार्य को जारी रखा। वर्ष 2024-25 में 8724.10 कि.ग्रा. कॉफ़ी को क्यूरिंग की गई।

## 2.7. गैर-परंपरागत क्षेत्र में कॉफ़ी विकास कार्यक्रम:

वर्ष 2024-25 के दौरान, गैर-परंपरागत क्षेत्र (एनटीए) में कार्यान्वित विभिन्न सब्सिडी स्कीमों के अधीन प्रत्यक्ष उपलब्धियाँ निम्नानुसार हैं:-

### 2024-25 के दौरान कॉफ़ी विकास कार्यक्रम के अधीन उपलब्धियाँ

गतिविधियाँ	लाभार्थी / क्षेत्र / इकाई
कॉफ़ी विस्तार (लाभार्थी / क्षेत्र हेक्टेयर. में)	-
समेकन (लाभार्थी / क्षेत्र हेक्टेयर. में)	-
पुनरोपण (लाभार्थी / क्षेत्र हेक्टेयर. में)	9 / 17.4 हे.
जल आवर्धन (लाभार्थी / इकाइयों की संख्या)	2 / 2
<b>गुणवत्ता उन्नयन</b>	
क) ड्राइंग यार्ड (लाभार्थी / इकाइयों की संख्या)	2197 / 2197
ख) बेबी पल्पर्स (लाभार्थी / इकाइयों की संख्या)	423 / 423
<b>पारि-प्रमाणन</b> (लाभार्थी / इकाइयों की संख्या)	2 / 2

## 3. पूर्वोत्तर क्षेत्र (एन ई आर)

वर्ष 1953 में असम के कछार जिले में कॉफ़ी कृषि शुरू की गई थी। प्रारंभ में, पूर्वोत्तर क्षेत्र के विभिन्न राज्यों के निगमों/विभागों द्वारा कॉफ़ी विस्तार कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। कॉफ़ी कृषि को बढ़ावा मिलने पर कॉफ़ी बोर्ड ने, वर्ष 1982-1990 के दौरान व्यापक सर्वेक्षण किया और पूर्वोत्तर क्षेत्र के विभिन्न राज्यों में कॉफ़ी की कृषि हेतु उपयुक्त क्षेत्रों को

पहचान लिया। तदनंतर, बोर्ड, IX वीं योजना अवधि (1997-2002) से कॉफ़ी का विकास कार्यक्रमों के कार्यान्वयन में प्रत्यक्ष रूप में जुड़ गया।

### 3.1. वितरण क्षेत्र

पूर्वोत्तर राज्यों में कॉफ़ी के अधीन क्षेत्र तथा जोतों की संख्या से संबंधित विवरण निम्नानुसार हैं :



पूर्वोत्तर क्षेत्र में रोपित क्षेत्र, फलन क्षेत्र तथा जोतों की संख्या

क्र. सं.	संपर्क क्षेत्र/ राज्य	रोपित क्षेत्र (हे.)			फलन क्षेत्र (हे.)			जोतों की संख्या		
		अरेबिका	रोबस्टा	कुल	अरेबिका	रोबस्टा	कुल	<10	>10	कुल
1	अरुणाचल प्रदेश	7	572.75	579.75	0.00	312.00	312.00	704	2	706
2	असम	369.48	280.62	650.10	148.43		246.58	1555	1	1556
3	मणिपुर	188.60	38.60	227.20	14.05	0.00	14.05	331	0	331
4	मेघालय	296.15	1158.27	1454.42	164.59	288.62	453.21	3017	0	3017
5	मिज़ोरम	1433.35	75.85	1509.20	376.22	14.00	390.22	2427	1	2428
6	नागालैंड	1502.67	226.25	1728.92	510.00	31.00	541.00	3119	0	3119
7	त्रिपुरा	150.35	334.60	484.95	132.80	54.05	186.85	880	0	880
	<b>पूर्वोत्तर क्षेत्र का कुल योग</b>	<b>3947.6</b>	<b>2686.94</b>	<b>6634.54</b>	<b>1346.09</b>	<b>797.82</b>	<b>2143.91</b>	<b>12033</b>	<b>4</b>	<b>12037</b>

### 3.2. मौसम परिस्थिति एवं फसल उत्पादन

पूर्वोत्तर राज्यों में सामान्य जलवायु - लंबे दिन, अधिक वर्षा, दैनिक तापमान में परिवर्तन आदि विशिष्ट विशेषताओं के साथ अधिकांश उष्णकटिबंधीय एवं उप-उष्णकटिबंधीय है।

अप्रैल-जून के दौरान हुई बारिश ने पुष्पण और समर्थन बौछार के साथ-साथ नए पौधों के विकास और मृदा की नमी की स्थिति को बनाए रखने में भी मदद की। जुलाई-सितंबर के दौरान मौसम बेरियों की वृद्धि और विकास के साथ-साथ फलने-फूलने के लिए अनुकूल रहा। अक्टूबर-दिसंबर के दौरान मौसम की स्थिति बेरियों के पकने के लिए अनुकूल रही।

मौसम 2024-25 के लिए अंतिम फसल प्राक्कलन 175 मीट्रिक टन रखा गया था जिसमें अरेबिका का 90 मीट्रिक टन तथा रोबस्टा का 85 मीट्रिक टन सम्मिलित है।

### 3.3. पीड़क एवं रोग

कोलसिब और हाफलांग में सफेद तना छेदक हल्के आपतन तथा कुमारघाट संपर्क क्षेत्रों के कुछ स्थानों में कॉफी पर्ण किट्ट के उच्च आपतन के अलावा, पूर्वोत्तर क्षेत्र के कॉफी एस्टेटों में सामान्यतः, पीड़क एवं रोग का अधिक आपतन नहीं पाया गया।

### 3.4. विस्तार गतिविधियाँ

विस्तार कार्मिकों द्वारा की गई विस्तार गतिविधियाँ, जनजातीय क्षेत्र में कॉफी के उत्पादन, उत्पादकता और गुणवत्ता में सुधार के लिए कॉफी जोतों में दौरा और अनुवर्ती दौरे, क्षेत्र प्रदर्शन, समूह चर्चा, गुणवत्ता जागरूकता अभियान आदि के माध्यम से प्रौद्योगिकी का अंतरण पर केंद्रित थीं।

### 2024-25 के दौरान पूर्वोत्तर में की गई गतिविधियाँ

क्र.सं.	गतिविधियाँ	उपलब्धियां (सं.)
1	एस्टेट दौरा	3773
2	फील्ड निदर्शन	2533
3	समूह बैठकें/संगोष्ठियाँ	222
4	प्रौ.मू.कें. में क्षमता निर्माण कार्यक्रम	2
5	गुणता जागरूकता अभियान	37
6	प्रक्षेत्रगत प्रशिक्षण	74
7	अध्ययन दौरा - आंतरिक	6
8	सलाह पत्र	1797

### 3.5. प्रौद्योगिकी मूल्यांकन केंद्र (टी ई सी)

पूर्वोत्तर क्षेत्र में चार प्रौद्योगिकी मूल्यांकन केंद्र कार्यरत हैं यथा, देवमाली (अरुणाचल प्रदेश), हाफलांग (एन.सी.हिल्स, असम), बुआलपुरई (मिजोरम), तुलाकोणा (अगरतला, त्रिपुरा)। मिजोरम के बुआलपुरई में स्थित प्रौ.मू.कें., कॉफ़ी बीज के उत्पादन केंद्र के साथ-साथ निदर्शन-सह-प्रशिक्षण केंद्र के रूप में सेवाएँ प्रदान कर रहा है।

प्रौ.मू.कें. का नाम	कार्यारंभ के वर्ष	रोपित क्षेत्र हे. में			फलन क्षेत्र हे. में.			उत्पादन (कि. ग्रा.) पुष्पणोत्तर		उत्पादकता (कि. ग्रा./हे.)	
		अरे.	रोब.	कुल	अरे.	रोब.	कुल	अरे.	रोब.	अरे.	रोब.
<b>पूर्वोत्तर क्षेत्र</b>											
देवमाली	1983	0.00	13.00	13.0	0.00	13.0	13.00	0.0	6000	0.0	462.0
हाफलांग	1980	2.98	6.62	9.6	2.08	4.4	6.48	500	1000	240.3	227.2
बुआलपुरई	1988	10.50	0.00	10.5	8.40	0.0	8.40	2500	0	297.6	0.0
तुलाकोणा	1986	0.00	8.40	8.4	0.00	8.0	8.00	0.0	250	0.0	31.25



### 3.6. पूर्वोत्तर क्षेत्र में कॉफ़ी विकास कार्यक्रम के अधीन समर्थन

वर्ष के दौरान, कॉफ़ी के उत्पादन एवं गुणता सुधारने के समग्र उद्देश्य से कॉफ़ी बोर्ड ने पूर्वोत्तर क्षेत्र में कॉफ़ी विकास

कार्यक्रम के अधीन कॉफ़ी का विस्तार, समेकन एवं गुणता प्रोन्नयन जैसे विभिन्न गतिविधियों के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की। वर्ष के दौरान, पूर्वोत्तर क्षेत्र में विभिन्न गतिविधियों के लिए बढ़ाए गए समर्थन संबंधी प्रत्यक्ष उपलब्धियों का विवरण नीचे दिया गया है:-

गतिविधियाँ	लाभार्थीयाँ / क्षेत्र / इकाई
कॉफ़ी का विस्तार (लाभार्थी / क्षेत्र हेक्टेयर में)	1282 / 540.67
कॉफ़ी का समेकन (लाभार्थी / क्षेत्र हेक्टेयर में)	41 / 22.2
जल आवर्धन (लाभार्थी / इकाईयों की संख्या)	55/ 55
ड्राइंग यार्ड (लाभार्थी / इकाईयों की संख्या)	208 / 208
समूह नर्सरी (संख्या / पौदों की संख्या)	15 / 11,87,883

उपरोक्त गतिविधियों के लिए बढ़ाए गए वित्तीय समर्थन के अलावा, कॉफ़ी बोर्ड ने कॉफ़ी का विस्तार एवं समेकन कार्यों को सुविधा प्रदान करने के लिए समूह नर्सरियों के द्वारा कॉफ़ी पौदों को उगाने के लिए और उनकी आपूर्ति के लिए भी समर्थन दिया है।

### 3.7. मिनी कॉफ़ी क्यूरिंग वर्क्स

कॉफ़ी बोर्ड द्वारा बुआलपुरई में स्थापित मिनी कॉफ़ी क्यूरिंग वर्क्स में मिज़ोरम और त्रिपुरा राज्यों के उपजकर्ताओं द्वारा पूलित कच्ची कॉफ़ी का प्रसंस्करण कार्य जारी रखा।

### 4. हितधारकों के लिए क्षमता निर्माण

रिपोर्टाधीन अवधि के दौरान, कॉफ़ी उद्योग के हितधारकों के क्षमता निर्माण के एक भाग के रूप में अनेक प्रशिक्षण

कार्यक्रमों को आयोजित किए गए जिनका विवरण निम्नानुसार है:-

- कॉफ़ी बोर्ड के प्रौद्योगिकी मूल्यांकन केंद्रों में कॉफ़ी उपजकर्ताओं, एस्टेट कामगारों और पर्यवेक्षी स्टाफ को लाभ पहुँचाने हेतु कॉफ़ी कृषि के विभिन्न पहलुओं पर लगभग 794 प्रशिक्षण एवं क्षमता निर्माण कार्यक्रमों का आयोजन किया गया है।
- कृषि विश्वविद्यालय / आई.सी.ए.आर. के कृषि विज्ञान केंद्रों के सहयोग से 277 महिला उपजकर्ताओं / कामगारों को लाभ पहुँचाने हेतु बाईस व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रमों आयोजन किया गया है।

\*\*\*\*\*

अध्याय – VI

**बाज़ार विकास एवं प्रसंस्करण हेतु समर्थन**

घरेलू कॉफ़ी उपभोग को बढ़ाने एवं एक मजबूत घरेलू कॉफ़ी बाज़ार विकसित करने के लिए और अंतर्राष्ट्रीय मूल्यों में कमी होने की अवधि में उपजकर्ताओं, विशेष रूप से लघु उपजकर्ताओं को बेहतर लाभ प्रदान करने तथा मूल्य वर्धन के अवसर पैदा करने के उद्देश्य से, भारत सरकार ने निम्नलिखित दो घटकों के लिए मंजूरी दी है।

- क) घरेलू कॉफ़ी प्रोन्नयन
- ख) मूल्य वर्धन का समर्थन
- (क) घरेलू कॉफ़ी प्रोन्नयन**

कॉफ़ी बोर्ड, देश के विभिन्न भागों में आयोजित प्रतिष्ठित घरेलू प्रदर्शनियों में निरंतर भाग लेता है, जहाँ विभिन्न श्रेणी की कॉफ़ी, कॉफ़ी उपजाने वाले सभी क्षेत्रों से कॉफ़ी के नमूने, स्पेशालिटी कॉफ़ी और भारतीय कॉफ़ी पर साहित्य प्रदर्शित किया जाता है। यह प्रचार सामग्री के माध्यम से कॉफ़ी के सेवन के लाभों के बारे में जनता में जागरूकता भी फैलाता है और आगंतुकों को

शुद्ध कॉफ़ी परोसता है।

वर्ष 2024-25 के दौरान, कॉफ़ी बोर्ड ने मानव स्वास्थ्य पर कॉफ़ी का सकारात्मक प्रभावों के बारे में उपभोक्ता जागरूकता और शिक्षा के माध्यम से कॉफ़ी के उपभोग को बढ़ावा देने के लिए देश भर में विभिन्न प्रदर्शनियों में भाग लिया। इन आयोजनों के दौरान, कॉफ़ी का एक अच्छा कप कैसे तैयार किया जाए, इस पर प्रदर्शन भी आयोजित किए गए, साथ ही कॉफ़ी क्षेत्र में कैरियर के अवसरों के बारे में जागरूकता भी फैलाई गई।

उपरोक्त के अलावा, कॉफ़ी बोर्ड ने देश के विभिन्न स्थानों पर शुद्ध और उच्च गुणवत्ता वाली भारतीय कॉफ़ी बेचकर इंडिया कॉफ़ी हाउस और इंडिया कॉफ़ी सेंटर के माध्यम से कॉफ़ी के उपभोग को बढ़ावा देने के अपने प्रयास जारी रखा है। वर्तमान में, देश भर में ऐसी ग्यारह इकाइयाँ कार्यरत हैं।

**वर्ष 2024-25 में घरेलू कार्यक्रमों में भागीदारी का विवरण**

क्र. सं.	कार्यक्रम और स्थान	दिनांक
1	रेस्टोरेंट इंडिया रेस्टोरेंट अवार्ड्स, बेंगलूरु, कर्नाटक	01 मई 2024
2	अन्नपूर्ण इंटर फूड, आईआईसीसी, यशोभूमि, द्वारका, एनसीआर-नई दिल्ली	05-07 जून 2024
3	पर्यावरण प्रबंधन और जलवायु परिवर्तन पर 25वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, बेंगलूरु, कर्नाटक	27-28 जून 2024
4	सरकारी उपलब्धियाँ और योजनाएँ, फूड एण्ड टेक्नॉलजी एक्सपो, भारत मण्डपम, प्रगति मैदान, नई दिल्ली	20-22 जुलाई 2024



5	कृषि अर्थशास्त्रियों का 32वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीईई), आईसीएआर-आईएआरआई कैंपस, एनएएससी, नई दिल्ली	02-07 अगस्त 2024
6	मानव-हाथी संघर्ष प्रबंधन पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीएचईसीएम) 2024, बेंगलूरु, कर्नाटक	12 अगस्त 2024
7	सीआईआई द्वारा एक्सिम सम्मेलन, कोलकाता, पश्चिम बंगाल	20 अगस्त 2024
8	मलेनाडु महोत्सव, चिक्कमगलूरु, कर्नाटक	23-25 अगस्त 2024
9	अनुगा सेलेक्ट-इण्डिया-2024, मुंबई, महाराष्ट्र	28-30 अगस्त 2024
10	द इण्डियन कॉफ़ी फेस्टिवल, हैदराबाद, तेलंगाना	13-15 सितंबर 2024
11	वर्ल्ड फूड इण्डिया-2024, भारत मण्डपम, प्रगति मैदान, नई दिल्ली	19-22-सितंबर-2024
12	इंटरनेशनल कॉफ़ी डे 2024, मैसूरु, कर्नाटक	01 अक्टूबर 2024
13	वर्ल्ड टी एण्ड कॉफ़ी एक्सपो 2024, मुंबई	23-25 अक्टूबर 2024
14	कृषिमेला, जीकेवीके, बेंगलूरु, कर्नाटक	14-17 नवंबर 2024
15	कृषिमेला, कूर्ग, कर्नाटक	26 नवंबर 2024
16	कर्नाटक ग्रोवर्स फेडरेशन (केजीएफ), सकलेशपुरा, कर्नाटक का उपजकर्ता सम्मेलन और वार्षिक आम सभा की बैठक	23 दिसंबर 2024
17	राज्य स्तर के चिक्कमगलूरु गौडितियरा प्रीमियम लीग (सीजीपीएल), चिक्कमगलूरु, कर्नाटक	28-29 दिसंबर 2024
18	“संधारणीया विकास लक्ष्यों के लिए बागान क्षेत्र का उपयोग” पर राष्ट्रीय संगोष्ठी, कासरगोड, केरल	03-05 जनवरी 2025
19	दक्षिण और दक्षिण-पूर्व क्षेत्रीय राजभाषा सम्मेलन, मैसूरु, कर्नाटक	04 जनवरी 2025
20	इण्डस फूड, ग्रेटर नोएडा एनसीआर	8-10 जनवरी 2025
21	इण्डस फूड मैनुफैक्चरिंग, आईआईसीसी, यशोभूमि, द्वारका, एनसीआर-नई दिल्ली	09-11 जनवरी 2025
22	“पूर्वी और पूर्वोत्तरी पहाड़ी क्षेत्र में बीज श्रृंखला प्रबंधन: चुनौतियां और अवसर» पर राष्ट्रीय सम्मेलन, भुवनेश्वर, ओडिशा	21-22 जनवरी 2025
23	51वां कार्बी युवा महोत्सव 2025, तारालांगसो, दिफू, कार्बी आंगलॉग, असम	15-19 फरवरी 2025
24	कर्नाटक इंटरनेशनल ट्रेवल एक्सपो (केआईटीई) 2025, बीआईईसी बेंगलूरु, कर्नाटक	26-28 फरवरी 2025
25	आहार-2025, भारत मण्डपम, प्रगति मैदान, नई दिल्ली	04-08 मार्च 2025



## वार्षिक रिपोर्ट 2024-2025

26	कृषिमेला 2025, बालेहोन्नूर, कर्नाटक	11 मार्च 2025
27	कॉफ़ी सन्ते 2025, बेंगलूरु, कर्नाटक	21-23 मार्च 2025
28	नवोन्मेष 2025, आरएनटीयू, भोपाल, मध्य प्रदेश	25-26 मार्च 2025

डिजिटल मीडिया के माध्यम से कॉफ़ी को बढ़ावा देने पर भी जोर दिया गया है, जिसमें भारतीय कॉफ़ी की खूबियों जैसे पर्यावरण अनुकूल, छाया में उगाई जाने वाली और संधारणीयता पर प्रकाश डाला गया है, साथ ही युवाओं में कॉफ़ी को पसंदीदा पेय के रूप में लोकप्रिय बनाया गया है।

### ख) मूल्य वर्धन का समर्थन

वर्ष के दौरान समेकीकृत कॉफ़ी विकास कार्यक्रम (आईसीडीपी) के घटक “मूल्य वर्धन का समर्थन / आर एण्ड जी इकाइयों का समर्थन” के अंतर्गत, पांच कॉफ़ी भूनाई इकाइयों को सब्सिडी (वितरित राशि – ₹60,70,620/-) दी गई और आईसीडीपी के घटक “क्यूरिंग कार्यों को समर्थन” के अंतर्गत, चार कॉफ़ी क्यूरिंग कार्यों को सब्सिडी (वितरित राशि – ₹37,15,458) दी गई।

150 हितधारकों से प्राप्त कुल 166 नमी मीटर्स को विश्लेषणात्मक प्रयोगशाला, बेंगलूरु में अंशांकित किया गया तथा संबंधित हितधारकों को अंशांकन रिपोर्ट जारी की गई। इसके अलावा, 38 हितधारकों से प्राप्त 109 कॉफ़ी नमूनों को अलग-अलग पादप-स्वच्छता एवं पोषण संबंधी पैरामीटर्स के लिए जाँचा गया तथा संबंधित हितधारकों को विश्लेषण रिपोर्ट जारी की गई।

रिपोर्टाधीन वर्ष के दौरान कॉफ़ी बोर्ड ने “पोस्टिंग-ब्रूइंग-पैकेजिंग-कॉफ़ी रिटेलिंग” पर पांच “कापी शास्त्र” प्रशिक्षण कार्यक्रम बेंगलूरु में आयोजित किया, जिसमें 136 प्रतिभागी शामिल हुए।

कॉफ़ी बोर्ड ने भारत के अलग-अलग क्षेत्रों (विशाखापट्टनम, ओड़िशा, महाराष्ट्र, कोलकाता, नागालैंड, मैसूरु, शिलांग, हैदराबाद, गुजरात, तेलंगाना और गोवा) में 35 “बरिस्ता

प्रशिक्षण कार्यक्रम” आयोजित किया। ये कार्यक्रम, उन लोगों के लिए था जो कॉफ़ी बनाने वं कैफ़े मैनेजमेंट में रुचि रखते हैं ताकि वे अपनी बरिस्ता कौशल को बेहतर बनाया जा सके। कुल 450 प्रतिभागियों ने बरिस्ता प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया।

वर्ष 2023-24 बैच के कॉफ़ी गुणवत्ता प्रबंधन पद्धति में स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम में पंद्रह छात्रों ने सफलतापूर्वक अध्ययन पूरे कर लिए हैं। वर्ष 2024-25 बैच में शामिल हुए पंद्रह छात्रों ने सीसीआरआई, चिक्कमगलूरु में पहली तिमाही का अध्ययन पूरे कर लिए हैं वर्तमान में वे कॉफ़ी गुणवत्ता मूल्यांकन प्रभाग, बेंगलूरु में दूसरी तिमाही का अध्ययन कर रहे हैं।

कॉफ़ी बोर्ड हर वर्ष “नो योर कापी (केवाईके)” प्रतियोगिता आयोजित करता है। यह एक खास कप गुणता मूल्यांकन कार्यक्रम है तथा इसका उद्देश्य किसानों से उत्पादित कॉफ़ी की गुणवत्ता परखने में मदद किया जा सके। वर्ष 2024-25 में, अलग-अलग कॉफ़ी उगाने वाले क्षेत्रों से मिले कुल 670 नमूनों की कप गुणवत्ता का विश्लेषण किया गया। केवाईके-2024 के विजाताओं की सूची इस प्रकार है:

- बेस्ट वॉशड अरेबिका - श्री. लकरी वेंकट राव, असरदा , चिंतापल्ली, आंध्र प्रदेश।
- बेस्ट अरेबिका नैचुरल्स - श्री एम.के. लिंगप्पा और श्री एम.टी. जगदीश, सिरंगल्ली कम्यूनिटी प्रोजेक्ट, द साउथ इंडिया कॉफ़ी कंपनी, सुंटिकोप्पा, कर्नाटक
- बेस्ट अरेबिका एक्सपेरिमेंटल – श्री संबीत कुमार पांडा, कोरापुट ए-1 कॉफ़ी, कोरापुट, ओड़िशा



- बेस्ट वॉशड रोबस्टा - मेसर्स एलिखल एस्टेट्स, ऑरेंज काउंटी रिसॉर्ट्स एंड होटल्स लिमिटेड, सिद्धापुर, कोडगु जिला, कर्नाटक
- बेस्ट रोबस्टा नेचुरल्स- श्री जैकब मामन, बद्रा बालेहोन्नूर, बालेहोन्नूर, चिक्कमगलूर, कर्नाटक
- बेस्ट रोबस्टा एक्सपेरिमेंटल – प्रौद्योगिकी मूल्यांकन केंद्र (टीईसी), कॉफी बोर्ड, कलपेट्टा, वयनाड, केरल
- बेस्ट अल्टरनेटिव स्पीशीज - श्री मनोज सैम और श्रीमती मर्सी मनोज, पेनियल (एच), कल्लार आनविरट्टी गांव, इडुक्की, केरला

कॉफी बोर्ड ने मेसर्स काप्पी मशीन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के साथ मिलकर राष्ट्रीय लट्टे आर्ट चैंपियनशिप-2024 का दूसरा संस्करण आयोजित किया जिसमें 118 प्रतिभागियों में से, श्री मोहम्मद अफसर ने चैंपियनशिप जीता तथा उन्होंने 27 से 29 जून, 2024 तक डेनमार्क के कोपेनहेगन में हुए वर्ल्ड ऑफ़ कॉफी में भारत का प्रतिनिधित्व किया।

कॉफी बोर्ड ने स्पेशालिटी कॉफी एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एससीएआई) के सहयोग में वर्ष 2024 के लिए 23वें नेशनल बरिस्ता चैंपियनशिप (एनबीसी) का आयोजन किया। इसमें भाग लिए 79 बरिस्ता में से, मेसर्स बेन्की ब्रूइंग टूल्स के श्री सुहास द्वारकांथ ने चैंपियनशिप जीता और वे 17 से 21 अक्टूबर, 2025 तक होस्ट मिलानो में होने वाली वर्ल्ड बरिस्ता चैंपियनशिप 2025 में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे।

कॉफी बोर्ड ने स्पेशालिटी कॉफी एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एससीएआई) के साथ मिलकर नेशनल ब्रूअर्स कप चैंपियनशिप (एनबीआरसी) का आयोजन किया। इसमें भाग लिए 64 प्रतिभागियों में से, श्री सिद्धांत मिठारी ने चैंपियनशिप जीता।

पहली बार भारत में कॉफी बोर्ड के सहयोग से द स्पेशलिटी कॉफी एसोसिएशन ऑफ इंडिया ने कॉफी इन गुड स्पिरिट्स (सीआईजीएस) प्रतियोगिता का आयोजन किया इसमें भाग लिए 14 प्रतिभागियों में से, श्री नितिन भीष्म ने चैंपियनशिप जीता।

कॉफी बोर्ड के सहयोग से द स्पेशालिटी कॉफी एसोसिएशन ऑफ इंडिया ने भारत में पहली बार इंडियन फिल्टर कॉफी चैंपियनशिप (आईएफसीसी) का आयोजन किया इसमें भाग लिए 46 प्रतिभागियों में से श्री हरीश ने चैंपियनशिप जीता।

भारत की विशिष्ट क्षेत्रीय तथा स्पेशलिटी कॉफी का संरक्षण व प्रोन्नयन के उद्देश्य से, कॉफी बोर्ड ने सात कॉफी के लिए भौगोलिक उपनिर्देशन (जीआई) पंजीकरण प्राप्त किया है। इसके अलावा, कॉफी बोर्ड अलग-अलग हितधारकों को इन जीआई टैग वाली कॉफी के प्राधिकृत उपयोगकर्ता पंजीकरण (एयूआर) की सुविधा प्रदान किया है। इस दिशा में पांच हितधारकों (कूर्ग अरेबिका कॉफी -2; बाबाबुदानगिरी अरेबिका कॉफी-1; चिक्कमगलूर अरेबिका कॉफी-1; वयनाड रोबस्टा कॉफी-1) से प्राप्त आवेदन को प्रक्रमित किया तथा आगे की प्रक्रिया हेतु अनापत्ती प्रमाणपत्र (एनओसी) को जीई रजिस्ट्री को भेजा गया है। इसके अलावा, जीआई के तहत शेवरॉय्स के लिए नए आवेदन जीआई रजिस्ट्री से शिष्टाचार जाँच रिपोर्ट प्राप्त हुआ।

कॉफी बोर्ड, बेंगलूरु, कर्नाटक के कॉफी गुणवत्ता प्रभाग (संवेदी एवं भूनाई प्रयोगशाला तथा विश्लेषणात्मक प्रयोगशालाएं) को परीक्षण के क्षेत्र में उनकी सुविधाओं के लिए “आईएसओ/आईईसी 17025:2017: परीक्षण एवं अंशांकन प्रयोगशालाओं की क्षमता के लिए सामान्य आवश्यकताएँ” मानक के क्रम में प्रमाणपत्र संख्या टीसी-13594 के अनुसार एनएबीएल द्वारा मान्यता दी गई जो 3 मई, 2024 से 2 मई, 2026 तक वैध है।

\*\*\*\*\*

## अध्याय VII

### निर्यात प्रोन्नयन

#### निर्यातक पंजीकरण एवं नवीनीकरण

31 मार्च 2025 को यथास्थिति कॉफ़ी बोर्ड में पंजीकृत निर्यातकों की कुल संख्या 2,547 थी, जबकि 31 मार्च 2024 को यथास्थिति यह 2,265 थी। इसमें, वर्ष 2024-25 के दौरान बने 245 नए पंजीकरण तथा 37 पंजीकरणों के नवीनीकरण सम्मिलित हैं।

#### निर्यात परमिट तथा आईसीओ मूल प्रमाणपत्र

कॉफ़ी बोर्ड, कॉफ़ी अधिनियम की धारा 20 के अधीन कॉफ़ी के निर्यात के लिए निर्यात परमिट जारी करता है। लंदन के अंतर्राष्ट्रीय कॉफ़ी संगठन समझौता 2007, के अनुच्छेद 33 के अनुसार, कॉफ़ी बोर्ड भी कॉफ़ी के पंजीकृत निर्यातकों को कॉफ़ी के निर्यात के लिए अंतर्राष्ट्रीय कॉफ़ी संगठन मूल प्रमाणपत्र जारी करता है।

#### निर्यात: कॉफ़ी बोर्ड ई-परमिट पोर्टल

निर्यात परमिट तथा आईसीओ मूल प्रमाणपत्र <https://coffeeboard.gov.in/permit> पर ऑनलाइन आवेदन फाइल करने पर जारी किए जा रहे हैं। सभी पंजीकृत निर्यातकों को प्रयोगकर्ता आई डी एवं पासवर्ड देते हुए भारतीय एवं पुनर्निर्यातित कॉफ़ी दोनों के लिए निर्यात परमिट का ऑनलाइन फाइल करने और निर्यात की पुष्टि की विवरणी प्रस्तुत करने की सुविधा प्रदान की गई है।

वर्ष 2024-25 के दौरान कुल 12,927 निर्यात परमिट तथा आईसीओ मूल प्रमाणपत्र कॉफ़ी के 310 पंजीकृत निर्यातकों को जारी किए गए हैं, जबकि वर्ष 2023-24 के दौरान 12,984 निर्यात परमिट जारी किए गए थे। 2024-25 में जारी किए गए कुल परमितों में से 10,471 परमित भारतीय मूल की कॉफ़ी के निर्यात के लिए थे, जबकि 2,456 परमित भारत में

मूल्य वर्धन के बाद आयातित कॉफ़ी के पुनः निर्यात के लिए जारी किए गए थे।

#### निर्यातकों के साथ संवाद

वर्ष के दौरान, कॉफ़ी निर्यातक तथा निर्यातक संघ/स्पेशाल्टी कॉफ़ी संघ तथा लाइन विभागों के साथ कॉफ़ी निर्यात को बढ़ावा देने हेतु आवश्यक मुद्दों तथा रणनीति पर चर्चा करने हेतु बैठकें आयोजित की गईं। इन बैठकों में निर्यात प्रोन्नयन योजना, अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम, व्यापार मेलों में सहभागिता, गुणता संबंधी मामले, वित्तीय सहायता आदि से संबंधित कई हितधारकों की समस्याओं पर विचार-विमर्श किए गए। सभी संगत मुद्दों को समुचित मध्यस्थता एवं समर्थन हेतु मंत्रालय तथा लाइन विभाग में प्रस्तुत किया गया।

#### रिपोर्ट एवं विवरणियाँ

निर्यातक समुदाय को, उनकी गतिविधियों में सहायता कर उन्हें जानकारी देने के अलावा, कॉफ़ी निर्यात पर आवधिक रिपोर्ट एवं विवरणी तैयार कर मंत्रालय तथा अंतर्राष्ट्रीय कॉफ़ी संगठन को भेजी गई हैं। इसके अलावा, निर्यात समुदाय को उनके व्यापार गतिविधियों को आसान बनाने के लिए निर्यात से जुड़ी आवश्यक सूचनाएँ दी गईं। अवधि के दौरान, भेजी गई प्रमुख रिपोर्ट एवं विवरणियाँ निम्नानुसार हैं :-

- निर्यात निष्पादन पर दैनिक रिपोर्ट।
- मंत्रालय को मासिक रिपोर्ट।
- प्राथमिक निर्यात डेटा के आधार पर गंतव्य-स्थान के कॉफ़ी निर्यात के मूल्य अनुसार अंतर्राष्ट्रीय कॉफ़ी संगठन (आईसीओ) को पुस्तक के रूप में मासिक रिपोर्ट।



घ) भारत से निर्यातित कॉफ़ी के लिए आईसीओ मूल प्रमाणपत्र के संबंध में अंतर्राष्ट्रीय कॉफ़ी संगठन को मासिक सांख्यिकीय आँकड़ों का प्रेषण।

उपरोक्त के अलावा, अनुवीक्षण एवं नीति समर्थन के उद्देश्य से निर्यातक-वार, देश-वार, प्रकार एवं श्रेणिवार निर्यात आँकड़े जैसी विश्लेषणात्मक रिपोर्ट भी तैयार किया गया हैं।

### कॉफ़ी के निर्यात योग्य प्रकार तथा श्रेणियाँ

अंतर्राष्ट्रीय कॉफ़ी संगठन (आईसीओ) के कॉफ़ी गुणता सुधार कार्यक्रम के अनुसार बोर्ड द्वारा पहचाने गए निर्यात योग्य कॉफ़ी के प्रकार तथा श्रेणियों (संकल्प संख्या 420 तथा मॉनसूनीकृत कॉफ़ी के वर्तमान मानकों में संशोधन के बाद परिचालित पत्र सं. मार्च/निर्यात/33.बी/2010-11/790 दिनांक 18/08/2010 देखें) का विवरण निम्नानुसार हैं :-

### कॉफ़ी के निर्यात योग्य प्रकार तथा श्रेणियाँ

प्रकार	प्रीमियम श्रेणी	वाणिज्यिक श्रेणी	स्पेशाल्टी कॉफ़ी
ग्रीन कॉफ़ी अरेबिका पार्चमेंट (प्लांटेशन) (धुली अरेबिका)	पीबी बोल्ड ए ए	पीबी, ए, बी, सी* बल्क	मैसूर नगोट्स ई.बी
अरेबिका चेरी (अनधुली अरेबिका)	पीबी बोल्ड एए, ए.	पीबी, एबी., सी** बल्क***	मानसून्ड मलबार-एएए मानसून्ड मलबार-एए मानसून्ड मलबार-ए मानसून्ड मलबार अरेबिका ट्रियेज#
रोबस्टा पार्चमेंट (धुली रोबस्टा)	पीबी बोल्ड, ए	पीबी, एबी, सी, बल्क	रोबस्टा कापी रोयाल
रोबस्टा चेरी (अनधुली रोबस्टा)	पी बी बोल्ड एएए, एए, ए	पीबी, एबी, सी, बल्क, क्लीन बल्क	मानसून्ड मलबार रोबस्टा- एए मानसून्ड मलबार रोबस्टा ट्रियेज#
विविध श्रेणी लाइबेरिया एक्सेलेशिया		बल्क ## बल्क ##	
इंस्टैंट कॉफ़ी			
भुनी कॉफ़ी बीज			
भुनी व पिसी कॉफ़ी			

\*आईसीओ संकल्प 407/420 के पाद टिप्पणी में दिए गए समतुल्य का विवरण में सूचित किए अनुसार, प्लांटेशन-सी इसके लिए अपवाद है।

\*\*अरेबिका चेरी 'सी' - ब्लैक्स, ब्राउन्स एवं बिट्स रहित हो।

\*\*\* अरेबिका चेरी बल्क में 10% से कम ब्लैक्स, ब्राउन्स एवं बिट्स हो।

# मानसून्ड अरेबिका ट्रियेज व मानसून्ड रोबस्टा ट्रियेज ब्लैक्स, ब्राउन्स एवं बिट्स रहित हो।

## रोबस्टा के समान दौष माना जाना।

टिप्पणी: मानसून्ड कॉफ़ी के लिए नमी स्तर 13.0-14.5% है।



### कॉफी के निर्यात

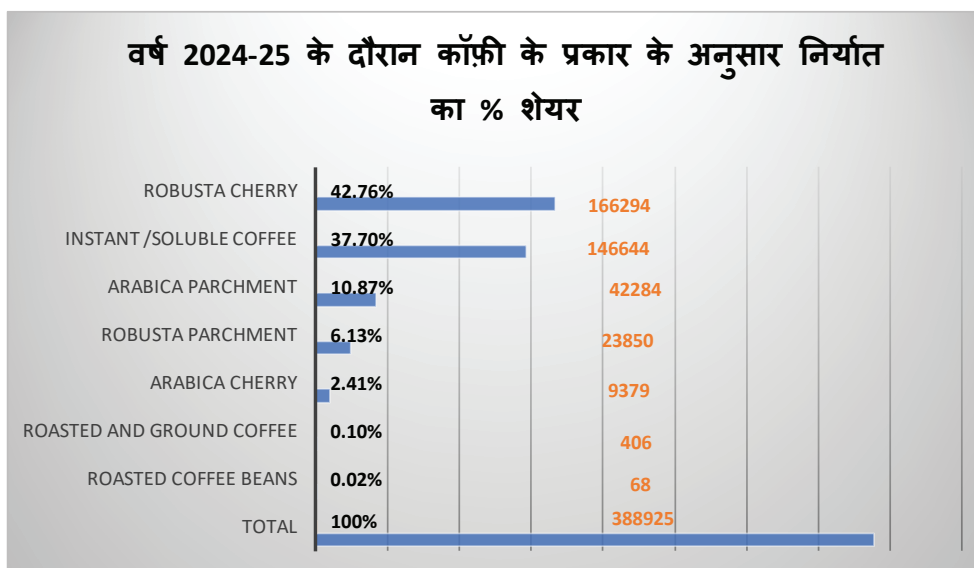
कॉफी बोर्ड द्वारा जारी निर्यात परमिट के आधार पर, वर्ष 2024-25 के दौरान भारत ने लगभग 3,88,925 मीट्रिक टन कॉफी का निर्यात किया (जिसमें 1,05,676 मीट्रिक टन पुनःनिर्यात सहित) जिसकी कीमत ₹15,422 करोड़ है, जो यूएस\$1,821 मिलियन के बराबर है। प्रति मीट्रिक टन की इकाई मूल्य प्राप्ति का मूल्य ₹4,87,699 रही जो कि यूएस\$5,743 मीट्रिक टन के बराबर है। इसकी तुलना में, वर्ष 2023-24 के दौरान, 3,83,653 मीट्रिक टन कॉफी (जिसमें 1,10,367 मीट्रिक टन पुनःनिर्यात सहित) के लिए निर्यात परमिट जारी किए गए, जिनकी कीमत ₹10,380 करोड़ थी, जो यूएस\$1,254 मिलियन के बराबर है। वर्ष 2023-24 में इकाई मूल्य प्राप्ति ₹2,70,558 प्रति मीट्रिक टन रही, जो यूएस\$3269 प्रति मीट्रिक टन के बराबर है। वर्ष 2024-25 के दौरान, 126 देशों में नौभरण हेतु निर्यात परमिट जारी किए गए, जबकि पिछले वर्ष यह संख्या 113 थी। इनमें से भारतीय

कॉफी निर्यात के लिए इटली, जर्मनी, रूस संघ, बेल्जियम एवं संयुक्त अरब अमीरात 5 अग्रणी गंतव्य देश थे।

### वर्ष 2024-25\* में निर्यातित कॉफी के प्रकार (अंतिम)

कॉफी के प्रकार	मात्रा टन में* (जीबीई)	कुल निर्यात का प्रतिशत
रोबस्टा चेरी	166294.41	42.76%
इंस्टैंट/घुलनशील कॉफी	146644.07	37.70%
अरेबिका पार्चमेंट	42283.60	10.87%
रोबस्टा पार्चमेंट	23850.35	6.13%
अरेबिका चेरी	9378.77	2.41%
भुनी व पिसी कॉफी	406.23	0.10%
भुनी कॉफी बीन्स	67.62	0.02%
<b>कुल</b>	<b>388925.00</b>	<b>100.00</b>

टिप्पणी - ग्रीन बीन समतुल्य मात्रा। \*जारी निर्यात परमिट पर आधारित



टिप्पणी - ग्रीन बीन समतुल्य मात्रा। \*जारी निर्यात परमिट पर आधारित



वर्ष 2024-25\* के दौरान कॉफ़ी के निर्यातों का श्रेणिवार विवरण  
(भारतीय व पुनर्निर्यातित कॉफ़ी दोनों)

क्र.सं.	श्रेणी	मात्रा (टन में)	मूल्य (लाख ₹ में)	मूल्य (लाख \$ में)	इकाई मूल्य (₹/टन)	इकाई मूल्य \$/टन
1	अरेबिका चेरी – ए	296	1576.48	18.26	531704	6159
2	अरेबिका चेरी – एए	519	2476.37	29.06	477036	5598
3	अरेबिका चेरी – एबी	2700	12462.97	146.36	461527	5420
4	अरेबिका चेरी – बल्क	47	290.09	3.41	616872	7251
5	अरेबिका चेरी – सी	118	407.65	4.71	346641	4005
6	अरेबिका चेरी – पीबी	77	354.92	4.14	458909	5353
7	एक्सेल्सिया बल्क	2	21.63	0.26	974324	11712
8	इंस्टैंट कॉफ़ी	146644	495977.1	5859.29	338218	3996
9	लिबेरिया बल्क	171	744.12	8.87	434274	5177
10	मानसून्ड मलबार अरेबिका - एएए	191	1150.46	13.49	602587	7066
11	मानसून्ड मलबार अरे. ट्रिप्ल	14	45.7	0.52	338519	3852
12	मानसून्ड मलबार अरेबिका - ए	456	2226.39	26.37	488458	5785
13	मानसून्ड मलबार अरेबिका - एए	4961	28800.74	337.64	580591	6806
14	मानसून्ड मलबार रोबस्टा- एए	1411	7830.47	91.12	554782	6456
15	मैसूर नगोट्स - ईबी	3026	15565.68	183.66	514432	6070
16	प्लांटेशन - ए	15200	76826.94	901.47	505424	5931
17	प्लांटेशन - एए	7480	36611.76	431.8	489446	5773
18	प्लांटेशन - बी	7230	32540.43	383.73	450046	5307
19	प्लांटेशन - बल्क	4217	28489.59	330.8	675654	7845
20	प्लांटेशन - सी	4499	20417.06	240.16	453813	5338



## वार्षिक रिपोर्ट 2024-2025

21	प्लांटेशन – पीबी	631	3357.14	39.34	532026	6234
22	भुनी व पिसे कॉफ़ी	406	2906.74	34.2	715544	8419
23	भुने कॉफ़ी बीज	68	464.55	5.49	687042	8119
24	रोबस्टा चेरी एएए	5007	20745.88	244.69	414347	4887
25	रोबस्टा चेरी -ए	38191	156534.22	1849.45	409877	4843
26	रोबस्टा चेरी -एए	25728	107565.69	1270.03	418094	4936
27	रोबस्टा चेरी -एबी	70523	284936.76	3371.74	404033	4781
28	रोबस्टा चेरी-बल्क	4288	16024.15	190.7	373717	4448
29	रोबस्टा चेरी – सी	607	1969.7	22.97	324428	3783
30	रोबस्टा चेरी – पीबी	5674	22985.93	271.54	405114	4786
31	रोबस्टा चेरी क्लीन बल्क	14692	55484.39	659.02	377642	4485
32	रोबस्टा कापी रोयाल	5634	24793.64	292.97	440034	5200
33	रोबस्टा पार्चमेंट – ए	1375	5966.33	70.63	433803	5135
34	रोबस्टा पार्चमेंट – एबी	11657	50845.16	600.43	436174	5151
35	रोबस्टा पार्चमेंट – सी	1133	6173.76	73.18	545096	6461
36	रोबस्टा पार्चमेंट – पीबी	1123	4866.63	57.64	433313	5132
37	रोबस्टा पार्चमेंट बल्क	2928	11749.89	140.13	401333	4786
	<b>कुल</b>	<b>388925</b>	<b>1542187</b>	<b>18209</b>	<b>487699</b>	<b>5743</b>

टिप्पणी - ग्रीन बीन के समतुल्य मात्रा \*जारी किए गए निर्यात परमिट के आधार पर



वर्ष 2024-25\* के दौरान कॉफ़ी निर्यात का देशवार विवरण  
[भारतीय और पुनर्निर्यातित कॉफ़ी दोनों]

क्रम संख्या	देश का नाम	मात्रा ( टन में )	मूल्य (लाख रुपये)	मूल्य (\$लाख)
1	इटली	67957.37	272531.67	3221.87
2	जर्मनी	39280.49	161939.19	1919.37
3	रूसी संघ	26414.01	84109.76	994.40
4	बेल्जियम	22333.87	108715.94	1274.57
5	संयुक्त अरब अमीरात	19646.76	77821.73	921.39
6	टर्की	16685.97	45035.76	529.21
7	लीबिया	14662.29	59794.87	704.45
8	पोलैंड	12763.95	41193.35	484.56
9	यूएसए	10531.03	43009.47	507.08
10	मलेशिया	10466.86	28501.07	336.57
11	नीदरलैंड	9424.19	37135.16	439.40
12	जॉर्डन	8928.50	41923.61	490.87
13	ऑस्ट्रेलिया	7024.73	30371.73	358.55
14	मिस्र	6932.19	27134.37	319.91
15	वियतनाम	6493.87	19147.82	225.34
16	स्पेन	6220.38	24624.57	291.33
17	कुवैट	5648.12	27651.18	325.88
18	यूनाइटेड किंगडम	5531.36	24490.68	290.02
19	ग्रीस	5306.88	22004.91	259.71
20	सऊदी अरब	5260.77	62326.90	740.66
21	कोरिया गणराज्य	5058.47	20555.52	242.16



## वार्षिक रिपोर्ट 2024-2025

22	स्विट्ज़रलैंड	4084.42	17621.10	207.94
23	पुर्तगाल	3856.40	16222.56	192.48
24	यूक्रेन	3832.28	11210.19	132.58
25	फ्रांस	3452.00	17795.25	208.28
26	घाना	3026.65	11089.76	130.75
27	ताइवान	2849.84	9064.35	107.38
28	इराक	2719.63	7192.49	85.03
29	इजराइल	2693.56	11384.60	133.40
30	इंडोनेशिया	2413.32	6538.41	78.36
31	ट्यूनीशिया	2378.96	6214.03	73.49
32	नाइजीरिया	2352.25	5357.02	63.48
33	अल्जीरिया	2285.88	8365.56	99.23
34	बांग्लादेश	2148.44	7955.96	93.76
35	अल्बानिया	2011.04	8703.57	102.41
36	मॉरिटानिया	1994.67	5804.13	68.23
37	सेनेगल	1950.64	7063.13	83.63
38	टोगो	1661.29	4220.12	49.94
39	स्लोवेनिया	1640.93	6456.02	76.26
40	मोरक्को	1335.19	6303.17	74.77
41	नाइजर	1278.45	3255.24	38.74
42	नेपाल	1267.51	7519.58	88.71
43	क्रोएशिया	1185.86	5426.53	64.28
44	माली	1166.53	7211.82	84.38



45	कनाडा	1136.34	5036.17	59.29
46	ईरान, इस्लामिक आर/ओ	1106.72	4321.93	50.85
47	लेबनान	1036.52	3988.20	47.35
48	सीरिया	1010.16	3325.55	39.37
49	जापान	980.72	4547.28	53.73
50	गिनी	960.00	3254.91	38.39
51	आर्मीनिया	887.06	3355.93	39.81
52	जॉर्जिया	848.36	2448.16	29.15
53	स्वीडन	815.56	3517.32	41.50
54	रोमानिया	785.75	2817.30	33.54
55	कांगो	772.94	2336.96	27.81
56	आईवरी कोस्ट	770.99	2762.22	32.12
57	थाईलैंड	702.42	2192.11	26.03
58	सिंगापुर	541.80	1969.74	23.25
59	चीन, पीपुल्स आर/ओ	540.18	1185.86	14.09
60	कैमरून	537.88	1534.28	18.19
61	ओमान	525.72	2381.89	28.27
62	बुल्गारिया	512.33	1926.72	22.97
63	न्यूजीलैंड	496.84	2150.97	25.30
64	बेनिन	484.66	1363.58	16.11
65	उज्बेकिस्तान	458.74	1111.90	13.12
66	मोंटेनेग्रो	424.40	2184.60	25.12
67	लिथुआनिया	381.33	1239.02	14.76



## वार्षिक रिपोर्ट 2024-2025

68	केन्या	380.41	1300.37	15.31
69	लातविया	356.42	1292.13	15.26
70	फिनलैंड	346.47	1685.86	19.90
71	दक्षिण अफ्रीका	333.62	1220.75	14.35
72	गाम्बिया	332.45	807.26	9.60
73	डेनमार्क	331.92	1582.48	18.71
74	एस्तोनिया	306.40	1218.45	14.48
75	म्यांमार	282.75	1042.34	12.25
76	गैबॉन	272.24	700.29	8.22
77	बुर्किना फासो	245.97	845.83	9.89
78	अंगोला	210.09	753.77	8.93
79	नॉर्वे	191.18	898.32	10.68
80	साइप्रस	168.96	593.17	7.02
81	श्रीलंका	166.44	621.15	7.32
82	पेरू	155.52	941.27	11.20
83	रीयूनियन	153.60	652.60	7.73
84	आयरलैंड	149.85	685.18	8.12
85	चाड	149.25	380.93	4.51
86	अल साल्वाडोर	139.23	636.15	7.34
87	कजाखस्तान	125.15	393.89	4.62
88	मेक्सिको	108.22	395.16	4.60
89	जिब्राल्टर	108.00	439.17	5.26
90	फ्रेंच पोलिनेशिया	106.41	379.38	4.46



91	तुर्कमेनिस्तान	104.69	329.82	3.87
92	बेलारूस	73.76	193.10	2.29
93	तंजानिया	69.81	299.44	3.57
94	कतर	67.52	366.20	4.25
95	इक्वेटोरियल गिनी	63.85	359.63	4.23
96	भूटान	53.66	359.13	4.24
97	आबू धाबी	49.14	135.86	1.62
98	मध्य अफ्रीकी	46.02	200.15	2.35
99	मोजाम्बिक	45.58	112.50	1.34
100	चेक रिपब्लिक	39.99	227.39	2.73
101	बहरीन	30.21	138.18	1.65
102	बोत्सवाना	30.19	74.99	0.86
103	जाम्बिया	30.19	77.16	0.91
104	लाओस	26.00	40.55	0.48
105	स्लोवाकिया	25.11	100.79	1.17
106	अज़रबैजान	23.71	58.23	0.68
107	मॉरीशस	23.64	62.30	0.73
108	लक्ज़मबर्ग	19.60	145.72	1.75
109	कोसोवो	19.20	83.31	1.00
110	मालदीव	17.55	107.86	1.28
111	सोमालिया	15.03	39.31	0.47
112	ओमान सल्तनत	14.86	74.35	0.87
113	सेरा लिओन	11.62	31.62	0.37



## वार्षिक रिपोर्ट 2024-2025

114	होंडुरस	8.59	39.89	0.48
115	अफगानिस्तान	7.80	22.96	0.27
116	रवांडा	4.16	12.51	0.15
117	इक्वाडोर	2.54	8.69	0.10
118	हांगकांग	1.76	9.49	0.11
119	ताजिकिस्तान	1.30	5.99	0.07
120	ज़िम्बाब्वे	0.65	3.91	0.05
121	सर्बिया	0.57	2.29	0.03
122	मेडागास्कर	0.35	46.48	0.55
123	ब्रूनेइ दारएस्सलाम	0.28	1.53	0.02
124	किर्गिस्तान	0.16	2.43	0.03
125	सेशलस	0.15	0.31	0.00
126	फिलिपींस	0.11	0.68	0.01
	<b>कुल योग</b>	<b>388925</b>	<b>1542187</b>	<b>18209</b>

टिप्पणी - ग्रीन बीन समतुल्य मात्रा। \*जारी निर्यात परमिट पर आधारित

### वर्ष 2024-25\* के दौरान पुन-निर्यातित कॉफी का देशवार विवरण

क्रम संख्या	देश का नाम	मात्रा ( टन में )	मूल्य (लाख रुपये)	मूल्य (\$लाख)
1	रूसी संघ	19420.91	58250.74	688.79
2	पोलैंड	10140.19	30558.24	359.18
3	मलेशिया	9374.36	24867.42	293.69
4	टर्की	8773.089	21375.25	252.96
5	यूएसए	6421.31	23838.91	281.48
6	वियतनाम	4331.756	10277.01	120.8



7	इटली	4306.164	14084.03	166.25
8	संयुक्त अरब अमीरात	3948.3	10956.57	129.58
9	यूक्रेन	3118.375	8365.67	98.86
10	यूनाइटेड किंगडम	2570.685	10732.03	127.66
11	इंडोनेशिया	2413.32	6538.41	78.36
12	ताइवान	2280.554	6921.32	82.3
13	नीदरलैंड	2034.708	6427.49	76.1
14	स्विट्जरलैंड	1886.518	7823.79	93.22
15	घाना	1883.344	7997.07	94.25
16	ट्यूनीशिया	1810.544	4283.23	50.61
17	ऑस्ट्रेलिया	1586.772	6126.72	72.63
18	जर्मनी	1536.21	5318.73	63.06
19	सेनेगल	1331.52	5261.47	62.45
20	इराक	1280.904	3058.45	36.11
21	बांग्लादेश	1150.956	4922.01	58.15
22	सऊदी अरब	959.023	43860.39	522.64
23	जॉर्डन	833.609	2694.31	31.61
24	स्पेन	749.06	2557.55	30.22
25	थाईलैंड	702.325	2189.77	26.01
26	जॉर्जिया	669.856	1917.85	22.87
27	लेबनान	605.379	2200.22	26.23
28	नाइजीरिया	564.599	1435.23	16.98
29	मिस्र	531.846	869.63	10.26



## वार्षिक रिपोर्ट 2024-2025

30	ग्रीस	494.52	1558.22	18.36
31	गिनी	466.284	1683.04	20.1
32	उज्बेकिस्तान	458.736	1111.9	13.12
33	चीन, पीपुल्स आर/ओ	443.95	812.94	9.67
34	आईवरी कोस्ट	438.915	1857.42	21.52
35	फ्रांस	437.372	1580.94	18.62
36	रोमानिया	403	1392.22	16.54
37	मॉरिटानिया	401.852	1952.6	22.74
38	जापान	389.81	1714.22	20.23
39	कांगो	348.872	1116.08	13.3
40	केन्या	342.969	1173.7	13.86
41	आर्मीनिया	219.931	815.99	9.51
42	दक्षिण अफ्रीका	218.291	729.37	8.61
43	गाम्बिया	207.355	510.95	6.09
44	माली	198.856	4582.26	53.55
45	कैमरून	192.528	721.97	8.54
46	कोरिया गणराज्य	152.36	490.92	5.8
47	साइप्रस	149.76	511.68	6.04
48	नेपाल	147.29	444.38	5.26
49	टोगो	144.818	359.93	4.28
50	पेरू	140.751	842.38	10.06
51	अल साल्वाडोर	139.23	636.15	7.34
52	अंगोला	137.332	540.26	6.41



53	नाइजर	134.971	510.81	6.12
54	बेनिन	112.102	456.39	5.38
55	मोरक्को	105.846	416.95	4.97
56	गैबॉन	94.162	289.34	3.42
57	मेक्सिको	93.6	301.43	3.5
58	इजराइल	84.959	330.7	3.93
59	लातविया	82.598	363.37	4.3
60	अल्जीरिया	80.938	218.13	2.57
61	स्लोवेनिया	80.428	258.48	3.07
62	कजाखस्तान	70.138	216.59	2.55
63	तंजानिया	68.25	295.37	3.53
64	न्यूजीलैंड	68.016	203.98	2.41
65	बुर्किना फासो	66.77	163.19	1.93
66	अल्बानिया	58.575	156.99	1.86
67	आयरलैंड	53.446	255.02	3.04
68	आबू धाबी	49.14	135.86	1.62
69	बेल्जियम	46.41	140.81	1.69
70	कनाडा	45.527	178.16	2.13
71	इक्वेटोरियल गिनी	41.265	306.86	3.61
72	श्रीलंका	37.622	129.06	1.53
73	बुल्गारिया	37.44	147.16	1.75
74	फ्रेंच पोलिनेशिया	35.62	85.99	0.99
75	बोत्सवाना	30.186	74.99	0.86



## वार्षिक रिपोर्ट 2024-2025

76	जाम्बिया	30.186	77.16	0.91
77	क्रोएशिया	27.456	79.57	0.93
78	मोजाम्बिक	24.024	59.68	0.71
79	अजरबैजान	23.712	58.23	0.68
80	मध्य अफ्रीकी	22.62	92.7	1.11
81	तुर्कमेनिस्तान	21.403	48.46	0.57
82	स्लोवाकिया	19.825	77.35	0.89
83	सिंगापुर	17.882	50.19	0.6
84	मॉरीशस	11.201	29.44	0.35
85	होंडुरस	8.586	39.89	0.48
86	सर्बिया	0.572	2.29	0.03
	<b>कुल योग</b>	<b>105676</b>	<b>369100</b>	<b>4367</b>

टिप्पणी - ग्रीन बीन समतुल्य मात्रा। \*जारी निर्यात परमिट पर आधारित

### वर्ष 2024-25\* के दौरान 10 अग्रणी निर्यातक [भारतीय और पुनर्निर्यातित कॉफी दोनों]

क्रम संख्या	निर्यातक का नाम	टन में	मूल्य (लाख रुपये)	मूल्य (\$लाख)
1	सीसीएल प्रोडक्ट्स इंडिया लिमिटेड	38358.14	124244.43	1467.61
2	ओलम फूड इंग्रीडिएंट्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड	27797.50	118741.03	1397.88
3	लुईस ड्रेफस कंपनी इंडिया प्राइवेट लिमिटेड	27111.78	123705.11	1456.13
4	एन.के.जी. इंडिया कॉफी प्राइवेट लिमिटेड	26953.83	107269.74	1269.20
5	विद्या हर्ब्स प्राइवेट लिमिटेड	25265.16	88168.89	1040.46
6	टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड	22383.69	124896.08	1480.73
7	इंडस कॉफी प्राइवेट लिमिटेड	22332.01	62139.49	733.31



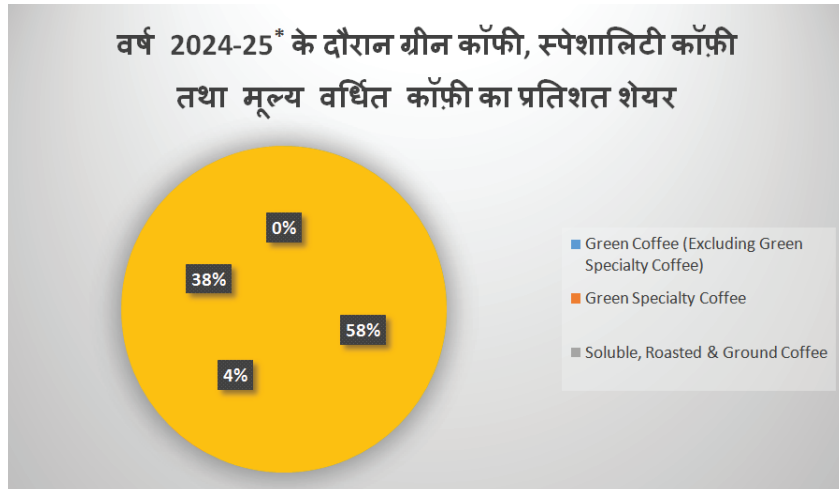
8	ईकॉम कमोडिटीज इंडिया प्राइवेट लिमिटेड	20294.80	93339.22	1102.37
9	अल्लाना कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड	16897.39	78391.02	919.86
10	सक्डेन कॉफी इंडिया प्राइवेट लिमिटेड	15736.90	61731.61	730.79
11	अन्य	145793.83	559560.53	6610.93
	<b>कुल</b>	<b>388925</b>	<b>1542187</b>	<b>18209</b>

टिप्पणी - ग्रीन बीन समतुल्य मात्रा। \*जारी निर्यात परमिट पर आधारित

**वर्ष 2024-25\* के दौरान श्रेणीवार कॉफी निर्यात  
(भारतीय एवं पुनः निर्यातित कॉफी)**

क्रम संख्या	कॉफी की श्रेणी	टन में	मूल्य (लाख रुपये)	मूल्य (\$ लाख)
1	ग्रीन कॉफी (ग्रीन स्पेशलिटी कॉफी को छोड़कर)	226115	962426	11365
2	ग्रीन स्पेशलिटी कॉफी	15693	80413	946
3	घुलनशील, भुनी व पिसी हुई कॉफी	147118	499348	5899
	<b>कुल</b>	<b>388925</b>	<b>1542187</b>	<b>18209</b>

नोट: मात्रा हरी फलियों के बराबर \*जारी किए गए निर्यात परमिट के आधार पर



\*जारी निर्यात परमिट पर आधारित

## निर्यात प्रोन्नयन स्कीम - कॉफ़ी के निर्यात के लिए पारगमन/माल ढुलाई सहायता देना।

मध्यमावधि ढाँचे (एमटीएफ) की अवधि के दौरान कॉफ़ी के निर्यात के लिए पारगमन/माल ढुलाई की सहायता प्रदान करने के लिए तौर-तरीकों की अधिसूचना संख्या. MAR/EXPORTS/MTF/2018-19/499, दिनांक 13.07.2018 के अनुसार निर्यात प्रोन्नयन स्कीम को दि.13.07.2018 से जो लागू की गई है। इस स्कीम का पूरा विवरण कॉफ़ी बोर्ड की वेबसाइट पर भी उपलब्ध है। स्कीम का उद्देश्य है कि महत्वपूर्ण उच्च मूल्य अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में इंडिया ब्रांड बनाने और उच्च मूल्य विभेदित कॉफ़ियों द्वारा मूल्य वर्धित कॉफ़ियों के मार्केट शेयर की वृद्धि करने द्वारा निर्यात आय को बढ़ाना है।

## पारगमन/माल ढुलाई सहायता का पैमाना

- यू.एस.ए, कनाडा, जापान, आस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, दक्षिण कोरिया, फिनलैंड नार्वे तथा डेन्मार्क जैसे दूरवर्ती उच्च मूल्य बाजारों को उच्च मूल्य ग्रीन कॉफ़ी के निर्यात के लिए ₹ 2/- प्रति कि.ग्रा.।
- 3/- प्रति कि.ग्रा. 'इंडिया ब्रांड' के रूप में निर्यातित खुदरा उपभोक्ता पैक में मूल्य वर्धित कॉफ़ी के निर्यात के लिए ₹3/- प्रति कि.ग्रा., इसके विनिर्माण/तैयारी के लिए उपयोग की जाने वाली ग्रीन कॉफ़ी पर गणना की जाती है, जो इंस्टेंट/घुलनशील कॉफ़ी के लिए अधिकतम 2.6 कि.ग्रा. और भुनी हुई कॉफ़ी बीज और आर एण्ड जी कॉफ़ी के लिए 1.19 कि.ग्रा. है।

## वर्ष 2024-25 के दौरान वितरित निर्यात प्रोत्साहन इस तरह हैं।

क्र.सं.	घटक	मात्रा टनों में	मूल्य (लाख ₹ में)
1	दूरवर्ती बाजारों पर उच्च मूल्य ग्रीन कॉफ़ी के निर्यात के लिए ₹2/कि.ग्रा. की दर से दिए गए प्रोत्साहन	8540	171
2	'इंडिया ब्रांड' के रूप में रिटेल पैक में मूल्य वर्धित कॉफ़ी के निर्यात के लिए ₹3/कि.ग्रा. की दर पर दिए गए प्रोत्साहन	7867	236
	<b>कुल</b>	<b>16407</b>	<b>407</b>

नोट: मात्रा ग्रीन बीन्स के बराबर

## भारतीय कॉफ़ी की ब्रांडिंग के लिए लोगो

भारतीय कॉफ़ी बोर्ड ने "इंडिया ब्रांड" के तहत मूल्य वर्धित कॉफ़ी के निर्यात को बढ़ावा देने की अपनी प्रयासों को जारी रखीं, जिससे "कॉफ़ीस ऑफ़ इंडिया" लोगो के उपयोग से भारतीय कॉफ़ी की वैश्वित पहचान सशक्त बनाने का कार्य कर रहा है। ये लोगो भारतीय कॉफ़ी को छाया में उगाए,

संधारणीय एवं आभायुक्त दिखाते हैं, जो भारत के कॉफ़ी उगाने वाले क्षेत्र की विशेषताओं और पारिस्थितिक समृद्धता को दिखाते हैं।

इस पहल में बताया गया है कि भारतीय कॉफ़ी ज्यादातर छाया में उगाई जाती है और इसकी कृषि उन क्षेत्रों में की जाती है जो विश्व के 25 जैव-विविधतायुक्त महत्वपूर्ण क्षेत्रों



में से एक है साथ ही भारत में उगाए जाने वाली कॉफी की विविधता पर भी प्रकाश डालता है।



कॉफीज ऑफ़ इंडिया - मूल लोगो



कॉफीज ऑफ़ इंडिया - निर्यात लोगो

## निर्यात प्रोन्नयन

कॉफी बोर्ड द्वारा विभिन्न निर्यात प्रोन्नयन गतिविधियों को प्रचलित किया जा रहा है जैसे कॉफी केन्द्रित व्यापार मेलों/प्रदर्शनियों, क्रेता-विक्रेता बैठकों (बीएसएम) एवं उत्क्रम क्रेता-विक्रेता बैठकों (आरबीएसएम) में भाग लेना, कॉफी

स्वादन के सत्रों का आयोजन करना, प्रमुख कॉफी आयातक देशों में भारतीय मिशनों एवं विदेशी संघों के साथ सहयोग करना, डिजिटल मीडिया के माध्यम से ब्रांड निर्माण तथा प्रचार अभियान चलाना, गॉरमेट कॉफी गिफ्ट बॉक्स उपलब्ध कराना आदि।

वर्ष 2024-25 के दौरान, कॉफी बोर्ड ने केवल एक भौतिक कार्यक्रम **वर्ल्ड ऑफ़ कॉफी दुबई 2025** में भाग लिया, इसमें 43 इंडियन कॉफी कंपनियों का एक शानदार डेलीगेशन था, जिसमें लगभग 120 हितधारक सम्मिलित थे, जिनमें कॉफी उपजकर्ताएँ, क्यूर्स, निर्यातक, स्टार्ट-अप्स, रोस्टर तथा इंस्टैंट कॉफी विनिर्माणकर्ता शामिल थे। साथ ही, बोर्ड ने चार आभासी बैठकें (बिजनेस नेटवर्किंग मीट) एवं एक आभासी भारतीय कॉफी प्रोन्नयन कार्यक्रम भी आयोजित किए जिनकी विवरण निम्नलिखित है:

क्रम संख्या	कार्यक्रम का नाम	स्थान/देश	तारीख
<b>भौतिक कार्यक्रम</b>			
1.	वर्ल्ड ऑफ़ कॉफी दुबई 2025	दुबई, संयुक्त अरब अमीरात (यू.ए.ई.)	10 से 12 फरवरी, 2025
<b>आभासी कार्यक्रम</b>			
1.	कॉफी बोर्ड ने इस्तांबुल, तुर्की में भारत के कॉन्सुलेट जनरल के साथ मिलकर एक वर्चुअल बिजनेस नेटवर्क मीट का आयोजन किया।		05 जुलाई, 2024
2.	कॉफी बोर्ड ने बुखारेस्ट, रोमानिया में भारतीय दूतावास के साथ मिलकर एक वर्चुअल बिजनेस नेटवर्क मीट का आयोजन किया।		05 दिसंबर, 2024
3.	कॉफी बोर्ड ने साइप्रस के निकोसिया में भारतीय उच्चायोग के साथ मिलकर एक वर्चुअल बिजनेस नेटवर्क मीट का आयोजन किया।		13 जनवरी, 2025



4.	कॉफी बोर्ड ने रोम में भारतीय दूतावास और मिलान, इटली में भारतीय महावाणिज्य दूतावास के साथ मिलकर एक वर्चुअल बिजनेस नेटवर्क मीट का आयोजन किया।	20 फरवरी, 2025
5.	कॉफी बोर्ड ने बीजिंग, चीन में भारतीय दूतावास के साथ मिलकर दूतावास सभागार में भारतीय कॉफी बनाने की प्रतियोगिता के साथ भारतीय कॉफी प्रोन्नयन कार्यक्रम का आयोजन किया, जिसमें कॉफी बोर्ड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं सचिव ने आभासी रूप से उपस्थित सभी को संबोधित किया।	28 फरवरी, 2025

\*\*\*\*\*

## अध्याय - VIII

## बाजार अनुसंधान एवं आसूचना

बोर्ड के बाजार अनुसंधान एवं आसूचना एकक द्वारा 2024-25 के दौरान निम्नलिखित कार्य निष्पादित किया गया है :

- एकक ने मूल्य, आपूर्ति, मांग और अन्य मूलभूत एवं तकनीकी कारकों से संबंधित दैनिक बाजार जानकारी (वैश्विक एवं भारत से संबंधित दोनों) के संग्रह एवं समेकन का कार्य जारी रखा जो बाजार विश्लेषण के लिए महत्वपूर्ण हैं। इन सूचनाओं को उद्योग क्षेत्र के साथ-साथ सरकार को भी पहुँचायी गई। वर्ष 2024-25 के दौरान, कुल 216 दैनिक बाजार रिपोर्ट तैयार करके प्रसारित की गई।
- इस अवधि के दौरान व्यापक बाजार विश्लेषण प्रदान करने वाली दैनिक ई-मेल सूचना सेवा जारी रही। इस सुविधा को विस्तार विभाग द्वारा उपजकर्ताओं तक बढ़ाई गई तथा वेबसाइट (<https://coffeeboard.gov.in>) में पोस्ट की गई।
- एकक ने भारतीय एवं वैश्विक कॉफी आंकड़ों को कवर करते हुए एक व्यापक 'कॉफी पर डेटाबेस' प्रकाशित किया है जो नीति निर्माताओं तथा हितधारकों के लिए बहुत उपयोगी है।
- मौसम 2024-25 के लिए विभिन्न श्रेणी के जोतों एवं कॉफी अंचल/क्षेत्रों भर स्तरीय अनियमित नमूना चयन तकनीकों का प्रयोग कर फसल प्राक्कलन तैयार किए गए। 2024-25 के लिए फसल प्राक्कलन 3,63,500 मीट्रिक टन (अरेबिका का 1,05,700 मीट्रिक टन एवं रोबस्टा का 2,57,800 मीट्रिक टन) था।
- एकक ने विश्व व्यापार संगठन तथा कॉफी से संबंधित व्यापार नीतियों से संबंधित मामलों पर आर्थिक और विश्लेषणात्मक सहायता प्रदान की। एकक द्वारा विभिन्न

मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) के अंतर्गत कॉफी के लिए टैरिफ और गैर-टैरिफ मुद्दों के साथ-साथ उत्पाद-विशिष्ट नियमों पर इनपुट का विश्लेषण कर उसे तैयार किया गया। विस्तृत इनपुट मंत्रालय को विचारार्थ प्रस्तुत किए गए।

- एकक द्वारा निर्यात अनुभाग, भुनी एवं पिंसी एकक, ई-गवर्नेंस प्रकोष्ठ की गतिविधियों का समन्वयन किया गया।
- एकक ने ज्यादा मध्यस्थों के बिना कॉफी उपजकर्ताओं तथा उद्यमियों को सीधे निर्यात करने के लिए प्लैटफार्म प्रदान करते हुए 'विक्रयम' नाम से एक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया।
- एकक ने अरेबिका एवं रोबस्टा कॉफी दोनों की स्थापना लागत के आकलन पर कार्य किया है। इसे इकाई लागत का निर्धारण के लिए राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) को प्रस्तुत किया गया है।
- एकक ने अरेबिका एवं रोबस्टा कॉफी दोनों की खेती की लागत का आकलन करने में भाग लिया है तथा इसे "वित्तीय पैमाने" के निर्धारण के लिए जिला-स्तरीय तकनीकी समितियों को प्रस्तुत किया गया है।
- एकक ने कॉफी बोर्ड मुख्यालय में ई-एच.आर.एम.एस. के कार्यान्वयन में सहायता की है।
- एकक ने कॉफी बोर्ड मुख्यालय में ई-ऑफिस के कार्यान्वयन का समन्वय तथा सहायता किया है।
- एकक ने बोर्ड की वेबसाइट <https://coffeeboard.gov.in> के अनुरक्षण का कार्य जारी रखा है।



- यूरोपीय संघ भारत के कॉफ़ी निर्यात का प्रमुख गंतव्य है, जो देश के कुल कॉफ़ी निर्यात का लगभग 45% है। कॉफ़ी यूरोपीय संघ निर्वनीकरण-मुक्त विनियमन (EUDR) के अंतर्गत आती है, जो 30 दिसंबर 2025 (या सूक्ष्म एवं लघु उद्यमों के लिए 30 जून 2026) से लागू होगा। इस विनियमन के तहत कॉफ़ी निर्यातकों को यह प्रदर्शित करना होगा कि उनकी कॉफ़ी का 31 दिसंबर 2020 के बाद हुई निर्वनीकरण से कोई संबंध नहीं है। इस संबंध में, एकक ने ई.यू.डी.आर. प्रावधानों एवं अनुपालन आवश्यकताओं को समझाने के लिए कॉफ़ी उपजकर्ता संघों, निर्यातक संघों तथा रोस्टर संघों को शामिल करते हुए हितधारक बैठकों की एक श्रृंखला आयोजित की। हितधारकों के परामर्श से, एकक ने उपजकर्ताओं द्वारा एस्टेट के भू-निर्देशांक तैयार करने के लिए 'इंडिया कॉफ़ी ऐप' में उपजकर्ता पंजीकरण तथा ई.यू.डी.आर. अनुपालन मॉड्यूल विकसित किया है, अर्थात्, 4 हेक्टेयर से कम भूमि रखने वाले उपजकर्ताओं के लिए एस्टेट का भू-स्थान सुविधा एवं 4 हेक्टेयर से अधिक भूमि रखने वाले उपजकर्ताओं के लिए एस्टेट का बहुभुज सुविधा।
- भारतीय कॉफ़ी बोर्ड ने भारत की अनूठी एवं क्षेत्र-विशिष्ट कॉफ़ी को सुविधाजनक, रेडी-टू-ब्रू प्रारूपों में प्रन्नयित करने के अपने सतत प्रयासों के तहत भौगोलिक उपनिर्देशन (जी.आई.) कॉफ़ी ड्रिप पाउच लॉन्च किए हैं। इस अभिनव पहल का उद्देश्य भारत की विविध जी.आई.-टैग वाली कॉफ़ी — जैसे कूर्ग अरेबिका, चिक्कमगलूर अरेबिका, बाबाबुदनगिरीस अरेबिका, अराकू वैली अरेबिका, मानसून मलबार, आदि — के बारे में उपभोक्ताओं की जागरूकता बढ़ाना है, साथ ही घरेलू एवं अंतर्राष्ट्रीय उपभोक्ताओं के बीच उच्च-गुणवत्ता वाले, आसानी से तैयार होने वाले पेय पदार्थों की बढ़ती माँग को पूरा करना है। एकक ने इन गतिविधियों का समन्वय किया है।
- एकक ने घरेलू नीलामी केंद्र, इंडियन कॉफ़ी ट्रेड एसोसिएशन (आई.सी.टी.ए.) को कॉफ़ी के सभी श्रेणियों के लिए साप्ताहिक प्राक्कलित सूचकांक मूल्य प्रदान किया।
- कॉफ़ी बोर्ड ने कॉफ़ी के लिए मौसम-आधारित फसल बीमा योजना के कार्यान्वयन के तौर-तरीकों पर कार्य समूह/विशेषज्ञ समिति की रिपोर्ट प्रस्तुत कर दी है। इस योजना को कृषि एवं किसान कल्याण विभाग (डी.ए.एंड एफ.डब्ल्यू.) की प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना (पी.एम.एफ.बी.वाई.) के अंतर्गत विस्तारित करने का प्रस्ताव है। कर्नाटक, तमिलनाडु एवं केरल राज्य सरकारों के परामर्श से, इस एकक ने टर्म-शीट तैयार कर उन्हें अंतिम रूप दे दिया है, जिन्हें औपचारिक रूप से संबंधित राज्य सरकारों को उनकी समीक्षा तथा उसके बाद के कार्यान्वयन के लिए प्रस्तुत कर दिया गया है।
- कर्नाटक सरकार, कर्नाटक के भौगोलिक उपनिर्देशन (जीआई) उत्पादों को प्रदर्शित एवं प्रोन्नयित करने के लिए केम्पेगौड़ा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर एक "कला लोका" स्टोर स्थापित कर रही है। इस पहल का उद्देश्य कर्नाटक के अनूठे जीआई-पंजीकृत उत्पादों के लिए घरेलू एवं अंतर्राष्ट्रीय यात्रियों को बेहतर बाज़ार दृश्यता तथा सीधी पहुँच प्रदान करना है। कॉफ़ी, जो राज्य के प्रमुख जीआई उत्पादों में से एक है, को भी इस पहल में शामिल किया गया है। कॉफ़ी बोर्ड ने हितधारकों के सहयोग से कर्नाटक की अनूठे जीआई कॉफ़ी को प्रदर्शित करने के लिए कला लोका में भाग लिया। इस एकक ने इन गतिविधियों का समन्वय किया है।

\*\*\*\*\*



अध्याय - IX

लेखा एवं वित्त

कॉफी बोर्ड के लेखा एवं वित्त विभाग निम्नलिखित कार्य संभाल रहा है :

- बजट अनुमान तैयार करना और बोर्ड के विभिन्न विभागों को बजट का आवंटन करना।
- धनराशि आदि जारी करने के लिए वाणिज्य मंत्रालय के वित्त प्रभाग के साथ संपर्क करना।
- बोर्ड के विभिन्न विभागों के लेखाओं का संकलन और रखरखाव।
- बोर्ड के नकदी और अन्य वित्तीय लेनदेनों पर प्रभावी नियंत्रण रखना, ताकि संसाधनों का लागत कुशल उपयोग सुनिश्चित किया जा सके।

- वित्तीय निहितार्थ वाले सभी मामलों पर सलाह प्रदान करना।

- बोर्ड के कार्यालयों का आंतरिक लेखा-परीक्षा करना।
- पूल विपणन के लंबित मुद्दे जैसे बिक्री कर, भुगतान आदि से निपटना।

बोर्ड की लेखाओं को तीन सेटों में तैयार किए गए हैं: प्राप्ति और भुगतान, आय और व्यय एवं तुलन पत्र। वर्ष 2024-2025 के दौरान भारत सरकार से प्राप्त सहायता अनुदान और प्रत्येक लेखा शीर्ष के अंतर्गत अनंतिम व्यय का विवरण नीचे दिया गया है:

(₹ करोड़ों में)

अनुदान शीर्ष	प्राप्त अनुदान	उपगत व्यय
सहायता अनुदान-सामान्य (अन्य पूर्वोत्तर)	24.75	24.75
पूँजीगत आस्तियों का सृजन- योजना (अन्य पूर्वोत्तर)	2.00	2.00
सहायिकी (अन्य पूर्वोत्तर) बागान	47.64	47.64
सहायिकी – अनुसूचित जाति उप-योजना	4.33	4.33
सहायिकी – जनजातीय क्षेत्र उप-योजना	15.19	15.19
स्वच्छता कार्य योजना – एसएपी	1.00	1.00
पूँजीगत आस्तियों का सृजन – पूर्वोत्तर	0.50	0.50
सहायिकी - पूर्वोत्तर	6.30	6.30
सहायता अनुदान-सामान्य - पूर्वोत्तर	3.36	3.36
सहायता अनुदान – वेतन	139.40	150.43
सहायता अनुदान-सामान्य	10.00	10.00
<b>कुल</b>	<b>254.47</b>	<b>265.50</b>

अतिरिक्त व्यय को कॉफी बोर्ड के आईईबीआर से पूरा किया गया।



## पेंशन

राष्ट्रीयकृत बैंकों में ब्याज अर्जित करने के लिए ₹15.26 करोड़ (15,26,77,500/-) का पेंशन कोष 31.03.2025 तक जमा किया जा चुका है। वर्ष के दौरान अर्जित कुल ब्याज ₹1.92 करोड़ (₹1,92,45,862/-) था। 2759 पेंशनभोगियों को और वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान सेवानिवृत्त होने वालों को पेंशन भुगतान किया जा चुका है।

31.03.2025 को यथास्थिति नई पेंशन योजना में 180 कर्मी हैं जो 01.01.2004 के बाद कॉफी बोर्ड की सेवाओं में शामिल हुए थे।

## भविष्य निधि

वर्ष के दौरान, भविष्य निधि अंशदान के रूप में ₹6.01 करोड़ (₹6,01,67,475/-) की राशि प्राप्त हुई है और आंशिक अंतिम निकासी एवं भविष्य निधि के अंतिम निपटान के रूप में ₹9.79 करोड़ (₹9,79,11,400/-) की राशि वितरित की गई है।

कॉफी अधिनियम, 1942 के अनुसार, ₹27 करोड़ की अधिशेष राशि विभिन्न राष्ट्रीयकृत बैंकों में जमा की गई है

और वर्ष के दौरान ₹2.11 करोड़ (₹2,11,14,240/-) का ब्याज अर्जित किया गया है।

## पूल निधि

कॉफी पूलिंग युग के दौरान, बागान मालिकों द्वारा पूल की गई कॉफी की बिक्री से पूल निधि जुटाया जाता था। पूल की गई कॉफी के विपणन और बागान मालिकों को भुगतान के लिए कॉफी बोर्ड जिम्मेदार था। इस गतिविधि में कॉफी के प्रचार-प्रसार हेतु प्रतिष्ठानों का रखरखाव और आंतरिक व अंतर्राष्ट्रीय उपभोग के लिए कॉफी का विपणन शामिल था।

वर्ष 1995 में, बोर्ड ने कॉफी को पूल से अलग करने का निर्णय लिया, जिसके कारण पूलिंग गतिविधियों में लगे अतिरिक्त कर्मचारियों की स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति आवश्यक हो गई। तदनुसार, सेवानिवृत्ति लाभ और अनुग्रह राशि पूल निधि से दी गई और बकाया राशि सेवानिवृत्त कर्मचारियों को पेंशन के भुगतान हेतु कॉर्पस निधि में स्थानांतरित कर दी गई। ₹10.19 करोड़ का अतिरिक्त पूल निधि यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, के.जी. रोड शाखा, बेंगलूरु में जमा किया गया है।

\*\*\*\*\*



## संकेताक्षर

AAU	कृषि उपक्रम संघ
AIC	अटल इनक्यूबेशन सेंटर
AIM	अटल नवाचार मिशन
AP	आंध्र प्रदेश
APFDC	आंध्र प्रदेश वन विकास निगम लिमिटेड.
App.	अनुप्रयोग
Ar.	अरेबिका
AUR	अधिकृत उपयोगकर्ता विनियमन
BCRL	जैव-नियंत्रण अनुसंधान प्रयोगशालाएँ
BE	बजट आकलन
BES	ब्राउन आई स्पॉट
BIEC	बेंगलूर अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शनी केंद्र
BIS	भारतीय मानक ब्यूरो
BLAST	आधारभूत स्थानीय एलाइनमेन्ट सर्च टूल
BSM	क्रेता-विक्रेता बैठक
<i>Bt</i>	बैसिलस थुरिंगिएन्सिस
B2B	व्यापार से व्यापार (बी2बी)
CAG	नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक
CBB	कॉफी बेरी बोर्ड
CCRI	केंद्रीय कॉफी अनुसंधान संस्थान
cDNA	पूरक डीऑक्सीराइबोन्यूक्लिक एसिड
CDRP	कॉफी ऋण राहत पैकेज
CED	उद्यमिता विकास केंद्र
CEO	मुख्य कार्यकारी अधिकारी
CFC	कमोडिटीज के लिए सामान्य निधि
CGA	क्लोरोजेनिक एसिड
CHRS	बागवानी महाविद्यालय एवं अनुसंधान केंद्र
Chy.	चेरी
CIAE	केंद्रीय कृषि अभियंत्रिकी संस्थान
CII	भारतीय उद्योग परिसंघ
CIGS	उत्साहपूर्ण कॉफी
CIS	कैरियर सुधार योजना



## वार्षिक रिपोर्ट 2024-2025

CKT	काँफी कृषि तरंगा
CLR	काँफी पत्ती किट्ट
CoE	उत्कृष्टता केंद्र
CPCRI	केंद्रीय रोपण फसल अनुसंधान संस्थान
CQI	काँफी गुणवत्ता संस्थान
CxR	कोर्गेसिस x रोबस्टा
CRISIL	क्रेडिट रेटिंग इंफॉर्मेशन सर्विसेज ऑफ इंडिया लिमिटेड
CRSS	काँफी अनुसंधान उप स्टेशन
CST	केंद्रीय बिक्री कर
CSBC	काजू के छिलके का बायोचार तेल
CWSB	काँफी सफेद तना छेदक
DAP	डाइ-अमोनियम फॉस्फेट
DA & FW	कृषि एवं किसान कल्याण विभाग
DR	सूखा-प्रतिरोधी / प्रतिरोधी
D C	उप आयुक्त
DGFT	विदेश व्यापार महानिदेशक
DBT	जैव प्रौद्योगिकी विभाग
DH	डीहुमिडिफायर
DNA	डिऑक्सीराइबोन्यूक्लिक अम्ल
Dy.	उप
EAD	इलेक्ट्रोएंटेनोग्राफिक डिटेक्शन
EC	पायसीकारी सांद्रता
EFC	व्यय वित्त समिति
EH	इलेक्ट्रिक हीटर
e-HRMS	इलेक्ट्रॉनिक-मानव संसाधन प्रबंधन प्रणाली
e-Office	इलेक्ट्रॉनिक-कार्यालय
EU	यूरोपीय संघ
EUDR	यूरोपीय संघ निर्वनीकरण विनियमन
FAO	खाद्य एवं कृषि संगठन
FCR	औपचारिकता जाँच रिपोर्ट
FPO	किसान उत्पादन संगठन
FSSAI	भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण
FTA	मुक्त व्यापार करार



FY	वित्तीय वर्ष
FYM	खेतों की खाद
GAS	भीमकाया अफ्रीकी घोंघा
GBE	हरी बीन समतुल्य
GI	भौगोलिक उपनिर्देशन
GKVK	गांधी कृषि विज्ञान केंद्र
GPS	ग्लोबल पोजिशनिंग सिस्टम
Govt.	सरकार
Gr.	श्रेणी
GST	वस्तु एवं सेवा कर
Ha.	हेक्टेयर
HAL	हिंदुस्तान एरोनॉटिक्स लिमिटेड
HDT	हाइब्रिडो-डी-टिमोर
HDPE	उच्च-घनत्व पॉलीथीन
HO	मुख्यालय
IAP	आंतरिक लेखापरीक्षा पार्टी
IAS	भारतीय प्रशासनिक सेवा
IARI	भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान
ICA	अंतर्राष्ट्रीय कॉफी समझौता
ICAR	भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद
ICC	इंडिया कॉफी सेंटर
ICD	इंडिया कॉफी डिपो
ICDP	समेकीकृत कॉफी विकास कार्यक्रम
ICE	अंतरमहाद्वीपीय विनिमय
ICH	इंडिया कॉफी हाउस
ICO	अंतर्राष्ट्रीय कॉफी संगठन
ICTA	भारतीय कॉफी व्यापार संघ
IDAS	भारतीय रक्षा लेखा सेवा
i.e.	अर्थात् ( <i>id est</i> )
IEBR	आंतरिक और अतिरिक्त बजटीय संसाधन
IFCC	इंडियन फिल्टर कॉफी चैंपियनशिप
IGAU	इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय
IICF	भारत अंतर्राष्ट्रीय कॉफी महोत्सव



## वार्षिक रिपोर्ट 2024-2025

IIHR	भारतीय बागवानी अनुसंधान संस्थान
IIT	भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान
IIPM	भारतीय वृक्षारोपण प्रबंधन संस्थान
IISc	भारतीय विज्ञान संस्थान
ILO	अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन
IMLVT	अंतर्राष्ट्रीय बहु-स्थान विविधता परीक्षण
IOFS	भारतीय आयुध निर्माणी सेवा
IPM	समेकीकृत कीट प्रबंधन
IPR	बौद्धिक संपदा अधिकार
ISRO	भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन
ITDA	समेकीकृत जनजातीय विकास अभिकरण
ITPO	भारत व्यापार प्रोन्नयन संगठन
IVRS	पारस्परिक ध्वनी प्रतिक्रिया पद्धति
JISL	जैन इरिगेशन सिस्टम्स लिमिटेड.
KAPPEC	कर्नाटक राज्य कृषि उत्पाद प्रसंस्करण एवं निर्यात निगम लिमिटेड.
KGST	केरल सरकार बिक्री कर
Kg.	किलोग्राम (कि.ग्रा.)
KGF	कर्नाटक उपजकर्ता संघ
KRSRAC	कर्नाटक राज्य सुदूर संवेदन अनुप्रयोग केंद्र
KYK	नो युवर कापी
lb.	पाउंड
LCMS-MS	लिक्विड क्रोमेटोग्राफी मास स्पेक्ट्रोमेट्री - मास स्पेक्ट्रोमेट्री
LSD	पत्ती धब्बा रोग
MACPS	संशोधित सुनिश्चित कैरियर प्रगतन योजना
matK	मातुरासे के
MD	प्रबंध निदेशक
MFCS	संशोधित लचीली पूरक योजना
MON.	मानसून्ड
MoP	पोटाश का म्यूरिएट
MoU	समझौता ज्ञापन
MSL	औसत समुद्र तल
MT	मीट्रिक टन
MTF	मध्यमावधि ढांचा



MTS	बहु कार्येण कर्मचारी
MUTV	बहुउपयोगी ट्रैक्टर वाहन
NABARD	राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक
NABL	परीक्षण और अंशांकन प्रयोगशालाओं के लिए राष्ट्रीय प्रत्यायन बोर्ड
NASC	राष्ट्रीय कृषि विज्ञान केंद्र
NBAIR	राष्ट्रीय कृषि कीट संसाधन ब्यूरो
NBC	राष्ट्रीय बरिस्ता चैम्पियनशिप
NBrC	राष्ट्रीय ब्रुअर्स कप चैम्पियनशिप
NBPGR	राष्ट्रीय पादप आनुवंशिक संसाधन ब्यूरो
NCR	राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र
NER	पूर्वोत्तर क्षेत्र
NF	नैनो-सूत्रीकरण
NLAC	राष्ट्रीय लट्टे कला चैम्पियनशिप
NoC	अनापत्ति प्रमाण पत्र
NPK	नाइट्रोजन, फास्फोरस, पोटेशियम
NTA	गैर-पारंपरिक क्षेत्र
ONER	पूर्वोत्तर क्षेत्र के अलावा
PB	पे बैंड/पीबेरी
PCR	पोलीमरेज श्रृंखला अभिक्रिया
PF	भविष्य निधि
pH	हाइड्रोजन की क्षमता
PMFBY	प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना
PMFME	प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यमों का औपचारिकीकरण
PPP	सरकारी-निजी कंपनी भागीदारी
PPV&FRA	पौध किस्म और कृषक अधिकार संरक्षण प्राधिकरण
PUC	पूर्व-विश्वविद्यालयी पाठ्यक्रम
PwBD	बेंचमार्क विकलांगता वाले कार्मिक
RBSM	रिवर्स क्रेता-विक्रेता बैठक
rbcl	रिबुलोज-1, बायोफॉस्फेट कार्बोक्सिलेज/ऑक्सीजनेज बृहत उप इकाई
RCMC	पंजीकरण सह सदस्यता प्रमाणपत्र
RCRS	क्षेत्रीय कॉफी अनुसंधान केंद्र
RDF	उर्वरकों की अनुशंसित खुराक
R & D	अनुसंधान एवं विकास



## वार्षिक रिपोर्ट 2024-2025

R & G	भुनी व पीसी
RNA	राइबोन्यूक्लिक एसिड
RNTU	रवींद्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय
Rob.	रोबस्टा
RRSC	क्षेत्रीय सुदूर संवेदन केंद्र
RRM	आरएनए पहचान मोटिफ
RTI	सूचना का अधिकार
RWC	सापेक्ष जल सामग्री
SAP	स्वच्छता कार्य योजना
SC	अनुसूचित जाति
SCAI	स्पेशलिटी कॉफी एसोसिएशन ऑफ इंडिया
SCoT	आरंभ कोडॉन लक्षित
SHB	शॉट होल बोर
SHG	स्वयं सहायता समूह
Sln.	चयन
SMC	सोशल मीडिया प्रकोष्ठ
SMES	लघु एवं मध्यम उद्यम
SNPs	एकल न्यूक्लोटोटाइड बहुरूपता
SOD	सुपर-ऑक्साइड-डिसम्यूटेस
SRAP	अनुक्रम संबंधित प्रवर्धित बहुरूपता
SSH	दमन घटाव संकरण
SSLC	सेकेंडरी स्कूल लीविंग सर्टिफिकेट
SSP	सिंगल सुपर फॉस्फेट
ST	अनुसूचित जनजाति
STAT	बिक्री कर अपीलिय न्यायाधिकरण
STD	सौर सुरंग ड्रायर
TEC	प्रौद्योगिकी मूल्यांकन केंद्र
TIES	व्यापार अवसंरचना निर्यात योजना
TMWS	ट्रैक्टर माउंटेड वीड स्लेशर
TNAU	तमिलनाडु कृषि विश्वविद्यालय
tmL	आरएनए-ल्यूसीन अंतरण
TV	टेलीविजन
UAE	संयुक्त अरब अमीरात



UAS	कृषि विज्ञान विश्वविद्यालय
UCAI	भारतीय संयुक्त कॉफी संघ
UNIDO	संयुक्त राष्ट्र औद्योगिक विकास संगठन
UPASI	उपासी-दक्षिणी भारत का संयुक्त रोपणकर्ता संघ
UR	अनारक्षित
USA	संयुक्त राज्य अमरीका
USDA	संयुक्त राज्य अमेरिका के कृषि विभाग
VBSMs	आभासी क्रेता-विक्रेता बैठक
viz.	अर्थात् ( <i>videlicet</i> )
WA	रिट अपील
WBC	विश्व बरिस्ता चैम्पियनशिप
WC	वायनाड संग्रह
WCC	विश्व कॉफी सम्मेलन
WCR	विश्व कॉफी अनुसंधान
w.e.f.	इस तिथि से प्रभावी
WSB	सफेद तना छेदक
WTO	विश्व व्यापार संगठन

\*\*\*\*\*



## RESEARCH



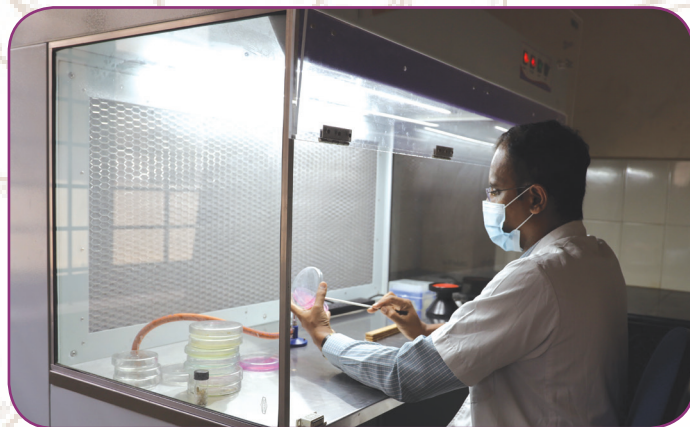
*Capacity-building session on coffee nursery management for coffee growers*



*Field-level hands-on training on top grafting for coffee growers*



*Demonstration on wrapping non-woven fabric around coffee stems to mitigate CWSB for tribal growers*



*Isolation of beneficial microbes at the Plant Pathology Laboratory, CCRI*



*Demonstration of Ghanajeevamrutham preparation for root-disease management among Tribal Coffee Growers in the Araku region*



*Micronutrient analysis conducted at CCRI*



# RESEARCH



*Explaining IDM for Coffee Growers at CCRI, Chikkamagaluru*



*Sensory analysis in the Coffee Quality Division*



*Discussion on developing a Centre of Excellence focused on Climate Resilience and Non-Conventional Breeding at CRSS, Chettalli.*



*Preparation of Beauveria bassiana culture for CBB management at CCRI*



*Inauguration of the Centre of Excellence for Climate Resilience and Non-Conventional Breeding at CRSS, Chettalli.*



*Coffee Cupping Session as part of the Kaapi Shastra Training Programme*



## EXTENSION



*Training on Nursery Bed Preparation for Tribal Coffee Growers in NER*



*Training on best post-harvest practices for tribal coffee growers in the NER*



*Field demonstration on soil sample collection for soil health analysis*



*Training to enhance skills of tribal coffee growers in pulping coffee with baby pulpers in Araku Region*



*Training to enhance skills of tribal coffee growers in pulping coffee with baby pulpers in Tamil Nadu*



*Field Demonstration on use of wrapping material to protect the plant from CWSB Infestation*



## EXTENSION



*Demonstration on bush management for tribal coffee growers in the Araku region*



*Field demonstration on CBB and SHB management practices for labourers*



*Field demonstration on Black Rot management in coffee for plantation labourers*



*Capacity-building session on improved cultivation practices for coffee growers at TEC*



*Training for the Coffee Growers on Bush Management in Coffee Plantations*



*Training on effective Bush Management Practices for Women Coffee Growers*



# EXTENSION



*Training programme on specialty coffee production techniques for tribal coffee growers in the NER*



*Training on selective picking of fully ripened fruits for tribal coffee growers in the NER*



*Distribution of coffee saplings to tribal coffee growers in the NER*



*Village-level interaction session with coffee growers*



*Orientation session on using the India Coffee App for coffee growers*



*Visit of the Chairman and CEO & Secretary to the Coffee Growers' Programme*



# DOMESTIC PROMOTION





# DOMESTIC PROMOTION





# EXTERNAL PROMOTION



*Coffees of India Pavilion at World of Coffee Dubai 2025*



## CONTENTS

	CHAPTER	PAGE NO.
	2024-25 – A PERSPECTIVE VIEW	1
I	EXECUTIVE SUMMARY	9
II	CONSTITUTION AND FUNCTIONS OF THE BOARD	17
III	ADMINISTRATION AND ESTABLISHMENT	21
III (A)	DETAILS OF STAFF/PERSONS WITH BENCHMARK DISABILITY	29
IV	COFFEE RESEARCH	30
V	EXTENSION AND DEVELOPMENT	44
VI	MARKET DEVELOPMENT AND SUPPORT FOR PROCESSING	54
VII	EXPORT PROMOTION	59
VIII	MARKET RESEARCH & INTELLIGENCE	72
IX	ACCOUNTS AND FINANCE	75





## 2024-25 – A PERSPECTIVE VIEW

It gives me an immense pleasure to present the 85<sup>th</sup> Annual Report of the Coffee Board for the year 2024–2025.

### Global Overview

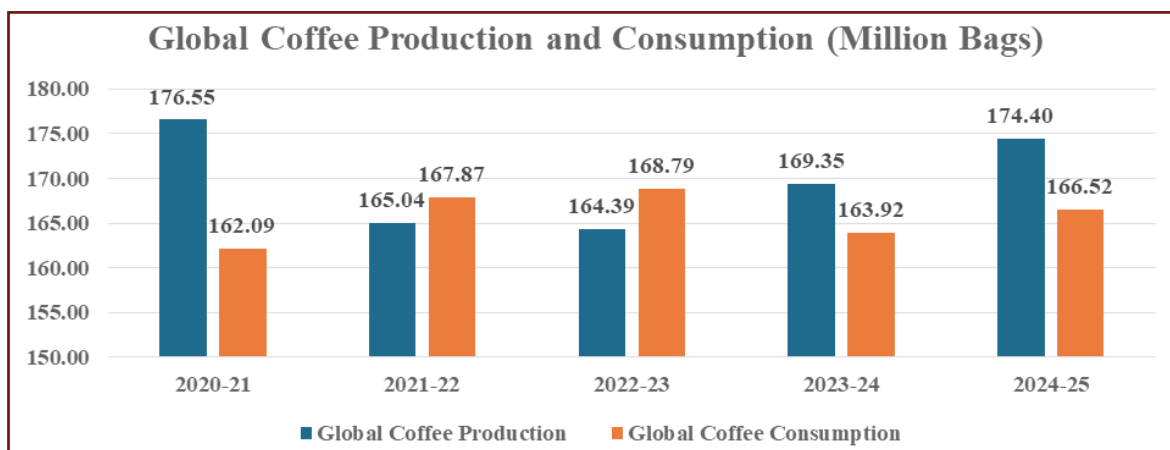
Coffee is the most widely traded tropical product, with up to 25 million farming households depending on Coffee cultivation. Production is concentrated in developing countries, where Coffee accounts for a sizeable share of export earnings and provides a key source of livelihood for households. The largest Coffee producing countries are Brazil (39%) and Vietnam (17%), together accounts for about 56% of global Coffee production. India is the 7<sup>th</sup> largest producer of Coffee in the world with the share of about 3.50% in the global Coffee production. Coffee is predominantly an export-oriented commodity for the producing countries. India is the fifth largest exporter of Coffee among the Coffee producing countries globally, accounting for about 5% of the total Coffee exports from producing countries.

Coffee is one of the most widely consumed beverages in the world with an estimated 3 billion cups relished every day. The European Union and the United States of America are the largest consuming and importing markets globally, together accounts for about 42% of global Coffee imports.

India is known for producing finest Coffees in the world. Indian high-quality Coffees are commanding premium prices in international markets, particularly Indian Robusta, which is highly valued for its excellent blending characteristics.

### Global Coffee Production and Consumption

According to the USDA, global production of Coffee during the year 2024-25 was estimated at 174.40 million bags, representing a 2.98% increase on 169.35 million bags in 2023-24. World consumption for Coffee year 2024-25 is projected at 166.52 million bags, an increase of 1.58% on its level of 163.92 million bags in Coffee year 2023-24.



Source: United States Department of Agriculture, Coffee: World Markets and Trade Report, June 2025.



### International Prices

Coffee prices are primarily influenced by movements in international commodity exchanges viz., Intercontinental Exchange (ICE), New York for Arabica and ICE, Europe for Robusta. The International Coffee Organization (ICO), London, publishes the ICO Composite Indicator Prices, reflecting actual physical trade transactions in the global market. The Coffee prices are largely governed by fundamental factors such as global supply, demand and stock levels. However, non-fundamental factors including currency exchange rate fluctuations and speculative activities in Coffee futures markets often amplify price volatility. It is heartening to note that, Coffee prices exhibited an upward trend during 2024–25.

As per the International Coffee Organization (ICO), the annual average ICO Composite Indicator Price registered a significant increase of 58.96%, rising to 268.30 US Cents/lb in 2024–25 from 168.79 US Cents/lb in 2023–24. The prices of ‘Other Mild Arabicas’, the category under which Indian Arabicas are classified internationally, also showed a marked upward trend ranging between 232.11 and 409.48 US Cents/lb, with an average of 300.88 US Cents/lb, representing a 48.39% increase over the previous year’s average of 202.77 US Cents/lb. Similarly, Robusta prices exhibited robust growth, ranging from 184.97 US Cents/lb to 263.08 US Cents/lb and averaging 225.68 US Cents/lb, which is 70.27% higher than the 2023–24 average of 132.55 US Cents/lb.



Source: International Coffee Organization

### Indian Scenario

During the year 2024, the traditional Coffee growing regions of Karnataka, Kerala and Tamil Nadu experienced a hot and dry summer, marked by higher than normal temperatures. Although the onset of blossom and backing

showers was delayed, the eventual rainfall was satisfactory across all major Coffee tracts, providing much-needed relief to plantations. The subsequent spell of stable weather conditions facilitated the successful establishment of new clearings and helped in retaining adequate soil moisture, essential



## Annual Report 2024-2025

---

---

for healthy plant growth. Additionally, growers with access to overhead irrigation systems effectively supplemented natural rainfall by providing timely blossom and backing irrigation to Robusta, ensuring uniform flowering and assured crop setting.

The Southwest monsoon commenced in the first week of June, 2024 on a feeble note, gathered momentum in July and remained intermittent during August and September. Rainfall during Southwest monsoon was 10–50% higher compared to the corresponding period of 2023 in traditional Coffee growing regions. The July rains rejuvenated tanks and streams and contributed to the recharging of borewells, supporting healthy vegetative growth. Notably, there were no major incidents of crop loss, flooding or landslides during the year.

The Northeast monsoon set in during the first fortnight of October and remained active throughout the season accompanied by moderate to strong winds. Overall, the seasonal conditions during 2024–25 were favourable, contributing to the vigour and health of Coffee plants across all traditional Coffee growing regions.

During 2024–25, the weather in Non-Traditional Coffee growing regions of Andhra Pradesh & Odisha and North Eastern Region was favourable for crop growth. Overall, the rainfall distribution in 2024–25 was satisfactory in Coffee growing tracts of Non-Traditional Areas and North Eastern Region.

### **Coffee Production and Export Performance**

The crop production estimate for 2024–25 is placed at 3,63,500 MT, comprising 1,05,700

MT of Arabica and 2,57,800 MT of Robusta, marking a record production and an increase of 0.83% over the previous year's production of 3,60,500 MT (which included 1,01,500 MT of Arabica and 2,59,000 MT of Robusta).

During 2024–25, export permits were issued for the export of 3,88,925 MT of Coffee including 1,05,676 MT of re-exports, valued at ₹15,422 Crore (equivalent to US\$1,821 million). The unit value realization stood at ₹4,87,699 per MT, equivalent to US\$5,743 per MT, reflecting a significant improvement in both volume and value terms over the previous year. In comparison, during 2023–24, export permits were issued for 3,83,653 MT of Coffee (including 1,10,367 MT of re-exports) valued at ₹10,380 Crore (equivalent to US\$1,254 million) with a unit value realization of ₹2,70,558 per MT (equivalent to US\$3,269 per MT).

During 2024-25, export permits were issued for shipments to 126 countries, compared with 113 countries in the previous year. Among these, Italy, Germany, the Russian Federation, Belgium and the United Arab Emirates emerged as the top five destinations for Indian Coffee exports.

### **Domestic Market Prices**

As per the prices prevailed in the auctions conducted by Indian Coffee Traders Association (ICTA), the domestic market price of Arabica (Plantation 'A') ranged from ₹388.50/kg to ₹740.08/kg, with an average of ₹500.70/kg reflecting a 39.36% increase over the previous year's average of ₹359.28/kg. Similarly, the Robusta (Cherry 'AB') prices ranged from ₹352.66/kg to



₹486.50/kg, with an average of ₹410.80/kg to the previous year's average price of ₹257.96/kg, representing an increase of 59.25% compared

**Auction Prices - Average prices secured in ICTA (Bengaluru) (₹/Kg)**

Financial Year	2020-21	2021-22	2022-23	2023-24	2024-25
Plantation 'A'	281.23	352.17	398.91	359.28	500.70
Robusta Cherry 'AB'	130.63	146.51	184.84	257.96	410.80

**Domestic Consumption**

Since the year 2000, domestic Coffee consumption in India has witnessed remarkable growth. Traditionally, Coffee was primarily consumed in the southern states; however, over the past two decades, it has evolved from a regional beverage into a youthful and aspirational drink with nationwide appeal, enjoyed across diverse formats and retail channels.

The rapid expansion of Coffee bars and cafés across urban centres has significantly enhanced the beverage's visibility, accessibility and social relevance. Coffee has increasingly come to symbolize a lifestyle choice and a medium of social interaction, particularly among younger consumers. This transformation has been largely driven by changing demographics, rising urbanization and higher disposable incomes, which have reshaped consumer preferences and habits. The domestic Coffee consumption is estimated at 95,000 MT in 2024.

**Export Promotion**

During 2024-25, the Coffee Board actively promoted Indian Coffees in international markets by participating in the "World of Coffee Dubai 2025" held in Dubai, UAE, with a significant representation of 43 Indian

Coffee stakeholders comprising all segments of the Coffee value chain viz., Coffee growers, curers, exporters, start-ups and value-added Coffee manufacturers. Additionally, the Coffee Board organized five virtual business networking meets with the support of Indian Missions abroad, providing a platform for Indian stakeholders to interact with international buyers and explore new market opportunities for Indian Coffees in global market.

During the year, the Coffee Board held meetings with Coffee exporters, exporters' associations, the Specialty Coffee Association and line departments to discuss key strategies for enhancing Coffee exports. The deliberations covered subjects such as the Export Promotion activities, participation in international trade events, quality improvement measures and transit and freight assistance scheme. The concerns and recommendations emerged during these discussions were subsequently submitted to the Ministry of Commerce & Industry and other relevant departments for appropriate action and support.

**Coffee Research**

The Research Department of the Coffee Board implemented a series of research programmes during 2024-25 under the flagship initiative 'R&D for Sustainable Coffee



## Annual Report 2024-2025

---

---

Production and Transfer of Technology'. These research projects are carried out through a network of research stations, primarily at the Central Coffee Research Institute (CCRI), Chikkamagaluru, Karnataka and its regional research centres located at Chettalli (Kodagu, Karnataka), Chundale (Wayanad, Kerala), Thandigudi (Pulneys, Tamil Nadu), R.V. Nagar (Alluri Sitharama Raju District, Andhra Pradesh) and Diphu (Karbi Anglong District, Assam). In addition, the Plant Tissue Culture and Biotechnology Centre, Chettalli (Kodagu, Karnataka) and the Coffee Quality Division, Bengaluru actively support these programmes.

The Coffee Board also collaborates with several international and national institutions to strengthen its research initiatives. International partnerships include M/s Nestlé R&D, France and World Coffee Research (WCR), USA, while national collaborations extend to the University of Agricultural Sciences (UAS), Bengaluru, Tamil Nadu Agricultural University (TNAU), Coimbatore, National Bureau of Plant Genetic Resources (NBPGR), New Delhi, Indian Institute of Technology (IIT), Roorkee and the Protection of Plant Varieties and Farmers' Rights Authority (PPV&FRA), New Delhi. Furthermore, CCRI has entered into a collaborative research programme with M/s Jain Irrigation Systems Pvt. Ltd., Jalgaon, Maharashtra, focusing on innovations in tissue culture and propagation of high-performing Coffee varieties.

### Coffee Board Programmes

During the year, the Coffee Board continued to implement the plan scheme "Integrated Coffee Development Project" under the

Medium-Term Framework, focusing on key activities such as Research and Development, Technology Transfer, Capacity Building and Development Support for stakeholders. The programme encompassed initiatives for Coffee development in Traditional, Non-Traditional and North Eastern regions along with welfare support for the children of labourers, export promotion and value addition aimed at enhancing production, productivity, quality and overall value realization in the Indian Coffee sector.

### New Initiatives

- 1 Establishment of Centre of Excellence for Climate Resilient and Non-Conventional Breeding in Coffee

Coffee Board has established a "Centre of Excellence for Climate Resilience and Non-Conventional Breeding in Coffee" at Coffee Research Sub Station (CRSS), Chettalli. The primary objective of this Centre is to strengthen non-conventional breeding programmes aimed at developing climate-resilient, pest and disease-tolerant, high-yielding and superior-quality Coffee varieties. The Centre follows a participatory breeding approach enabling the involvement of farmers and stakeholders in varietal development and field evaluation.

- 2 Establishment of Centre of Excellence for Farm Mechanisation at the Technology Evaluation Centre, Chettalli

Demonstration blocks for farm mechanisation are being established at the Technology Evaluation Centre (TEC), Chettalli with the objective of piloting and



- showcasing mechanised solutions for key operations in Coffee plantations viz., planting, spraying, weeding, pruning and harvesting. This initiative aims to reduce dependency on manual labour, enhance operational efficiency and promote the adoption of appropriate mechanisation technologies among Coffee growers.
- 3 Release of Tissue Culture Coffee Planting Material
- After due consultation with stakeholders and approval of the Board, the Coffee Board signed a Memorandum of Understanding (MoU) with M/s Jain Irrigation Systems Limited (JISL) for the tissue culture-based mass multiplication of promising F1 Arabica hybrids and leading varieties of Arabica and Robusta. This initiative aims to accelerate the production and dissemination of genetically uniform, high-quality planting materials to enhance productivity and sustainability in Coffee cultivation.
- 4 Establishment of Centre of Excellence for Precision Farming at Technology Evaluation Centre (TEC), Chettalli
- Under a Public–Private Partnership (PPP) framework, a collaborative initiative has been launched between the Coffee Board and M/s Jain Irrigation Systems Ltd. (JISL) to establish a Precision Farming Demonstration Plot at the Technology Evaluation Centre (TEC), Chettalli. The objective of this initiative is to develop, demonstrate and validate an advanced irrigation and fertigation model specifically tailored for tissue culture propagated Arabica Coffee plants.
- 5 Establishment of Centre of Excellence on Bio-control of Pests
- The Coffee Board has initiated the establishment of a Centre of Excellence (CoE) on Biocontrol and Eco-friendly Interventions at Hassan. The objective of this initiative is to develop and promote timely sustainable and environmentally safe solutions for the management of Coffee pests and diseases.
- 6 India Coffee App
- Coffee Board developed new integrated one stop Mobile app '*India Coffee App*' for extending all the information, services and products of the Coffee Board to all the actors in the Coffee value chain. The App. is being rolled out for extending the products, services and information of the Coffee Board to the stakeholders. Further, Coffee Board has integrated a mechanism in *India Coffee App* to generate the polygon/geolocation of the Coffee estates by the Coffee growers on their own to meet the European Union Regulation on Deforestation-free Products (EUDR) compliances.
- 7 Implementation of e-Office and e-HRMS in Coffee Board
- The Coffee Board has successfully implemented the e-Office system to digitize file movement across all its offices. In addition, the Coffee Board has implemented an e-Human Resource Management System (e-HRMS) at Head Office to digitize leave management processes.



### 8 Coffee Krishi Tharanga (CKT)

The Coffee Board continues to implement its technology-enabled extension service “Coffee Krishi Tharanga” (CKT), an IVRS based mobile advisory system launched in July, 2018. The platform provides farmers with customized advisories on Coffee cultivation practices, weather forecasts and price trends. Encouraged by its success in Karnataka, the Coffee Board expanded CKT to Kerala and Tamil Nadu in September, 2020 and to tribal Coffee growers in Andhra Pradesh in September, 2022.

During 2024-25, the Coffee Board disseminated 157 weekly advisories to 1,43,366 registered Coffee growers and received 53,444 inbound calls to record queries/listen to price information/ listen to weekly advisories. All inbound questions were answered within a 48-hour window.

### 9 Launch of GI Coffee Drip Pouches

During 2024–25, the Coffee Board launched Indian GI-tagged & Specialty, single-serve, easy-to-brew Coffee drip bags containing Indian specialty Coffees such as Coorg Arabica, Chikmagalur Arabica, Bababudangiri Arabica, Araku Valley Arabica, Monsooned Malabar Arabica and Mysore Nuggets Extra Bold. This product line offers consumers both convenience and authentic regional flavour promoting the unique identity of India’s GI tagged and specialty Coffees in domestic and international markets.

### 10 Common Branding and Marketing Initiative of Coffee Board under PMFME Scheme

To enhance domestic pure Coffee consumption and promote the premiumization of Indian high-quality Coffees, the Coffee Board launched four GI-tagged premium Coffees and Arabica–Robusta blends on Amazon, Flipkart and Something’s Brewing e-commerce platforms, in addition to retailing them through India Coffee Depots. The Coffee Board also plans to introduce and promote other regional Coffees in the domestic market. In this regard, a Common Branding and Marketing proposal with a total budget of ₹57.22 lakh was submitted under the PMFME Scheme through KAPPEC for promoting regional and GI Coffees under the ‘India Coffee’ brand. The Ministry of Food Processing Industries, Government of India approved the proposal (vide Letter No. FM-11/98/2023-FME dated 15.03.2024) with a grant of ₹28.61 lakh (50% of the total cost as per PMFME guidelines) while the remaining ₹28.61 lakh will be borne by the Coffee Board.

### 11 Coffee Board Participation in World of Coffee Dubai 2025

Coffee Board participated in World of Coffee Dubai 2025 from 10-12 February, 2025 along with 43 Coffee exporters/grower exporters/ budding entrepreneurs/roasters and Specialty Coffee Association of India. The Coffees of India were displayed



through an impressive 'Specially Designed' stall suitably decorated with attractive wall panels showcasing the uniqueness of Indian Coffees viz., Shade grown, Hand Picked and Sun Dried.

12 Creation of a Social Media Cell to Promote "Coffees of India"

The Social Media Cell (SMC) of the Coffee Board established in July; 2024 aims to strengthen the digital presence of 'Coffees of India' and promote Indian Coffee in a holistic manner. Comprising a Digital Media Manager, Content Writer-cum-Analyst and Graphic Designer under the guidance of the Head, SMC, the team manages concept development, strategy, content creation and execution of social media campaigns. Through platforms such as Instagram, Facebook, X (Twitter), LinkedIn and YouTube, the Cell actively disseminates updates, facts, statistics, infographics, recipes

and event announcements to engage the public. Since its inception, the SMC has achieved rapid growth in followers and engagement reflecting a rising public interest in Coffees of India.

13 Creation of Skill Development Cell at the AIC-CCRI-CED

The Coffee Board has established a Skill Development Cell (SDC) under AIC-CCRI-Centre for Entrepreneurship Development (CED) to promote Coffee culture, skill enhancement and employment generation in the Coffee sector. The Cell focuses on training youth and women through structured skill development programmes designed to enhance knowledge, entrepreneurship and participation in the domestic Coffee value chain thereby contributing to increased domestic consumption and livelihood opportunities.

November, 2025  
Bengaluru

Shri Kurma Rao M, IAS  
CEO & Secretary, Coffee Board

\*\*\*\*\*



## CHAPTER – I

### EXECUTIVE SUMMARY

#### Production

- The crop production estimate for 2024–25 is placed at 3,63,500 MT comprising 1,05,700 MT of Arabica and 2,57,800 MT of Robusta. This represents a record level of production and reflects an overall increase of 0.83% compared to the previous year's (2023–24) estimated production of 3,60,500 MT, which included 1,01,500 MT of Arabica and 2,59,000 MT of Robusta.
- The total area planted with Coffee was around 4.91 lakh hectares, of which the total bearing area was around 4.54 lakh hectares.
- There were around 4.43 lakh Coffee holdings in the country of which, around 4.40 lakhs were small holdings with holding size of less than 10 hectares which accounted for about 99% of the total holdings.

#### Exports

- As per the export permits issued by the Coffee Board, India exported a total of 3,88,925 MT of Coffee during 2024–25 including 1,05,676 MT of re-exports to 126 countries. The exports comprised 51,662 MT of Arabica Coffee, 1,90,145 MT of Robusta Coffee, 1,46,644 MT of instant Coffee, 474 MT of roasted beans and roast & ground Coffee. The total export value stood at ₹15,422 Crore, equivalent to US\$1,821 million.

- The top five destinations for Indian Coffee exports during 2024–25 were Italy, Germany, the Russian Federation, Belgium and the United Arab Emirates, which together accounted for a significant share of India's total Coffee exports (45%). The composite unit value realization across all categories of Coffee stood at ₹4,87,699 per MT, equivalent to US\$5,743 per MT.
- The total number of exporters registered with Coffee Board stood at 2,547 (including 245 new registrations and 37 renewals of registrations made during the year 2024-25) as against 2,265 during the previous year.
- A total of 12,927 export permits and International Coffee Organization (ICO) Certificates of Origin were issued by the Coffee Board to 310 registered exporters during 2024–25 as compared to 12,984 permits issued in the previous year. Of these, 10,471 permits were for the export of Indian-origin Coffee, while 2,456 were issued for the re-export of imported Coffee after value addition.

#### Research

- The Research Department of the Coffee Board has undertaken several projects under the Integrated Coffee Development Programme (ICDP) to promote scientific advancements in Coffee cultivation. These initiatives were executed through



an extensive network of CCRI research stations and specialized divisions across major Coffee-growing regions in India. In collaboration with leading national and international institutions, the Department developed technologies for mechanization, pest management, carbon monitoring and varietal evaluation to enhance the productivity, quality and sustainability of Indian Coffee.

- The Division of Plant Breeding and Genetics achieved progress in developing disease-resistant, high-yielding and quality Arabica and Robusta Coffee genotypes during 2024–25. Notable advancements include the creation of Coffee Leaf Rust (CLR) tolerant hybrids such as S.5059, S.5086 and S.5168 along with trait-specific clonal Robusta selections identified through extensive field surveys. Also, planted 1,000 F1 hybrids from Chandragiri × S.4595 to cross for combining Coffee White Stem Borer (CWSB) tolerance from Chandragiri with the larger bean size of S.4595.
- The Division of Plant Breeding and Genetics also expanded collaborative efforts viz., introducing tissue culture propagation of elite Arabica hybrids and leading varieties of Arabica & Robusta through partnerships with Jain Irrigation Systems Ltd. and the Division is also evaluating international varieties under the World Coffee Research trials.
- The Tissue Culture & Plant Biotechnology Centre identified 15 defense-related genes associated with Coffee White Stem Borer resistance and developed Arabica-specific diagnostic primers, providing the first molecular evidence to distinguish resistance responses.
- The Tissue Culture & Plant Biotechnology Centre under the long-term project on “Developing resilient Robusta Coffee using genomic approaches,” the molecular basis of drought tolerance in *Coffea Canephora* was analyzed using SRAP and SCoT markers on 20 drought-resilient accessions from RCRS, Chundale. The study revealed high genetic diversity and identified stress-responsive genes as candidates for developing functional markers linked to drought tolerance.
- Evaluation studies conducted by the Division of Agronomy on the tractor mounted weed slasher demonstrated far superior efficiency over manual weeding, completing one acre in 2.4 hours with one labour, compared to 12 labourers manually. Similarly, the evaluation of the pit digger revealed that two labourers could open 240–290 pits per shift with minimal fuel use, nearly doubling manual output. In case of the sustainable weed management evaluation studies, field trials using a bio-herbicide showed the lowest weed density across treatments, while the biodegradable mulching materials experiment recorded up to 20.7% weed suppression, particularly with paddy straw and Coffee cherry husk mulching.
- The Division of Agricultural Chemistry carried out extensive field experiments on optimizing nutrient management



in Coffee plantations for the benefit of Coffee growers. The multi-location trials on nano fertilizers (nano urea and nano DAP) showed a 4% to 6% increase in yield in both Arabica and Robusta when applied through foliar spray (5 ml L<sup>-1</sup>) with 50% Recommended Dose of Fertilizers (RDF) through soil, compared to 100% RDF application. The rationalization of liming materials significantly improved soil pH, while trials on the ARKA microbial consortium and commercial waste decomposer showed no adverse effects on soil or yield. These findings provide a scientific basis for optimum nutrient management and yield improvement in Coffee cultivation.

- The Division of Plant Physiology made a progress in drought mitigation and climate resilience research. Application of calcicare along with the drought ameliorative spray improved physiological parameters and increased yield in Robusta Coffee (1,173 kg clean Coffee/ha) compared to the control (988 kg/ha). Screening of Ethiopian and Abyssinian Arabica germplasm identified accessions S.2609-09, S.2600-01, S.2613-11, S.2444-07 and S.2443-06 as promising candidates for abiotic stress management and climate-resilient breeding.
- The Division of Plant Pathology carried out extensive evaluations on new seed dressing fungicides, foliar fungicides and bio-control agents for the management of major Coffee diseases. The studies revealed that Penflufen, Penflufen + Trifloxystrobin and

Tebuconazole formulations were highly effective against collar rot and leaf spot diseases, showing performance on par or superior to recommended fungicides. New fungicide molecules such as Fluopyram + Tebuconazole, Picoxystrobin + Propiconazole and Fluxapyroxad + Pyraclostrobin demonstrated excellent control of black rot, brown eye spot and Coffee leaf rust (CLR), outperforming traditional treatments like 1% Bordeaux mixture. The bio-control agents such as *Trichoderma harzianum* and *Bacillus subtilis* proved effective against stalk rot and leaf spot diseases.

- The Division of Entomology conducted extensive studies on pest tolerance, chemical ecology and management of major Coffee pests. Screening of Coffee germplasm revealed higher super-oxide-dismutase (SOD) activity in Congensis Robusta and S.4595, indicating potential tolerance to Coffee White Stem Borer (CWSB). Field studies on nano-pheromone efficacy showed that 75-mg nano-pheromone attracted the maximum adults of CWSB. Evaluation of new-generation insecticides such as Beta-Cyfluthrin + Imidacloprid and Lambda-cyhalothrin resulted in 100% adult mortality of Short Hole Borer. Studies on natural enemies identified *Apenesia sahyadrica*, *Tetrastichus* and *Asynapta* as potential bio-control agents, while bee visitation studies under the Department of Science and Technology project emphasized the vital role of *Apis cerana* and *Tetragonula travancorica* in pollination.



- The Division of Post Harvest Technology has undertaken evaluations to enhance processing efficiency and Coffee quality. The low-cost mini-millet-dehuller showed 92% hulling efficiency for parchment and 68% for cherry Coffee, indicating suitability for dry parchment samples. On-farm Coffee storage trials revealed that hermetic bags effectively maintained moisture levels around 12%, while prolonged storage beyond six months caused cup quality deterioration. The solar tunnel dryer with heater and dehumidifier reduced drying time by up to 56% without affecting cup quality. Additionally, cherry yield and outturn percentage ranged between 33% to 38% and 32% to 43% respectively, reflecting efficient processing performance.
- The Division of Coffee Quality evaluated the quality of Arabica and Robusta Coffees collected from different altitudes in terms of caffeine, chlorogenic acid, sugar and sensory profile. Studies revealed that in Arabica Coffee, caffeine content ranged from 0.74% to 1.05%, decreasing with increased altitude, while chlorogenic acid varied from 1.93% to 2.84%. In Robusta, caffeine ranged from 1% to 2.5%, chlorogenic acid from 6% to 11% and sugar content from 0.9% to 4% depending on altitude. The study on the effect of roast profiles and grind size revealed that light and medium roasts had moderate extraction yields (19%–21%), while dark roasts showed variability (17.8%–23%). Arabica exhibited fruity and floral notes, Robusta showed earthy and bitter tones and Monsooned Malabar displayed earthy and spicy profiles.
- Visual and cup quality evaluation of Coffee samples received from various stakeholders and Research Departments of the Coffee Board were assessed. A total of 1,074 Coffee samples (commercial sample - 595 Nos; R & D sample - 479 Nos) received from 162 beneficiaries was assessed for physical and cup quality parameters during the year under reporting. The quality evaluation reports were sent to the concerned stakeholders and research department.
- A total of 166 moisture meters received from 150 stakeholders were calibrated at the Analytical Laboratory, Bengaluru and issued calibration reports to the concerned. Further, 109 Coffee samples received from thirty-eight stakeholders were tested for various phyto-sanitary & nutritional parameters and the analysis reports were issued to the concerned stakeholders.

### **AIC-CCRI-CED, Coffee Board**

- AIC-CCRI-CED (Atal Incubation Centre - Central Coffee Research Institute - Centre for Entrepreneurship Development), a Technology Business Incubator is established at the Coffee Board's Head Office, Bengaluru in collaboration with the Central Coffee Research Institute (CCRI) and Atal Innovation Mission (AIM) to support and nurture startups in the Coffee sector.
- During 2024–25, the Centre actively promoted innovation and entrepreneurship through programmes

such as Varttarambha, Vikrayam, Aarohana and Cafe Conceptor along with new initiatives like Tech Beans, outreach programmes in Assam and Nagaland and various capacity-building and startup support activities.

### Extension and Development

#### A. Traditional Areas

- Extension personnel carried out 1,199 field demonstrations, issued 924 advisories through print/ electronic/ social media to educate the growers on various aspects of Coffee cultivation, conducted 151 village level meetings, 59 training programmes on Coffee cultivations, 15 Exposure visits, 13 vocational training programmes and 12 Seminars.
- During the period under report, the extension units extended support to 1185 beneficiaries under Replantation activity covering 841.1 Ha. Similarly, benefits were extended to 1,885 beneficiaries for 1,885 Water Augmentation units benefitting 5,789 Ha and Quality Upgradation units to 3,203 beneficiaries for 3,210 units benefitting 6,695 Ha.

#### B. Non-Traditional Areas (Andhra Pradesh & Odisha)

- Extension personnel carried out 999 Method demonstrations, organized 26 exposure visits, 48 village level workshops, 22 quality awareness programmes and 30 Capacity Building Programmes for the benefits of tribal Coffee growers.
- Support was extended to 17.4 Ha. under Replantation benefitting 9 beneficiaries.

Support was extended for construction of 2,197 cement drying yards and for purchase of 423 baby pulper units with an objective of improving Coffee quality.

#### C. North Eastern Region

- Extension personnel carried out 2,533 Field demonstrations, 222 group meetings, 74 on-farm trainings, 37 quality awareness campaigns to educate the Coffee growers on various aspects of Coffee cultivation and issued 1,797 advisory letters.
- Support was extended to 562.87 Ha of Coffee expansion and consolidation benefitting 1,323 growers, construction of 208 drying yards, 55 Water augmentation units and 15 group nurseries.

#### Capacity Building Programmes

- Coffee Board organized five “Kaapi Shastra” training programmes on “Roasting-Brewing-Packaging-Coffee Retailing” at Bengaluru during the year under reporting covering 136 participants.
- Coffee Board organized thirty-five “Barista Training Programmes” at different parts of India (Visakhapatnam, Odisha, Maharashtra, Kolkata, Nagaland, Mysuru, Shillong, Hyderabad, Gujarat, Telangana & Goa) for the benefit of individuals interested in Coffee making and café management to improve their barista skills. A total of 450 participants attended the Barista training programmes.
- Fifteen students of the 2023-24 batch of the PG Diploma in Coffee Quality Management System have successfully



completed the course. Fifteen students who joined the course during 2024-25 batch have completed 1<sup>st</sup> trimester at CCRI, Chikkamagaluru and currently undergoing 2<sup>nd</sup> trimester at Coffee Quality Evaluation Division in Bengaluru.

- Under the “Support to Value Addition/Support for R & G Units” programme, subsidy was extended to five Coffee roasting units during the period under reporting (three units in Karnataka and one each in New Delhi & Dehradun).
- Under the “Support to Curing Works” programme, subsidy was extended to four Coffee curing works in Chikkamagaluru district in Karnataka state during the period under reporting.
- The Coffee Quality Evaluation division (sensory & roasting laboratory and analytical laboratories) has been accredited by NABL in accordance with the standard “ISO/IEC 17025:2017: General Requirements for the Competence of Testing & Calibration Laboratories” for its facilities at Coffee Board, Bengaluru, Karnataka in the field of Testing (Certificate No. TC-13594 and valid from 3<sup>rd</sup> May, 2024 to 2<sup>nd</sup> May, 2026).

### Market Research & Intelligence

- The Unit generated and disseminated 216 daily market reports covering global and domestic trends in prices, supply and demand providing valuable insights to stakeholders across the Coffee value chain. In addition, the Unit published a comprehensive Database on Coffee,

compiling detailed statistical information at both national and global levels for the benefit of Coffee stakeholders and policy makers.

- The Unit provided economic and analytical support on World Trade Organization (WTO) related matters and Free Trade Agreements (FTAs). It analysed and prepared detailed inputs on tariff and non-tariff barriers and product-specific rules concerning Coffee, which were submitted to the Ministry.
- Crop estimations were carried out using stratified random sampling techniques across different category of holdings and Coffee zones/regions for the season 2024-2025.
- The Unit also estimated the establishment cost and cost of cultivation for Arabica and Robusta, submitted the same to NABARD and district-level technical committees for determining the Unit Cost and Scale of Finance, respectively.
- The Unit in consultation with the State Governments of Karnataka, Tamil Nadu and Kerala has prepared term sheets for a new weather-based insurance scheme for Coffee under the PMFBY. The finalized terms have been submitted to the State Governments of Karnataka, Tamil Nadu and Kerala for implementation.
- As part of its digital initiatives, the Unit has coordinated the integration of European Union Deforestation-free Regulation (EUDR) compliance modules in the *India Coffee App*, enabling growers to register



## Annual Report 2024-2025

---

---

and geo-map their Coffee estates. The unit also facilitating the implementation of e-HRMS and e-Office systems in the Coffee Board.

- The Coffee Board launched GI Coffee Drip Pouches, with an aims to promote India's distinct GI tagged Coffees in convenient, ready-to-brew formats for both domestic and global consumers. The Coffee Board also supported Karnataka's "Kala Loka" initiative at the Kempe Gowda International Airport, Bengaluru to showcase the Karnataka State's GI-tagged Coffees alongside other unique GI products of Karnataka. The Unit has coordinated these activities.
- The Unit has involved in organizing an incubation programme, 'VIKRAYAM' to create a platform for the Coffee growers and entrepreneurs for the direct exports without many intermediaries.

### Promotion

- Coffee Board participated in one overseas Coffee centric event, i.e. the World of Coffee Dubai 2025 in Dubai, UAE to promote Indian Coffees. During the event, Coffee Board organized a Buyer Seller Meet along with the Indian Coffee tasting sessions with active involvement of the Indian Coffee stakeholders and the Indian Mission in Dubai.
- The Coffee Board organized Four Virtual Buyer Seller Meets (VBSMs) in collaboration with Indian Missions in 1) Istanbul, Türkiye; 2) Bucharest, Romania; 3) Nicosia, Cyprus and 4) Milan, Italy.

- The Coffee Board in collaboration with the Embassy of India, Beijing, China organised an Indian Coffee Promotion event with Indian Coffee Brewing competition.
- During the year, the Coffee Board has participated in 28 Food & Beverage / Agri Expos in the country for promotion of domestic Coffee consumption.

### Administration

- During the year 2024-25, three Board Meetings were conducted on 27<sup>th</sup> June, 2024, 10<sup>th</sup> December, 2024 and 7<sup>th</sup> March, 2025.
- During the year, a total of 13 officers/officials were granted financial upgradation under the Modified Assured Career Progression Scheme (MACPS).
- During the year, a total of 57 officers / officials were promoted in different 'Scientific', 'Technical' and 'Ministerial' cadre posts.
- The Staff Strength of the Coffee Board as on 31.03.2025 was 406 employees comprising of 63 Group 'A' officers, 132 Group 'B' Officers and 211 Group 'C' officials.

### Vigilance & Legal

- Vigilance Division conducted Vigilance Awareness Week from 28<sup>th</sup> October, 2024 to 3<sup>rd</sup> November, 2024.
- Observed "Sexual Harassment of Women at Workplace Prevention Week" from 3<sup>rd</sup> to 9<sup>th</sup> December, 2024.
- 73 court cases are pending as on 31.03.2025.



### Right to Information

- Under RTI, out of total 60 applications, 55 applications were disposed out.
- During the year, out of 7 appeals under RTI, all 7 appeals have been disposed.
- During the year, out of 17 grievances received, all grievances have been disposed.

### Engineering Unit

- The Engineering Unit has taken up maintenance works of Coffee Board's buildings as well as development works under Creation of Asset & Swachh Bharath Programme and a sum of ₹4.74 lakhs has been incurred towards maintenance works during the financial year 2024-25.

### Official Language Implementation

- The target set in the Annual Programme 2024-25 issued by Department of Official Language, Ministry of Home Affairs, Government of India, for originating correspondence in Hindi (including email) and Noting in Hindi have been achieved at 55% and 30% respectively.
- In compliance with Rule 5 of the Official Languages Rules, 1976, letters received in Hindi have been replied in Hindi only.
- Under Section 3(3) of the Official Languages Act, 1963, 14,124 documents have been issued in bilingual form (Hindi & English).
- The target of 30% under the Training Programme through Hindi medium has

been achieved and the necessary training material has been prepared bilingually.

- Meeting of the Official Language Implementation Committee is held every quarter. The quarterly progress reports regarding the progressive use of the Official Language Hindi are being submitted online to the Ministry of Commerce and Industry, New Delhi and the Regional Implementation Office, Bengaluru in due course.
- Hindi workshops are organized every quarter.
- Periodical Inspections regarding implementation of Official Language are conducted at Head Office and sub-offices of the Coffee Board.
- Hindi Month-2024 and 'Rajbhasha Sangam' were organized at Coffee Board, Bengaluru from 1<sup>st</sup> to 30<sup>th</sup> September, 2024 and the closing ceremony of Hindi Month was celebrated on 13<sup>th</sup> October, 2024.
- Active participation is ensured in the meetings and programs of the Town Official Language Implementation Committee.
- Hindi versions of the "e-Monthly Advisory" and "e-Newsletter" are prepared every month.
- 4<sup>th</sup> issue of "Coffee Samvad", in-house magazine of Official Language, Wing was released at the Regional Official Language Conference held in Mysuru on 4<sup>th</sup> January, 2025. An official language book exhibition and a Coffee stall were also set up at the conference.

\*\*\*\*\*



## CHAPTER - II

### CONSTITUTION AND FUNCTIONS OF THE BOARD

Coffee Board is a statutory organization under the Ministry of Commerce and Industry, Government of India constituted under the Coffee Act 1942, an Act enacted by the Parliament.

The Board comprises 33 members, including Chairman, Secretary (who is the Chief Executive Officer of the Coffee Board) and members of both the Houses of Parliament and members representing various interests of Coffee Industry appointed by the Government of India.

The Board was reconstituted for a period of three years from 9<sup>th</sup> September, 2022 with 31 members. Department of Commerce, Ministry of Commerce & Industry vide Gazette notification dated 09.09.2022, appointed 31 Members to the Board, viz., Secretary (as an Ex-Officio member), two Members of Parliament (Lok Sabha), one Member of Parliament (Rajya Sabha), four members representing Governments of the principal Coffee growing states (Tamil Nadu, Karnataka, Kerala and Andhra Pradesh), two members

representing the interests of other Coffee growing states of Assam and Nagaland, three members representing large Coffee growers, seven members representing small Coffee growers, three members representing Coffee Trade Interests, two members representing Curing establishment, two members representing labour interest, one member representing Instant Coffee Manufactures, two members representing consumers' interest and one member representing eminent scientist from Research Institute or an Agricultural University.

Further, Department of Commerce, Ministry of Commerce & Industry vide Gazette notification dated 06.11.2023, appointed Shri M.J. Dinesh as Chairman of the Coffee Board for a period of three years. In addition, Department of Commerce, Ministry of Commerce & Industry vide Gazette notification dated 17.03.2025, appointed (1) Adv. Dean Kuriakose and (2) Shri Kota Srinivasa Poojary - Members of Parliament (Lok Sabha) to the Coffee Board w.e.f. 17.03.2025 for a period of three years.

#### List of Coffee Board Members for the year 2024-25 (From 9<sup>th</sup> September, 2022 to 8<sup>th</sup> September, 2025)

Sl. No.	Category	Appointed under Coffee (Amendment) Rules, 2016	No. of Members	Name
1	Chairman	Rule 3 (1)	1	(1) Shri M J Dinesh
2	Members of Parliament (Lok Sabha)	Rule 3 (1)	2	(1) Smt Goddeti Madhavi upto 5.6.24 (2) Shri Prathap Simha upto 5.6.24 (1) Adv. Dean Kuriakose wef. 17.3.25 (2) Shri Kota Srinivasa Poojary wef. 17.3.25
	Member of Parliament (Rajya Sabha)	Rule3 (1)	1	(3) Shri N. Chandrasegharan



Sl. No.	Category	Appointed under Coffee (Amendment) Rules, 2016	No. of Members	Name
3	Members representing Governments of Principal Coffee growing States	Rule 3(2)(a)	4	(1) Shri C. Samayamoorthy, IAS, Agricultural Production Commissioner & Principal Secretary to the Govt., Govt. of Tamil Nadu (2) Dr. Shamlal Iqbal, IAS Secretary to Government, Horticulture and Sericulture Dept., Govt. of Karnataka, (3) Shri APM Mohammed Hanish, IAS, Principal Secretary and Industries Department Govt. of Kerala (4) Shri Kantilal Dande, IAS Secretary to the Government, Govt. of Andhra Pradesh (09/09/2022 to 16/11/2024) & Shri. M M Nayak, IAS Secretary to the Government of A P Tribal Welfare Department, (17/11/2024 onwards)
4	Representatives of Large Coffee growers	Rule 3(2)(b)	3	(1) Shri Shaker Nagarajan (2) Dr. H.S. Krishnananda (3) Shri P R M Ravichandran
5	Representatives of Small Coffee growers	Rule 3 (2)(b)	7	(1) Shri T A Kishore Kumar (2) Shri G K Kumar (3) Shri N B Uday Kumar (4) Shri S Manigundan (5) Shri E Unnikrishnan (6) Shri T Viswanadham (7) Shri Kurusa Uma Maheswara Rao



Sl. No.	Category	Appointed under Coffee (Amendment) Rules, 2016	No. of Members	Name
6	Representatives of Coffee Trade Interest	Rule 3(2)(c)	3	(1) Shri B H V Pradeep Pai (2) Shri K K Manoj Kumar (3) Shri Prabhakar Rao Jayathu
7	Representatives of Curing Establishment Interest	Rule 3(2)(c)	2	(1) Shri D M Shankar (2) Shri A G Divin Raj
8	Representatives of Labour Interest	Rule 3(2)(c)	3	(1) Shri N Bhaskar (2) Shri Siby Varghese (3) - Vacant -
9	Ex-Officio Member	Rule 3(2)(c)	1	(1) Dr. K.G. Jagadeesha, IAS, CEO and Secretary, Coffee Board, Bengaluru
10	Members representing Coffee Growing States other than Principal Coffee Growing States	Rule 3(2)(c)	2	(1) Dr. Lakshmanan S, IAS, Secretary to Government Department Industries Commerce & Public Enterprises, Govt. of Assam. (2) Shri Vikeyie Kenya, IAS Secretary to Government Government of Nagaland
11	Representing Consumers Interests	Rule 3(2)(c)	2	(1) Shri Manoj Kumar Dubey (2) Shri Shirish Vasudeo Deshpande
12	Representing Instant Coffee Manufacturers	Rule 3(2)(c)	1	(1) Shri Challa Srishant
13	Eminent personality in the field of Research / Marketing / Management / Promotion of Coffee	Rule 3(2)(c)	1	(1) Shri G S Mahabala, Eminent personality in Promotion of Coffee

### Functions of the Board

The main functions assigned to the Board are:

1. Promotion of agricultural and technological research in the interest of Coffee Industry.
2. Assistance to Coffee Estates for their development.
3. Promotion of Coffee sale and consumption in India and abroad.



4. Management of the other operations as per the provisions of the Coffee Act.

for the overall growth and development of the Coffee industry.

Besides, Coffee Board gathers statistical and other relevant data concerning the industry and disseminates the information to various segments of the industry; acts as a recognized spokesperson on behalf of the Coffee industry to the Government, media, trade and general public; provides guidance

Coffee Board represents the Indian Coffee industry in the international forum viz., International Coffee Organization, International Science Organizations, Specialty Coffee Associations and work with them for the benefit of Coffee industry.

### Standing Committees

The Board may appoint every year the following standing committees:

SI. No.	Name of the Committee	Functions
1.	Executive Committee	Deals with functions specifically assigned to it under the Coffee Rules. In addition to that deals with matters not specifically assigned to the Propaganda, Marketing, Research or any other committees constituted by the Board.
2	Propaganda Committee	Deals with matters relating to promotion of Coffee sale and increasing the consumption in India and elsewhere of the Coffee produced in India.
3	Marketing Committee	Deals with Coffee marketing scheme as set forth in the Coffee Act and Rules.
4	Research Committee	Deals with promotion of agricultural and technological research in the interest of the Coffee industry in India.
5	Development Committee	Deals with the measures that may be undertaken for the development of Coffee estates.
6.	Quality Committee	Deals with all issues relating to the improvement in the quality of Coffee produced in India.

### Details of the Meetings of the Board, Standing Committees held during the period from 01.04.2024 to 31.03.2025.

Board Meetings	216 <sup>th</sup> Board Meeting held on 27 <sup>th</sup> June, 2024 217 <sup>th</sup> Board Meeting held on 10 <sup>th</sup> December, 2024 218 <sup>th</sup> Board Meeting held on 7 <sup>th</sup> March, 2025
Statutory Committee	Not formed / Constituted

\*\*\*\*



## CHAPTER – III

### ADMINISTRATION AND ESTABLISHMENT

Coffee Board is a statutory body constituted under the Coffee Act, 1942 (Act of 1942) having perpetual succession and common seal, with powers to acquire and hold property and to contract and to sue and to be sued.

#### CEO & Secretary

**Dr. K.G. Jagadeesha, IAS**

#### Head of the Departments

The following Heads of Departments held the posts shown against their names during the period.

1. **Shri N.N. Narendra, IOFS,  
Director of Finance**
2. **Dr. M. Senthilkumar,  
Director of Research**

The responsibilities assigned to different departments and the wings are as under:

#### Secretariat Department

The Secretariat Department is responsible for handling all administrative (staff and office establishment) and vigilance matters, allocation of work among various Divisions / Units of the Board and for monitoring compliance for furnishing information under the Right to Information Act, 2005. The department also deals with convening of meetings of the Board and Statutory Committees apart from monitoring the scheme on Labour Welfare Measures.

The six units attached to the Secretariat Department are:

1. Administration Unit
2. Official Language Unit
3. Vigilance Unit
4. Legal Unit
5. Engineering Unit *and*
6. RTI & Grievances Unit

#### Administration Unit

##### (a) Recruitment

During the year, action has been initiated to fill up vacant posts in 'Scientific', 'Technical' and 'Ministerial' cadre by promotion and direct recruitment in terms of the Coffee Board (Cadre & Recruitment) Rules/Regulations, in force.

##### (b) Promotions

During the year, a total of 57 officers/officials were promoted in different 'Scientific', 'Technical' and 'Ministerial' cadre posts.

##### (c) Modified Assured Career Progression Scheme (MACPS)

During the year, a total of 13 officers/officials were granted financial upgradation under the Modified Assured Career Progression Scheme (MACPS).

##### (d) Modified Flexible Complementing Scheme (MFCS)

A total of Nil Scientists granted in-situ promotion under the Modified Flexible Complementing Scheme (MFCS).



**(e) Career Improvement Scheme (CIS)**

During the year a total of Nil Junior Level Scientific Officers were granted Next Higher Grade under the Career Improvement Scheme (CIS) of the Coffee Board

Sl. No.	Cadre / Grade	No. of officers/ officials transferred
1	Group 'A'	13
2	Group 'B'	12
3	Group 'C'	1
<b>Total</b>		<b>26</b>

**(f) Transfer and Postings**

A total of 26 officials were transferred during the year 2024-25 based on the general transfer guidelines in force. The details are as follows:

**Staff Strength of Coffee Board as on 31.03.2025**

The details of Group-wise staff strength, number of Scheduled Caste and Scheduled Tribe employees and particulars of female staff strength of Coffee Board as on 31.03.2025 is summarized below:

Sl. No.	Total		SC / ST				Female	
	Classification of Posts	No. of Employees	SC	ST	Percentage of representation		No. of Female Employees	Percentage of Female Representation
					SC	ST		
(1)	Group 'A'	63	8	4	12.70	6.35	13	20.63
(2)	Group 'B'	132	25	10	18.94	7.58	55	41.67
(3)	Group 'C'	211	34	7	16.11	3.32	41	19.43
<b>Total</b>		<b>406</b>	<b>67</b>	<b>21</b>	<b>16.50</b>	<b>5.17</b>	<b>109</b>	<b>26.85</b>

**Employee's Welfare Measures (01-04-2024 to 31-03-2025)**

- i) No Conveyance Purchase Advance was granted during the period under report.
- ii) No Personal Computer Advance was granted during the period under report.
- iii) No House Building advance was granted during the period under report.
- iv) The Board has a tie up with the Life Insurance Corporation of India for operating the scheme called "Group Savings Linked Insurance". At the end of March, 2025, the scheme had 309 members on the roll comprising of different categories. An amount of ₹25,33,850/- was settled to 52 members during the financial year 2024-25.



## Annual Report 2024-2025

### Labour Welfare Measures

Children of labourers working in Coffee plantations and curing establishments were supported under the programme.

- a) **Educational Stipends:** The stipends at the rate of ₹5,000/- were granted to students who have taken up higher studies after SSLC, viz. 1<sup>st</sup> year PUC, Polytechnic / Vocational Training during the academic year 2024--25.
- b) **Incentive Award:** An Incentive Award of ₹2,500/- each were granted to one girl

student and one boy student respectively in each division who have scored highest marks in the SSLC examination in the academic year 2023-24 and continuing further studies.

- c) **Financial Assistance:** Financial Assistance were granted to eligible students who pursued graduation, post graduation and professional courses after XII standard during 2024-25. The details of Financial Assistance granted are as detailed below:-

Details		₹ Per Head
<b>Financial Assistance</b>		
Graduation		7,500
Post Graduation		15,000
<b>Financial Assistance Professional Course</b>		
Medical Science, Agriculture and allied science/ Animal husbandry/ Engineering/ Pharmacy/ Nursing/other equivalent degree		20,000
<b>FUND UTILIZATION DURING THE FINANCIAL YEAR 2024-25</b>		
Particulars	No. of Beneficiaries	Amount (in ₹)
<b>Educational Stipends</b>	3,195	1,59,75,000
<b>Incentive Awards</b>	22	55,000
<b>Financial Assistance</b>		
(i) Graduation	1,116	83,70,000
(ii) Post-Graduation	412	61,80,000
(iii) Professional Course	529	1,05,80,000
<b>GRAND TOTAL</b>	<b>5,274</b>	<b>4,11,60,000</b>
Scheduled Castes	1,100	99,27,500
Scheduled Tribes	2,342	1,59,40,000
<b>TOTAL</b>	<b>3,442</b>	<b>2,58,67,500</b>

A Sum of ₹4,11,60,000/- was granted to 5,274 beneficiaries during the year 2024-25 under Labour Welfare Measures.



### Official Language Wing

- The target set in the Annual Programme for the year 2024–25 issued by the Department of Official Language, Ministry of Home Affairs, Government of India for writing original correspondence (including e-mail) in Hindi and notings in files/documents in Hindi and for use of Hindi have been achieved at 55% and 30% respectively.
- In compliance with Rule 5 of the Official Language Rules, 1976, letters received in Hindi were replied in Hindi only.
- A total of 14,124 documents under Section 3(3) of the Official Language Act, 1963, were issued bilingually (Hindi and English).
- The target for training through the medium of Hindi, as mentioned in the Annual Programme, was achieved 30%.
- The email signatures (full name and address) of the officers at the Coffee Board Headquarters and all sub-offices were made fully bilingual.
- During the reporting year, four meetings (April–June: July–September: October–December and January–March) of the Official Language Implementation Committee were held.
- With the objective of increasing the use of Hindi in official work, employees trained through Hindi workshops every quarter. These workshops included discussions and orientations on constitutional provisions related to Official Language, Official Language Policy, the questionnaire of the Parliamentary Committee on Official Language, preparation of the Hindi Quarterly Progress Report and the use of technology to facilitate working in Hindi.
- As part of the compliance with the inspection points related to the Official Language Implementation issued by the Department of Official Language, desktop training was conducted at the Coffee Board Headquarters.
- During the inspection, participants were informed about the bilingual nature of documents under Section 3(3) of the Official Language Act, 1963. The use of the trilingual formula for nameplates, name boards and visiting cards under Rule 11 of the Official Language Rules, 1976. Necessary directions were also issued to enhance the effectiveness of Official Language implementation.
- As per the directions of the Department of Official Language, quarterly progress reports from the Coffee Board Headquarters were submitted online each quarter. These reports were also forwarded to the Regional Implementation Office (South – Bengaluru) and the concerned Ministry.
- An inspection regarding Official Language policy and implementation by the Deputy Director (Official Language), Ministry of Commerce and Industry, Government of India, New Delhi, held on 22.10.2024.
- On the occasion of Hindi Diwas, “Hindi Month – 2024” was organized with the objective of developing interest in Hindi among officers/officials and increasing the use of Hindi in official work. During



this month, various creative competitions were conducted. Under the Rajbhasha Sangam programme, a Hindi seminar and Hindi poetry recitation were organized. A special workshop on the topic “Employment opportunities in Hindi” was conducted for 35 students from reputed colleges and universities of Bengaluru. Around 80 officers/officials from the Coffee Board headquarters and the representatives of all Town Official Language Implementation Committee located in Bengaluru participated in this programme. A Hindi speech competition was organized for the officers/officials of Coffee Board’s sub-offices, through a virtual platform.

- Inspection regarding implementation of Official Language were conducted in about 40% of the Coffee Board’s sub-offices (such as the office of the Joint Director (Extension), Hassan; the office of the Deputy Director (Research), Chettalli; the office of the Deputy Director (Extension), Gonikoppal and the office of the Deputy Director (Extension), Madikeri. Necessary suggestions/instructions were provided accordingly. A Hindi workshop was also organized, while some offices were inspected through virtual mode as well.
- On the occasion of Hindi Diwas-2024 and the 4<sup>th</sup> All India Official Language Conference held at Bharat Mandapam, New Delhi on 14<sup>th</sup> and 15<sup>th</sup> September, 2024, the Coffee Board’s half-yearly in-house magazine, “Coffee Samvaad” was awarded with Rajbhasha Kirti Puraskar by the Hon’ble Union Minister of State for

Home Affairs. The Director of Finance, Deputy Director (Official Language) and two officers from Official Language Wing, Coffee Board were present at the conference.

- “E-Monthly Advisory” published by CCRI and “E-Newsletter” of the Atal Incubation Centre, Coffee Board Headquarters, have been regularly translated into Hindi.
- The Annual Assessment Report 2024 was sent to the Department of Official Language, Ministry of Commerce and Industry, Government of India.
- During the Regional Official Language Conference held at Mysuru on 4<sup>th</sup> January 2025, the 4<sup>th</sup> issue of the Half-yearly in-house magazine “Coffee Samvaad” was released by the Hon’ble Governor of Bihar. The Hon’ble Union Minister of State for Home Affairs, the Secretary, Department of Official Language, New Delhi, the Member of Parliament from Mysuru and other distinguished guests were present at the occasion. An exhibition showcasing various activities/programmes/publications of the Official Language was set up along with Coffee stall featuring Indian Coffee.

### Vigilance Unit

The Vigilance Unit is responsible for carrying out the following:-

1. Receiving complaints and taking action thereof.
2. Verification of character and antecedents of persons recruited to the Board’s



- service, preparation and submission of periodical returns to the Ministry of Commerce & Industry.
3. Issuance of Vigilance clearance in respect of officers / officials of Coffee Board for various purposes.
  4. Processing of application seeking permission for acquiring moveable and immovable properties of officers/officials of the Board and scrutinizing the immovable property returns filed by the Group 'A' & 'B' officers.
  5. Surprise vigilance check of sub offices / various sections at Head Office.
  6. Processing of files relating to disciplinary proceedings.
  7. The Vigilance Awareness Week was conducted during 2024-25, i.e. from 28<sup>th</sup> October to 3<sup>rd</sup> November, 2024.
  8. Observed "Sexual Harassment of Women at Workplace Prevention Week" from 3<sup>rd</sup> to 9<sup>th</sup> December, 2024. A workshop was also conducted through hybrid mode on 11.12.2024 at Coffee Board.

### Details of Vigilance Cases

1	Pending disciplinary cases as on 01.04.2024	Nil
2	Disciplinary cases added during the year 01.04.2024 to 31.03.2025	Nil
3	Disciplinary cases concluded during the year 01.04.2024 to 31.03.2025	Nil
4	Disciplinary cases pending as on 31.03.2025	Nil

### Legal Cell

The Legal cell is responsible for carrying out the following functions:-

- Attending to all the Board's Legal matters pertaining to Service matters, Marketing, Tax, Intellectual Property Rights (IPR), Plantation Labour etc.
- Attending litigations pending before various courts viz., Supreme Court, High Courts, Labour Courts, Lower Courts, IPR Tribunal and Sales Tax Appellate Forum etc. of respective States.
- Co-ordination and assisting the Board's Advocates with relevant records to enable the Advocates in preparing the complaints/counter and for arguments.
- Attending to correspondences connected with Amendments to Coffee Act and correspondence with the Ministry of Commerce relating to above matters.
- Furnishing of opinion on files being referred by various sections viz., Export, Pension, Engineering, Administration etc.



### Status of Court cases

73 cases were pending at the beginning of the year. During the year, no new cases were registered. All the 73 cases are pending as on 31.03.2025.

### Status of Tax Disputes

#### a) Government of Kerala

The High Court of Kerala vide its order dated 29/8/2008 set aside the orders passed by the STAT confirming the levy of CST for the years 1984/85 to 1990/91, 1994/95 to 1996/97 and remanded the matter to the assessing officer to re-examine the issue in accordance with the law. Similarly, in respect of the Appeals for the year 1991/92 to 1993/94 and 2000/01 under CST and for the year 1991/92 to 1993/94, 1996-97 and 1997-98 under KGST, the STAT vide its order dated 26/9/2012 remanded the matter to the assessing officer. The Board produced the available relevant records to drop the demand. However, the assessing officer vide order dated 14.3.2014 confirmed the levy of CST and raised demand of ₹34.53 Crores and interest of ₹174.09 Crores aggregating to ₹208.62 Crores for the years 1984/85 to 1990/91, 1994/95 and 1995/1996. The Board filed first appeal and 2<sup>nd</sup> appeal before the STAT, Palakkad, Kerala. The STAT after hearing the matter in detail passed an order dated 20.5.2016 directing the Assessing Officer to give opportunity to Board to produce the records and hear in person. However, the State of Kerala filed Revision petitions before the High Court of Kerala which has been dismissed with a direction to complete the assessment within a period of 6 months. As per the judgement, the

Assessing authority, State Tax Officer, Kerala GST Department, Chavakkad, has issued notice for production of records. Accordingly, Coffee Board submitted further records to substantiate claims in addition to the records which were submitted at the time of original assessments. The Assessing Authority refused to accept them on the grounds that production of transport receipts/invoices/bills of lading etc. only be considered as per the Tribunal directions and passed orders for payment of ₹2,41,66,24,328/- Coffee Board after consultation with Tax experts and Board's Advocate, who appeared in the High Court, has prepared and filed Appeals before the Deputy Commissioner (Appeals), Kerala Tax Department, Thrissur and also filed Stay order applications. The DC (Appeals) issued notice to remit 1% of disputed amount (₹2.41 Crores) to consider the appeals and stay orders filed by Coffee Board. The Board filed a Writ Petition before the Hon'ble High Court of Kerala and the Hon'ble Court issued interim stay for the notice and this case is pending for final orders.

### Engineering Unit

Coffee Board owns office buildings at various places spread across the country viz., Bengaluru, Mysuru, Chikkamagaluru & Hassan (Karnataka); Chennai & Bodinayakanur (Tamil Nadu); Guwahati & Silchar (Assam); Paderu, Chintapalli & Araku Valley (Andhra Pradesh) and also owns Residential flats in New Delhi, Bengaluru & Hassan (Karnataka); Bodinayakanur (Tamil Nadu) Guwahati & Silchar (Assam) and Chintapalli & Araku Valley (Andhra Pradesh).



Besides, there are Research Stations and Residential quarters at Central Coffee Research Institute in Chikkamagaluru District; Coffee Research Sub Stations at Chettalli (Near Madikeri) in Karnataka; Regional Coffee Research Stations at Chundale in Kerala; Thandigudi in Tamil Nadu; R.V.Nagar in Andhra Pradesh and Diphu in Assam. The Technology Evaluation Centres maintained by the Extension Department in the states of Karnataka, Kerala, Tamil Nadu, Andhra Pradesh, Odisha, Assam, Arunachal Pradesh, Tripura & Mizoram. India Coffee House in Bengaluru and India Coffee Centre at Bhopal (closed) are also owned and maintained by the Coffee Board.

#### Details of the Expenditure

The Engineering Unit has taken up maintenance works of Board's buildings and new construction works under Creation of Capital Asset, building maintenance as well as Swachhata Action Plan and a sum of ₹4,73,79,932/- has been incurred towards these works during the financial year 2024-25.

#### RTI & Grievance Unit

##### Right to Information

Under Right to Information Act 2005, during the year 2024-25, Coffee Board has received 56 RTI applications and 4 RTI Applications of previous year was pending. Out of which, 55 applications have been disposed leaving behind 05 applications pending. Coffee Board

has received 07 appeals and disposed 07 appeals leaving behind no appeals pending. Coffee Board has received 17 grievances and disposed 17 grievances leaving behind no grievances pending.

#### Details of applications under RTI for the year 2024-25

SI.No.	Particulars	Status
1	Opening balance	04
2	Receipts during the year	56
3	Total	60
4	Disposal during the year	55
5	Closing balance as on 31.03.2025	05

#### Details of Appeals under RTI for the year 2024-25

SI.No.	Particulars	Status
1	Opening balance	00
2	Receipts during the year	07
3	Total	07
4	Disposal during the year	07
5	Closing balance as on 31.03.2025	00

#### Details of Grievances for the year 2024-25

SI.No.	Particulars	Status
1	Opening balance	00
2	Receipts during the year	17
3	Total	17
4	Disposal during the year	17
5	Closing balance as on 31.03.2025	00

\*\*\*\*\*



**CHAPTER – III (A)**

**DETAILS OF STAFF / PERSONS WITH BENCHMARK DISABILITY (PwBD)**

A total of 15 Personnel with Benchmark Disabilities (PwBDs) are working in the Coffee Board as on 31.03.2025. The cadre wise details are as under:

Sl. No.	Cadre	Group	Personnel Existing	No. of Persons with Benchmark Disability		Category-wise Persons with Disability		
				No.	Percentage of PwBDs representation	UR	SC	ST
1	Dy. Director (Research)	A	5	1	20.00	1	--	--
2	Senior Liaison Officer	A	21	1	4.76	1	--	--
3	Research Assistant Grade - I	B	18	3	16.67	3	--	--
4	Junior Translation Officer	B	2	1	50.00	1	--	--
5	Asst. Extension Officer – Gr. I	B	47	1	2.13	1	--	--
6	Extension Inspector	C	46	1	2.17	1	--	--
7	Senior Assistant	C	19	6	31.58	6	--	--
8	Multi-Tasking Staff (MTS)	C	125	1	0.80	1		
<b>Total</b>			<b>283</b>	<b>15</b>	<b>5.30</b>	<b>15</b>	<b>--</b>	<b>--</b>

\*\*\*\*\*



## CHAPTER - IV

### COFFEE RESEARCH

The Coffee Board Research Department has implemented a number of research projects under the scheme, Integrated Coffee Development Programme (ICDP). These projects were implemented through a network of Research Stations & Divisions of the Central Coffee Research Institute (CCRI) located at Chettalli (Kodagu, Karnataka), Chundale (Wayanad, Kerala), Thandigudi (Pulneys, Tamil Nadu), R.V. Nagar (Alluri Sitaramaraju District, Andhra Pradesh) and Diphu (Karbi Anglong District, Assam), Plant Tissue Culture & Biotechnology Division (CRSS, Chettalli) and Coffee Quality Evaluation Division (Bengaluru). Besides, collaborative research programme were also taken up with the national and international institutes viz., Development of Coffee harvester (IIT, Roorkee and CIAE, Bhopal), Development of technologies for the management of various Coffee pests (National Bureau of Agricultural Insect Resources-NBAIR, Bengaluru; ATGC Biotech Pvt. Limited, Hyderabad; Jawaharlal Nehru Centre for Advanced Scientific Research, Bengaluru; Tata Institute of Genetics & Society, Bengaluru; Indian Institute of Horticultural Research, Bengaluru & IISc, Bengaluru), Monitoring of carbon flux in shaded Coffee plantation (ISRO, Bengaluru), Evaluation of Arabica varieties under international multi-location varietal trial of world Coffee research project and Evaluation of Robusta genotypes imported from Nestle R & D, France.

The salient achievements from different research projects and other allied activities undertaken during the year 2024-25 are as follows:

#### **Scheme: Integrated Coffee Development Project**

#### **Component 1: Research and Development for Sustainable Coffee Production**

#### **Sub-component 1.1: Plant Improvement for Durable Resistance and Increased Productivity through Conventional Breeding and Biotechnological Approaches**

#### **Division of Plant Breeding and Genetics**

To improve resistance against the Coffee leaf rust (CLR) and also cup quality of promising Arabica genotypes, various crosses were effected during 2024-25 flowering season [Chandragiri 13<sup>th</sup> plant (grafted plant) x S.2803; Chandragiri 13<sup>th</sup> plant (original plant) x S.2593 7<sup>th</sup> plant; S.5086 (37/13) x S.2803; S.5086 (38/10) x S.2593 7<sup>th</sup> plant; S.5059 (14/11) x S.2803 and S.5059 (14/10) x S.2593 7<sup>th</sup> plant]. Further, selfing was taken up in F<sub>2</sub> plants of S.5168 (9 plants), S.5086 (10 plants) and F<sub>1</sub> of S. 5086 (38/12) to further improve following true breeding strategy.

With an objective of evolving high yielding vigorous semi-dwarfs genotypes with high field tolerance to Coffee leaf rust and



## Annual Report 2024-2025

---

---

superior cup quality, crosses were effected between Colombian catimors and tall Arabica genotypes (Sln.5B, S.1934 & Sln.9) and seven combinations were established. Based on superior performance of the plant population in the first generation, further generations were advanced by selfing the desired plant and plots were established at CCRI & other regional stations. Observation on field tolerance to Coffee leaf rust and yield indicated that 2/9, 3/5, 4/10, 6/3 and 6/5 plants of S.4817 F<sub>1</sub> hybrids were found free from leaf rust. The yield of the plant population ranged from 1,360 kg clean Coffee/ha to 1,420 kg clean Coffee/ha.

With an objective of developing Coffee leaf rust (CLR) tolerant semi-dwarf genotypes, hybrids were generated between HDT catuai and Sln.10 (as SH<sub>3</sub> donor). Five hybrid progenies (S.5052, S.5053, S.5057, S.5058 & S.5059) were field planted during 2011 season at the research farm in CCRI. Among the five hybrids, S.5059 (HDT catuai 4/5 x Sln.10 1/8) recorded the highest projected yield of 1,156 kg clean Coffee/ha (mean of seven years yield data) followed by 938 kg clean Coffee/ha in S.5053 (Sln.10 1/12 x HDT catuai 1/13). Further, S.5059 population showed least susceptible to CLR (only 7% of the plant population was susceptible to CLR).

With an effort to improve durability of resistance to Coffee leaf rust in Chandragiri, four F<sub>1</sub> progenies (S.5083 to S.5086) developed from reciprocal crosses between Chandragiri (S.4202) x Sln.10 through pyramiding of SH<sub>3</sub> rust resistance gene. The progenies were continuously monitored for field tolerance of Coffee leaf rust. Among the four genotypes,

S.5085 and S.5086 genotypes remained free from the Coffee leaf rust incidence, while S.5084 recorded 26.5% susceptibility to Coffee leaf rust followed by 24% in S.5083. With respect to yield, S.5086 recorded the maximum mean yield of 1,344 kg clean Coffee/ha followed by S.5086 (1,287 kg clean Coffee/ha).

With an objective of integrating the SH<sub>3</sub> gene to semi-dwarf genotypes, reciprocal cross was made between Cavimor and Sln.10 during 2013 season. The hybrid populations (S.5168 & S.5171) were established at the research farm in CCRI. Regarding field tolerance to CLR, S.5168 manifested high field tolerance than S.5171. The projected yield was higher in S.5168 (1,256 kg clean Coffee/ha) compared to S.5171 (873 kg clean Coffee/ha).

Under the long-term programme on “Development of trait specific clonal varieties of Robusta”, comprehensive surveys were conducted for the identification of elite Robusta mother plants from 2019-20 to 2024-25 in Kodagu, Chikkamagaluru and Wayanad zones. A total 496 elite Robusta mother plants were identified from 104 estates in six phases. Evaluation of 250 Robusta mother plants were completed in four years. Among the 250 plants, 40 plants were short listed as potential mother plants for further exploitation.

As part of Inter multi-location variety trial (IMLVT) of the World Coffee Research (WCR), thirty varieties (20 semi-dwarf varieties & 10 tall varieties) including five Indian varieties were evaluated. Among the semi-dwarfs, yield level ranged from 246 kg clean Coffee/ha to



746 kg clean Coffee/ha and the maximum projected yield was recorded in Paraenema (806 kg clean Coffee/ha) followed by EC16 (744 kg clean Coffee /ha) and Marsellesa (700 kg clean Coffee /ha). The check variety Chandragiri recorded a mean yield of 836 kg clean Coffee/ha. The percent 'A' grade bean ranged between 11% (Catigua MG2) and 81% (Pacamara). The percentage of pea berries was less in Colombian varieties and maximum in EC16 (15.3%). Among the 30 varieties evaluated under IMLVT, Chandragiri (semi dwarf check variety) and Arabica selection No.2 exhibited superior performance over overseas varieties evaluated in the IMLVT.

To exploit the hybrid vigour of promising  $F_1$  Arabica hybrids, CCRI signed MoU with Jain Irrigation Systems Limited (JISL) in 2022 for the mass multiplication of  $F_1$  Arabica hybrids through tissue culture technique. The JISL had supplied 55,000 tissue culture (tc) plants of three  $F_1$  Arabica hybrids (S.5086, S.5085 & S.5059) during August 2024. A total of 13,547 tc plants was supplied to nine planters in Karnataka and Tamil Nadu states during the period under reporting for the multi-location field evaluation of tc plants.

Under the programme on "Development of trait specific clonal varieties of Robusta", leaf and clonal samples of 14 prospective Robusta mother plants (comprising of six old Robusta, four S.274 & four C x R) were given to JISL in August 2024 for the mass multiplication through tissue culture technique. Also supplied leaf samples of two Arabica selections from CCRI (Chandragiri & S.4595) for the mass multiplication.

With an objective of integrating the trait of Coffee white stem borer (CWSB) tolerance into Chandragiri and also to improve the bean size of S.4595, a total of 1,000  $F_1$  hybrid plants (generated by crossing Chandragiri and S.4595) were field planted at the research farm in CCRI during 2024 season.

Under the extended project of world Coffee research, CCRI received 242 *in-vitro* raised seedlings from Costa Rica in September, 2024. The plantlets are being maintained in the poly house for hardening.

### **Division of Tissue Culture & Plant Biotechnology Centre**

Under the long-term project on "Application of genomic and transgenic approaches for developing resistance to Coffee white stem borer (CWSB), genomic and transgenic approaches were explored to identify resistance-associated genes and develop diagnostic markers for crop improvement. A suppression subtractive hybridization (SSH) library was constructed from CWSB-infested Arabica plants yielded 15 highly expressed defense-related genes (including Isoleucine N-monooxygenase gene) from which an Arabica-specific primer was developed & validated across 19 *Coffea* species, diverse Arabica cultivars (S.795, Sln.4, Sln.5A, Sln.9, Cauvery & Chandragiri) and interspecific hybrids (Devamachy & HDT) confirming its robustness. In parallel, PCR-based genomic analysis was performed on 14 Coffee genotypes representing resistant, moderately resistant and susceptible categories using three defense gene-specific primers, which consistently amplified the expected loci



## Annual Report 2024-2025

---

---

indicating the presence of conserved defense-related sequences across backgrounds. These results provide the first molecular evidence for differentiating resistance responses in CWSB-infested Coffee and establish the foundation for developing resistance-linked molecular markers.

Under the long-term project on “Developing resilient Robusta Coffee using genomic approaches”, the molecular basis of drought tolerance in *Coffea canephora*, a panel of 20 drought-resilient Robusta accessions (DR Robusta series) from RCRS, Chundale was evaluated using SRAP and SCoT molecular markers. The genetic diversity analysis revealed considerable polymorphism indicating high allelic richness within the drought-tolerant pool. Population structure analysis further resolved the accessions into two distinct genetic sub-populations highlighting underlying diversity in drought-adaptive traits. A total of 25 differential fragments uniquely amplified in drought-tolerant lines were sequenced and of which four exhibited significant homology to known stress-responsive genes, including 2-oxoglutarate-dependent deoxygenase, RRM-domain protein, TGA-9-like transcription factor and a detoxification 40-like protein. These fragments represent valuable candidates for the development of functional markers linked to drought tolerance. To complement diversity analysis, genomic DNA was extracted from 60 drought-tolerant plants representing these 20 accessions for primer development and validation. Four newly designed primers were evaluated for annealing efficiency and amplification consistency across DR-Robusta

genotypes. One primer pair was successfully standardized and further validated using both genomic DNA and complementary DNA from two genotypes (DR5 & DR8). The amplification observed in both DNA and transcript templates confirmed primer specificity and cross-level functionality, underscoring its potential utility for downstream expression profiling of drought-responsive genes. These results provide a molecular framework for identifying functional determinants of drought resilience in Robusta Coffee and lay the foundation for developing marker-assisted selection strategies and functional genomics approaches targeting abiotic stress tolerance.

Under the R & D programme on “Genetic profiling of diploid Coffee species, cultivars and germplasm for commercial exploitation”, to establish the genetic profile of diploid Coffee species, cultivars and germplasm for potential commercial exploitation, genomic DNA was extracted from 131 samples comprising *Coffea canephora* cultivars, *C. arabica* cultivars and diploid Coffee species. In preliminary experiments, PCR assays were carried out using genomic DNA samples of *C. canephora* cultivars viz., S.274 (three genotypes) and CxR (ten genotypes) with a panel of 20 SRAP and 20 SCoT molecular markers. Of these, four SCoT primers successfully amplified polymorphic fragments, enabling differentiation between S.274 and CxR genotypes. Further, to identify SNPs, chloroplast gene markers (*rbcl*, *matK* and *trnL*) were used to screen these S.274 (three genotypes) and CxR (ten genotypes) and amplified the expected fragment sizes across all samples. The resulting amplicons were sequenced and multiple sequence



alignment was performed using bioinformatics tools. However, *in-silico* comparative analysis of S.274 and CxR sequences did not reveal cultivar-specific SNPs. Subsequently, PCR assays were performed on *C. arabica* cultivars viz., Chandragiri (plant numbers 12 & 13), Cauvery, Arabica selections [S.795, Sln. 12 (1/1), Sln. 5B, Sln. 8, Sln. 9 & Sln. 11] using 20 SRAP and 20 SCoT markers. Four polymorphic markers were identified and of which two SRAP markers were validated in Chandragiri DNA samples resulting in the generation of Chandragiri-specific molecular fingerprints. Further, PCR with Chandragiri-specific SRAP primer combinations consistently amplified a 400 bp fragment in all Chandragiri genotypes. This fragment was gel-eluted and purified for further characterization. Furthermore, to identify SNPs, PCR was also carried out on genomic DNA from Chandragiri and Cauvery using chloroplast markers (rbcL, matK and trnL). The amplified fragments were sequenced and comparative multiple sequence alignment revealed cultivar-specific SNPs differentiating Chandragiri from Cauvery.

Under the R & D programme on "*In-vitro* multiplication, monitoring transgene expression and testing the inheritance pattern of the transgene in *in-vitro* regenerated Arabica and Robusta transgenic plants", transgenic plants of *C. arabica* (engineered for Coffee Leaf Rust tolerance) and *C. canephora* (engineered for drought tolerance) were multiplied *in-vitro* and maintained under containment conditions. The transformation strategy employed diverse transgenes, including rice endochitinase and tobacco osmotin in Arabica and Robusta (for biotic

and abiotic stress tolerance) along with reporter and selectable markers such as gusA, gfp and hpt. Multiple generations (T<sub>0</sub>, T<sub>1</sub> & T<sub>2</sub>) have been propagated and plants are currently undergoing bioassays to assess trait stability and functional resistance. The integrity of transgenes were tested using gus assay, gfp and PCR assay using transgene specific primers. For plant regeneration, zygotic embryos excised from green, mature fruits of transgenic *C. canephora* were cultured on half-strength MS medium, resulting in healthy plantlet development. In parallel, callus cultures derived from transgenic *C. arabica* and *C. canephora* were successfully sub-cultured containing somatic embryo induction medium, thereby supporting embryogenesis. The *in-vitro* raised transgenic *C. canephora* plantlets were further multiplied in half-strength MS medium to enhance growth and elongation. Regenerated plantlets from both species were subsequently transferred into polybags and acclimatized under shade-net conditions, where a total of 50 hardened transgenic plants are currently being maintained in shade-house containment for further evaluation and bioassay.

### **Sub-component 1.2: Improvement of Productivity through Enhanced Soil Health, Crop Husbandry and Mechanization**

#### **Division of Agronomy**

Evaluation of tractor mounted weed slasher (TMWS) carried out at the research farm in CCRI in comparison with the manual weeding indicated that the efficiency of the TMWS was found to be far more superior when compared



## Annual Report 2024-2025

---

---

to manual weeding. The TMWS took 2.4 hours to complete weeding in one acre area with one labour and consumption of 5-liters of diesel while manual weeding took 12 labourers to complete weeding in one acre area.

Evaluation of pit digger (which is necessary for opening pits to plant Coffee seedlings) carried out at the research farm in CCRI revealed that a batch of two labourers using pit digger were able to open 240 (gravelly soil) to 290 (non-gravelly soil) pits with the fuel consumption of 3.5 liters in eight-hour shift. While pitting was taken up manually, a team of two labourers were able to open 150 pits in eight hours shift.

Towards sustainable weed management, a field trial was initiated in 2023 season to evaluate a commercially available bio-herbicide for weed management at the research farm in CCRI on 2-years old Arabica block (Chandragiri). The results indicated that bio-herbicide at the rate of 2.5 liters/200 liters of water recorded the lowest weed density (2, 40, 54, 80 & 94 m<sup>2</sup>) on 30<sup>th</sup>, 60<sup>th</sup>, 90<sup>th</sup>, 120<sup>th</sup> & 150<sup>th</sup> days after application of bio-herbicide respectively followed by 2 liters of bio-herbicide/200 liters of water (19, 37, 60, 92 & 102 m<sup>2</sup>) and 1.6 liters of bio-herbicide/200 liters of water (34, 47, 63, 125 & 223 m<sup>2</sup>). While weeding by others methods viz., mechanical weeding (using brush weed cutter) recorded relatively higher weed density (56, 104, 210, 252 & 583 m<sup>2</sup> on 30<sup>th</sup>, 60<sup>th</sup>, 90<sup>th</sup>, 120<sup>th</sup> & 150<sup>th</sup> days respectively) and manual slash weeding (56, 107, 191, 519 & 620 m<sup>2</sup> on 30<sup>th</sup>, 60<sup>th</sup>, 90<sup>th</sup>, 120<sup>th</sup> & 150<sup>th</sup> days respectively). The highest weed density was observed in un-weeded block (160, 285, 369, 582 & 850 m<sup>2</sup> on 30<sup>th</sup>, 60<sup>th</sup>, 90<sup>th</sup>, 120<sup>th</sup> & 150<sup>th</sup> days respectively).

The results of the two-years field experiment on “Impact of biodegradable mulching materials on weed suppression in shaded Coffee plantation” conducted at the research farm at CCRI indicated that the weed suppression was to the tune of 15% to 20.7%. The highest weed suppression was found in both paddy straw & Coffee cherry husk mulching (20.7%) followed by bio-degradable coir mat (19.4%), dry leaf mulching (17.4%) and weed biomass mulching (15%).

### Division of Agricultural Chemistry

The result of the multi-locations field experiment on “Impact of nano fertilizers (nano urea & nano DAP) on yield of Arabica and Robusta varieties” revealed that no significant differences in yield between nano fertilizers applied plots and control plots (standard practice) at all locations. However, the mean of three years yield data indicated that in Arabica Coffee, combined application of nano urea (5ml L<sup>-1</sup> through foliar spray) and 50% RDF (through soil application) has recorded the highest yield (1,044 kg clean Coffee/ha) when compared to 100% RDF through soil application (986 kg clean Coffee/ha). Similarly, combined application of nano DAP (5ml L<sup>-1</sup> through foliar spray) and 50% RDF (through soil application) has recorded the highest yield (1,087 kg clean Coffee/ha) as compared to application of 100% RDF through soil application (1,021 kg clean Coffee/ha). The same trend was noticed with the application of nano urea and nano DAP in Robusta Coffee at all locations. The mean of three years yield data revealed that combined application of nano urea (5ml L<sup>-1</sup> through foliar spray) and 50% RDF (through soil application)



has recorded the highest yield (1,783 kg clean Coffee/ha) compared to application of 100% RDF through soil application (1,710 kg clean Coffee/ha). Similarly, combined application of nano DAP (5 ml L<sup>-1</sup> through foliar spray) and 50% RDF (through soil application) has recorded the highest yield (1,826 kg clean Coffee/ha) compared to application of 100% RDF through soil application (1,735 kg clean Coffee/ha). Overall, a marginal increase of yield to the tune of 4% to 6% was observed when nano fertilizers are applied as compared to conventional application of RDF (i.e. soil application).

The result of the field trial on rationalization of different liming materials conducted on Arabica and Robusta at the research farms in CCRI during 2024 indicated that there was a significant increase in pH with application of different liming materials viz., agricultural lime (3 tonne/acre), spray lime (1.5 tonne/acre) and granulated lime (1.5 tonne/acre). Regarding yield, there was no significant differences in respect of yield between different liming materials both in Arabica and Robusta.

The initial results of the multi-location field experiment on augmentation of nutrient availability in Coffee agroforestry system through intervention of microbial resources (ARKA microbial consortium) conducted in Arabica and Robusta Coffees at the Coffee research institute and private estates during 2024-25 season revealed that there were no significant changes in the chemical properties of the soil with the application of different levels of ARKA microbial consortium across the locations. Regarding yield, no significant differences in yield between ARKA microbial

consortium treated trial plots (Arabica-1,049 kg clean Coffee/acre; Robusta-1,493 kg clean Coffee/acre) versus trial plots without ARKA microbial consortium (Arabica-1,046 kg clean Coffee/acre; Robusta-1,454 kg clean Coffee/acre).

The preliminary results of the field trial on the effect of a commercial waste decomposer on nutrient status in soil & leaf and yield of Arabica & Robusta Coffees conducted at the research farm in CCRI during 2023 indicated that application of different levels of commercial waste decomposer showed no significant changes in the nutrient status in soil and leaf. Further, no significant difference in yield was observed with the application of commercial waste decomposer either through foliar or soil.

### Division of Plant Physiology

Under the long-term programme on mitigation of drought, different spray solutions/formulations were tested to enhance drought tolerance and yield of Robusta Coffee. Application of calcicare (a commercial formulation) along with the drought ameliorative spray (1 kg of 0.5% urea + 1 kg of 0.5% SSP + 0.75 kg of 0.375% MoP + 1 kg of 0.5% ZnSO<sub>4</sub> + 50 ml Planofix in 200 liters) found to improve various physiological parameters and also yield (1,173 kg clean Coffee/ha) when compared control treatment (988 kg clean Coffee/ha).

Screening of Ethiopian Arabica germplasm for the management of various abiotic stress indicated that three accessions viz., S.2609-09, S.2600-01 and S.2613-11 have shown promising performance across multiple stress-adaptive and growth-related parameters.



## Annual Report 2024-2025

---

---

These Ethiopian Arabica accessions are seems to be promising candidates for the management of abiotic stress studies.

Screening of Abyssinian Arabica germplasm for the management of various abiotic stress revealed that two Abyssinian accessions viz., S.2444-07 and S.2443-06 showed superior performance across multiple traits. These two Abyssinian Arabica accessions are seems to be promising candidates for climate-resilient breeding.

A long-term rainfall trend analysis (1926 to 2024) recorded at the research farm in CCRI revealed a notable increasing trend of rainfall during monsoon season with no consistent trend in the annual rainfall pattern. The maximum temperature trend from 1994 to 2024 showed a statistically significant increase of temperature to the tune of + 0.018°C per year, particularly during pre-monsoon and monsoon seasons. The minimum temperature analysis from 1975 to 2024 indicated consistent warming across all seasons, especially in winter and pre-monsoon, indicating shrinking of diurnal temperature ranges.

Among the various scion-rootstock graft combinations studied for imparting drought tolerance in Robusta, S.880/CxR, SIn.6/S.274 and DR5/CxR graft combinations have shown superior physiological performance in-terms of leaf area, relative water content, chlorophyll content, relative water content (RWC) and stomatal traits, as compared to other graft combinations.

Field evaluation of an in-house developed micronutrient formulation viz., “Coffee flower power” indicated that the micro nutrient

formulation was found to increase of flower bud production to the tune of 63% in Robusta Coffee.

### **Sub-component 1.3: Development of Ecologically Safe Interventions to Reduce Losses caused by Major Pests and Diseases**

#### **Division of Plant Pathology**

Evaluation of new seed dressing fungicides (Penflufen 22.43% w/w FS; Penflufen 13.28% w/w + Trifloxystrobin 13.28% w/w FS; Tebuconazole 5.36% w/w FS) for the management of collar rot disease causing fungi (*Rhizoctonia solani*) in comparison with the recommended fungicide (Carbendazim 50 WP @ 1 g/kg of seed) indicated that Coffee seeds dressed with Penflufen (1ml & 2ml/kg), Penflufen + Trifloxystrobin (2ml/kg) and Carbendazim 50 WP (1g/kg) showed no incidence of collar rot disease. While untreated control seeds showed 10% of collar rot diseases incidence. New seed dressing fungicides were found to be on par to the recommended fungicide and hence can be recommended as an alternative to the presently recommended fungicides.

Evaluation of new fungicides (Fluopyram 17.7 w/w + Tebuconazole 17.7 w/w SC; Penflufen 13.28% w/w + Trifloxystrobin 13.28 w/w FS and Tebuconazole 38.39% SC) for the management of leaf spot disease (LSD) incidence at nursery level in comparison with the recommended fungicides (Propiconazole 25EC @ 1 ml/L and Mancozeb 75 WP @ 2g/L) indicated that Fluopyram 17.7 w/w + Tebuconazole 17.7w/w SC (0.5ml/L) recorded



least LSD incidence (0.93%) followed by Penflufen 13.28% w/w + Trifloxystrobin 13.28 w/w FS at the rate of 0.5ml/L (1.75%) and Tebuconazole 38.39% SC at the rate of 1ml/L (3.46%). While, the recommended fungicides Propiconazole 25EC and Mancozeb 75 WP showed LSD incidence to the tune of 6.28% and 9.92% respectively. Untreated Coffee seedlings showed 27.54% of LSD incidence. New fungicides were found to be better compared to the recommended fungicides and hence can be recommended as an alternative to the presently recommended fungicides.

Evaluation of fungicides (Fluopyram 17.7% + Tebuconazole 17.7 w/w SC; Picoxystrobin 7% + Propiconazole 12% SC; Tebuconazole 38.39 SC) for the management of brown eye spot (BES) disease caused by *Cercospora coffeicola* at nursery level in comparison with the recommended fungicide (Tebuconazole 25.9 EC @ 1ml/L) revealed that Fluopyram 17.7%+ Tebuconazole 17.7 w/w SC (1ml/L) showed minimum disease incidence of BES (0.88%) followed by Picoxystrobin 7% + Propiconazole 12% SC at 1ml/L (0.95%) and Tebuconazole 38.39 SC at 1ml/L (1.93%). The recommended fungicide Tebuconazole 25.9EC showed 4.46% of disease incidence and the highest disease incidence was noticed in untreated seedlings (18.08%). All the three fungicides were found to be superiorly effective as compared to recommended fungicide and hence can be recommended as an alternative fungicide.

Evaluation of new fungicide molecules [(Picoxystrobin 7.05% + Propiconazole 11.71%w/w (Galileo Way), Picoxystrobin 6.78 % L + Tricyclazole 20.33% (Galileo Sensa),

Fluopyram 17.7 w/w + Tebuconazole 17.7 % w/w SC (Luna Experience), Tebuconazole 38.39% SC (Buonos) and Fluxapyroxad 167 g/L + Pyraclostrobin 333 g/L (Priaxor)] were evaluated in comparison with the standard fungicide (1% Bordeaux mixture) for the management of black rot disease was continued for the third consecutive year (2022-23 to 2024-25). The observation indicated that Arabica plants sprayed with Buonos (1ml/L) showed least disease incidence (10.6%) followed by 18% in Luna Experience treatment (1.5ml/L), 19.3% in Priaxor treatment (1ml/L) and 26.3% in 1% Bordeaux mixture treatment. Unsprayed control plot recorded maximum disease incidence of disease (52.78%). Based on the results of three years data on disease incidence, it is concluded that the new fungicides viz., Buonos, Fluopyram and Luna Experience can be recommended as an alternative fungicide to 1% Bordeaux mixture for the management of black rot disease.

Evaluation of a commercial formulation viz., Cuprofix (Copper sulphate 47.15% + Mancozeb 30%) for the third consecutive year (2022-23 to 2024-25) against black rot disease incidence (in comparison with the standard 1% Bordeaux mixture) revealed that Arabica plants sprayed with 1% Bordeaux mixture showed least disease incidence (10%) followed by 20.4 % disease incidence in Cuprofix treatment (5g/L). Unsprayed control plot recorded highest black rot disease incidence (53.6%).

Laboratory evaluation of Cashewnut Shell Biochar Oil (CSBC) at different concentration (2, 5, 10, 20, 30, 40 & 50 ml/L) against the disease-causing fungi *Koleroga noxia*



## Annual Report 2024-2025

---

---

(in comparison with the standard fungicide viz., Tebuconazole 38.39% SC @ 1ml/L) revealed that CSBC at 10, 20, 30, 40 and 50 ml/L and Tebuconazole (1ml/L) showed 100% inhibition of growth of the disease-causing fungi *Koleroga noxia*.

Data on the correlation of weather parameters on the incidence of CLR in two Arabica cultivars (Sln.3 and Sln.13) indicated that maximum temperature and sunshine hours were found to have positive correlation to the extent of CLR disease incidence.

New fungicide molecules (Fluopyram 17.7% + Tebuconazole 17.7% SC; Picoxystrobin 7.05% + Propiconazole 11.71% SC; Propiconazole 13.9% + Difenconazole 13.9% EC; Picoxystrobin 6.78% + Tricyclazole 20.33% SC; Fluxapyroxad 167 g/L + Pyraclostrobin 333 g/L) were evaluated on Arabica variety for the management of CLR in comparison with the standard fungicides (Hexaconazole 5% EC @ 2ml/L & Hexaconazole 75 WG @ 0.13gram/L). The results indicated that among the five new fungicide molecules evaluated, Pyraclostrobin 13.3% + Epoxyconazole 5% SE (2ml/L) showed least rust incidence (1.34%) followed by Hexaconazole 75% EC (2.73%), Hexaconazole 5% EC (4.52%). The leaf rust incidence ranged from 4.92% to 22.66% with the other new fungicide molecules evaluated.

Field evaluation of fifteen native bio-control agents for the management of stalk rot disease indicated that a consortium of *Trichoderma harzianum*, *Bacillus subtilis* and native bio-control agent (CRRB-BS-11/2) was found to be superior when compared to other native bio-control agents.

Evaluation of native bio-agents (*Bacillus subtilis* & *Trichoderma harzianum*) for the management of leaf spot disease indicated that foliar application and soil drenching of *Bacillus subtilis* and *Trichoderma harzianum* (10ml/L) consortium was found to be effective for the management of leaf spot disease.

### Division of Entomology

**Screening of Coffee Germplasm for the Sources of Pest Tolerance:** Long-term studies were initiated to determine the role of the secondary metabolite (i.e. super-oxide-dismutase) on Coffee white stem borer (CWSB) tolerance in four Coffee selections viz., S.4595 (an Arabica selection reported to exhibit tolerance against CWSB), Arabica selection No.13 (Chandaragiri), Arabica selection No.9 and Congensis Robusta. The interim results of the study revealed that the super-oxide-dismutase (SOD) activity was found to higher in the leaf samples as compared to the bark samples irrespective of Coffee varieties. Among the Coffee varieties, the SOD activity was found to be higher in the leaf samples of Congensis Robusta followed by S.4595.

**Screening of Coffee Germplasm for the Sources of Pest Tolerance:** Bio-chemical analysis of stem sample of different Arabica selections viz., S.4595, F1 of S. 4595, Cauvery and Chandragiri in comparison with Congensis Robusta (Robustas are resistance to CWSB) revealed that the holo-cellulose content was high in S.4595 (53%) followed by Congensis Robusta (51.5%), F1 progenies of S.4595 (51%), Cauvery (49.6%) and Chandragiri (49.4%).



### **Studies on the Chemical Ecology of CWSB:**

The efficacy of nano-pheromone received from National Bureau of Agriculturally Important Insect Resources, Bengaluru was installed at various locations (Coffee research stations and private estates) along with the standard pheromone. The results of the multi-locations field trail indicated that nano-pheromone at the rate of 75-mg attracted maximum adults (4.5 to 5.33/trap) as compared to 100-mg nano-pheromone (3.6 to 4.83/trap) and standard pheromone (1.4 to 4.8/trap).

Screening of Robusta accessions available in germplasm at the research farm of CCRI for the variability of resistance against shot hole borer (SHB) infestation was attempted. A total of sixty Robusta collections comprising of 13 exotic, 20 drought resistant (DR) and 27 Wayanad collections (WC) were observed for the variability for SHB infestation covering 422 plants. In the exotic collections, one plant each in S.4958, S.4959 and S.4961 collections were found to be free from SHB infestation. Among the Wayanad collections, one plant each in WC6 (S.5009), WC10 (S.5013), WC12 (S.5015) and two plants each in WC28 (S.5031), WC29 (S.5032) & WC6 (S.5009) were found to be free from SHB infestation. Regarding DR series, one plant each in S.4981, S.4984, S.4985, S.4988, S.4992, S.4995 and S.4996 were free from SHB incidence. These plants were marked for further observation.

Laboratory evaluation of new generation insecticides (Tetraniliprole 18.18 SC @ 0.5ml/L; Flubendiamide 90 + Deltamethrin 60 SC @ 0.5ml/L; Flubendiamide 19.92% + Thiacloprid 19.92% w/w SC @ 0.5ml/L;

Beta-Cyfluthrin + Imidacloprid 300 OD @ 1ml/L; Emamectin Benzoate 5SG @ 1gm/L & Lambda-cyhalothrin 5EC @ 2ml/L) against SHB pest was carried out. The results indicated that Beta-Cyfluthrin + Imidacloprid and Lambda-cyhalothrin produced 100% mortality of SHB adults at the entrance hole of the twigs (branch) followed by Flubendiamide 19.92% + Thiacloprid 19.92%. Data on the mortality of various developmental stages of SHB inside the twigs revealed Lambda-cyhalothrin 5EC recorded 48% mortality while Beta-Cyfluthrin + Imidacloprid 300 OD produce 33.23% mortality.

Studies on the exploration for natural enemies against the major pests of Coffee viz., CWSB, Coffee berry borer (CBB) and SHB revealed that the natural enemy found from the SHB infested twigs were *Tetrastichus* (belongs to Hymenoptera order & Eulophidae family) and *Asynapta* (belongs to Diptera order). Regarding CWSB, the natural enemy found in the CWSB infested stem was *Apenesia sahyadrica*. No natural enemies were found in the CBB infested berries during the period under reporting.

Under the DST sponsored project titled “**Impact of honeybees on Coffee production and quality improvement**”, bee visitation studies were carried out in Arabica (Chandragiri selection) and Robusta varieties on the day of blossom at the research farm in CCRI during March 2025. In Arabica, the most abundant bees visited were *Apis cerana* (49.75%) and *Tetragonula travancorica* (42.79%). While in Robusta, the most abundant bees visited were *Apis cerana* (43.02%), *A.dorsata* (4.19%), *A.florea* (0.134%), *Tetragonula*



## Annual Report 2024-2025

---

---

*travancorica* (43.58%), *Xylocopa sp.* (0.42%) and *Lassioglossus sp* (0.42 %).

A field study was undertaken to improve the trapping efficiency and longevity of the Broca lure with different concentrations of nano-formulation (NF) supplied by NBAIR, Bengaluru for the management of CBB. The trapping efficacy of i) standard Broca lure; ii) 0.5-gram NF + 5 ml methanol; iii) 0.5-gram NF + 5 ml Broca and iv) methanol alone was studied at the research farm in CCRI. The observations indicated that highest number of trappings was recorded for methanol alone (940.6 beetles/trap) followed by standard Broca lure (787.78 beetles/trap), 0.5-gram NF + 5 ml methanol (427.38 beetles/trap) and the least trapping was observed in 0.5-gram NF+5 ml Broca lure (423.9 beetles/trap).

Evaluation of an organic emulsion received from Spices Board (Idukki, Kerala) against CWSB indicated that the emulsion (without adding water) showed 25% egg mortality while emulsion at the concentrations of 15% and 20% showed 15% & 10% egg mortality respectively.

Field evaluation of sprayable lime along with the super spreader (which improves dispersion of lime) for the management of CWSB revealed that super spreader prevented clogging of lime while spraying (clogging of lime was observed in the sprayer without super spreader). Further, application of lime along with the super spreader prevented egg laying beyond 90 days from the date of spraying.

Entomopathogenic nematodes (*Heterorhabditis indica* and *Steinernema carpocapsae*) received from CPCRI (Kasaragod) and M/s. K. N. Bioscience, Bengaluru

(*Steinernema carpocapsae*) were evaluated for the management of root grubs. The results indicated that entomopathogenic nematodes at the recommended concentrations (i.e. 3 ml/kg soil supplied by CPCRI and 1-gram/kg soil supplied by K. N. Bioscience) showed no mortality of root grubs. Higher dosages of entomopathogenic nematodes will be attempted in the upcoming season.

Evaluation of new-generation pesticides (Dinotefuran 15% + Pymetrozine 45% WG @ 0.4 gram and Broflanilide 300 SC @ 0.2ml/L) against CWSB revealed that both the pesticides showed no effect on egg mortality and larval hatching of CWSB beetle.

### **Sub-component 1.4: Post Harvest Technology and Quality Improvement**

#### **Division of Post Harvest Technology**

Evaluation of a commercial Coffee bagging machine carried out at the research farm in CCRI for its performance in-terms of throughput capacity and collecting effectiveness indicated that the throughput capacity of Coffee bagging machine was found to be 3.0 MT Coffee samples per hour (both dry cherry & parchment Coffees) with the collecting effectiveness of 95%. The machine is powered with 5 HP four-stroke-petrol-engine and the fuel consumption is around 0.75 liter/hour.

Evaluation of a low-cost commercial mini-millet-dehuller machine carried out at the research farm in CCRI for its suitability to hull cherry and parchment Coffees indicated that the huller could hull 200 gram of parchment Coffee in 10 seconds with the hulling efficiency up to 92%. In case of cherry, the millet dehuller could hull 150 gram in 10 seconds with the



maximum hulling efficiency of 68%. The mini millet dehuller seems to be good for hulling dry parchment samples. Further improvisation is needed to improve the hulling efficiency of cherry Coffee.

The results of on-farm Coffee storage trial (with parchment and cherry samples of both Arabica and Robusta) conducted at the research farm in CCRI using different storage bags *viz.*, gunny bag, HDPE bag, nano-plastic-hermetic bag, gunny bag + nano-plastic-hermetic bag and HDPE bag + nano-plastic-hermetic bag revealed that the moisture content in Coffee samples stored in gunny bag, HDPE bag showed a continuous increase in moisture content exceeding 12%, while the moisture content in Coffee samples stored in hermetic bags maintained the moisture levels around 12% throughout the storage period. Regarding Coffee cup quality, the cup scores at the beginning of storage trial was to the tune of 76, 78, 64 and 68 for Arabica cherry, Arabica parchment, Robusta cherry and Robusta parchment respectively. However, as storage time increased, cup quality declined with the most significant deterioration occurring after 6 months. In Arabica cherry, scores dropped sharply in all the treatments: gunny bag (12.75), HDPE bag (67.25), hermetic bag alone (66.75), gunny bag + hermetic bag (69.25) and HDPE bag + hermetic bag (64.75). Similar observations were noticed for Arabica parchment, Robusta parchment and Robusta cherry samples. Overall, prolonged storage at on-farm level (over six months) negatively impacted the Coffee quality, irrespective of the types of storage bags.

Evaluation of solar tunnel dryer (STD) for the

third consecutive year (2022-2025) at the research farm in CCRI indicated that STD with electrical heater (EH) and dehumidifier (DH) reduced maximum drying time to the tune of 37% in Robusta parchment, 56% in Arabica parchment, 39% in Arabica cherry and 43% in Robusta cherry with an overall average reduction of 43.75%, as compared to sun drying. No significant differences were found in respect of cup quality scores between sun dried and solar tunnel dried Coffee samples.

The cherry yield (fresh cherries to dry cherry) and outturn percentage (dry cherry to clean Coffee) of eight tree Coffee samples processed at the research farm in CCRI revealed that that the yield ranged from 33% to 38% with an average of 35% while the outturn ranged from 32% to 43% with an average of 37%.

### Division of Coffee Quality Evaluation

A study was undertaken to evaluate the quality of Arabica Coffee collected from different altitudes in terms of caffeine, chlorogenic acid and sensory profile. Fifty Arabica Coffee samples were collected from different altitudes *viz.*, Araku Valley, Anamalais, Bababudangiris, Brahmaputra, Chikkamagaluru, Coorg, Nilgiris, Pulneys, Sheveroy and Travancore. Caffeine content varied from 0.74% to 1.05% and it decreased with increasing altitude. Chlorogenic acid content ranged from 1.93% to 2.84% with no significant differences between altitudes. Overall cupping score was 67% with no significant differences between altitudes. Caffeine content in roasted Coffee ranged from 0.88 to 1.24% while chlorogenic acid content was to the tune of 1.88% to 2.84%.

A study was undertaken to evaluate the quality



of Robusta Coffee collected from different altitudes in terms of caffeine, chlorogenic acid and sugar. Robusta Coffee samples were collected from Araku Valley, Anamalais, Brahmaputra, Chikkamagaluru, Manjarabad, Travancore and Wayanad Robusta. Coffee grown at higher altitude recorded comparatively lower caffeine content than those grown at lower altitude. Coffee grown at an altitude between 2,000 and 2,800 above MSL registered caffeine content to the tune of 1% to 1.5%, from 1.5% to 2% at altitude ranging from 800 to 1,100 above MSL and from 2% to 2.5% at altitude between 150 and 750 above MSL. Regarding chlorogenic acid content, Robusta Coffee grown at an altitude from 2,000 to 2800 above MSL recorded higher CGA content (10.5% to 11%), from 8.5% to 10.2% at altitude ranging from 800 to 1100 above MSL and from 6% to 8.5% at altitude ranging from 150-750 above MSL. The total sugar content in Robusta Coffee sample was to the tune of 3.5% to 4% at altitude ranging from 2,000 to 2800 above MSL, from 2.5% to 3.2% at altitude ranging from 800 to 1100 above MSL and 0.9% to 2.5% at altitude

ranging from 150 to 750 above MSL.

A study titled “Effect of roast profiles and grind size on extraction dynamics and volatile fingerprinting in Indian Coffee varieties” was undertaken in different types of roasted Coffees prepared from Arabica parchment, Arabica cherry, Robusta parchment, Robusta cherry and Monsooned Malabar. The results indicated that light and medium roasts consistently exhibited moderate extraction yields (19% to 21%) while dark roasted Coffees showed greater variability in extraction yield ranging from 17.8% (coarse grind) to 23% (fine grind). Arabica beans exhibited more fruity and floral volatile compound profile indicating that they release more of their aromatic compounds during extraction. While Robusta beans showed earthy characteristics. The Monsooned Malabar beans showed a more earthy and spicy profile even in light roasts. These results suggested that types of roasting, grind size and Coffee variety have greater influence on the extraction dynamics.

\*\*\*\*\*



## CHAPTER – V

### EXTENSION AND DEVELOPMENT

#### 1. Traditional Area

The traditional Coffee growing areas consist of three southern states viz., Karnataka, Kerala and Tamil Nadu. The total planted area under Coffee in Traditional Areas is 3,71,662 Ha., which accounts for 75.69% of the total area of 4,91,002 Ha. in the country. The number of holdings in Traditional Areas are 1,78,473

which account for around 40.31% of the total number of 4,42,753 holdings in the country.

#### 1.1. Area under Coffee in Traditional Area

The details of planted area, bearing area under Coffee and number of holdings for 2024-25 in the three traditional Coffee growing states are as under:

#### Planted Area, Bearing Area, No. of holdings in Traditional Area

	Planted Area (Ha.)			Bearing Area (Ha.)			No. of Holdings		
	Arab.	Rob.	Total	Arab.	Rob.	Total	<10 ha.	>10 ha.	Total
Karnataka	105442	143957	<b>249399</b>	100861	137596	<b>238457</b>	80071	2211	<b>82282</b>
Kerala	4238	81719	<b>85957</b>	3957	81087	<b>85044</b>	77584	277	<b>77861</b>
Tamil Nadu	30034	6272	<b>36306</b>	27742	5944	<b>33686</b>	17985	345	<b>18330</b>
<b>Total</b>	<b>139714</b>	<b>231948</b>	<b>371662</b>	<b>132560</b>	<b>224627</b>	<b>357187</b>	<b>175640</b>	<b>2833</b>	<b>178473</b>

#### 1.2. Weather Conditions and Crop Production for 2024-25

During the year 2024, the summer was hot and dry with high temperature. The receipt of blossom and backing showers was delayed but satisfactory in all the Coffee growing tracts of the Traditional Areas, followed by normal weather condition, which helped in establishment of new clearings & retention of general soil moisture in Coffee plantations. Growers, who had the facility to offer overhead irrigation, provided blossom and backing irrigation to Robusta for assured crop setting.

The Southwest monsoon has set in during the first week of June, 2024 with feeble note and gained its momentum during July and was intermittent during August - September month. The rainfall received during current monsoon period was around 10% to 50% excess, when compared to the corresponding period of 2023 in traditional areas. However, the showers received during the month of July helped in rejuvenation of tanks & streams and recharging of Borewells. Overall, the monsoon helped in maintaining the soil moisture and vegetative growth. There were no substantial crop loss, flooding and landslides during the reporting year.



## Annual Report 2024-2025

Northeast monsoon has set in during the first fortnight of October and continued to be active throughout the season with moderate to high wind velocity. Further, the showers received during the month of December slightly hampered the harvesting and processing of Coffee leading to quality deterioration to some extent. Overall, the seasonal conditions

prevailed during 2024-25 was favorable for the general health and vigor of plants and crop.

The Final Crop estimates in respect of Traditional Coffee growing areas for the season 2024-25 was placed at 3,48,225 tonnes comprising 90,550 tonnes of Arabica and 2,57,675 tonnes of Robusta. The state-wise details are as under:

### Estimates of Coffee Production in Traditional Area (2024-25)

State	Production Estimates (Tonnes)		
	Arabica	Robusta	Total
Karnataka	74,700	1,81,300	2,56,000
Kerala	2,000	70,950	72,950
Tamil Nadu	13,850	5,425	19,275
<b>Total</b>	<b>90,550</b>	<b>2,57,675</b>	<b>3,48,225</b>

### 1.3. Pests and Diseases

The incidence of White Stem Borer, which is a major pest on Arabica, was generally low to medium in low rainfall areas and endemic areas. The incidence of Coffee Berry Borer was also low to medium in most of the Coffee growing regions.

The incidence of other pests like Shot Hole Borer on Robusta and sucking pests was at low level in general. Further, the incidence of Giant African Snail (GAS) was low in the Coffee tracts.

Among the diseases, the incidence of Coffee leaf rust, a major disease on Arabica was at low to medium level. Low to Medium incidence of black rot, stalk rot, die back and root diseases were noticed in endemic patches of medium - high rainfall areas.

In general, necessary remedial measures were advocated as and when required to manage the pests and diseases under check.

### 1.4. Extension Activities

The Extension Offices are under the administrative control of the Director of Research, Coffee Board. The Director of Research, Coffee Board supervises the implementation of Development Support Schemes. The Joint Director (Extension) at Hassan supervises the extension / development activities of the four Deputy Directors of Extension, seven Senior Liaison Officers and all the Junior Liaison Officers in Karnataka. The Joint Director (Extension), Kalpetta supervises the extension activities of the two Deputy Directors of Extension, eight Senior Liaison Officers and all the Junior Liaison Officers in Kerala and Tamil Nadu.

The Extension Personnel of the Board continued to build close rapport with the Coffee growers for transfer of technology and to improve the knowledge and skills on scientific method of Coffee cultivation. Various individual and group extension approaches



and tools were employed for transfer of technology to the growers in general and small growers in particular, besides providing development support for improving the production, productivity and quality of Coffee.

The focused approaches employed and the activities carried out during the period included selection of model estate for conducting method demonstrations / on-farm demonstrations to improve the skills of carrying out operations effectively, advisory through print/ electronic/ social media, organizing village level / group meetings and seminars and other training programmes in order to improve the knowledge and skill levels of Coffee growers and workers.

Coffee Board is implementing next-level technology-enabled extension service - "Coffee Krishi Tharanga" - an IVRS based mobile phone advisory service to Coffee farmers to disseminate advisories on Coffee production technology, weather and price related information.

Coffee Board has developed new integrated one stop Mobile app '*India Coffee App*' for extending all the information, services and products of the Coffee Board to all the actors in the Coffee value chain. The app is offering products, services and information of the Coffee Board to the stakeholders. Further, Coffee Board has integrated a mechanism in "*India Coffee App*" to generate the polygon/geolocation of the Coffee estates by the farmers on their own to meet the EU Regulation on Deforestation-free Products (EUDR) compliances.

The Extension Personnel also carried out activities viz., crop loss survey during natural calamity, periodical assessment of crops, monitoring & management of pest and disease incidence, procurement and distribution of seed Coffee.

The details of various extension activities carried out during the year 2024-25 are as under:

<b>Sl. No.</b>	<b>Activities</b>	<b>Achievement (Nos.)</b>
1	Estate Visits / Estate visit for profiling in Coffee Connect App	21554
2	Selection of Model Estates	150
3	Field Demonstrations	1199
4	Village level meetings	151
5	Seminars	12
6	Capacity Building Programmes on Coffee cultivation at TECs	59
7	Advisory	
	a) Print Media	52
	b) Electronic Media (Radio talks / TV programme)	5
	c) Social media	867
8	Exposure visits	15
9	Farmers Field School (FFS) & No. of FFS Trainings	87
10	Vocational training programme for women workers/ growers	13



## Annual Report 2024-2025

### 1.5. Technology Evaluation Centres (TECs)

Ten Technology Evaluation Centers (TECs) of the Board located in different agro climatic zones of traditional areas continued to function for carrying out timely cultural operations as

per the annual action plan drawn for each TEC for improving production and productivity. These TECs continued to serve as centers for evaluating the performance of various plant materials by adopting region / location specific agronomic package of practices as training centres and as seed production centres.

#### Details of Technology Evaluation Centres (2024-25)

Name of the TEC	Year of commencement	Planted Area in Ha.			Bearing Area in Ha.			Production (kgs.)		Productivity (kg/ha)		
		Ar.	Rob.	Total	Ar.	Rob.	Total	Ar.	Rob.	Ar.	Rob.	
<b>Karnataka</b>												
1	Arasinaguppe, Chikkamagaluru	1980	6.50	0.00	6.50	6.50	0.00	6.50	2030	0	504	0
2	Hesgal, Mudigere	1977	8.83	0.42	9.25	8.83	0.42	9.25	2250	250	262	550
3	Matasagara, Sakaleshpur	1959	5.23	1.25	6.48	4.53	1.25	5.78	1195	1546	264	1237
4	Gonikoppal	1958	0.00	10.56	10.56	0.00	10.56	10.56	17	8114	2	768
<b>Kerala</b>												
1	Kalpetta	1958	0.07	7.13	7.20	0.07	6.93	7.00	40	2,200	571	317
2	Mananthavady	1979	0.50	8.30	8.80	0.50	8.18	8.68	40	3,650	80	446
3	Vazhavara	1998	0.60	1.94	2.54	0.60	1.94	2.54	350	1,710	583	983
<b>Tamil Nadu</b>												
1	Gudalur	1985	2.13	3.44	5.57	1.73	3.44	5.17	496	1864	287	542
2	Bodinayakanur	1983	5.65	0.00	5.65	3.50	0.00	3.50	1503	0	350	0
3	Yercaud	1986	10.00	0.00	10.00	10.0	0.00	10.00	4800	0	578	0

### 1.6. Development Support for Coffee in Traditional Areas

The Extension Personnel of the Board carried out the works of registration, investigation, processing of subsidy applications / claims and disbursement of subsidy for effective

implementation of the development support scheme. Subsidy was extended to the Coffee growers in traditional areas for carrying out re-plantation, water augmentation and Quality Upgradation activities for improving production, productivity and quality of Coffee.

#### Development Support achievements during 2024-25

Sl. No.	Component / Activity	No. of Beneficiaries/ No. of Units	Area benefited in Ha.
1	Replantation	1185	841.1
2	Water Augmentation	1885 / 1885	5789.0
3	Quality Upgradation	3203 / 3210	6695.0
4	Mechanisation	56/74	197.9



## 2. Non-Traditional Area [NTA] - (Andhra Pradesh & Odisha)

Coffee Board conducted a Techno-Feasibility Survey in the early 1950's to identify areas suitable for Coffee cultivation in the states of Andhra Pradesh (AP) and Odisha. Based on the recommendation in the survey report, the Forest Department of AP first started commercial Coffee cultivation in the Agency areas of Visakhapatnam in 1961. These plantations were later handed over to Andhra Pradesh Forest Development Corporation Ltd. (APFDC) for maintenance. In 1976, the

Integrated Tribal Development Agency (ITDA) introduced Coffee as a development initiative for tribal groups to stop the practice of 'Podu' or shifting cultivation. Realizing the potential of Coffee farming in non-traditional area, Coffee Board executed its support for Coffee development in Andhra Pradesh and Odisha from IX five year plan onwards.

### 2.1. Distribution of Area in NTA

The details of area under Coffee and the number of holdings in Andhra Pradesh and Odisha are as under:

#### Planted Area, Bearing Area and No. of holdings in Non-Traditional Area

Liaison zone	Planted Area (Ha.)			Bearing Area (Ha.)			No. of Holdings		
	Ar.	Rob.	Total	Ar.	Rob.	Total	< 10Ha	>10Ha	Total
<b>Andhra Pradesh</b>									
Minumuluru	46089	1	<b>46090</b>	38287.01	1.02	<b>38288.03</b>	119636	2	<b>119638</b>
Chintapalli(E & W)	41870	234	<b>42104</b>	34947.60	234.17	<b>35181.77</b>	79261	3	<b>79264</b>
Araku Valley	19169	0	<b>19169</b>	15489.06	0.00	<b>15489.06</b>	46897	1	<b>46898</b>
<b>Total Andhra Pradesh</b>	<b>107128</b>	<b>235</b>	<b>107363</b>	<b>88723.67</b>	<b>235.19</b>	<b>88958.86</b>	<b>245794</b>	<b>6</b>	<b>245800</b>
<b>Odisha</b>	5335	0	<b>5335</b>	5335.43	0	<b>5335.43</b>	6423	19	<b>6442</b>
<b>Chhattisgarh*</b>	8	0	<b>8</b>	8	0	<b>8</b>	1	0	<b>1</b>
<b>Grand Total</b>	<b>112471</b>	<b>235</b>	<b>112706</b>	<b>94067.10</b>	<b>235.19</b>	<b>94302.29</b>	<b>252218</b>	<b>25</b>	<b>252243</b>

\*Darbha Block, Bastar District, Chhattisgarh has taken up Coffee in 2018-19 under CHRS, Jagadapur, CG (IGAU, Raipur)

### 2.2. Weather Conditions and Crop Production

In Andhra Pradesh, the weather was satisfactory and congenial for development of Coffee during 2024-25. Showers received during second fortnight of April, 2024 served as blossom / blacking showers helping in

good crop set. The Southwest monsoon was commenced during first fortnight of June, 2024 and was active up to September, 2024. Further, during Northeast Monsoon period, during the first week of December, zone has received a quantum of 50.8mm in three days due to Fengal Cyclone effect.



## Annual Report 2024-2025

In Odisha, light showers were received during March, 2024, initiated the bud movement and later showers received during April, 2024 served as blossom and backing showers in most of the Coffee growing areas. Further, the Southwest monsoon commenced from 27<sup>th</sup> of June, 2024 and continued up to October, 2024.

These showers were helpful for development of vegetative growth as well as maintaining the soil moisture status favoring the development of Coffee berries, vegetative growth and cropping wood for next year. The distribution of rainfall was satisfactory throughout the season.

Considering the overall situation, the final crop estimates for 2024-25 season was placed at 15,100 MT comprising 15,060 MT of Arabica and 40 MT of Robusta.

### 2.3. Pests and Diseases

In Andhra Pradesh and Odisha, no major outbreak of pests and diseases was reported during the year 2024-25. Regular advisories were rendered through all possible means to sensitize the Coffee growers on the management practices for effective control of pests and diseases.

### 2.4. Extension Activities

The extension activities undertaken by the Extension Personnel of Andhra Pradesh and Odisha focused on transfer of technology

through contact and follow-up visits to Coffee holdings, conducting field demonstrations, group discussions, issue of advisory letters etc., for improvement in production, productivity and quality of Coffee in the tribal sector.

The details of various extension activities carried out in Non-Traditional Areas during the year **2024-25** are as under:

Sl. No.	Activities	Achievement (Nos.)
1	Estate visits	4587
2	Method demonstration	999
3	Village level workshops	48
4	Capacity Building Programmes at TECs	30
5	Exposure visits	26
6	Quality awareness programme	22
7	Study tour	3

### 2.5. Technology Evaluation Centres (TECs)

There are two Technology Evaluation Centres (TECs) functioning in NTA, one at Minumuluru (Andhra Pradesh) and another at Koraput (Odisha). These farms continued to serve as Demonstration cum Training Centres apart from seed production centres for quality seed Coffee.

Name of the TEC	Year of commencement	Planted Area in Ha.			Bearing Area in Ha.			Production (kgs.)		Productivity (kg/ha)	
		Ar.	Rob.	Total	Ar.	Rob.	Total	Ar.	Rob.	Ar.	Rob.
<b>Andhra Pradesh</b>											
TEC Minumuluru	1971	8.15	0.52	8.67	7.55	0.52	8.07	2324	477	308	917
TEC Koraput	1978	9.99	0.55	10.54	9.99	0.55	10.54	5186	116	548	211



## 2.6. Mini Coffee Curing Works

The Mini Coffee Curing Works established at Chintapalli in Andhra Pradesh during 2004-05 continued to process raw Coffee of the **tribal growers** of Andhra Pradesh and Odisha. During 2024-25, a quantity of 8,724.10 kgs of Coffee was cured.

## 2.7. Coffee Development programme in Non-Traditional Area

The physical achievement under different subsidy schemes implemented in NTA for the year 2024-25 is furnished below:

### Achievement under Coffee Development Programme during 2024-25

Activities	Beneficiaries / Area / Units
Coffee Expansion (Beneficiaries/Area in Ha.)	--
Consolidation (Beneficiaries / Area in Ha.)	--
Replantation (Beneficiaries / Area in Ha.)	9 / 17.4 ha.
Water Augmentation (No. of Beneficiaries / units)	2 / 2
<b>Quality up-gradation</b>	
a) Drying yard (No. of Beneficiaries / units)	2197 / 2197
b) Baby pulpers (No. of Beneficiaries / units)	423 / 423
<b>Eco-certification</b> (No. of Beneficiaries / units)	2 / 2

## 3. North Eastern Region (NER)

Coffee was introduced in Cachar district of Assam in the year 1953. The Coffee expansion programme was initially taken up by the Corporations / Departments of the various states of North Eastern Region. As cultivation of Coffee was encouraging, Coffee Board undertook a comprehensive survey during 1982-1990 and identified suitable

areas for Coffee cultivation in different states of NER. Thereafter, the Board involved directly in the implementation of Coffee development programmes from IX Plan period (1997-2002) onwards.

### 3.1. Distribution of Area

The details of area under Coffee and number of holdings in North Eastern States are as follows:

**Planted Area, Bearing Area and No. of holdings in North Eastern Region**

Sl. No.	Liaison Zone/State	Planted Area (Ha)			Bearing Area (Ha)			No. of Holdings		
		Arabica	Robusta	Total	Arabica	Robusta	Total	<10Ha	>10Ha	Total
1	Arunachal Pradesh	7.00	572.75	579.75	0.00	312.00	312.00	704	2	706
2	Assam	369.48	280.62	650.10	148.43	98.15	246.58	1555	1	1556
3	Manipur	188.60	38.60	227.20	14.05	0.00	14.05	331	0	331
4	Meghalaya	296.15	1158.27	1454.42	164.59	288.62	453.21	3017	0	3017
5	Mizoram	1433.35	75.85	1509.20	376.22	14.00	390.22	2427	1	2428
6	Nagaland	1502.67	226.25	1728.92	510.00	31.00	541.00	3119	0	3119
7	Tripura	150.35	334.60	484.95	132.80	54.05	186.85	880	0	880
	<b>Grand Total</b>	<b>3947.60</b>	<b>2686.94</b>	<b>6634.54</b>	<b>1346.09</b>	<b>797.82</b>	<b>2143.91</b>	<b>12033</b>	<b>4</b>	<b>12037</b>

**3.2. Weather conditions and Crop Production**

The general climate in North Eastern States is mostly tropical and subtropical with distinct features experiencing long days, high rainfall, change in diurnal temperature etc.

The rain received during the April – June helped for blossom & backing apart from establishment of young plants and retention of soil moisture status. During July – September, the weather was favorable for growth and development of berries as well as flush formation. Weather condition during the October - December was helpful for maturation and ripening of berries.

The Final crop estimates for 2024-25 season is placed at 175 MT comprising 90 MT of Arabica and 85 MT of Robusta.

**3.3. Pests and Diseases**

In general, no major incidence of pest and disease was observed in the Coffee estates of North East Region except low incidence of white stem borer in Kumarghat and sporadic incidence of Coffee Leaf rust incidence in some pockets of Kolasib liaison zone.

**3.4. Extension Activities**

The extension activities undertaken by the Extension Personnel, focused on transfer of technology through contact and follow-up visits to Coffee holdings, conducting field demonstrations, group discussions, Quality awareness campaigns etc. for improvement in production, productivity and quality of Coffee in the tribal sector.

**Activities carried out in North East Region during 2024-25**

Sl. No.	Activities	Achievement (Nos.)
1	Estate visits	3773
2	Field demonstration	2533
3	Group meetings / seminars	222
4	Capacity Building Programmes at TECs	2
5	Quality awareness campaigns	37
6	On-farm training	74
7	Study Tours – Internal	6
8	Advisory letters	1797



### 3.5. Technology Evaluation Centres (TECs)

Four Technology Evaluation Centers continued to function in North Eastern Region at Deomali (Arunachal Pradesh), Haflong (N.C. Hills,

Assam), Bualpui (Mizoram) and Tulakona (Agartala, Tripura). The TEC, Bualpui in Mizoram continued to serve as demonstration cum training centre apart from seed production centre.

Name of the TEC	Year of commencement	Planted Area in Ha.			Bearing Area in Ha.			Production (kgs.) (Post-blossom)		Productivity (kg/ha)	
		Ar.	Rob.	Total	Ar.	Rob.	Total	Ar.	Rob.	Ar.	Rob.
<b>North Eastern Region</b>											
Deomali	1983	0.00	13.00	13.00	0.00	13.00	13.00	0.0	6000	0.00	462.00
Haflong	1980	2.98	6.62	9.60	2.08	4.40	6.48	500	1000	240.30	227.20
Bualpui	1988	10.50	0.00	10.50	8.40	0.00	8.40	2500	0	297.60	0.00
Tulakona	1986	0.00	8.40	8.40	0.00	8.00	8.00	0.0	250	0.00	31.25

### 3.6. Support under Coffee Development Programme in North Eastern Region

During the year, the Board extended financial support for various activities viz., Expansion, Consolidation and Quality Up-gradation under

Coffee Development Programme in North Eastern Region with an overall objective of improving the production and quality of Coffee. The physical achievement with regard to support extended for different activities in NER during the year are furnished below:

Activities	Beneficiaries / Area / Units
Coffee Expansion (No. of Beneficiaries / area in Ha.)	1282 / 540.67
Consolidation of Coffee (No. of Beneficiaries / area in Ha.)	41 / 22.2
Water Augmentation (No. of Beneficiaries / Units)	55/ 55
Drying Yard (No. of Beneficiaries / Units)	208 / 208
Group Nursery (Nos. / No. of seedlings)	15 / 11,87,883

In addition to financial support extended for activities as indicated above, the Board also supported for raising and supply of Coffee seedlings and shade tree saplings through group nurseries to facilitate the Coffee expansion and consolidation activities.

### 3.7. Mini Coffee Curing Works

The Mini Coffee Curing Works established by the Board at Bualpui continued to process the raw Coffee produced from growers of Mizoram and Tripura states.



## Annual Report 2024-2025

---

---

### 4. Capacity Building for Stakeholders

During the period under report, various training programmes were conducted as a part of the capacity building for stakeholders of Coffee industry as detailed below:

- About 794 Nos. training and skill building programmes on various aspects of Coffee cultivation was conducted for the

benefit of Coffee growers, estate workers and supervisory staff at the Technology Evaluation Centres of Coffee Board.

- Thirteen Vocational Training Programmes for women were conducted for the benefit of 277 women growers / workers in association with Krishi Vigyan Kendras of Agricultural Universities / ICAR.

\*\*\*\*\*



## CHAPTER - VI

### MARKET DEVELOPMENT AND SUPPORT FOR PROCESSING

In order to enhance domestic Coffee consumption and develop a robust domestic Coffee market with the aim of offering better returns to growers, especially small growers during periods of low international prices and to create opportunities for value addition, the Government of India approved the following two components.

- A. Domestic Coffee Promotion
- B. Support for Value Addition

#### A. Domestic Coffee Promotion

The Coffee Board consistently participates in reputed domestic exhibitions held in various parts of the country, showcasing different grades of Coffee, Coffee samples from all growing regions, specialty Coffees and literature on Indian Coffee. It also spreads awareness among the public about the

benefits of Coffee consumption through publicity materials and serves pure Coffee to visitors.

During the year 2024-25, Coffee Board took part in various Expos across the country to promote Coffee consumption through consumer awareness and education on the positive effects of Coffee on human health. During these events, demonstrations were also conducted on how to prepare a good cup of Coffee, along with creating awareness about career opportunities in the Coffee sector.

In addition to the above, Coffee Board continued its efforts to promote Coffee consumption through India Coffee Houses and India Coffee Centres by selling pure and high-quality Indian Coffees at various locations in the country. At present, eleven such units are operational across the country.

#### Details of Domestic Events Participation during the Year 2024-25

Sl. No.	Event and Venue	Date
1	Restaurant India Restaurant Awards, Bengaluru, Karnataka	1 <sup>st</sup> May, 2024
2	Annapoorna Inter Food, IICC, Yashobhoomi, Dwarka, NCR-New Delhi	05-07 June, 2024
3	25 <sup>th</sup> International Conference on Environment Management & Climate Change, Bengaluru, Karnataka	27-28 June, 2024
4	Government Achievements & Schemes, Food & Technology Expo, Bharat Mandapam, Pragati Maidan, New Delhi	20-22 July, 2024
5	32 <sup>nd</sup> International Conference of Agricultural Economists (ICAE), ICAR-IARI Campus, NASC, New Delhi	02-07 August, 2024



<b>Sl. No.</b>	<b>Event and Venue</b>	<b>Date</b>
6	International Conference on Human Elephant Conflict Management (ICHECM) 2024, Bengaluru, Karnataka	12 <sup>th</sup> August, 2024
7	EXIM Conference by CII, Kolkata, West Bengal	20 <sup>th</sup> August, 2024
8	Malenadu Mahotsava, Chikkamagaluru, Karnataka	23-25 August, 2024
9	Anuga Select-India-2024, Mumbai, Maharashtra	28-30 August, 2024
10	The Indian Coffee Festival, Hyderabad, Telangana	13-15 September, 2024
11	World Food India-2024, Bharat Mandapam, Pragati Maidan, New Delhi	19-22 September, 2024
12	International Coffee Day 2024, Mysuru, Karnataka	1 <sup>st</sup> October, 2024
13	World Tea & Coffee Expo 2024, Mumbai	23-25 October, 2024
14	Krishimela @ GKV, Bengaluru, Karnataka	14-17 November, 2024
15	Krishimela, Coorg, Karnataka	26 <sup>th</sup> November, 2024
16	Growers Convention and Annual General Body Meeting of Karnataka Growers' Federation (KGF), Sakaleshpura, Karnataka	23 <sup>rd</sup> December, 2024
17	State-Level Chikmagalur Gowditiyara Premier League (CGPL), Chikkamagaluru, Karnataka	28-29 December, 2024
18	National Seminar on "Harnessing Plantation Sector for Sustainable Development Goals", Kasaragod, Kerala	03-05 January, 2025
19	Regional Official Language Conference for South and South East Region, Mysuru, Karnataka	4 <sup>th</sup> January, 2025
20	Indus Food, Greater Noida NCR	08-10 January, 2025
21	Indus Food Manufacturing, IICC, Yashobhoomi, Dwarka, NCR-New Delhi	09-11 January, 2025
22	National Conference on "Seed Chain Management in Eastern & North Eastern Hill Region: Challenges & Opportunities", Bhubaneshwar, Odisha	21-22 January, 2025



Sl. No.	Event and Venue	Date
23	51 <sup>st</sup> Karbi Youth Festival 2025, Taralangso, Diphu, Karbi Anglong, Assam	15-19 February, 2025
24	Karnataka International Travel Expo (KITE) 2025, BIEC Bengaluru, Karnataka	26-28 February, 2025
25	Aahar-2025, Bharat Mandapam, Pragati Maidan, New Delhi	04-08 March, 2025
26	Krishimela 2025, Balehonnur, Karnataka	11 <sup>th</sup> March, 2025
27	Coffee Santhe 2025, Bengaluru, Karnataka	21-23 March, 2025
28	Navonmesh 2025, RNTU, Bhopal, Madhya Pradesh	25-26 March, 2025

Emphasis has also been placed on promoting Coffee through digital media, highlighting the strengths of Indian Coffee such as being eco-friendly, shade-grown, and sustainable, while popularizing Coffee as a preferred beverage among the youth.

### B. Support for Value Addition

Under the “Support to Value Addition/Support for R & G Units” component of ICDP, subsidy was extended to five Coffee roasting units (amount disbursed – ₹60,70,620/-) and under the “Support to Curing Works” component of ICDP, subsidy was extended to four Coffee curing works (amount disbursed – ₹37,15,458) during the year.

A total of 166 moisture meters received from 150 stakeholders were calibrated at the Analytical Laboratory, Bengaluru and issued calibration reports to the concerned. Further, 109 Coffee samples received from thirty-eight stakeholders were tested for various phyto-sanitary & nutritional parameters and the analysis reports were issued to the concerned stakeholders.

Coffee Board organized five “Kaapi Shastra” training programmes on “Roasting-Brewing-Packaging-Coffee Retailing” at Bengaluru during the year under reporting covering 136 participants.

Coffee Board organized thirty-five “Barista Training Programmes” at different parts of India (Visakhapatnam, Odisha, Maharashtra, Kolkata, Nagaland, Mysuru, Shillong, Hyderabad, Gujarat, Telangana & Goa) for the benefit of individuals interested in Coffee making and café management to improve their barista skills. A total of 450 participants attended the Barista training programmes.

Fifteen students of the 2023-24 batch of the PG Diploma in Coffee Quality Management System have successfully completed the course. Fifteen students who joined the course during 2024-25 batch have completed 1<sup>st</sup> trimester at CCRI, Chikkamagaluru and currently undergoing 2<sup>nd</sup> trimester at Coffee Quality Evaluation Division in Bengaluru.

Coffee Board organizes “Know Your Kaapi (KYK)” competition every year which is a



## Annual Report 2024-2025

---

---

special cup quality evaluation programme and conducted with an objective of helping growers to understand the quality of Coffee they produce. In 2024-25, a total of 670 samples received from different Coffee growing regions were analyzed for cup quality. The winners of the KYK-2024 are as follows:

- Best Washed Arabica - Shri Lakari Venkat Rao, Asarada, Chintapalli, Andhra Pradesh.
- Best Arabica Naturals - Shri M.K. Lingappa & Shri M.T. Jagadish, Sirangalli Community Project, The South India Coffee Company, Suntikoppa, Karnataka
- Best Arabica Experimental - Shri Sambeet Kumar Panda, Koraput A-1 Coffee, Koraput, Odisha
- Best Washed Robusta - M/s. Elkhill Estates, Orange County Resorts & Hotels Ltd., Siddapur, Kodagu district, Karnataka
- Best Robusta Naturals - Shri Jacob Mammen, Badra Balehonnur, Balehonnuru, Chikkamagaluru, Karnataka
- Best Robusta Experimental - TEC, Coffee Board, Kalpetta, Wayanad, Kerala
- Best Alternative Species - Shri Manoj Sam & Smt. Mercy Manoj, Peniel (H), Kallar Anaviratty Village, Idukki, Kerala.

Coffee Board organized the 2<sup>nd</sup> edition of National Latte Art Championship-2024 in association with M/s. Kappi Machine India Pvt. Ltd. Out of 118 participants contested, Shri. Mohammed Afsar won the championship and represented India at the World of Coffee held at Copenhagen in Denmark from 27<sup>th</sup> to 29<sup>th</sup> June, 2024.

Coffee Board organized 23<sup>rd</sup> National Barista Championship (NBC) for the year 2024 in association with Specialty Coffee Association of India (SCAI). Out of 79 Baristas participated, Shri Suhas Dwarakanth from M/s. Benki Brewing Tools won the championship and will represent India in the World Barista Championship 2025, to be held at Host Milano from 17<sup>th</sup> to 21<sup>st</sup> October, 2025.

Coffee Board organized the National Brewers Cup Championship (NBrC) in association with Specialty Coffee Association of India (SCAI). Out of 64 participants, Shri Siddhant Mithari won the championship.

The Coffee in Good Spirits (CIGS) competition was organized for the first time in India by the Specialty Coffee Association of India with the support of Coffee Board. Out of 14 participants who participated, Shri Nithin Bhishma won the championship.

The Indian Filter Coffee Championship (IFCC) was organized for the first time in India by the Specialty Coffee Association of India with the support of Coffee Board. Out of 46 participants attended, Shri Harish won the championship.

With the aim to protect and promote the unique Regional & Specialty Coffees of India, the Coffee Board has obtained Geographical Indications (GIs) registration for seven Coffees. Further, the Coffee Board is extending the facility of Authorized User Registration (AUR) of these GI tagged Coffees to various stakeholders. In this direction, five applications received from the stakeholders (Coorg Arabica Coffee -2; Bababudangiri Arabica Coffee-1; Chikkamagaluru Arabica Coffee-1; Wayanad Robusta Coffee-1) were processed and the



## Annual Report 2024-2025

---

---

NoC sent to GI Registry for further processing. Further, a new application for “Shevaroy’s Arabica Coffee” under Geographical indication was submitted to GI Registry and received the Formality Check Report (FCR) from the GI Registry.

The Coffee Quality division (sensory & roasting laboratory and analytical laboratories) has

been accredited by NABL in accordance with the standard “ISO/IEC 17025:2017: General Requirements for the Competence of Testing & Calibration Laboratories” for its facilities at Coffee Board, Bengaluru, Karnataka in the field of Testing vide Certificate No. TC-13594 and valid from 3<sup>rd</sup> May, 2024 to 2<sup>nd</sup> May, 2026).

\*\*\*\*\*



## CHAPTER – VII

### EXPORT PROMOTION

#### Exporter Registration and Renewal

The total number of exporters registered with Coffee Board as on 31<sup>st</sup> March 2025 were 2,547 as against 2,265 on 31<sup>st</sup> March, 2024. This includes 245 new registrations and 37 renewals of registrations made during the year 2024-25.

#### Export Permits and ICO Certificate of Origin

The Coffee Board issues Export Permits under Section 20 of the Coffee Act for the export of Coffee. Further, in accordance with Article 33 of the International Coffee Agreement (ICA) 2007, the Coffee Board issues Certificates of Origin for Coffee exports to the registered exporters.

#### Exports: E- Permit System

Export Permits and ICO Certificates of Origin are issued based on online applications submitted through the Coffee Board's portal <https://coffeeboard.gov.in/permit>. The facility for online filing of export permits and submission of returns confirming exports has been extended to all registered exporters of both Indian and re-exported Coffee through the provision of individual User IDs and Passwords.

During the year 2024–25, the Coffee Board issued a total of 12,927 Export Permits and International Coffee Organization (ICO) Certificates of Origin to 310 registered exporters, as compared to 12,984 export permits issued during 2023–24. Out of the

total permits issued in 2024-25, 10,471 were for the export of Indian origin Coffee, while 2,456 were issued for the re-export of imported Coffee after undergoing value addition in India.

#### Interactions with Exporters

Meetings with Coffee exporters, exporters' associations, Specialty Coffee Association and line departments were held during the year to deliberate on key issues and strategies for boosting the Coffee exports. The discussions focused on addressing various stakeholder concerns related to the Export Promotion Scheme, participation in virtual international events and trade fairs, quality improvement measures and provision of transit/freight assistance. All relevant issues emerging from these deliberations were duly taken up with the Ministry of Commerce & Industry and concerned line departments for necessary intervention and support.

#### Reports and Returns

Periodical reports and returns on Coffee exports were generated and furnished to the Ministry of Commerce & Industry and the International Coffee Organization (ICO). In addition, relevant export-related information was disseminated to the exporting community to facilitate their trade activities.

The major reports and returns generated during the year included:

- a. Daily report on export performance.
- b. Monthly report to the Ministry.



- c. Monthly report to the ICO on volume and value of Coffee exports by destination, based on preliminary export data.
- d. Monthly statistical data to the ICO regarding Certificates of Origin issued for exports of Coffee from India.

In addition to the above, analytical reports such as exporter-wise, country-wise and type- and grade-wise export data were also generated for monitoring and policy support purposes.

### Exportable Types & Grades of Coffee

The details of exportable Types & Grades of Coffee identified by the Coffee Board according to the Coffee Quality improvement program of International Coffee Organization (ICO) vide the Resolution No.420 and subsequent modification in the existing standards of Monsooned Coffee as circulated vide MAR/EXP/ 33. B / 2010- 11/ 790 dated 18/08/2010 are as under:

### Exportable Types and Grades of Coffee

Type	Premium Grades	Commercial Grades	Specialty Coffee
Green Coffee Arabica Parchment (Plantation) (Washed Arabica )	PB Bold AA	PB, A,B, C* Bulk	Mysore Nuggets EB
Arabica Cherry (Unwashed Arabica )	PB Bold, AA, A.	PB, AB., C** Bulk***	Monsooned Malabar- AAA Monsooned Malabar- AA Monsooned Malabar-A Monsooned Malabar Arabica Triage#
Robusta Parchment (Washed Robusta)	PB Bold, A	PB, AB, C Bulk	Robusta Kaapi Royale
Robusta Cherry (Unwashed Robusta )	PB Bold, AAA, AA, A	PB, AB, C, Bulk,Clean Bulk	Monsooned Malabar Robusta- AA Monsooned Malabar Robusta Triage#
Miscellaneous grades Liberia Excelsia		Bulk## Bulk##	
Instant Coffee			
Roasted Coffee Seeds			
Roasted & Ground Coffee			

\* Exception is available for Plantation-C as indicated in the description of equivalent given in the footnote of the ICO Resolution 407/420.

\*\* Arabica Cherry 'C' should be free from Blacks, Browns and Bits.

\*\*\* Arabica Cherry Bulk should contain less than 10% Blacks, Browns and Bits.

# Monsooned Arabica Triage and Monsooned Robusta Triage should be free from Blacks, Browns and Bits.

## On same defect count as of Robusta.

Note : Moisture level 13.0 - 14.5% for Monsooned Coffees



## Annual Report 2024-2025

### Coffee Exports

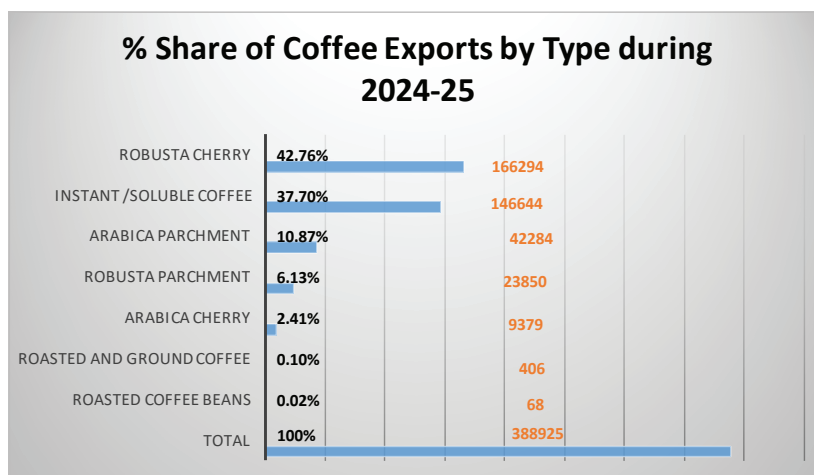
Based on the export permits issued by the Coffee Board, India exported about 3,88,925 MT of Coffee during 2024–25 (including 1,05,676 MT of re-exports) valued at ₹15,422 Crore, which is equivalent to US\$1,821 million). The unit value realization stood at ₹4,87,699 per MT which is equivalent to US\$5,743 per MT. In comparison, during 2023–24, export permits were issued for 3,83,653 MT of Coffee (including 1,10,367 MT of re-exports) valued at ₹10,380 Crore, which is equivalent to US\$1,254 million. The unit value realization stood at ₹2,70,558 per MT which is equivalent to US\$3,269 per MT in 2023-24. During 2024–25, export permits were issued for shipments to 126 countries, compared with 113 countries in the previous year. Among these, Italy, Germany, the Russian Federation, Belgium and the United

Arab Emirates emerged as the top five destinations for Indian Coffee exports.

### Types of Coffee Exports 2024-25\* (Provisional)

Types of Coffee	Quantity in Tonnes" (GBE)	Percentage to Total Exports
Robusta Cherry	166294.41	42.76%
Instant /Soluble Coffee	146644.07	37.70%
Arabica Parchment	42283.60	10.87%
Robusta Parchment	23850.35	6.13%
Arabica Cherry	9378.77	2.41%
Roasted and Ground Coffee	406.23	0.10%
Roasted Coffee Beans	67.62	0.02%
<b>TOTAL</b>	<b>388925.00</b>	<b>100.00</b>

Note: Quantity in Green Bean Equivalent. \*Based on export permit issued



Note: Quantity in Green Bean Equivalent. \*Based on export permit issued



**Grade Wise Details of Coffee Exports -2024-2025\***  
**(Both Indian and Re-Exported Coffee)**

Sl. No.	Grade	Quantity (Tonnes)	Value (₹ Lakhs)	Value (\$ Lakhs)	Unit Value (₹/Tonnes)	Unit Value (\$/ Tonnes)
1	ARABICA CHERRY-A	296	1576.48	18.26	531704	6159
2	ARABICA CHERRY-AA	519	2476.37	29.06	477036	5598
3	ARABICA CHERRY-AB	2700	12462.97	146.36	461527	5420
4	ARABICA CHERRY-BULK	47	290.09	3.41	616872	7251
5	ARABICA CHERRY-C	118	407.65	4.71	346641	4005
6	ARABICA CHERRY-PB	77	354.92	4.14	458909	5353
7	EXCELSIA BULK	2	21.63	0.26	974324	11712
8	INSTANT Coffee	146644	495977.1	5859.29	338218	3996
9	LIBERIA BULK	171	744.12	8.87	434274	5177
10	MON. MALABAR ARABICA-AAA	191	1150.46	13.49	602587	7066
11	MON. MALABAR AR. TRIAGE	14	45.7	0.52	338519	3852
12	MON. MALABAR ARABICA-A	456	2226.39	26.37	488458	5785
13	MON. MALABAR ARABICA-AA	4961	28800.74	337.64	580591	6806
14	MON.MALABAR ROBUSTA-AA	1411	7830.47	91.12	554782	6456
15	MYSORE NUGGETS-EB	3026	15565.68	183.66	514432	6070
16	PLANTATION-A	15200	76826.94	901.47	505424	5931
17	PLANTATION-AA	7480	36611.76	431.8	489446	5773
18	PLANTATION-B	7230	32540.43	383.73	450046	5307
19	PLANTATION-BULK	4217	28489.59	330.8	675654	7845
20	PLANTATION-C	4499	20417.06	240.16	453813	5338
21	PLANTATION-PB	631	3357.14	39.34	532026	6234
22	ROASTED & GROUND Coffee	406	2906.74	34.2	715544	8419
23	ROASTED Coffee SEEDS	68	464.55	5.49	687042	8119
24	ROBUSTA CHERRY AAA	5007	20745.88	244.69	414347	4887
25	ROBUSTA CHERRY-A	38191	156534.22	1849.45	409877	4843
26	ROBUSTA CHERRY-AA	25728	107565.69	1270.03	418094	4936
27	ROBUSTA CHERRY-AB	70523	284936.76	3371.74	404033	4781
28	ROBUSTA CHERRY-BULK	4288	16024.15	190.7	373717	4448
29	ROBUSTA CHERRY-C	607	1969.7	22.97	324428	3783
30	ROBUSTA CHERRY-PB	5674	22985.93	271.54	405114	4786



Sl. No.	Grade	Quantity (Tonnes)	Value (₹ Lakhs)	Value (\$ Lakhs)	Unit Value (₹/Tonnes)	Unit Value (\$/ Tonnes)
31	ROBUSTA CHY CLEAN BK.	14692	55484.39	659.02	377642	4485
32	ROBUSTA KAAPi ROYALE	5634	24793.64	292.97	440034	5200
33	ROBUSTA PARCHMENT-A	1375	5966.33	70.63	433803	5135
34	ROBUSTA PARCHMENT-AB	11657	50845.16	600.43	436174	5151
35	ROBUSTA PARCHMENT-C	1133	6173.76	73.18	545096	6461
36	ROBUSTA PARCHMENT-PB	1123	4866.63	57.64	433313	5132
37	ROBUSTA PMT.-BULK	2928	11749.89	140.13	401333	4786
	<b>TOTAL</b>	<b>388925</b>	<b>1542187</b>	<b>18209</b>	<b>487699</b>	<b>5743</b>

Note: Quantity in Green Bean Equivalent. \*Based on export permit issued

**Country wise details of Coffee Exports during 2024-25\***  
[Both Indian & Re-Exported Coffee]

SI No.	Name of the Country	Quantity (Tonnes)	Value (₹Lakhs)	Value (\$Lakhs)
1	ITALY	67957.37	272531.67	3221.87
2	GERMANY	39280.49	161939.19	1919.37
3	RUSSIAN FEDERATION	26414.01	84109.76	994.40
4	BELGIUM	22333.87	108715.94	1274.57
5	UNITED ARAB EMIRATES	19646.76	77821.73	921.39
6	TURKEY	16685.97	45035.76	529.21
7	LIBYA	14662.29	59794.87	704.45
8	POLAND	12763.95	41193.35	484.56
9	U.S.A.	10531.03	43009.47	507.08
10	MALAYSIA	10466.86	28501.07	336.57
11	NETHERLANDS	9424.19	37135.16	439.40
12	JORDAN	8928.50	41923.61	490.87
13	AUSTRALIA	7024.73	30371.73	358.55
14	EGYPT	6932.19	27134.37	319.91
15	VIETNAM	6493.87	19147.82	225.34
16	SPAIN	6220.38	24624.57	291.33
17	KUWAIT	5648.12	27651.18	325.88
18	UNITED KINGDOM	5531.36	24490.68	290.02
19	GREECE	5306.88	22004.91	259.71
20	SAUDI ARABIA	5260.77	62326.90	740.66
21	KOREA REPUBLIC OF S	5058.47	20555.52	242.16
22	SWITZERLAND	4084.42	17621.10	207.94
23	PORTUGAL	3856.40	16222.56	192.48



## Annual Report 2024-2025

SI No.	Name of the Country	Quantity (Tonnes)	Value (₹Lakhs)	Value (\$Lakhs)
24	UKRAINE	3832.28	11210.19	132.58
25	FRANCE	3452.00	17795.25	208.28
26	GHANA	3026.65	11089.76	130.75
27	TAIWAN	2849.84	9064.35	107.38
28	IRAQ	2719.63	7192.49	85.03
29	ISRAEL	2693.56	11384.60	133.40
30	INDONESIA	2413.32	6538.41	78.36
31	TUNISIA	2378.96	6214.03	73.49
32	NIGERIA	2352.25	5357.02	63.48
33	ALGERIA	2285.88	8365.56	99.23
34	BANGLADESH	2148.44	7955.96	93.76
35	ALBANIA	2011.04	8703.57	102.41
36	MAURITANIA	1994.67	5804.13	68.23
37	SENEGAL	1950.64	7063.13	83.63
38	TOGO	1661.29	4220.12	49.94
39	SLOVENIA	1640.93	6456.02	76.26
40	MOROCCO	1335.19	6303.17	74.77
41	NIGER	1278.45	3255.24	38.74
42	NEPAL	1267.51	7519.58	88.71
43	CROATIA	1185.86	5426.53	64.28
44	MALI	1166.53	7211.82	84.38
45	CANADA	1136.34	5036.17	59.29
46	IRAN, ISLAMIC R/O	1106.72	4321.93	50.85
47	LEBANON	1036.52	3988.20	47.35
48	SYRIA	1010.16	3325.55	39.37
49	JAPAN	980.72	4547.28	53.73
50	GUINEA	960.00	3254.91	38.39
51	ARMENIA	887.06	3355.93	39.81
52	GEORGIA	848.36	2448.16	29.15
53	SWEDEN	815.56	3517.32	41.50
54	ROMANIA	785.75	2817.30	33.54
55	CONGO	772.94	2336.96	27.81
56	IVORY COAST	770.99	2762.22	32.12
57	THAILAND	702.42	2192.11	26.03
58	SINGAPORE	541.80	1969.74	23.25
59	CHINA, PEOPLE'S R/O	540.18	1185.86	14.09
60	CAMEROON	537.88	1534.28	18.19
61	OMAN	525.72	2381.89	28.27
62	BULGARIA	512.33	1926.72	22.97
63	NEW ZEALAND	496.84	2150.97	25.30



## Annual Report 2024-2025

SI No.	Name of the Country	Quantity (Tonnes)	Value (₹Lakhs)	Value (\$Lakhs)
64	BENIN	484.66	1363.58	16.11
65	UZBEKISTAN	458.74	1111.90	13.12
66	MONTENEGRO	424.40	2184.60	25.12
67	LITHUANIA	381.33	1239.02	14.76
68	KENYA	380.41	1300.37	15.31
69	LATVIA	356.42	1292.13	15.26
70	FINLAND	346.47	1685.86	19.90
71	SOUTH AFRICA	333.62	1220.75	14.35
72	GAMBIA	332.45	807.26	9.60
73	DENMARK	331.92	1582.48	18.71
74	ESTONIA	306.40	1218.45	14.48
75	MYANMAR	282.75	1042.34	12.25
76	GABON	272.24	700.29	8.22
77	BURKINA FASO	245.97	845.83	9.89
78	ANGOLA	210.09	753.77	8.93
79	NORWAY	191.18	898.32	10.68
80	CYPRUS	168.96	593.17	7.02
81	SRI LANKA	166.44	621.15	7.32
82	PERU	155.52	941.27	11.20
83	REUNION	153.60	652.60	7.73
84	IRELAND	149.85	685.18	8.12
85	CHAD	149.25	380.93	4.51
86	EL SALVADOR	139.23	636.15	7.34
87	KAZAKHSTAN	125.15	393.89	4.62
88	MEXICO	108.22	395.16	4.60
89	GIBRALTAR	108.00	439.17	5.26
90	FRENCH POLYNESIA	106.41	379.38	4.46
91	TURKMENISTAN	104.69	329.82	3.87
92	BELARUS	73.76	193.10	2.29
93	TANZANIA	69.81	299.44	3.57
94	QATAR	67.52	366.20	4.25
95	EQUATORIAL GUINEA	63.85	359.63	4.23
96	BHUTAN	53.66	359.13	4.24
97	ABU DHABI	49.14	135.86	1.62
98	CENTRAL AFRICAN	46.02	200.15	2.35
99	MOZAMBIQUE	45.58	112.50	1.34
100	CZECH REPUBLIC	39.99	227.39	2.73
101	BAHRAIN	30.21	138.18	1.65
102	BOTSWANA	30.19	74.99	0.86
103	ZAMBIA	30.19	77.16	0.91



## Annual Report 2024-2025

SI No.	Name of the Country	Quantity (Tonnes)	Value (₹Lakhs)	Value (\$Lakhs)
104	LAOS	26.00	40.55	0.48
105	SLOVAKIA	25.11	100.79	1.17
106	AZERBAIJAN	23.71	58.23	0.68
107	MAURITIUS	23.64	62.30	0.73
108	LUXEMBOURG	19.60	145.72	1.75
109	KOSOVO	19.20	83.31	1.00
110	MALDIVES	17.55	107.86	1.28
111	SOMALIA	15.03	39.31	0.47
112	SULTANATE OF OMAN	14.86	74.35	0.87
113	SIERRA LEONE	11.62	31.62	0.37
114	HONDURAS	8.59	39.89	0.48
115	AFGHANISTAN	7.80	22.96	0.27
116	RWANDA	4.16	12.51	0.15
117	ECUADOR	2.54	8.69	0.10
118	HONG KONG	1.76	9.49	0.11
119	TAJIKISTAN	1.30	5.99	0.07
120	ZIMBABWE	0.65	3.91	0.05
121	SERBIA	0.57	2.29	0.03
122	MADAGASCAR	0.35	46.48	0.55
123	BRUNEI DARUSSALAM	0.28	1.53	0.02
124	KYRGYZSTAN	0.16	2.43	0.03
125	SEYCHELLES	0.15	0.31	0.00
126	PHILIPPINES	0.11	0.68	0.01
	<b>GRAND TOTAL</b>	<b>388925</b>	<b>1542187</b>	<b>18209</b>

Note: Quantity in Green Bean Equivalent. \*Based on export permit issued

### Country wise details of Re-Exported Coffee during 2024-25\*

SI.No.	Name of the Country	Quantity (Tonnes)	Value (₹Lakhs)	Value (\$Lakhs)
1	RUSSIAN FEDERATION	19420.91	58250.74	688.79
2	POLAND	10140.19	30558.24	359.18
3	MALAYSIA	9374.36	24867.42	293.69
4	TURKEY	8773.089	21375.25	252.96
5	U.S.A.	6421.31	23838.91	281.48
6	VIETNAM	4331.756	10277.01	120.8
7	ITALY	4306.164	14084.03	166.25
8	UNITED ARAB EMIRATES	3948.3	10956.57	129.58
9	UKRAINE	3118.375	8365.67	98.86
10	UNITED KINGDOM	2570.685	10732.03	127.66
11	INDONESIA	2413.32	6538.41	78.36



## Annual Report 2024-2025

Sl.No.	Name of the Country	Quantity (Tonnes)	Value (₹Lakhs)	Value (\$Lakhs)
12	TAIWAN	2280.554	6921.32	82.3
13	NETHERLANDS	2034.708	6427.49	76.1
14	SWITZERLAND	1886.518	7823.79	93.22
15	GHANA	1883.344	7997.07	94.25
16	TUNISIA	1810.544	4283.23	50.61
17	AUSTRALIA	1586.772	6126.72	72.63
18	GERMANY	1536.21	5318.73	63.06
19	SENEGAL	1331.52	5261.47	62.45
20	IRAQ	1280.904	3058.45	36.11
21	BANGLADESH	1150.956	4922.01	58.15
22	SAUDI ARABIA	959.023	43860.39	522.64
23	JORDAN	833.609	2694.31	31.61
24	SPAIN	749.06	2557.55	30.22
25	THAILAND	702.325	2189.77	26.01
26	GEORGIA	669.856	1917.85	22.87
27	LEBANON	605.379	2200.22	26.23
28	NIGERIA	564.599	1435.23	16.98
29	EGYPT	531.846	869.63	10.26
30	GREECE	494.52	1558.22	18.36
31	GUINEA	466.284	1683.04	20.1
32	UZBEKISTAN	458.736	1111.9	13.12
33	CHINA,PEOPLE'S R/O	443.95	812.94	9.67
34	IVORY COAST	438.915	1857.42	21.52
35	FRANCE	437.372	1580.94	18.62
36	ROMANIA	403	1392.22	16.54
37	MAURITANIA	401.852	1952.6	22.74
38	JAPAN	389.81	1714.22	20.23
39	CONGO	348.872	1116.08	13.3
40	KENYA	342.969	1173.7	13.86
41	ARMENIA	219.931	815.99	9.51
42	SOUTH AFRICA	218.291	729.37	8.61
43	GAMBIA	207.355	510.95	6.09
44	MALI	198.856	4582.26	53.55
45	CAMEROON	192.528	721.97	8.54
46	KOREA REPUBLIC OF S	152.36	490.92	5.8
47	CYPRUS	149.76	511.68	6.04
48	NEPAL	147.29	444.38	5.26
49	TOGO	144.818	359.93	4.28
50	PERU	140.751	842.38	10.06
51	EL SALVADOR	139.23	636.15	7.34



## Annual Report 2024-2025

SI.No.	Name of the Country	Quantity (Tonnes)	Value (₹Lakhs)	Value (\$Lakhs)
52	ANGOLA	137.332	540.26	6.41
53	NIGER	134.971	510.81	6.12
54	BENIN	112.102	456.39	5.38
55	MOROCCO	105.846	416.95	4.97
56	GABON	94.162	289.34	3.42
57	MEXICO	93.6	301.43	3.5
58	ISRAEL	84.959	330.7	3.93
59	LATVIA	82.598	363.37	4.3
60	ALGERIA	80.938	218.13	2.57
61	SLOVENIA	80.428	258.48	3.07
62	KAZAKHSTAN	70.138	216.59	2.55
63	TANZANIA	68.25	295.37	3.53
64	NEW ZEALAND	68.016	203.98	2.41
65	BURKINA FASO	66.77	163.19	1.93
66	ALBANIA	58.575	156.99	1.86
67	IRELAND	53.446	255.02	3.04
68	ABU DHABI	49.14	135.86	1.62
69	BELGIUM	46.41	140.81	1.69
70	CANADA	45.527	178.16	2.13
71	EQUATORIAL GUINEA	41.265	306.86	3.61
72	SRI LANKA	37.622	129.06	1.53
73	BULGARIA	37.44	147.16	1.75
74	FRENCH POLYNESIA	35.62	85.99	0.99
75	BOTSWANA	30.186	74.99	0.86
76	ZAMBIA	30.186	77.16	0.91
77	CROATIA	27.456	79.57	0.93
78	MOZAMBIQUE	24.024	59.68	0.71
79	AZERBAIJAN	23.712	58.23	0.68
80	CENTRAL AFRICAN	22.62	92.7	1.11
81	TURKMENISTAN	21.403	48.46	0.57
82	SLOVAKIA	19.825	77.35	0.89
83	SINGAPORE	17.882	50.19	0.6
84	MAURITIUS	11.201	29.44	0.35
85	HONDURAS	8.586	39.89	0.48
86	SERBIA	0.572	2.29	0.03
	<b>GRAND TOTAL</b>	<b>105676</b>	<b>369100</b>	<b>4367</b>

Note: Quantity in Green Bean Equivalent. \*Based on export permit issued



**Top 10 Coffee Exporters during 2024-25\*  
(Both Indian & Re-Exported Coffee)**

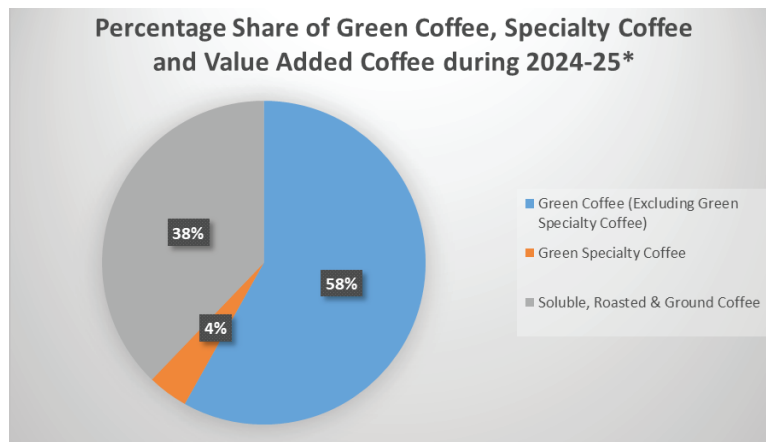
SI.No.	Name of the Exporter	Quantity in Tonnes	Value (₹Lakhs)	Value (\$Lakhs)
1	CCL PRODUCTS INDIA LTD	38358.14	124244.43	1467.61
2	OLAM FOOD INGREDIENTS INDIA PRIVATE LIMITED	27797.50	118741.03	1397.88
3	LOUIS DREYFUS COMPANY INDIA PVT LTD	27111.78	123705.11	1456.13
4	NKG INDIA Coffee PRIVATE LIMITED	26953.83	107269.74	1269.20
5	VIDYA HERBS PRIVATE LIMITED	25265.16	88168.89	1040.46
6	TATA CONSUMER PRODUCTS LIMITED	22383.69	124896.08	1480.73
7	INDUS Coffee PRIVATE LIMITED	22332.01	62139.49	733.31
8	ECOM COMMODITIES INDIA PRIVATE LIMITED	20294.80	93339.22	1102.37
9	ALLANA CONSUMER PRODUCTS LIMITED	16897.39	78391.02	919.86
10	SUCDEN Coffee INDIA PRIVATE LIMITED	15736.90	61731.61	730.79
11	OTHERS	145793.83	559560.53	6610.93
	<b>TOTAL</b>	<b>388925</b>	<b>1542187</b>	<b>18209</b>

Note: Quantity in Green Bean Equivalent. \*Based on export permit issued

**Category wise Coffee Exports during 2024-2025\*  
(Both Indian & Re-Exported Coffee)**

SI. No.	Category of Coffee	Quantity in Tonnes	Value (₹Lakhs)	Value (\$Lakhs)
1	Green Coffee (Excluding Green Specialty Coffee)	226115	962426	11365
2	Green Specialty Coffee	15693	80413	946
3	Soluble, Roasted & Ground Coffee	147118	499348	5899
	<b>TOTAL</b>	<b>388925</b>	<b>1542187</b>	<b>18209</b>

Note: Quantity in Green Bean Equivalent \*Based on export permit issued



\*Based on export permit issued



**Export promotion scheme - Providing Transit/Freight Assistance for Coffee Exports**

The export promotion scheme for providing Transit/Freight assistance for Coffee Exports during Medium Term Framework (MTF) period is implemented w.e.f. 13.07.2018 as per the modalities Notification No.MAR/EXPORTS/MTF/2018-19/499 dated 13.07.2018. The details of the scheme are also made available on the Coffee Board’s official website. The objective of the scheme is to maximize export earnings by enhancing the market share of value-added Coffees by India Brand building and high value differentiated Coffees in important high value far off destinations.

**Scale of Transit/Freight Assistance**

- i) ₹ 2/- per kg. for the export of High Value Green Coffees to far off high value markets viz., U.S.A., Canada, Japan, Australia, New Zealand, South Korea, Finland, Norway and Denmark.
- ii) ₹ 3/- per Kg. for export of Value-Added Coffees in retail consumer packs exported as ‘India Brand’, calculated on the Green Coffee utilized for its manufacture/ preparation at the rate of maximum of 2.6 kg for Instant/Soluble Coffee and 1.19 kgs for Roasted Coffee seeds and R & G Coffees.

The Export Incentives disbursed during 2024-25 are as follows.

Sl. No.	Components	Quantity in Tonnes	Amount in ₹ Lakhs
1	Incentive extended for export of High Value Green Coffee to far off markets at ₹2/-Kg	8540	171
2	Incentive extended for export of Value Added Coffee in retail packs as India Brand at ₹3/-Kg	7867	236
	<b>TOTAL</b>	<b>16407</b>	<b>407</b>

Note: Quantity in Green Bean Equivalent

**Logos for Branding of Indian Coffee**

The Coffee Board continued its efforts to promote the export of value-added Coffees under the “India Brand”, thereby strengthening the global identity of Indian Coffee through the use of the “Coffees of India” logos. These logos portray Indian Coffee as shade-grown, sustainable, and scintillating, symbolizing the unique characteristics and ecological richness of India’s Coffee-growing regions.

The initiative highlights that Indian Coffee is predominantly shade-grown, cultivated in regions that form part of one of the 25

biodiversity hotspots of the world, while also emphasizing the diversity of Coffee grown in India.

**Logos for Branding of Indian Coffee**



*Coffees of India - Mother Logo*



*Coffees of India- Export Logo*



**Export Promotion**

The Coffee Board is undertaking various export promotional activities such as participating in Coffee-centric trade fairs and expos, Buyer Seller Meets (BSMs) and Reverse Buyer Seller Meets (RBSMs), organizing Coffee tasting sessions, collaborating with Indian Missions and foreign associations in major Coffee-importing countries, brand building and promotional campaigns through digital media, and providing Gourmet Coffee Gift Boxes.

During the year 2024-25, the Coffee Board participated in one physical event, the World of Coffee Dubai 2025 in Dubai, UAE, with an impressive delegation of 43 Indian Coffee companies comprising of 120 stakeholders including Coffee growers, curers, exporters, start-ups, roasters, and instant Coffee manufacturers and also organized four virtual business networking meets and one virtual Indian Coffee promotional events as detailed below.

Sl. No.	Name of the Event	Place/Country	Date
<b>Physical Event</b>			
1	World of Coffee Dubai 2025	Dubai, The United Arab Emirates (UAE)	10-12 February, 2025
<b>Virtual Events</b>			
1	Coffee Board in collaboration with the Consulate General of India, Istanbul, Türkiye organised a Virtual Business Network Meet.		5 <sup>th</sup> July, 2024
2	Coffee Board in collaboration with the Embassy of India, Bucharest, Romania organised a Virtual Business Network Meet.		5 <sup>th</sup> December, 2024
3	Coffee Board in collaboration with the High Commission of India, Nicosia, Cyprus organised a Virtual Business Network Meet.		13 <sup>th</sup> January, 2025
4	Coffee Board in collaboration with the Embassy of India, Rome, and Consulate General of India, Milan, Italy organised a Virtual Business Network Meet.		20 <sup>th</sup> February, 2025
5	Coffee Board in collaboration with the Embassy of India, Beijing, China organised an Indian Coffee Promotion event with Indian Coffee Brewing competition at Embassy Auditorium with CEO & Secretary, Coffee Board addressing the gathering virtually.		28 <sup>th</sup> February, 2025

\*\*\*\*\*



## CHAPTER – VIII

### MARKET RESEARCH & INTELLIGENCE

The Market Research & Intelligence Unit of the Coffee Board dealt with the following assignments during 2024-25.

- The Unit continued to collect and compiled daily market information (both global & India) related to prices, supply, demand and other fundamental and technical factors that are important for market analysis. The same was disseminated to the industry as well as to the Government. During the year 2024-25, a total of 216 daily market reports were generated and disseminated.
- The daily e-mail information service providing comprehensive market analysis continued during the period. This facility was extended to Coffee growers through the Extension Department and the reports were also made available on the Coffee Board's official website (<https://coffeeboard.gov.in/>)
- The Unit published a comprehensive 'Database on Coffee' covering Indian and global detail Coffee statistics which is very useful for policy makers and stakeholders.
- Crop estimations were carried out using stratified random sampling techniques across different category of holdings and Coffee zones/regions for the season 2024-25. The crop estimation for 2024-25 was placed at 3,63,500 MT (Arabica 1,05,700 MT and Robusta 2,57,800 MT).
- The Unit provided economic and analytical support on matters related to the WTO and trade policies concerning Coffee. It analysed and prepared inputs on tariff and non-tariff issues, as well as product-specific rules for Coffee under various Free Trade Agreements (FTAs). The detailed inputs submitted to the Ministry for consideration.
- The activities of the Export Section, Roast & Ground Unit, e-governance cell were coordinated by the unit.
- The Unit has involved in organizing an incubation Program 'VIKRAYAM' to create a platform for the Coffee growers and entrepreneurs for the direct exports without many intermediaries.
- The Unit involved in estimation of establishment cost for both Arabica and Robusta Coffee and same has been submitted to the National Bank for Agriculture and Rural Development (NABARD) for the fixation of Unit Costs.
- The Unit has involved in estimating the cost of cultivation for both Arabica and Robusta Coffee and same has been submitted to District-level Technical Committees for the fixation of "Scale of Finance".
- The Unit has facilitated the implementation of e-HRMS in Coffee Board Head Office.



## Annual Report 2024-2025

---

---

- The Unit is coordinating and facilitating the implementation of the e-Office in the Coffee Board.
- The Unit continued to be involved in the maintenance of the Coffee Board's official website <https://coffeeboard.gov.in/>.
- The European Union is the major destination for India's Coffee exports, accounting for about 45% of the country's total Coffee exports. Coffee is included under the European Union Deforestation-free Regulation (EUDR), which will come into effect from 30th December, 2025 (or 30th June, 2026 for micro and small enterprises). The Regulation requires Coffee exporters to demonstrate that their Coffees are not linked to deforestation occurring after 31st December, 2020. In this regard, the Unit organized a series of stakeholder meetings involving Coffee growers' associations, exporters' associations and roasters' associations to explain the EUDR provisions and compliance requirements. In consultation with the stakeholders, the Unit has developed Grower Registration and EUDR compliances module in the 'India Coffee App' for generating Geo coordinates of the estate by the Growers viz., Geolocation of the estate for the Growers who are holding less than 4 hectares of land and Polygon of the estate for the Growers who are holding more than 4 hectares of the land.
- The Coffee Board of India has launched Geographical Indication (GI) Coffee Drip Pouches as part of its ongoing efforts to promote India's unique and region-specific Coffees in convenient, ready-to-brew formats. This innovative initiative aims to enhance consumer awareness about India's diverse GI-tagged Coffees-such as Coorg Arabica, Chikmagalur Arabica, Bababudangiris Arabica, Araku Valley Arabica, Monsoon Malabar and others-while catering to the growing demand for high-quality, easy-to-prepare beverages among domestic and international consumers. The unit has coordinated these activities.
- The Unit provided weekly estimated indicator prices for all the grades of Coffee to domestic auction centre, Indian Coffee Trade Association (ICTA).
- The Coffee Board has submitted the report of the Working Group/Expert Committee on the implementation modalities of a weather-based crop insurance scheme for Coffee, proposed to be extended under the Pradhan Mantri Fasal Bima Yojana (PMFBY) of the Department of Agriculture & Farmers Welfare (DA&FW). In consultation with the State Governments of Karnataka, Tamil Nadu and Kerala, the Unit has prepared and finalized the term sheets, which have been formally submitted to the respective State Governments for their review and subsequent implementation.
- The Government of Karnataka is establishing a "Kala Loka" store at Kempegowda International Airport, Bengaluru to showcase and promote the



Geographical Indication (GI) products of Karnataka. The initiative aims to provide enhanced market visibility and direct access to both domestic and international travellers for Karnataka's unique GI-registered products. Coffee, being one of the prominent GI products of the State,

is also included under this initiative. The Coffee Board, in collaboration with stakeholders, participated in Kala Loka to showcase Karnataka's unique GI Coffees. The Unit has coordinated these activities.

\*\*\*\*\*



## CHAPTER - IX

### ACCOUNTS AND FINANCE

The Accounts and Finance Department of the Coffee Board has the following functions.

- Drawing up Budget Estimates and allocation of budget to various departments of the Board.
- Liaison with the Finance Division of the Ministry of Commerce for release of funds etc.
- Compilation and maintenance of accounts of the various departments of the Board.
- Exercising effective control over cash and other financial transactions of the Board, so as to ensure cost efficient deployment of resources.

- Rendering advice on all matters having financial implications.
- Conducting Internal Audit of the offices of the Board
- Dealing with pending issues of pool Marketing like sales tax, payments etc.

The Board's accounts have been prepared in three sets viz. Receipts and payments, Income and Expenditure and Balance Sheet. Details of Grants-in-aid received from Government of India during the year 2024-2025 and the provisional expenditure under each head of accounts is given below:

(₹ in Crores)

HEAD OF GRANT	Grants Received	Expenditure Incurred
Grants-in-aid-General (ONER)	24.75	24.75
Creation of Capital Assets – Plan (ONER)	2.00	2.00
Subsidies (ONER) Plantation	47.64	47.64
Subsidies – S.C.Sub – Plan	4.33	4.33
Subsidies – Tribal Area Sub Plan	15.19	15.19
Swachhata Action Plan - SAP	1.00	1.00
Creation of Capital Assets - NER	0.50	0.50
Subsidies - NER	6.30	6.30
Grants-in-aid-General - NER	3.36	3.36
Grants –in-aid - Salary	139.40	150.43
Grants – in-aid- General	10.00	10.00
<b>TOTAL</b>	<b>254.47</b>	<b>265.50</b>

The excess expenditure was met out of IEBR of Coffee Board.



### **Pension**

The Pension Corpus of ₹15.26 Crore (₹15,26,77,500/-) has been deposited as of 31.03.2025 in Nationalized Banks for earning interest. Total interest earned during the year was ₹ 1.92 Crore (₹1,92,45,862/-). The Pension payments to 2759 pensioners and pensionary benefits to those who retired during the Financial Year 2024-25 have been paid.

There are 180 employees in New Pension Scheme as of 31.03.2025 who joined the services of the Coffee Board after 01.01.2004

### **Provident Fund**

During the year, a sum of ₹6.01 Crore (₹6,01,67,475/-) has been received as Provident Fund Subscription and a sum of ₹9.79 Crore (₹9,79,11,400/-) has been disbursed as partial final withdrawals and final settlement of PF.

Surplus fund of ₹27 Crore has been deposited in various nationalized Banks as per Coffee

Act, 1942 and earned Interest of ₹2.11 Crore (₹2,11,14,240/-) during the year.

### **Pool Fund**

During the Coffee Pooling era, Pool Fund was raised from sale of Coffee pooled by the planters and the Board was responsible for marketing the pooled Coffee and made payments to the planters. This activity involved maintenance of establishment for propaganda for promotion of Coffee and for marketing of Coffee internal and international consumption.

In 1995, the Board decided de-pooling of Coffee which necessitated voluntary retirement of surplus staff engaged for pooling activities. Accordingly, the retirement benefits and the ex-gratia were met out of the Pool Fund and amount outstanding was transferred to Corpus Fund for utilization for payment of pension to the retired employees. The surplus pool fund of ₹10.19 Crore has been deposited in Union Bank of India, K.G. Road Branch, Bengaluru.

\*\*\*\*\*



---

---

## ABBREVIATIONS

AAU	Association of Agricultural Undertaking
AIC	Atal Incubation Centre
AIM	Atal Innovation Mission
AP	Andhra Pradesh
APFDC	Andhra Pradesh Forest Development Corporation Ltd.
App.	Application
Ar.	Arabica
AUR	Authorised User Regulation
BCRL	Bio-Control Research Laboratories
BE	Budget Estimates
BES	Brown eye spot
BIEC	Bengaluru International Exhibition Centre
BIS	Bureau of Indian Standards
BLAST	Basic Local Alignment Search Tool
BSM	Buyer Seller Meet
Bt	<i>Bacillus thuringiensis</i>
B2B	Business to Business
CAG	The Comptroller & Auditor General
CBB	Coffee Berry Borer
CCRI	Central Coffee Research Institute
cDNA	Complementary Deoxyribonucleic Acid
CDRP	Coffee Debt Relief Package
CED	Centre for Entrepreneurship Development
CEO	Chief Executive Officer
CFC	Common Fund for Commodities
CGA	Chlorogenic acid
CHRS	College of Horticulture & Research Station
Chy.	Cherry
CIAE	Central Institute of Agricultural Engineering
CII	Confederation of Indian Industry
CIGS	Coffee in Good Spirits
CIS	Career Improvement Scheme



---

---

CKT	Coffee Krishi Tharanga
CLR	Coffee Leaf Rust
CoE	Centre of Excellence
CPCRI	Central Plantation Crops Research Institute
CQI	Coffee Quality Institute
CxR	Congensis x Robusta
CRISIL	Credit Rating Information Services of India Ltd.
CRSS	Coffee Research Sub Station
CST	Central Sales Tax
CSBC	Cashewnut shell biochar oil
CWSB	Coffee White Stem Borer
DAP	Di-ammonium Phosphate
DA & FW	Department of Agriculture & Farmers' Welfare
DR	Drought-resilient / resistant
D C	Deputy Commissioner
DGFT	Director General of Foreign Trade
DBT	Department of Biotechnology
DH	Dehumidifier
DNA	Deoxyribonucleic Acid
Dy.	Deputy
EAD	Electroantennographic detection
EC	Emulsifying Concentration
EFC	Expenditure Finance Committee
EH	Electric heater
e-HRMS	electronic-Human Resource Management System
e-Office	electronic-Office
EU	European Union
EUDR	European Union Deforestation-free Regulation
FAO	Food and Agriculture Organisation
FCR	Formality Check Report
FPO	Farmer's Production Organisation
FSSAI	Food Safety and Standards Authority of India
FTA	Free Trade Agreements



## Annual Report 2024-2025

---

---

FY	Financial Year
FYM	Farm Yard Manure
GAS	Giant African Snail
GBE	Green Bean Equivalent
GI	Geographical Indication
GKVK	Gandhi Krishi Vigyana Kendra
GPS	Global Positioning System
Govt.	Government
Gr.	Grade
GST	Goods and Services Tax
Ha.	Hectare
HAL	Hindustan Aeronautics Limited
HDT	Hybrido-De-Timor
HDPE	High-Density Polyethylene
HO	Head Office
IAP	Internal Audit Party
IAS	Indian Administrative Service
IARI	Indian Agricultural Research Institute
ICA	International Coffee Agreement
ICAR	Indian Council of Agricultural Research
ICC	India Coffee Centre
ICD	India Coffee Depot
ICDP	Integrated Coffee Development Programme
ICE	Intercontinental Exchange
ICH	India Coffee House
ICO	International Coffee Organisation
ICTA	Indian Coffee Trade Association
IDAS	Indian Defence Accounts Service
i.e.	that is ( <i>id est</i> )
IEBR	Internal and Extra Budgetary Resources
IFCC	Indian Filter Coffee Championship
IGAU	Indira Gandhi Agricultural University
IICF	India International Coffee Festival



---

---

IIHR	Indian Institute of Horticultural Research
IIT	Indian Institute of Technology
IIPM	Indian Institute of Plantation Management
IISc	Indian Institute of Science
ILO	International Labour Organisation
IMLVT	International Multi-Location Variety Trial
IOFS	Indian Ordnance Factories Service
IPM	Integrated Pest Management
IPR	Intellectual Property Rights
ISRO	Indian Space Research Organisation
ITDA	Integrated Tribal Development Agency
ITPO	India Trade Promotion Organisation
IVRS	Interactive Voice Response System
JISL	Jain Irrigation Systems Ltd.
KAPPEC	Karnataka State Agricultural Produce Processing & Export Corporation Ltd.
KGST	Kerala Government Sales Tax
Kg.	Kilogram
KGF	Karnataka Growers' Federation
KRSAC	Karnataka State Remote Sensing Application Centre
KYK	Know Your Kaapi
lb.	Pound
LCMSMS	Liquid Chromatography Mass Spectrometry - Mass Spectrometry
LSD	Leaf spot disease
MACPS	Modified Assured Career Progression Scheme
matK	Maturase K
MD	Managing Director
MFCS	Modified Flexible Complementing Scheme
MON.	Monsooned
MoP	Muriate of Potash
MoU	Memorandum of Understanding
MSL	Mean sea level
MT	Metric Tonne
MTF	Medium Term Framework



## Annual Report 2024-2025

---

---

MTS	Multi-Tasking Staff
MUTV	Multi Utility Track Vehicle
NABARD	National Bank for Agriculture & Rural Development
NABL	National Accreditation Board for Testing & Calibration Laboratories
NASC	National Agricultural Science Centre
NBAIR	National Bureau of Agricultural Insect Resources
NBC	National Barista Championship
NBrC	National Brewers Cup Championship
NBPGR	National Bureau of Plant Genetic Resources
NCR	National Capital Region
NER	North Eastern Region
NF	Nano-formulation
NLAC	National Latte Art Championship
NoC	No objection Certificate
NPK	Nitrogen, Phosphorus, Potassium
NTA	Non-Traditional Area
ONER	Other than North Eastern Region
PB	Pay Band/Peaberry
PCR	Polymerase Chain Reaction
PF	Provident Fund
pH	Potential of Hydrogen
PMFBY	Pradhan Mantri Fasal Bima Yojana
PMFME	Pradhan Mantri Formalisation of Micro Food Processing Enterprises
PPP	Public-Private Partnership
PPV&FRA	Protection of Plant Varieties & Farmers' Rights Authority
PUC	Pre-University Course
PwBD	Personnel with Benchmark Disabilities
RBSM	Reverse Buyer Seller Meet
rbcl	Ribulose-1, biophosphate carboxylase/oxygenase Large sub unit
RCMC	Registration cum Membership Certificate
RCRS	Regional Coffee Research Station
RDF	Recommended dose of fertilisers
R & D	Research & Development



---

---

R & G	Roast & Ground
RNA	Ribonucleic Acid
RNTU	Rabindranath Tagore University
Rob.	Robusta
RRSC	Regional Remote Sensing Centre
RRM	RNA Recognition Motif
RTI	Right to Information
RWC	Relative water content
SAP	Swachhata Action Plan
SC	Scheduled Caste
SCAI	Specialty Coffee Association of India
SCoT	Start codon targeted
SHB	Shot Hole Borer
SHG	Self Help Group
Sln.	Selection
SMC	Social Media Cell
SMES	Small and Medium Enterprises
SNPs	Single Nucleotide Polymorphism
SOD	Super-oxide-dismutase
SRAP	Sequence Related Amplified Polymorphism
SSH	Suppression Subtractive Hybridisation
SSLC	Secondary School Leaving Certificate
SSP	Single super phosphate
ST	Scheduled Tribe
STAT	Sales Tax Appellate Tribunal
STD	Solar tunnel dryer
TEC	Technology Evaluation Centre
TIES	Trade Infrastructure Exports Scheme
TMWS	Tractor mounted weed slasher
TNAU	Tamil Nadu Agricultural University
trnL	Transfer RNA-leucine
TV	Television
UAE	The United Arab Emirates



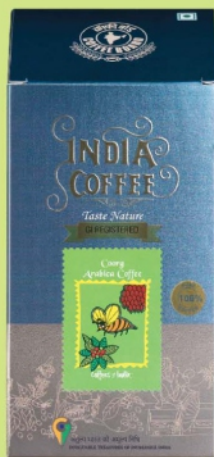
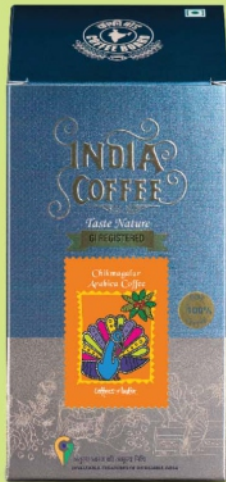
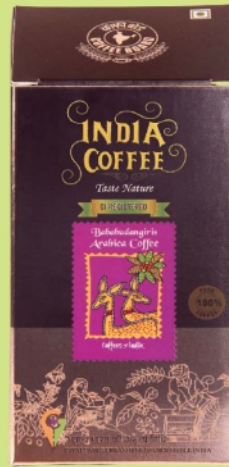
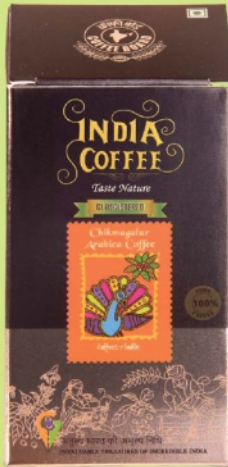
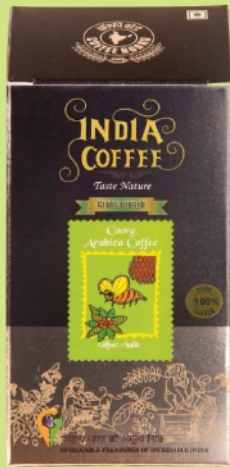
## Annual Report 2024-2025

---

---

UAS	University of Agricultural Sciences
UCAI	United Coffee Association of India
UNIDO	United Nations Industrial Development Organisation
UPASI	The United Planters' Association of Southern India
UR	Unreserved
USA	The United States of America
USDA	United States Department of Agriculture
VBSMs	Virtual Buyer Seller Meets
viz.	Namely ( <i>videlicet</i> )
WA	Writ Appeal
WBC	World Barista Championship
WC	Wayanad collections
WCC	World Coffee Conference
WCR	World Coffee Research
w.e.f.	with effect from
WSB	White Stem Borer
WTO	World Trade Organisation

\*\*\*\*\*





**कॉफी बोर्ड, बेंगलूरु**  
**Coffee Board, Bengaluru**

**वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार**

**Ministry of Commerce & Industry, Govt. of India**

**सं. 1, डॉ. बी. आर. आम्बेडकर वीथी, बेंगलूरु - 560 001, भारत**

**No. 1, Dr. B.R. Ambedkar Veedhi, Bengaluru - 560 001, India**

**दूरभाष / Ph. : +91-80-2225 0250 फैक्स / Fax : +91-80-2225 5557**

**वेबसाइट / Website : [www.coffeeboard.gov.in](http://www.coffeeboard.gov.in)**